



षडयंत्र

संस्कृत साहित्य



संस्कृत साहित्य
संस्कृत साहित्य
संस्कृत साहित्य
संस्कृत साहित्य
संस्कृत साहित्य
संस्कृत साहित्य
संस्कृत साहित्य
संस्कृत साहित्य

SPECIAL COLLECTION EDITION

पुष्प

राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य  संख्या 47

सर्कस

सुपर कमांडो ध्रुव



by Anupam &
Vinod

सुपर कमांडो ध्रुव

सर्कस

कथा एवं चित्रः
अनुपम सिन्हा
डुकिंगः
विनोद कुमार
सुलेख एवं रंगाः
सुनील पाण्डेय
संपादकः
मनीष गुप्ता

सर्कस- संसार से अलग एक दूसरा
संसार। इसी संसार में पैदा हुआ था...
सुपर कमांडो ध्रुव !

और इसी संसार में मरेगा, सुपर कमांडो ध्रुव -

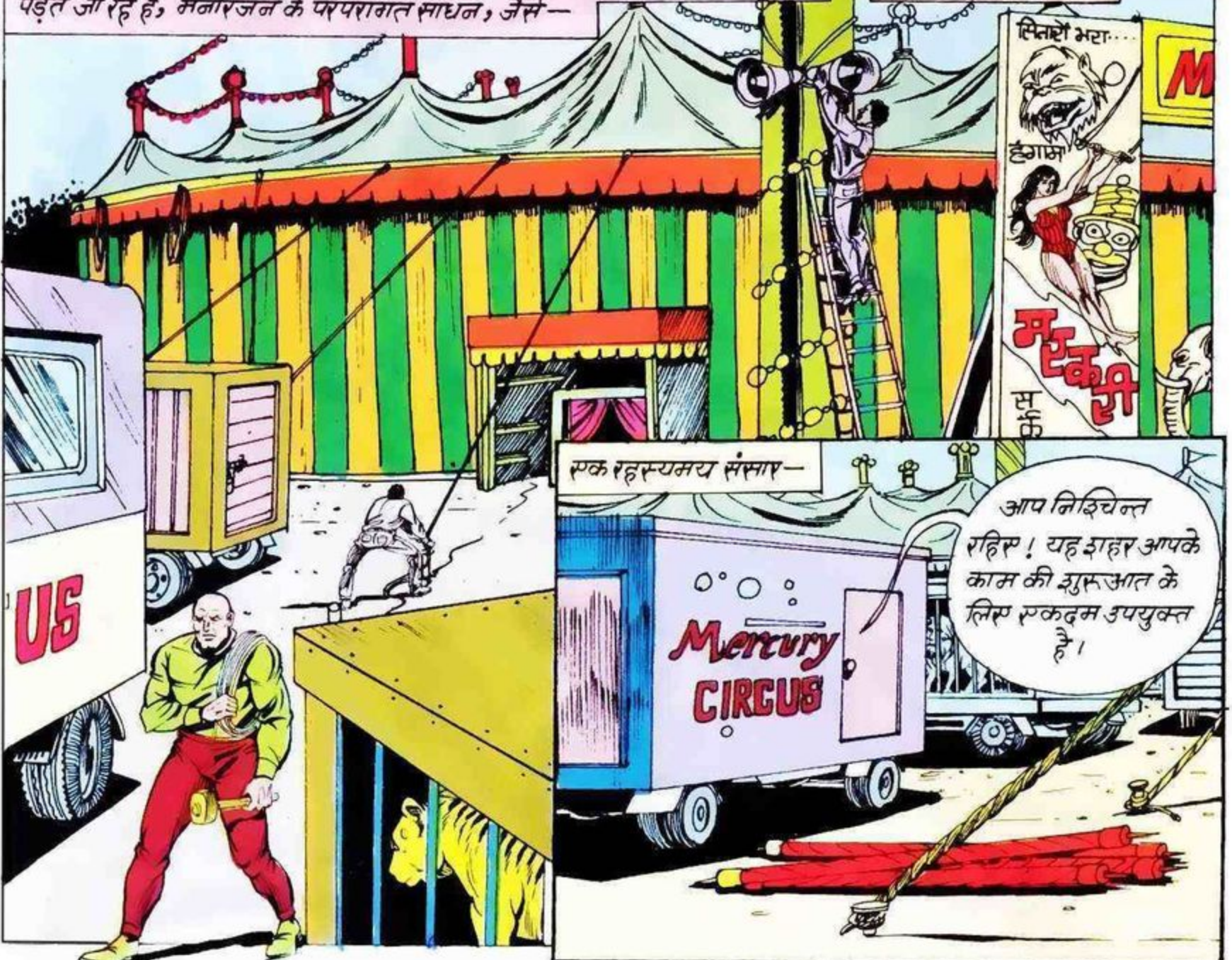


बढ़ते समय के साथ-साथ, मनोरंजन के नए-नए साधन, हमारी जिन्दगी में आते जा रहे हैं—



और उन नए-नए सुविधाजनक, लुभावने और चमकदार साधनों के सामने फीके पड़ते जा रहे हैं, मनोरंजन के परंपरागत साधन, जैसे—

- सर्कस -





यह तो मैं तुम्हारे मस्तिष्क को पढ़ कर वैसे भी जान चुका हूँ। लेकिन अभी भी एक बड़ी समस्या बाकी है, आचप्पा !

मैं 'सर्कस' के इस तंबू से बाहर नहीं निकल सकता !



और मेरा अभियान सफल होने के लिए यह जरूरी है, कि इस सर्कस को देखने इस शहर के प्रभावशाली व्यक्तियों के साथ-साथ, ज्यादा से ज्यादा लोग आएँ।

क्योंकि मेरे प्रभाव का घेरा अभी इस सर्कस की बाजूंदी तक ही सीमित है।

ऐसा ही होगा !

तुम्हारी सांसें चलते रहने के लिए यह जरूरी है, कि ऐसा ही हो।



लेकिन उसी समय - सर्कस का सामान लगाते व्यस्त लोगों के बीच-

यही मौका है। इस वक्त कोई भी इस तरफ ध्यान नहीं दे रहा है !



मैं उस दुष्ट की योजना को कभी कामयाब नहीं होने दूँगा। मैं उससे सीधी लड़ाई में तो कभी जीत नहीं सकता। लेकिन इतना तो जरूर कर सकता हूँ ०००



००० कि बदनामी और जनता के विरोध के कारण सर्कस को यह शहर छोड़ने पर मजबूर होना पड़े।

और सर्कस का मालिक आचप्पा भूरवा मर जाए।

पिंजरा खुलते ही— एक तेज दहाड़ ने पूरे सर्कस के वातावरण को पहले तो गुंजा दिया—

दहाड़



और फिर स्तब्ध कर दिया—

दहाड़ की आवाज अंदर तक जा पहुंची थी—

यह कैसी आवाज थी, आयप्पा?

यह क्या? बबर पिंजरे के बाहर कैसे आ गया? यह तो पागल झोर है।

हां! इसको तो झो तक के लिए नहीं निकाला जाता। भागो!

तो रोको उसे, मूर्ख! मैंने मेयर पर अपना प्रभाव डालकर सर्कस को शहर के बीचो-बीच वाले मैदान पर लगावाया है।

और वह इसलिये ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग हमारा झो देखने आएं। इसलिये नहीं कि एक पागल झोर, शहर में जाकर तबाही मचाए, और हमको यहां से तंबू उखाड़ना पड़े।



यह तो बबर के दहाड़ने की आवाज थी। और वह सिर्फ तभी दहाड़ता है, जब वह पिंजरे से बाहर निकलता है...



मुझे आभास हो रहा है कि बबर, सर्कस की बाकुंद्री के बाहर निकल चुका है। और मेरी शक्तियां उस बाकुंद्री के बाहर काम नहीं करती!

उसका दिमाग अभी भी मेरे कंट्रोल में है। लेकिन अब मैं उसको यहां से बैठा, बैठा, संचालित नहीं कर सकता!



प... पर बबर भी तो तुम्हारे कंट्रोल में था।



जाओ! रोको उसे!

लेकिन बबर तब तक सर्कस का मैदान पार करके बाहर निकल चुका था—



एक पागल डोर, राजनगर में खुला घूम रहा था—

इसी दौरान—



देखो, ध्रुव! यह है मेरे 'मैटल-मैग्निफायर' का कमाल!

यह एक आम आदमी की मानसिक तरंगों को भी इतना शक्तिशाली कर सकता है, कि वह एक पानी भरा गिलास, मानसिक तरंगों से उठा सके।

और... हां! इससे किसी के दिमाग को वश में भी किया जा सकता है।

किसी के भी?

और अगर इसका इस्तेमाल कोई ऐसा व्यक्ति करे, जिसके पास पहले से ही मानसिक शक्तियां हैं तो वह मानसिक तरंगों से पूरी बिल्डिंग उठा सकता है, नदी के पानी का रुख मोड़ सकता है... और पहाड़ तक में सुरंग बना सकता है।



इस बारे में मेरा प्रयोग अभी अधूरा है। और उसी के लिए मैंने तुमको बुलाया है।

मैं यह देखना चाहता हूँ कि किसी वृद्ध इच्छा-शक्ति वाले व्यक्ति पर इसका क्या असर होता है!

और तुमसे ज्यादा वृद्ध इच्छा-शक्ति वाला व्यक्ति मेरी नजर में नहीं है।



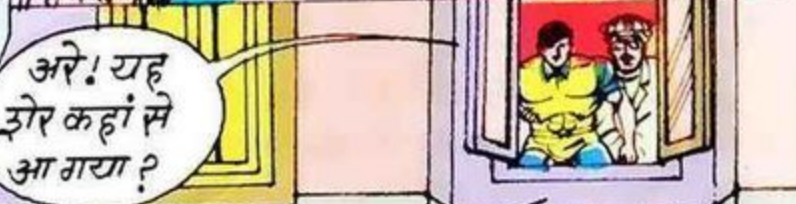
कमाल का आविष्कार है। और यह क्या-क्या कर सकता है?



अब मैं तुम्हारे मस्तिष्क को अपने कब्जे में लेने की कोशिश करूंगा, और तुम उसका विरोध करना ।

ठीक है, प्रोफेसर वर्मा ! मैं तैयार हूँ। आप प्रयोग शुरू कीजिए !

प्रोफेसर वर्मा की मानसिक तरंगों 'मेटल-मैग्निफायर' से होती हुई ध्रुव के मस्तिष्क को भेदने लगीं—



एक गुराहट ने ध्रुव को, बात बीच में ही रोकने पर मजबूर कर दिया —



वह उन स्कूल के बच्चों पर
कूदने जा रहा है। प्रोफेसर, आप
अपने मानसिक यंत्र से इस डोर को
कंट्रोल करने की कोशिश कीजिए।

मैं कोशिश कर रहा हूँ ध्रुव !
लेकिन कुछ हो नहीं रहा है । इस शेर के
मस्तिष्क पर पहले से ही कोई मानसिक
अवरोध लगा हुआ है ।

मतलब ?

मतलब इस शेर का
दिमाग पहले से ही किसी और
के कंट्रोल में है।

दोनों के शरीर हवा में ही लटक-
दूसरे से टकराकर-

तब तो मैं ही
इसे रोकने की
कोशिश करता हूँ।

देहाडू

इधर शोर ने मासूम बच्चों पर धुलांगल गड़ाई,
और उधर ध्रुव ने खिड़की से शोर की तरफ—

दूर जा गिरे—



अगले ही पल - सबके चेहरों पर दहशत फैल गई -

साक्षात् मौत उनके सामने से दौड़ती हुई, करीब आ रही थी -

दहशत डड़ डड़ डड़ डड़

ओह! यह तो गाड़ियों की तरफ भाग रहा है। मैं इतनी जल्दी उस तक नहीं पहुंच सकता!



कार के डीडी बंद कर पाने तक का समय नहीं मिला, दहशत के कांपते उन हाथों को -

अगर... अगर कोई बीच में आकर, उसकी जिन्दगी की रेखा को और लंबा न कर देता -

ताड़



मौत के जबड़े, उस बदनसीब की रंगोपड़ी पर कस गए -

एक पल बाद ही, भय से फटी वे आंखें हमेशा के लिए फटी रह जातीं -



अरे! यह लड़की कौन है? गजब की साहसी है। जिस डोर को देखकर ही लोगों के हाथ-पैर सुन्न पड़ जाते हैं, उससे यह मुकाबला कर रही है।



अगले ही पल- ध्रुव, डोर को अपनी गिरफ्त में ले चुका था-

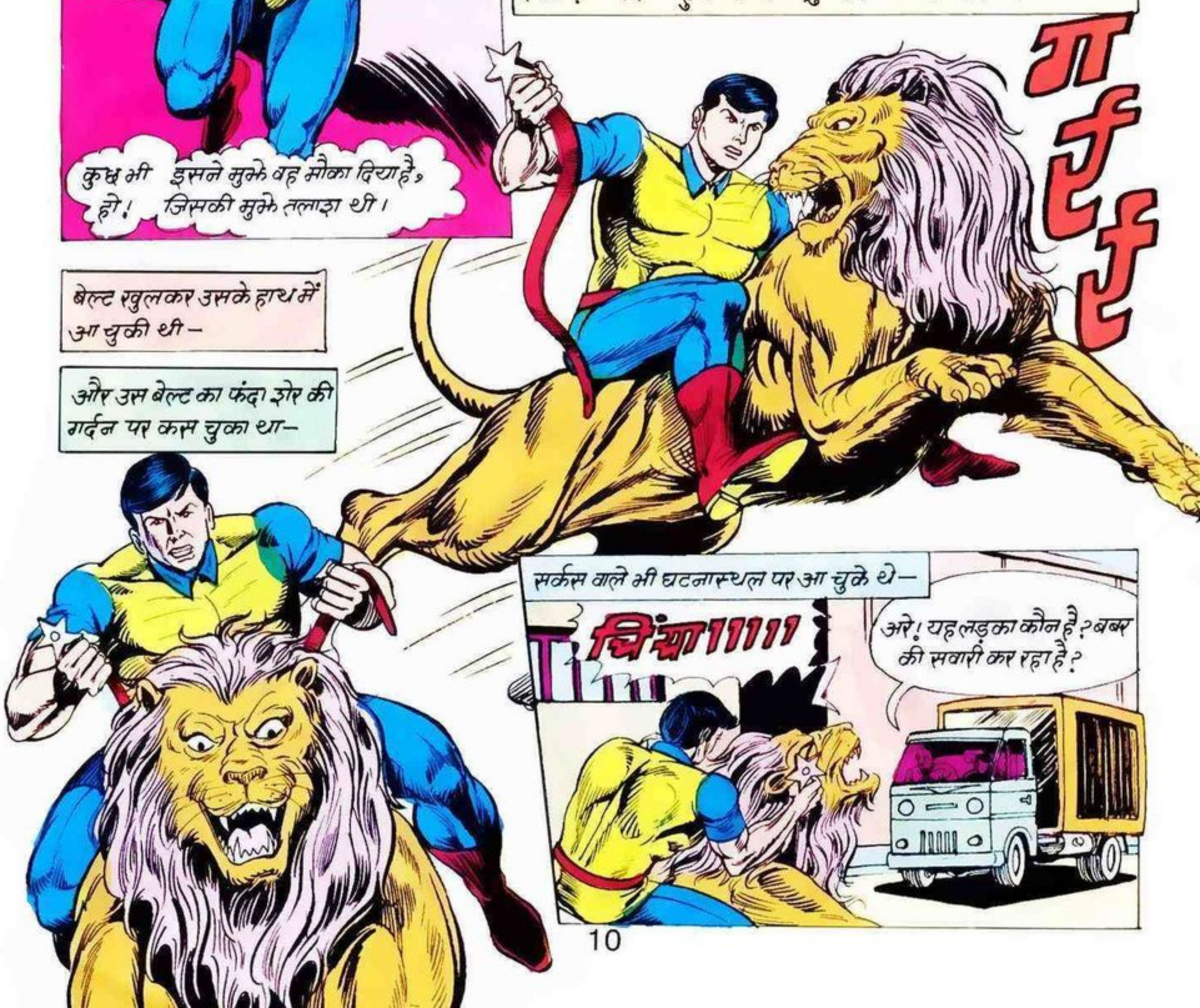


डोर तड़पकर सीधा हुआ, तो अब ध्रुव उसकी पीठ पर सवार था-

कुछ भी इसने मुझे वह मौका दिया है, हो! जिसकी मुझे तलाश थी।

बेल्ट खोलकर उसके हाथ में आ चुकी थी-

और उस बेल्ट का फंदा डोर की गर्दन पर कस चुका था-



सर्कस वाले भी घटनास्थल पर आ चुके थे-

चिन्हा!!!!

अरे! यह लड़का कौन है? बक्की की सवारी कर रहा है?



सर्कस

ओफ़! अब हम बबर को जाल में पकड़ भी नहीं सकते। जाल डालेंगे तो यह लड़का भी बबर के साथ ही साथ कैद हो जाएगा।



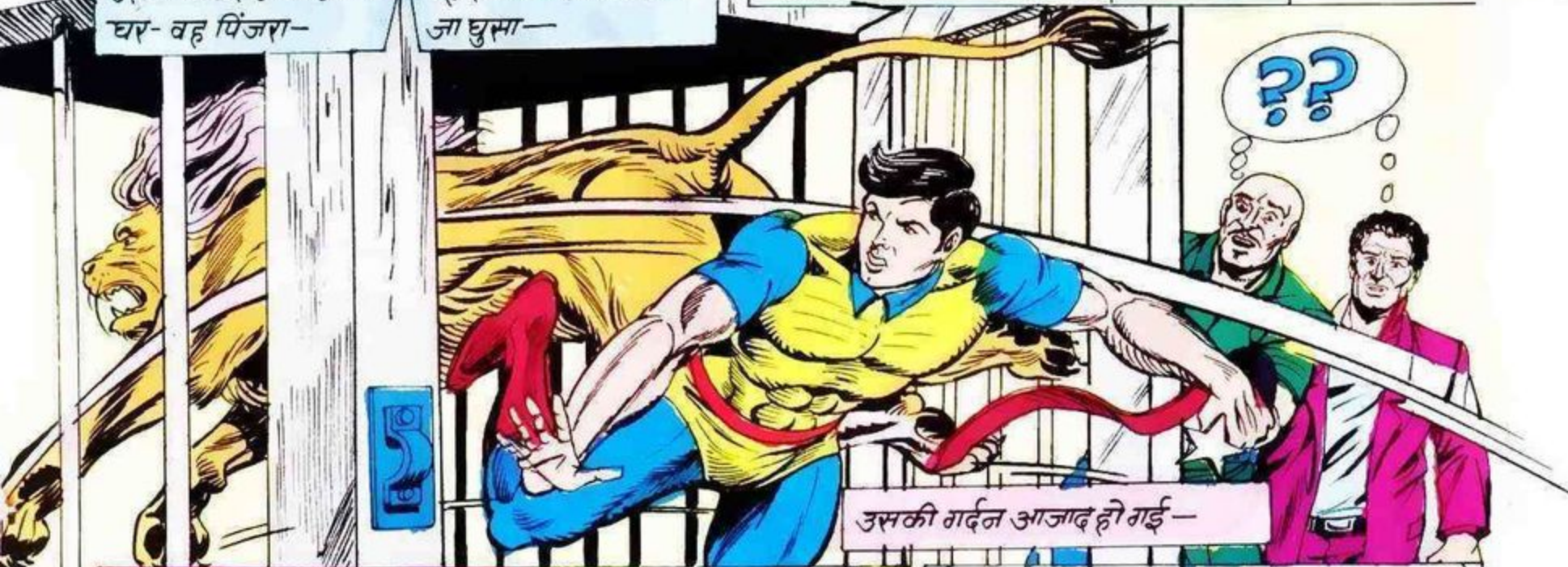
उसकी नजर आया अपना घर- वह पिंजरा-

वह लपककर पिंजरे में जा घुसा-

बबर का दम घुट रहा था। अब उसके पागल दिमाग में भयने अपना कबजा जमाना शुरू कर दिया था-



वह भागकर छिपने की जगह ढूंढ़ रहा था-



उसकी गर्दन आजाद हो गई-

और पिंजरे का दरवाजा बंद हो गया-

कमाल हो गया! बबर तुमसे डर गया!

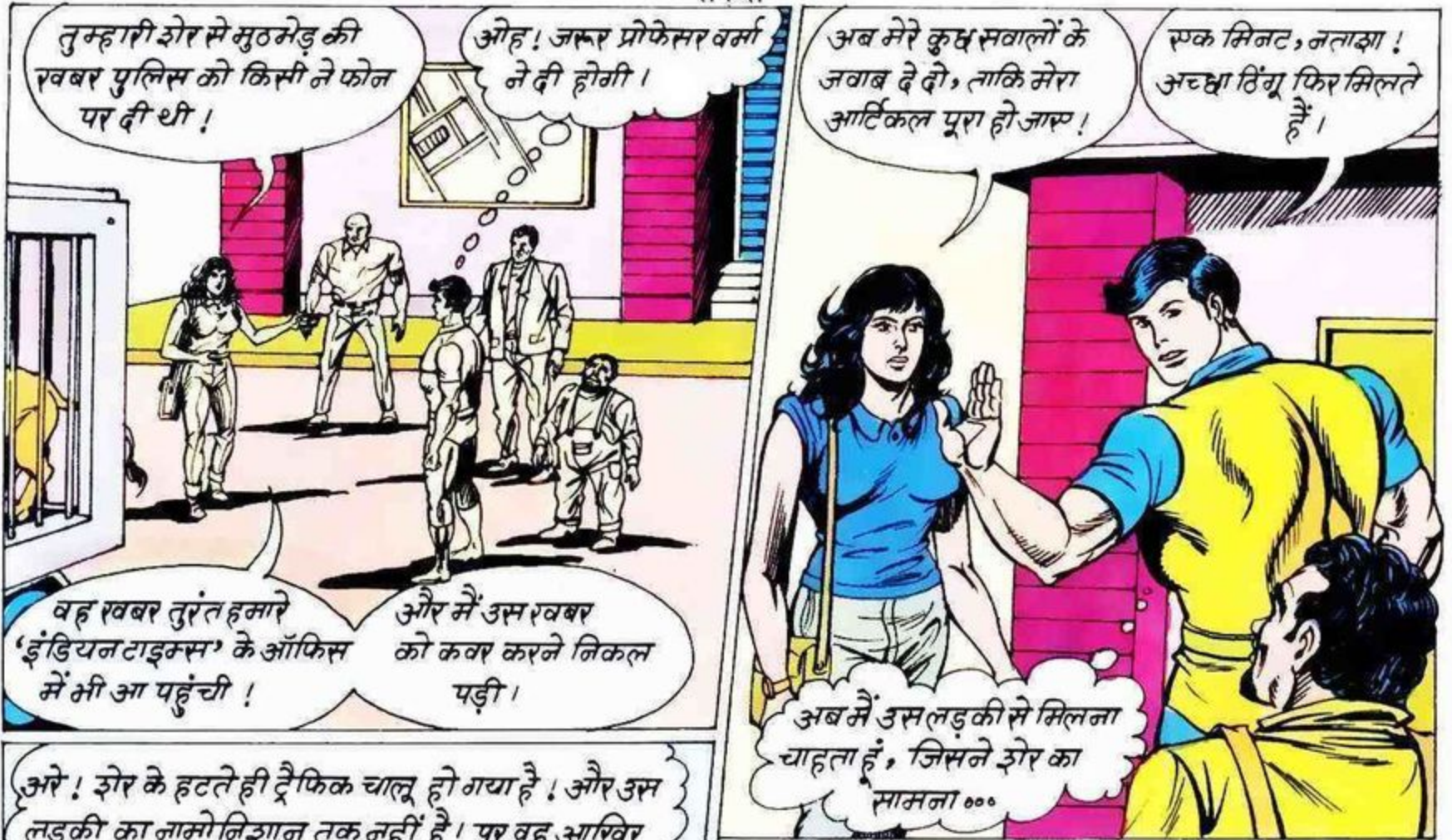
यह तुम्हारे सर्कस इस पागल शेर को खुला का शेर है? क्यों छोड़ा था?

आज तक ऐसा कभी नहीं हुआ कि बबर को बिना जाल डाले पिंजरे में वापस लाया गया हो!

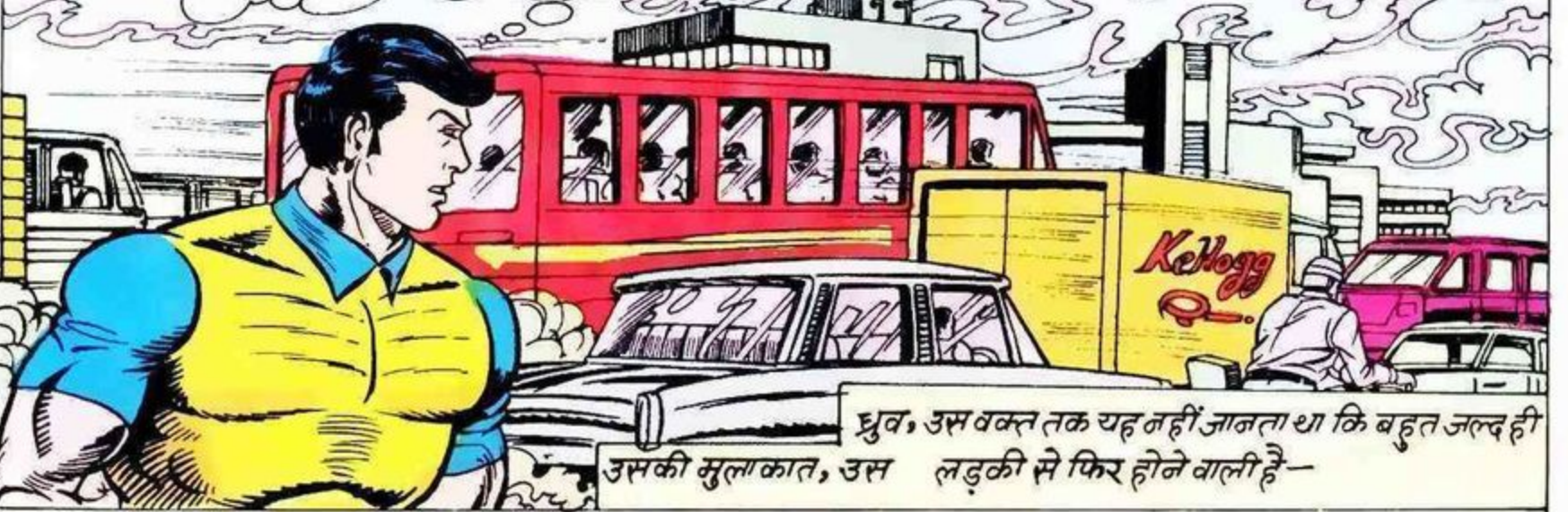


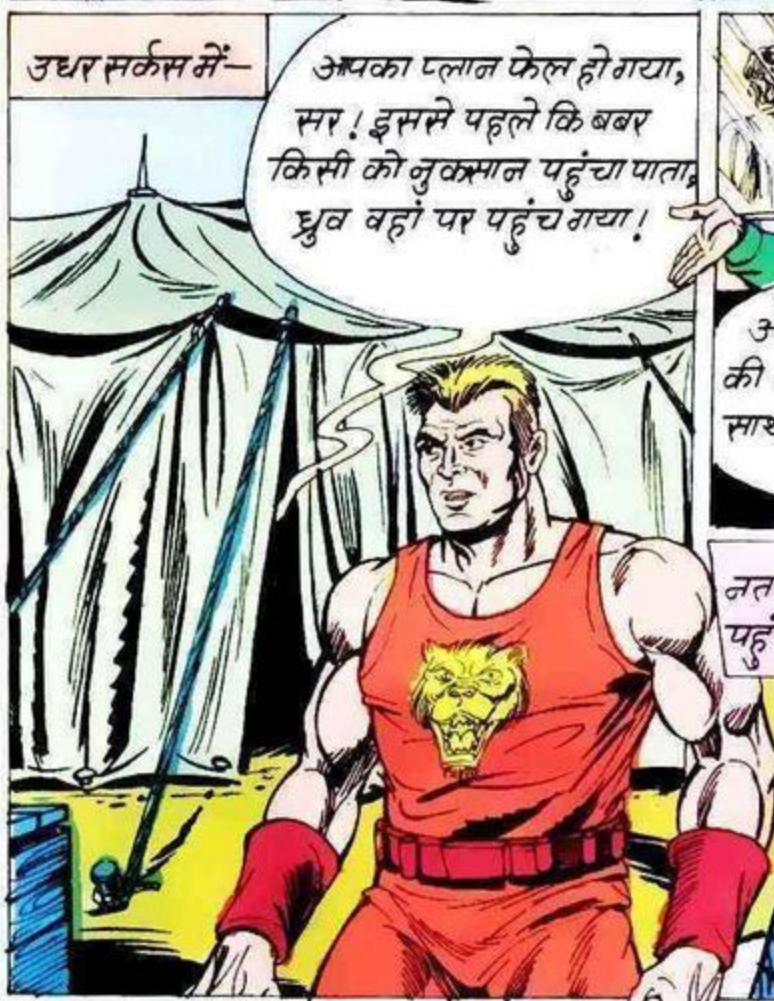
ध्रुव की आंखों में छलकता क्रोध देरकर -





अरे ! झोर के हटते ही ट्रैफिक चालू हो गया है ! और उस लड़की का नामो निशान तक नहीं है ! पर वह आखिर थी कौन ?





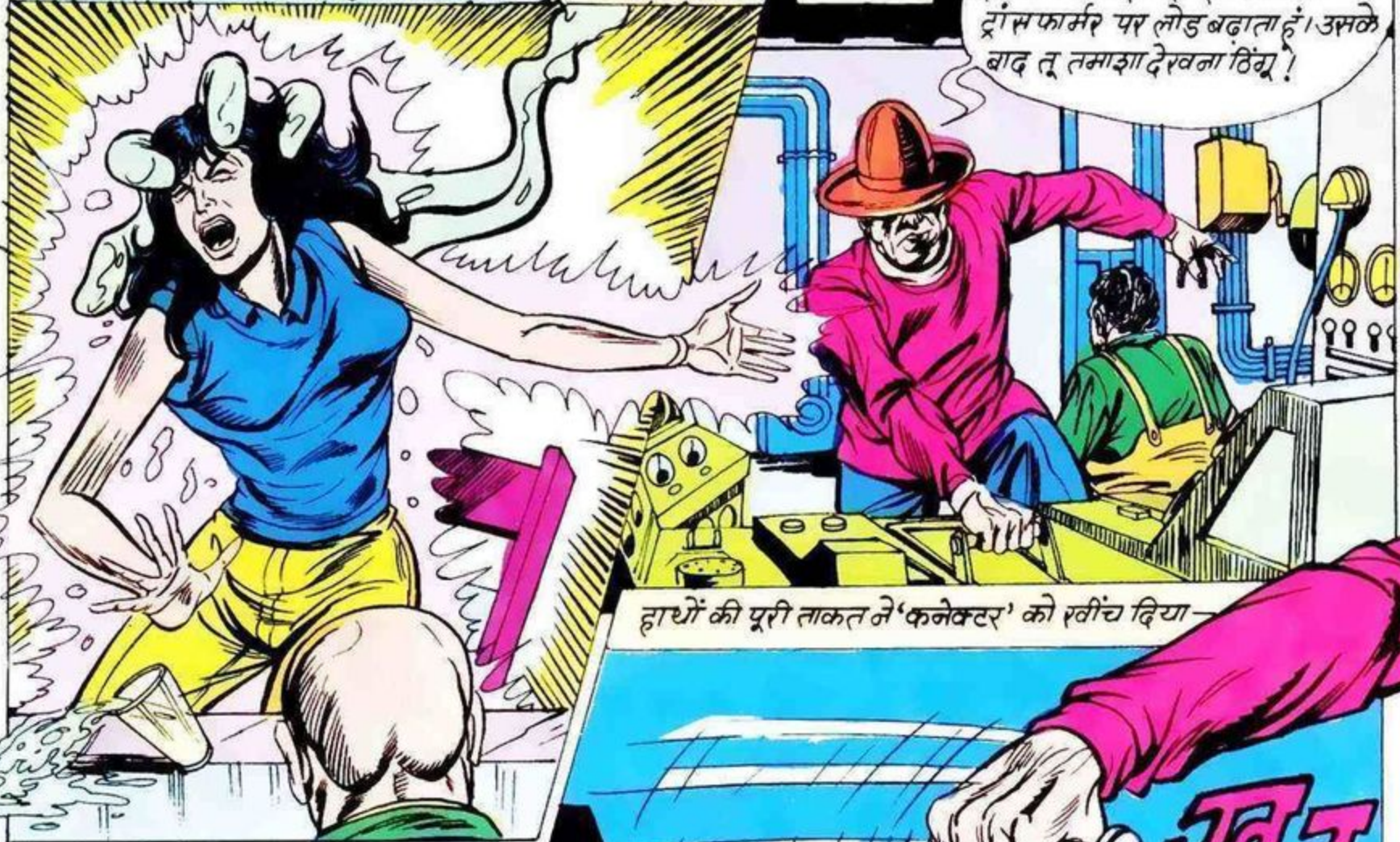


अगले ही पल - नताशा को अपने दिमाग में गर्म चाकू से धंसते महसूस हुए -

उसका अंग-अंग कांप उठा -

और इसी दौरान -

यही मौका है। इलेक्ट्रिकरूम में इस वक़्त कोई नहीं है। अब मैं ट्रांसफार्मर पर लोड बढ़ाता हूँ। उसके बाद तू तमाशा देखना ठिगू!



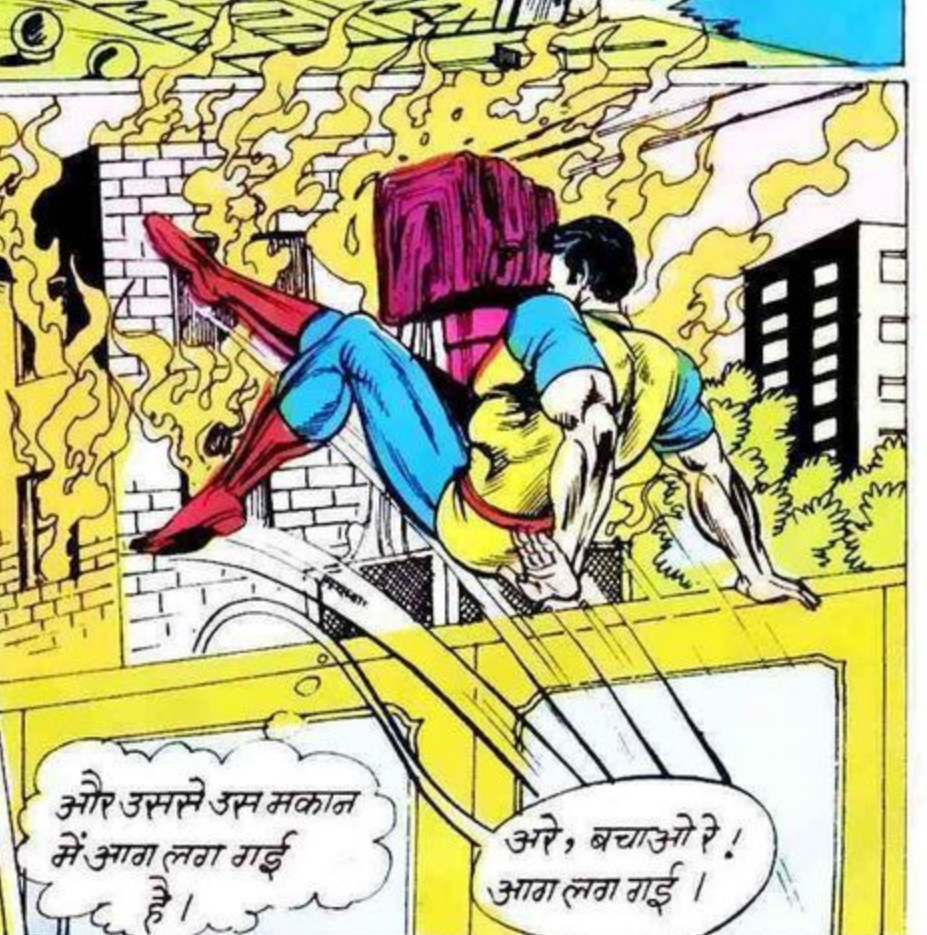
हाथों की पूरी ताकत ने 'कनेक्टर' को खींच दिया -

और 'ओवरलोड' होते ही, ट्रांसफार्मर एक धमाके के साथ फट पड़ा -



ओह!

ओह! शायद सर्कस में कहीं शार्ट-सर्किट होने से ट्रांसफार्मर फट गया है।



और उससे उस मकान में आग लग गई है।

अरे, बचाओ रे! आग लग गई!

ओह! लगता है, नीचे से छत तक जाने वाला सीढ़ियों का पूरा हिस्सा आग में घिर गया है। वह लड़का न ऊपर जा सकता है, न नीचे आ सकता है!

रंगालों में डूबे ध्रुव को टनटनाहट की एक आवाज ने जगा दिया—

फायर ब्रिगेड की गाड़ी घटनास्थल पर आ गई थी—



इस इमारत में अंदर पहुंचने का और कोई रास्ता नजर भी नहीं आ रहा है!

जल्दी करिए! सीढ़ी लगाइए! ...तब तक आप मैं ऊपर जाकर उस बच्चे को आग बुझाने का बचाने की कोशिश करता इंतजाम कीजिए! हूँ।...

ओफ! अब क्या होगा?

घबराओ मत! हम लोग आग बुझाने का प्रयास कर रहे हैं!



तब तक तो आग उस ...और वह डर के मारे नीचे बच्चे तक पहुंच जाएगी।... तक नहीं कूद रहा है!

मैं गाड़ी की छत पर चढ़कर, छलांग लगाकर, उस खिड़की तक पहुंचने की कोशिश कर सकता हूँ। पर मैं उतनी ऊपर छलांग नहीं लगा सकता!...

...अगर छलांग लगाते वक्त मुझे जरा सा और धक्का मिल जाए, तो मैं उस खिड़की तक... एक मिनट...

...मिल गया रास्ता। मेरी बात ध्यान से सुनो...

यह सीढ़ी वाली गाड़ी नहीं है, ध्रुव! हम लोगों को जल्दी में जो गाड़ी मिली, वही लेकर चले आए।

अगले कुछ पलों बाद- ध्रुव, फायर बिगड़ की गाड़ी की छत पर आ खड़ा हुआ था—



ध्रुव का बदन, एक डाकिलेडाली क्षतांग से, हवा में लहरा गया—



और उसी पल—

हर पाइप से निकलती पानी की मोटी धारे, उसके बदन से टकराई—



... ध्रुव को खिड़की तक उधाल दिया—



मम्मी... ऊं ऊं ऊंवा... खौं खौं मम्मी के पास जाना... खौं खौं...

डरो नहीं, बेटे! मैं तुमको मम्मी के पास ले चलूंगा। आओ! मेरे साथ आओ!



और पानी की तेज और सम्मिलित धारों के प्रेशर ने...



कुछ ही पलों बाद वह बच्चा ०००



००० अपनी मां की गोद में सुरक्षित था—

थैंक्यू ध्रुव ! तुमने हमको अच्छा सबक दिया !

अब हम लोग हर 'फायर-वेन' में सीढ़ी फिट करा कर रखेंगे।

और वापस सर्कस में—

नहीं नताशा ! ऐसे हादसे डायद कई सालों में एक बार होते हैं। तुम ०००



नताशा, तुम्हारा इंटरव्यू हो गया ?

हां, ध्रुव ! इस सर्कस के बारे में मेरी सारी गलतफहमियां दूर हो गईं।

Merc
Circus

नहीं, नताशा ! कहीं कुछ गड़बड़ जरूर है। इस शहर में सर्कस के लगते ही लगातार दो हादसे हो जाना, यह बताता है कि इस सर्कस की कार्य प्रणाली में कुछ गड़बड़ है।

ये मामूली हादसे हैं ध्रुव ! सर्कस में होते रहते हैं।



मैं अपना दिमाग भी खवती हूं ध्रुव !

मुझे समझने की कोशिश मत करो।







शोर! क्या हुआ था, ध्रुव?

ध्रुव, आई. जी. राजन को प्रोफेसर वर्मा और उनके मानसिक चंक्र की बात छोड़कर, सारी घटना सुनाता चला गया—

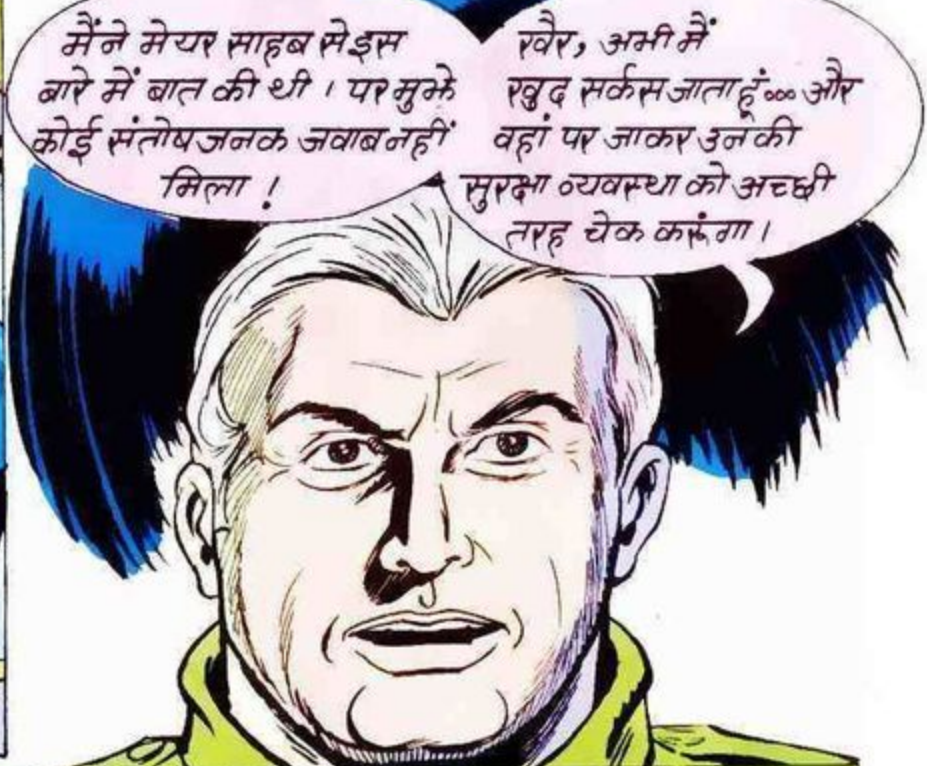


लेकिन तुम तो शोरों से बात कर सकते हो!

वह शोर मेरी बात नहीं समझ रहा था। मुझे आभास हुआ कि उसका दिमाग किसी के कब्जे में था!

आश्चर्य है! और वह सर्कस का ट्रांसफार्मर कैसे उड़ गया?

वह मुझे पता नहीं!



मैंने मेयर साहब से इस बारे में बात की थी। पर मुझे कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला!

रवैर, अभी मैं खुद सर्कस जाता हूँ... और वहाँ पर जाकर उनकी सुरक्षा व्यवस्था को अच्छी तरह चेक करूँगा।



ओह! यानी सर्कस की सुरक्षा व्यवस्था में कुछ कमियाँ हैं।

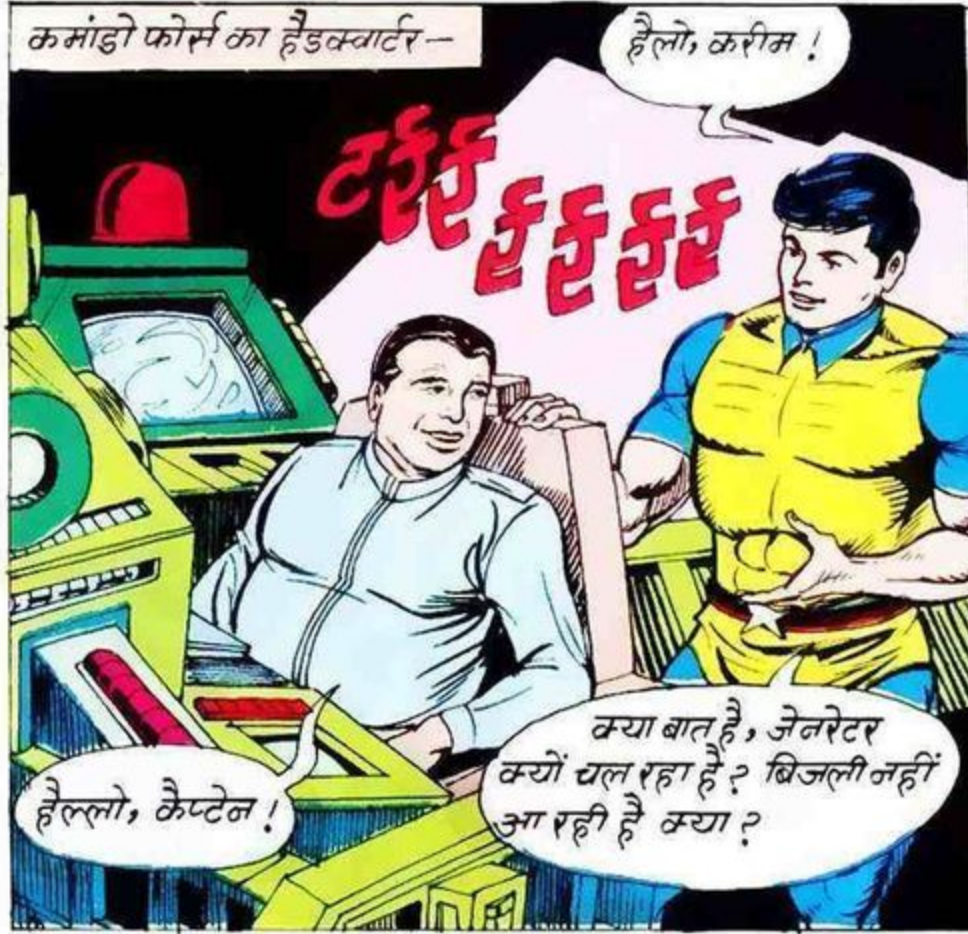
मुझे एक बात और समझ में नहीं आई...

...और वह यह कि मेयर साहब ने इस मैदान पर सर्कस लगाने की अनुमति क्यों दी? यह मैदान तो लोगों के घूमने-खेलने के लिए है।



दोनों में से किसी का भी ध्यान इवेला पर नहीं था—

एक पागल शोर किसी दूसरे के मानसिक कंट्रोल में! ऐसा कभी सुना तो नहीं। लगता है चंडिका को बीच मैदान में कूदना ही पड़ेगा।



उस शाम- राजनगर में सर्कस का पहला शो शुरू हुआ-



और साथ ही साथ शुरू हुआ एक नया हंगामा-



हैलो... हैलो... करीम!
मैं... आह... पीटर!

पीटर को क्या हुआ? यह कराह क्यों रहा है?

यह पूर्वी राजनगर की गड़त पर गया था!

रेणु भी इसके साथ थी। कुछ गड़बड़ हो गई है।

पीटर! मैं कैप्टेन! क्या हुआ? तुम कहां से बोल रहे हो?

मैं लोधी चौक पर हूं। गुंडों ने हमें घेर लिया है...
... रेणु अभी उनकी रोके हुए है।





घटनास्थल पर आ चुका था ०००

सुपर कमांडो
ध्रुव ! आह !

अपने कैप्टेन की उपस्थिति ने, कमांडो रेणु की रगों में दौड़ते खून को एक बार फिर खौला दिया —

ताड़ू लू

કેપ્ટેન!

और फिर लड़ाई खत्म होने में...

००० ज्यादा देर नहीं लगी-

ਸਤਾਕੁ

現

ओह! पीटर को गोली लगा गई है!

✓ यहां पर क्या हो
रहा था रेणु ?

मैं और पीटर 'कमांडो वैन' में इस इलाके में गड़त लगा रहे थे ! तभी हमने इन गुंडों को खुलेआम हथियार लेकर घूमते देखा !

और ये बात शायद इन गुंडों की भी पता थी । क्योंकि इनके होसले काफी बुलन्द थे ।

हमारे ललकारते ही इन लोगों ने हम पर गोलियां चला नी शुरू कर दीं ।



आइचर्य की बात तो ये थी कि आमतौर से गड़ती पुलिस से भरे हुए इस इलाके में एक भी पुलिस वाला नजर नहीं आ रहा था ।



पीटर ने आगे बढ़कर इनका सामना किया । दो गुंडों को गिरा भी दिया ! पर एक गोली उसकी बांह में आलगी ।

तब मैंने गुंडों का सामना किया । और पीटर ने कमांडो हैड-क्वार्टर से संपर्क किया !

कमांडो हैडक्वार्टर पहुंचने पर ध्रुव को एक और भटका देने वाली खबर मिली—



हां, ध्रुव ! हमारे ट्रांसमीटर पर कई लूटपाट की रिपोर्ट आ चुकी हैं ।

इस पूरे इलाके में एक भी पुलिस वाला नहीं है ।

तो आखिर ये सब पुलिस वाले गए कहाँ ?

जवाब आई० जी राजन के पास था—



वे जवान, सर्कस के सुरक्षा व्यवस्था के लिए तैनात कर दिए गए हैं । सर्कस की सुरक्षा की ज्यादा जरूरत है ।

कमाल है । ये ऑर्डर किसने दिया, पापा ?

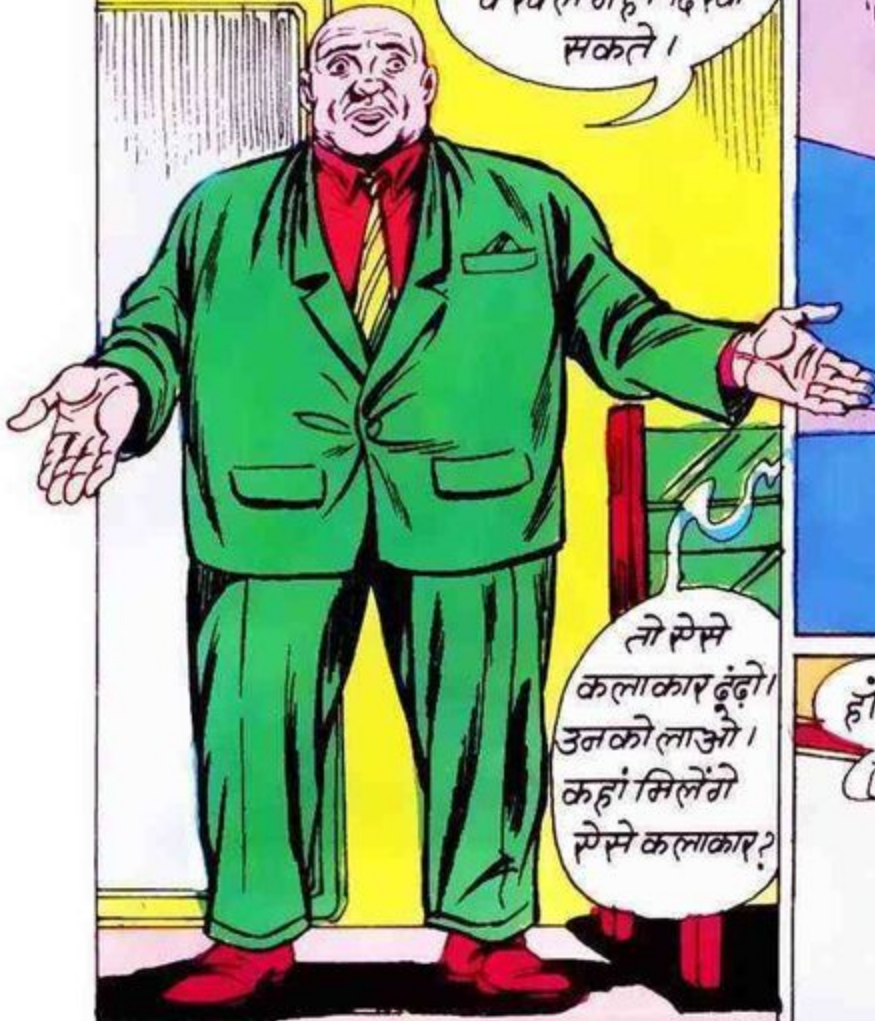
मैंने !

चलो ! गुंडों और पीटर को वैन में लादो ! पहले गुंडों को पुलिस स्टेशन छोड़ेंगे, फिर पीटर का इलाज कराएंगे ।



अब वे सिर्फ तभी सर्कस देखने आएंगे, जब उनको रोंगटे खड़े कर देने वाले खतरनाक रवेल देखने को मिलें।

और हमारे सर्कस के कलाकार वे रवेल नहीं दिखा सकते।



तो ऐसे कलाकार होंगे। उनकी लाओ। कहां मिलेंगे ऐसे कलाकार?

कई कलाकार नहीं, सिर्फ एक कलाकार। सिर्फ एक ही कलाकार ये सारे रवेल कर सकता है। और वह इसी शहर में रहता है।

मैं तुम्हारे दिमाग में उसका नाम पढ़ रहा हूँ। सुपर कमांडो ध्रुव!



यह वही लड़का है न, जिसने बबर को पकड़ा था?

हां!



तो जाओ!

और उसको किसी भी कीमत पर ये शो करने को राजी करो

जाओ!

ध्रुव तो पहले से ही ये सोच रहा था—

सर्कस एक कला है। और यह कला मर रही है। अगर कोई बचा सकता है तो सिर्फ तुम!



ठीक है। आयुष्य साहब, मैं शो करने को तैयार हूँ।

यह काम तो बड़ी आसानी से हो गया। इसने तो पैसे तक की बात नहीं की।

अब मैं जान सकूंगा कि मरकरी सर्कस के अंदर क्या गड़बड़ चल रही है।



रातों- रात पोस्टर धूपे-

और सुबह- सुबह शहर की दीवारों पर चिपक गए-

उस रात सर्कस का तंबू, खचारवच भरा था-

और इससे कहीं ज्यादा भीड़ सर्कस के तंबू के बाहर थी-



वाऊ! सुपर कमांडो ध्रुव का शो!

ध्रुव शो देगा।

मैं तो आज ही अपने पूरे घर को लेकर जाऊंगा।



लेडीज एंड जेंटिलमेन! और हमारे प्यारे-प्यारे नन्हे दोस्तो!

आज मरकरी सर्कस आपके चहेते सुपर कमांडो ध्रुव के करतबों से जगमगाएगा।

लेकिन सुपर कमांडो ध्रुव के कारनामों से पहले हम पेश करते हैं, इस बुनिया का एक और अजूबा...



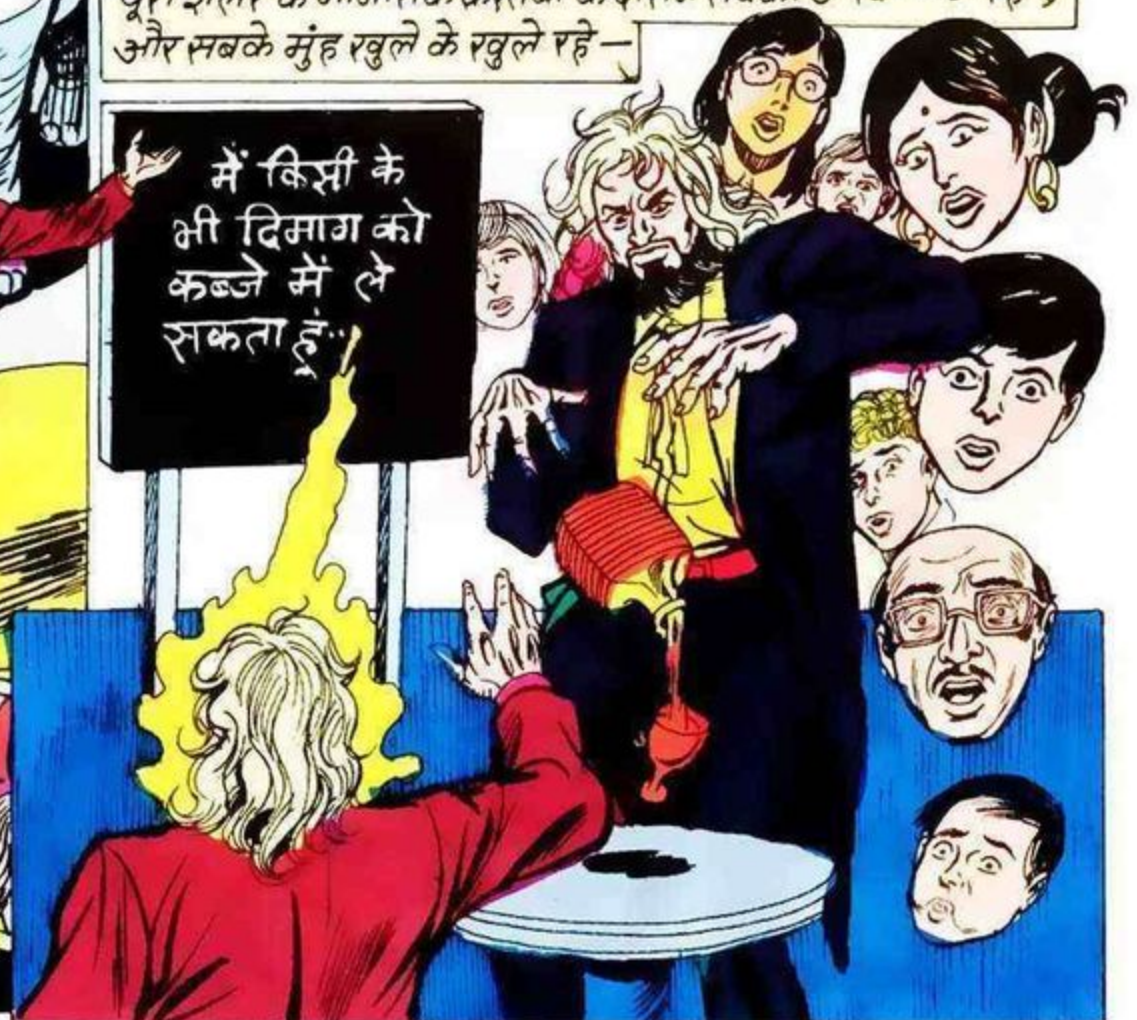
... सुपर मेंटलिस्ट यानी आश्चर्यजनक मानसिक शक्तियों के धारक...

यूरी शीलर को...

यूरी शीलर के मानसिक करतबों के दौरान सबकी आंखें फटी रहीं, और सबके मुंह खुले के खुले रहे-

मैं किसी के भी दिमाग को कब्जे में ले सकता हूँ!

आप लोगों में से जो भी चाहे, यूरी की मानसिक शक्तियों का इम्तिहान ले सकता है।

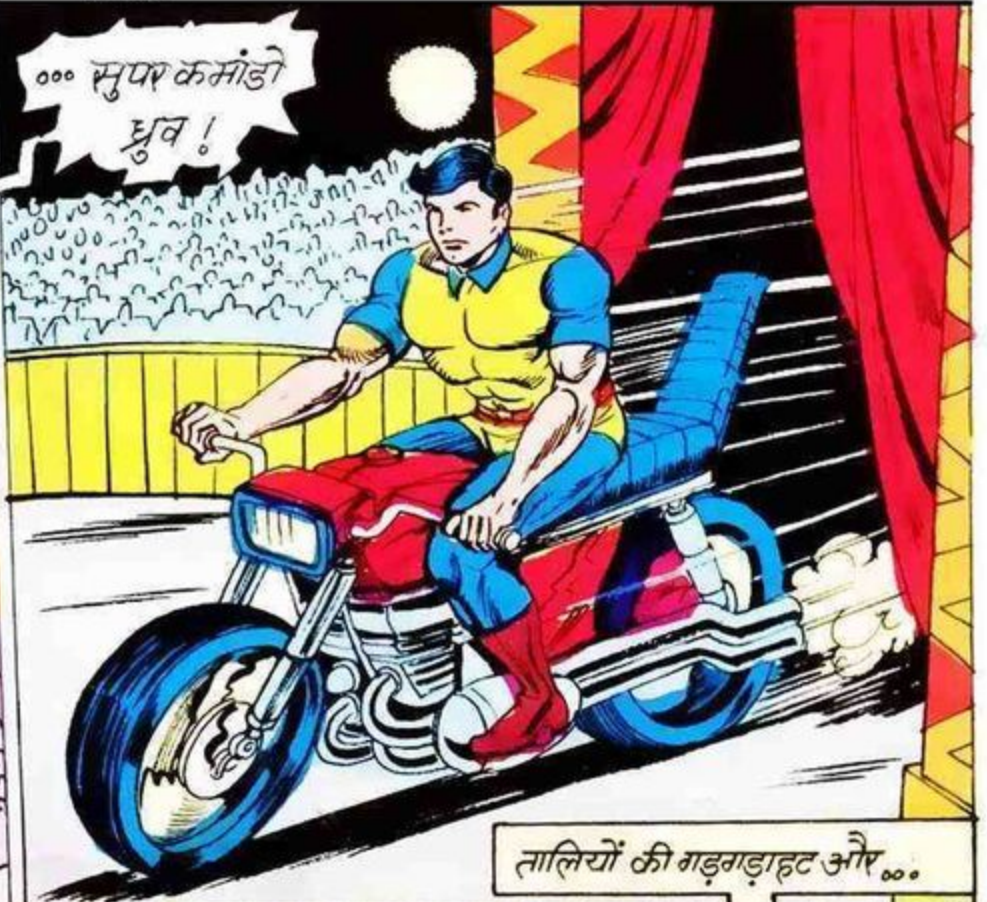


और अब समय था - एक सुपर स्टार को पेश करने का -

लेडीज, जेंटिलमेन... अब आपके सामने आ रहे हैं... आपके चहेते... आज शाम के सुपर कलाकार...



... सुपर कमांडो ध्रुव !



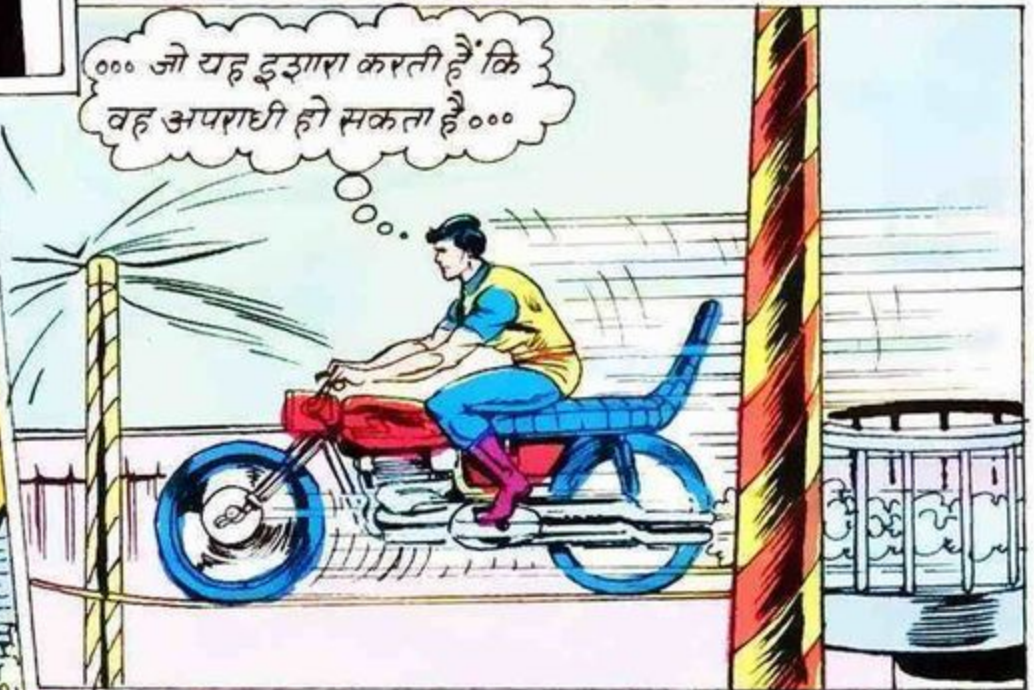
तालियों की गड़गड़ाहट और...

दर्शकों के शोर से, सर्कस का पूरा पंडाल हिलने लगा -

लेकिन ध्रुव का दिमाग कहीं और था -

वह युरीशेलर ! सर्कस का मेंटलिस्ट ! उसके पास वे सारी शक्तियां हैं...

... जो यह इशारा करती हैं कि वह अपराधी हो सकता है...



... मुझे उसकी छान-बीन करनी पड़ेगी !



००० अपनी इस डेडिंग सेंद्री के बाद, सुपर कमांडो ध्रुव अब आपको दिखवाएंगे, भूले पर मौत को चुनौती देने वाली कलाबाजियां ०००



००० फर्क सिर्फ इतना है कि भूले की जगह होंगे सिर्फ दो रिंग ०००



००० और नीचे जाल की जगह होगी ००० सिर्फ हवा और सरवत फर्श !

मैं तो ये करतब दिखवा लूंगा, मेरे साथ ये खतरनाक खेल पर इस खेल में एक पार्टनर की भी जरूरत होती है। और कौन दिखवाएगा ?

ये ! मैडम रिचा !



हेलो, ध्रुव !



हां, ध्रुव ! उस वक्त मैं सर्कस में नौकरी ढूँढ़ने के लिए जा रही थी । मेरे पास वक्त नहीं था, वरना मैं रुककर तुम्हारी मदद जरूर करती ।



अरे, तुम तो वही हो, जिसने पागल शेर का सामना किया था ।



शो शुरू हुआ -

और दर्शकों के साथ-साथ, ध्रुव भी आश्चर्यचकित हो गया -

कमाल है। यह लड़की तो जबरदस्त कलाबाज है।

सर्कस

अन्दर- जनता, ध्रुव और रिचा के दिल दहलाने वाले करतबों को सांस रोककर देख रही थी-



और सर्कस के तंबू के ऊपर-



हाथों के एक झटके ने, रिंग को थामने वाले बंधन खोल दिए-



ध्रुव का शरीर, हवा को चीरता हुआ, पथरीली जमीन की तरफ बढ़ने लगा-

अगले ही पल- रिचा का भी बदन, हवा में घूमता हुआ स्टैंड पर आ टिका-

और स्टैंड से लटकती रस्सी की सीढ़ी, ध्रुव की तरफ झूल गई-



ध्रुव ने, मौत को एक फुट से मात दे दी थी-





दर्शकों ने इसको खेल का ही एक अंग समझा—

कमाल का करतब दिखाया ध्रुव ने।

मेरी तो सांस ही रुक गई थी।

ऐसे खेल देखने को मिले तो मैं बार-बार सर्कस देखने आऊँ।

लेकिन अब मुझे ध्रुव की जरूरत ००० जिसको नहीं है। ध्रुव के दिमाग को पढ़कर इस्तेमाल करके मुझे एक ऐसी चीज का पता मैं अपनी मानसिक शक्तियों को हजारों गुना बढ़ा सकता हूँ।



वह है इसी शहर के एक प्रोफेसर द्वारा ईजाद किया गया एक 'मेटल-रम्पलिकायर'। और उसको लाने के लिए मैं सर्कस के स्ट्रांगमैन स्टलस और निशानेबाज लुई को पहले ही भेज चुका हूँ।

ध्रुव का दिमाग पढ़कर मुझे यह भी पता चला है कि वह यहां पर मेरा पर्दाफाश करने आया है। उसको भी चुपचाप खत्म करने का रास्ता तलाशना पड़ेगा।



और शो खत्म होने के बाद—



अब तो आपको तसल्ली हो गई न! सर्कस के अगले कई शो के लिए टिकट बुक हो चुके हैं।

देखने आने वालों के दिमाग तो आपने कब्जे में ले ही लिए होंगे?

हां! लेकिन ध्रुव का दिमाग मैं अपने कब्जे में नहीं ले सका। और ध्रुव का कोई भरोसा नहीं ०००

००० कि वह कब, कहां पर क्या गड़बड़ कर देगा!

ध्रुव को भरोसा नहीं था, कि रिंग का टूटना एक दुर्घटना थी—

चे रहा वह रिंग! मुझे पता था कि यह टूटकर होल्डर टूटा स्टेड पर ही गिरा नहीं है, बल्कि है।

और इसको लटकाने वाला होल्डर टूटा नहीं है, बल्कि खोला गया है!



किसने खोला यह पेंच? मुझे मारने की कोशिश कौन कर रहा है? अरे ००० एकदम से गर्मी कैसे हो गई?

ओह, आग!





कुछ समक पाने के पहले ही, ब्लैककैट, सूंड के शिकंजे में थी-

चियां चियां चियां!



धुव, हाथी की भाषा में चिंघाड़ उठा-

चियां चियां चियां! यां यां चियां!

ओह! इस हाथी पर तो मेरी बात का कुछ असर ही नहीं हो रहा है। यह हाथी या तो किसी और के वश में है, या फिर इसके सुनने की शक्ति कमजोर है।



वह बूढ़ा भी भाग रहा है। अब न तो मैं ब्लैककैट को बचा सकता हूँ, और नहीं खुद बच सकता हूँ।

और दूसरी तरफ़ शहर में-

यही ऑफिस है, उस मनोवैज्ञानिक प्रोफेसर वर्मा का। इसी के अंदर वह यंत्र रखा होना चाहिए।

पर दरवाजे पर तो बड़ा मजबूत ताला लगा है।



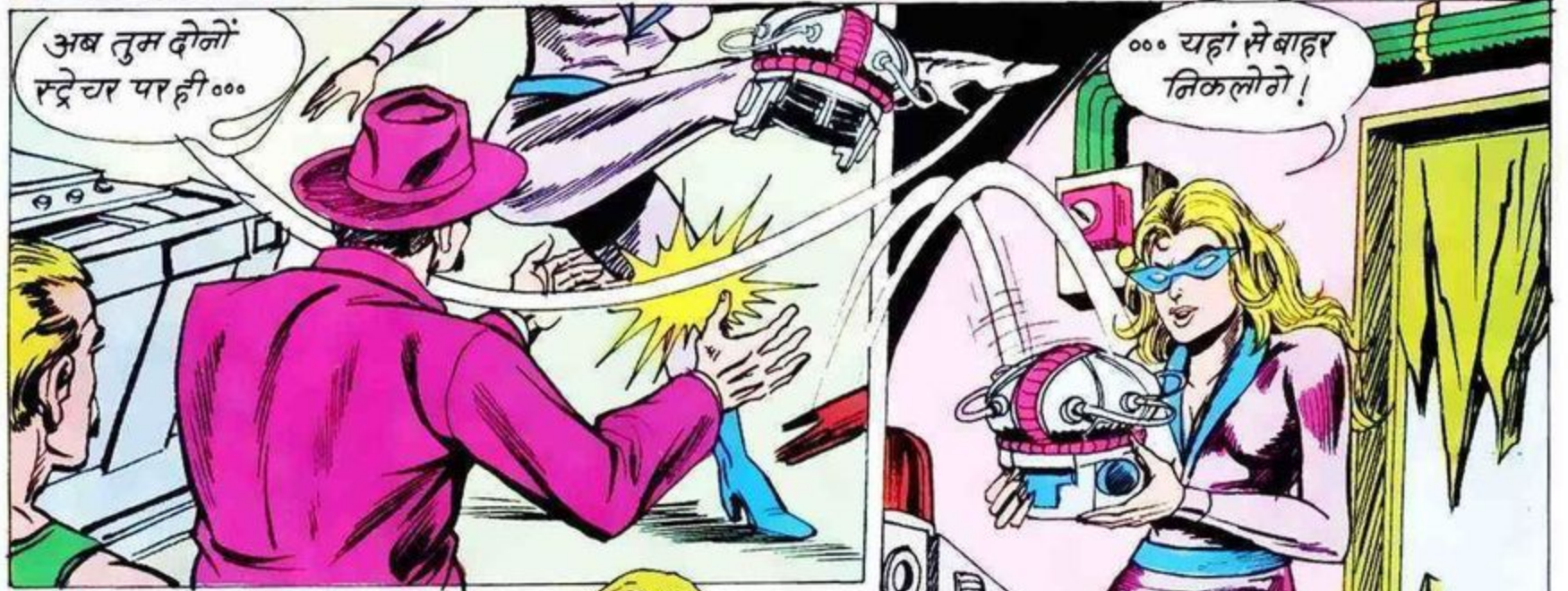
ताले को खोलना तो मैं नहीं जानता!

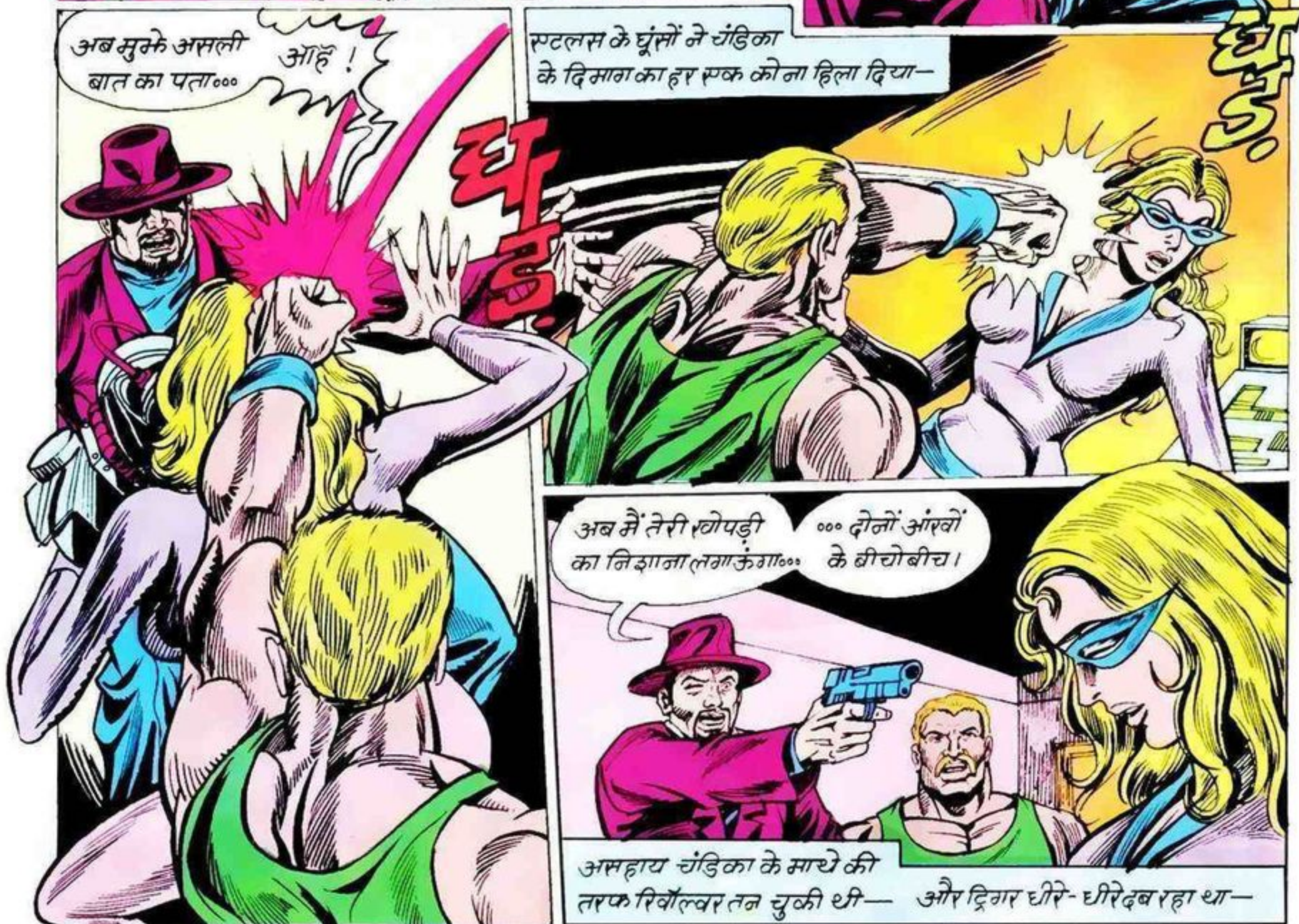
लेकिन दरवाजा खोलना मुझे आता है।

स्ट्रॉंगमैन एटलस के एक ही बार ने दरवाजे के परखच्चे उड़ा दिए-



धुव!





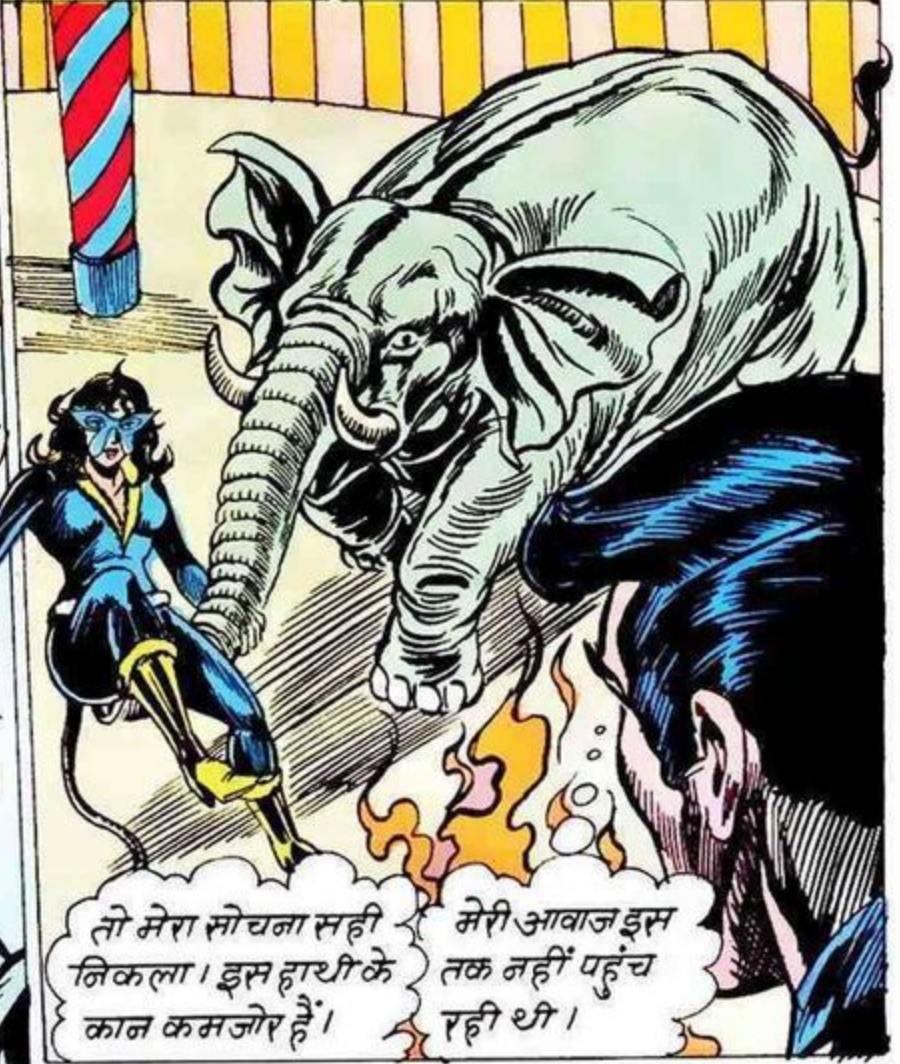
उधर- मरकरी
सर्कस के अंदर-

एक रास्ता समझ में आता है !
अगर वह काम कर गया तो
हम दोनों ही मौत के मुंह से
निकल आएंगे ।

ब्लैक कैट ! मैं जो
कुछ भी बोलूँ, उसको
वैसे का वैसे दोहरा देना ।
चियांयांयांकु ! यांयांयांई !

हाथी, ध्रुव का आदेश
समझ गया -

हाथी की सूंड खुल गई । और ब्लैक
कैट आजाद हो गई -



तो मेरा सोचना सही
निकला । इस हाथी के
कान कमजोर हैं ।

मेरी आवाज इस
तक नहीं पहुंच
रही थी ।

अगले ही पल ध्रुव के मुंह से फिर एक चिंघाड़ निकली -



यां यां यां
घररर ।

और ब्लैक कैट ने
वैसे का वैसे दोहरा दिया -

चियांयांयांकु !
यांयांयांई !

पलक झपकते हाथी की मजबूत सूंड हवा में तन गई -



चिं
यां
यां

और साथ ही साथ ध्रुव का बदन भी पच्चीस फुट की ऊंचाई से कूदकर हवा में तैर गया—



और कुछ सेकेण्ड बाद—



ध्रुव सुरक्षित जमीन पर था—

वह बूढ़ा कौन था, ध्रुव ? तुमको मारना क्यों चाहता था ?

यह मुझे नहीं पता, पर मैं यह अंदाजा लगा सकता हूँ कि इस घटना के पीछे किस आदमी का हाथ है !



लेकिन तुम यहां पर कैसे आ गई ? और वह भी स्पेन वक्त पर !

यह जान लोगे तो सारा सस्पेंस खत्म हो जाएगा । ब्लैककैट के राज, ब्लैककैट के पास ही रहने दो ध्रुव !



सर्कस

उसी वक़्त- उस रहस्यमय 'ट्रॉलर-केबिन' में-

उस स्टेण्ड में आग
किसने लगाई, यह तो मुझे
पता नहीं चला ०००

००० क्योंकि आग का आभास
मुझे थोड़ी देर बाद हुआ। वह
आग मैंने बुझा दी है।

पर अब ध्रुव
कहां जा रहा है, यह
मुझे पता है।

यह शख्स ध्रुव खतरनाक
होता जा रहा है। इसकी मौत का
इंतजाम करना होगा।

अब इसकी मौत वहीं
पर मिलेगी, जहां पर यह
जा रहा है।

ध्रुव जिससे टकराने जा रहा है,
उसको मैं ऐसी शक्तियां दे दूंगा, जो ध्रुव
की मौत का कारण बनेंगी।

उंगली का एक हल्का
सा झटका, और ००० और
दम बाहर।

और ००० और वह
दम ०००

अचानक-

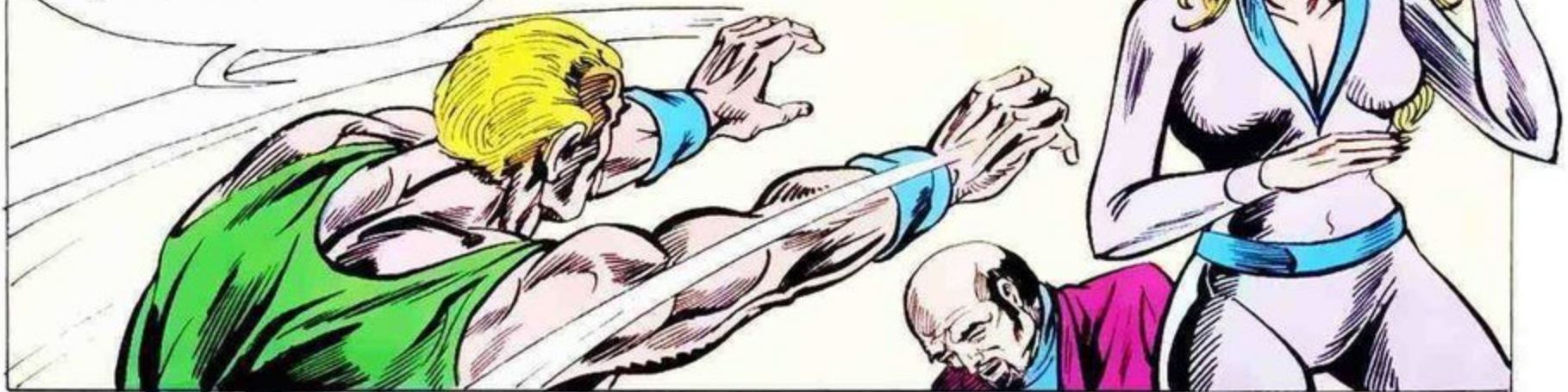
ध्रुव! आग अपने
आप बुझ रही है!
पर कैसे?

मेरे रज्याल से
यह मानसिक शक्ति का
कमाल है। आओ मेरे
साथ!

और मनोवैज्ञानिक प्रोफेसर वर्मा के ऑफिस में-



गुरिल्ला! मुझे गुरिल्ला कहते हैं। मैं तुम्हें दोनों हाथों से चीर डालूंगा।



ईयागऊ

तू एक बार चुपचाप खड़ी होकर मेरा घुंसा खा ले, फिर तुझे अपने-आप पता चल जाएगा कि मैं कौन हूँ।

आपका घुंसा बहुत बड़ा है, खाया नहीं जाएगा...

...वैसे भी मेरा पेट भरा हुआ है!

कड़क

स्टलस, मैंने यंत्र को उठा लिया है! अब खामखवाह लड़ते रहने का कोई फायदा नहीं है...

...भागते यहाँ से!

अभी लो! पर पहले इसको अपना पीछा करने से रोक तो दूँ।

छड़क

चंडिका को बचने में जो कुछ मिनटों का समय लगा...

...उसी में लुई और स्टलस वहाँ से बच निकलने में कामयाब हो गए—

वह मानसिक यंत्र कहाँ है?

उसे मैंने डिक्की में रखे बोरे में डाल दिया है। उसने, उसे चुपचाप खिपाकर लाने को कहा था!

और- मरकरी सर्कस में—

सुपर कमांडो ध्रुव !
तुम यहां पर कैसे ? और
वह भी रात के इस वक्त ?

लोगों के दिमाग को
वश में करके कौन सा
षड्यंत्र रच रहे हो तुम ?

षड्यंत्र ? कैसा षड्यंत्र ?
मैं कुछ नहीं कर रहा ?



तुमसे पूछने आया
हूँ, कि सर्कस में क्या
चक्कर चला रहा है तुमने ?



तुमको कुछ
गलत फहमी...

आर्हर्हर्हर्ह!



वहां से कुछ ही दूरी पर— वह 'ट्रॉलर-केबिन' ठहाके से गूंज रहा था—



हा हा हा ! मैंने चूरी का
दिमाग अपने वश में करके
उसको वे अदभुत मानसिक शक्तियां
दे दी हैं, जो ध्रुव की मौत का
कारण बनेंगी !

और दूसरी तरफ—

अरे ! चूरी, यह
तुमको क्या हो
रहा है ?



यूरी ?
हां... हां...
मेरा नाम
यूरी शेलर है।

मेरी चिन्ता छोड़कर, अपनी
चिन्ता कर लड़के ! देख कि
तुम्हें क्या होने वाला है !

यूरी शेलर की अद्भुत मानसिक शक्तियां, एक दूसरे रहस्यमय
स्रोत से और शक्तियां मिलने के कारण विनाशकारी हो गई थीं।

और उन रहस्यमय शक्तियों के सामने घड़ने वाले
का एक ही हाल होना था—

तिनके की तरह उड़ जाना—

मानसिक धमाके का ज्यादा असर ध्रुव पर हुआ, क्योंकि वह वार, उसको ही निशाना बनाकर लगाया गया था—



अगले ही पल— ब्लैक कैट का बदन उछलकर मानसिक वार और ध्रुव के बीच में आ गया—



मानसिक वार, ब्लैक कैट ने अपने शरीर पर भेल लिया—



ओह! यह अचेत हो गई है। यूरी डोलर काफी खतरनाक होता जा रहा है। इसको रोकना होगा।

जंबो, अटैक!



धूल उड़ाता जंबो, यूरी को रोकने के लिए आगे बढ़ा—



Share your referral code

Refer your friends and earn upto Rs.3000 cashback.
After their first recharge/bill payment, you and your
friend each get Rs. 30 cashback.

RQT2M51

CLICK HERE
TO JOIN NOW



यूरी डोलर, अपनी तरफ बढ़ती मौत से, बचने के लिए हिला तक नहीं—

बल्कि उसकी मानसिक किरण ने
जंबो को अपने घेरे में लेकर...



... जमीन पर पटक दिया—

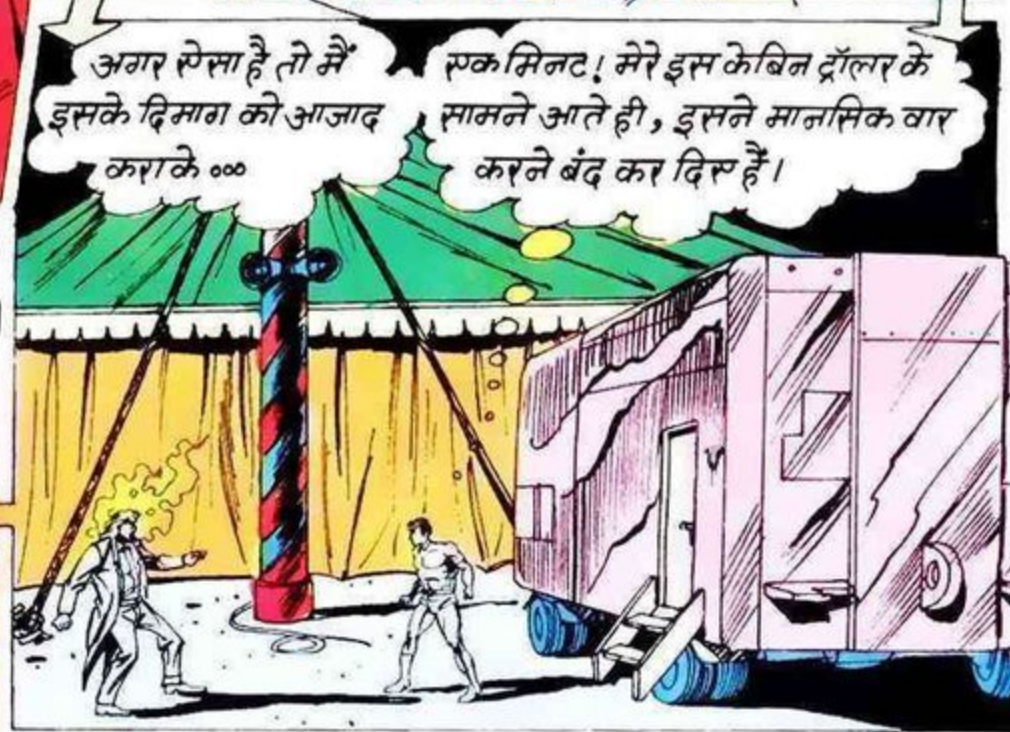
वार जोरदार था—

और अब यूरी डोलर एक बार फिर, ध्रुव की तरफ मुड़ गया—



जंबो गिरते ही बेहोश हो गया—

ओह! यह फिर से मुझ
पर वार कर रहा है। मुझे इसको
यहां से दूर ले जाना होगा।
वर्ना इसका कोई वार, बेहोश
ब्लैक कैट को भी लग सकता है।



यूरी डेलर के 'मानसिक वारों' को झकाता हुआ ध्रुव,
ठिगू मास्टर के तंबू में घुसा—

और आश्चर्यचकित
रह गया—

ध्रुव!

अरे! ये तो वही बूढ़ा है, जिसने
मुझे मारने की कोशिश की थी।

ये तुम्हारे तंबू
में कैसे, ठिगू?

हां, यूरी! मरना है तो
क्यों न लड़कर मरा
जाए।

ये... ये
तो...

खैर, यह मैं बाद में पूछूंगा। अभी
वक्त नहीं है। फिलहाल तो मुझको
तुमसे एक जरूरी चीज चाहिए।

और कुछ ही
पलों बाद—

अच्छा! तो
अब तू मुझ पर
हमला करेगा?
आ... आ...
आ जा।

ध्रुव ने अपना हाथ
बढ़ाया—

और यूरी ने बिना कुछ सोचे-समझे,
ध्रुव का बढ़ा हुआ हाथ पकड़ लिया—

यहीं पर यूरी वह गलती कर गया—

जो उसकी आखिरी गलती साबित हुई—

उसको एक तेज भटका लगा ! भटका— जिसने उसके दिमाग को हिलाकर रख दिया—

और उसका दिमाग आजाद हो गया—

ओह, ध्रुव ! हां, मैं पूछ रहा था, कि तुम मेरे तंबू में क्या करने आए... अरे... मैं यहां कैसे आ गया ?

ठिंगू मास्टर का 'मिनी डॉकर' अपना काम बरबूबी कर गया !

मैं तुमको बाद में सब समझा दूंगा, युरी ! फिलहाल तुम मेरे साथ आओ !

ध्रुव !

ठिंगू मास्टर ! और वही बूढ़ा ! ये बूढ़ा कौन है ठिंगू ?

... और लगभग मार ही डाला था ! ठिंगू ने मुझे बचाया ! पर मैं काफी महीनों तक जिन्दगी और मौत के बीच में झूलता रहा !

बल्कि लोगों ने तो यह समझ ही लिया था कि मैं अपने केबिन में दुर्घटनावश आग लग जाने के कारण मर गया !

ये सर्कस के मालिक हैं, रंगराजन साहब ! आयप्या इनका पार्टनर है !

उसने इनको जलाकर मारने की कोशिश की थी !

ठिंगू ने भी मेरे जिन्दा होने की बात छिपाकर रखी ! क्योंकि राज खलने पर आयप्या मुझे दुबारा खत्म करने की कोशिश कर सकता था !

मेरे ठीक होने तक काफी देर हो चुकी थी। लोगों ने और कानून ने भी मुझे मरा हुआ मान लिया था। मेरा चेहरा भी पहचाने जाने लायक नहीं रहा था।

इसीलिए मैंने बदले की भावना से, सर्कस को तबाह कर देने की ठानी। सर्कस का चप्पा-चप्पा मेरा देखा हुआ था।

ठिगू के तंबू में छिपकर रहना, और चुपचाप अपना काम करते रहना, मेरे लिए बहुत आसान था।

हां, सर्कस के जानवर मुझे आज तक पहचानते हैं। जैसे जंजीर!



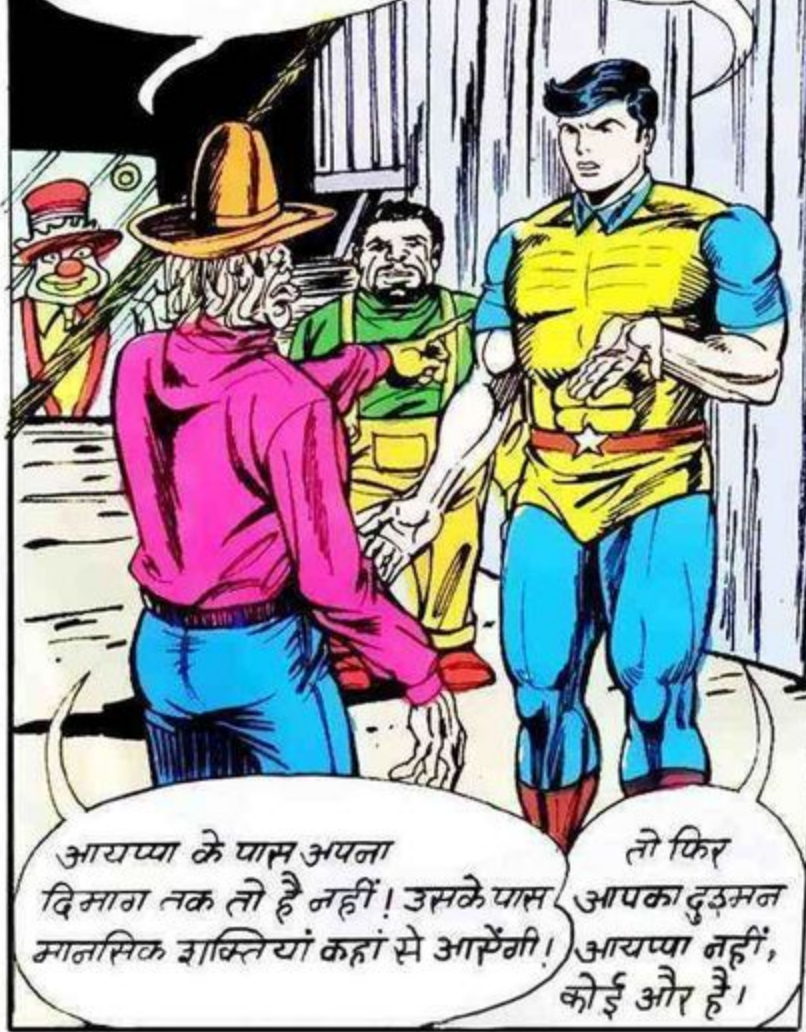
पर आपने मुझे मारने की कोशिश क्यों की?

क्योंकि तुम सर्कस का फायदा करवा रहे थे। और वह फायदा सीधे आयप्पा की जेब में जा रहा था। इसीलिए मैंने तुमको भी रास्ते से हटाने की ठान ली थी।

एक बात बताइए! आयप्पा के पास मानसिक शक्तियां भी हैं क्या?

और वह उस 'ट्रॉलर केबिन' के अंदर है।

वह... वह तो आयप्पा का ही 'ट्रॉलर केबिन' है।



और ट्रॉलर केबिन के अन्दर—

अब ध्रुव भी खत्म होने वाला है। और लुई और स्टलस मेरी चीज लेकर भी आने वाले हैं। अब मेरी योजना पूरी होने के आखिरी चरण में है।



आयप्पा के पास अपना दिमाग तक तो है नहीं! उसके पास मानसिक शक्तियां कहाँ से आएंगी!

तो फिर आपका दुश्मन आयप्पा नहीं, कोई और है।

और वह तुम्हारी योजना सिर्फ
योजना ही रहेगी ०००

और फिर सभी की आंखें आश्चर्य से फट पड़ीं—

... ध्रुव!

पहले आयप्पा आश्चर्यचकित हुआ—

ओ माई
गॉड!

यह
क्या है?

स्टार
फिश!

हां, स्टार फिडा, रंगराजन! वही जिसको तुम्हारे एक दोस्त ने ग्रीनलैंड के पास, एक हिमखंड के अंदर लगभग मृत रूप में पाया था। और तुमको उपहार के रूप में लाकर दिया था। तब मैं छोटा सा था आकार में।

तुमने मुझे बचाया। पाला-पोसा! और उसी दौरान मैं तुमसे और सर्कस में आने वाले अनगिनत लोगों के दिमाग पढ़-पढ़कर ज्ञान बढ़ा रहा।

मेरी मानसिक शक्तियां बढ़ती रहीं, और मेरा ज्ञान भी बढ़ता रहा।

तुम्हारा दोस्त यह नहीं जानता था कि हम स्टार फिडों में एक अद्भुत शक्ति होती है। मानसिक तरंगों की शक्ति!

लेकिन मेरा मानवों को मारने का कोई इरादा नहीं है। आखिरकार हम लोगों को भी तो काम करने के लिए कर्मचारी चाहिए!

और वे कर्मचारी बनेंगे मानव! मैंने अपना अभियान, मानवों के मस्तिष्कों पर कब्जा जमाकर शुरू किया!

उसी ज्ञान से मुझे पता चला कि तुम मानव जाति के पशु, धरती को चूस-चूस कर कंगाल कर रहे हो। हवा, पानी में गंदगी घोल रहे हो!

तब मैंने यह निश्चय किया कि मुझे और मेरे जैसे अन्य समुद्री जीवों को पृथ्वी की बागडोर संभाल लेनी चाहिए।

और सबसे पहले मैंने जिस दिमाग पर कब्जा जमाना चाहा, वह तुम्हारा दिमाग था रंगराजन! पर तुम्हारी इच्छा-शक्ति ने मुझे असफल कर दिया।

तब मैंने आयप्पा के दिमाग पर कब्जा जमा कर, तुमको रास्ते से हटा दिया। पर तुम बच गए!



लेकिन ध्रुव और रंगराजन की यह
खुशी, सिर्फ एक पल के लिए ही
कायम रह पाई—

क्योंकि अगले ही
पल—

और—

मैं स्टार-फिड़ा हूँ, मूर्खों! और मेरा ज्ञान
इतना असीमित है, कि मैंने हवा में
सांस लेने की कला भी सीख ली है!

और मेरी
सांसें चलने के
लिए, तुम लोगों
की सांसें का बन्द
होना जरूरी है!

एक 'मेटल-ब्लास्ट' ने पूरे टॉलर केबिन
के परवचचे उड़ा कर रख दिए—

अभी लुई और स्टलस वह 'मानसिक यंत्र'
लेकर आते ही होंगे, जिसको पाने के बाद, पूरी दुनिया
की ताकतें मिलकर भी मुझे रोक नहीं पाएंगी।
अब शुरू होता है, स्टार फिड़ा का विजय
अभियान!

इसी वक्त- सर्कस के मुख्य द्वार पर-

हैं! कहां गया मैंने तो वह 'मानसिक यंत्र' उसे डिक्की में वाला बोरा! ही रखा था!

माफ करना, भाई लोगो! दरअसल मैंने आपको बिना बताए, आपकी गाड़ी की डिक्की में लिफ्ट लेली थी!

पर रास्ते का बिल्कुल पता नहीं चला!

चंडिका!

वह मेरे पास है!

ये जो आप मानसिक यंत्र उठाकर लाए थे, इसके अन्दर, इसकी 'बुकलेट' भी रखी हुई है। उसमें इसको इस्तेमाल करने का तरीका भी लिखा हुआ है। वही पढ़ते पढ़ते रास्ता कट गया!

जानते हो ये कैसे चलता है?

देखो, ऐसे!

ताड़ धाड़

अब जरा सर्कस के अन्दर चलकर ध्रुव भड़या के हाल-चाल पता किए जाएं।

ध्रुव, 'स्टार फिडा' के वारों से बचता फिर रहा था-

चूरी, तुम्हारे पास भी तो मानसिक शक्तियां हैं। तुम 'स्टार फिडा' को रोकने के लिए कुछ करो!

स्टार फिडा के सामने मेरी शक्तियां बचकानी हैं, ध्रुव!



आह! मुझे बचाओ! यह तो मेरी हड्डियां तोड़ रहा है!

ओफफ! क्या हम रंगराजन को बचाने के लिए कुछ नहीं कर सकते!



ध्रुव! क्या हो रहा है यहां पर?

चंडिका! तुम यहां पर कैसे? और तुम्हारे पास यह 'मानसिक यंत्र'? कमाल का संयोग है! अभी हमको इसी की सख्त आवश्यकता थी।

लाओ, इसे मुझको दो!

चूरी का पहला मानसिक वार सचमुच घातक निकला—

'स्टार फिडा' तड़पकर रंगराजन को धोड़ने के लिए मजबूर हो गई—

ध्रुव ने चूरी शेलर को संक्षेप में 'मानसिक यंत्र' की कार्यशैली समझा दी—



इसको पहनकर 'स्टार-फिडा' पर वार करो! अब रंगराजन और हम लोगों को सिर्फ तुम ही बचा सकते हो, चूरी!

क्योंकि तुम्हारे पास पहले से ही मानसिक शक्तियां मौजूद हैं!

मैं कोशिश करता हूं, ध्रुव!

और उसने अपना ध्यान चूरी शेलर की तरफ लगा दिया—



यह तो वही 'मानसिक यंत्र' लगता है, जो मुझे चाहिए था! इसे मुझे दे दे, चूरी!

वर्ना मैं इसे तेरी लाश पर से उतार लूंगा!

अचानक-

ओह! ध्रुव, इसकी मानसिक
शक्तियाँ बहुत तेज हैं। मेरे मस्तिष्क
के साथ-साथ इस मानसिक यंत्र पर भी
जोर पड़ रहा है!

मैं तुम्हारी क्या
मदद कर सकता... वाह!
यह कार्बनडाइ आक्साइड
वाले फायर-एक्सटिंग्शिशर!

यह कुछ काम कर सकता है!
क्योंकि इससे ठोस कार्बन डाइ
आक्साइड के कण निकलते
हैं, जिनको अत्यधिक ठंडा
होने के कारण 'सूखी बर्फ'
भी कहा जाता है।

यह ज्यादा देर तक
सही-सलामत नहीं रह पाएगा!

और 'स्टार-फिज़' पहले भी हिमखंड में
कैद होकर अधमरी सी हो चुकी है। यह
बर्फ की ठंडक नहीं सह पाती है।

इसका केन्द्र ही इसकी
सबसे कमजोर जगह लगा
रही है! यहीं पर वार करना
ठीक रहेगा।

चूरी से 'मानसिक यंत्र' लेने में जुटी,
स्टार फिज़, ध्रुव पर ध्यान नहीं दे रही
थी—

और जब तक वह ध्यान दे पाती, तब
तक बहुत देर हो चुकी थी—

आर्रर्रईईई! ये ठंड! मुझे
सुईयाँ सी चुभ रही हैं। मेरा दिमाग
सुन्न हो रहा है। आsss!

फिस्स

००० बेहोश हो रही...
आ sss ह !

एक तेज आवाज के साथ, स्टारफिश का बेहोश शरीर, धम्म से नीचे आ गिरा—



और उसके बेहोश होते ही, उसके मानसिक
बंधनों में कैद, सभी लोग आजाद हो गए—

और सारी बातें समझने
के बाद—

मैं तुम्हारा भी अपराधी हूँ, रंगराजन,
और राजनगर के निवासियों का भी ।
इसीलिए मैं तुम्हारे सामने यह घोषणा
करता हूँ, कि आज से एक हफ्ते तक राज-
नगरवासियों को एकदम मुफ्त में सर्कस
दिरवाया जाएगा ।

म००० मैं कहां हूँ ? यह
सब क्या हो रहा
है ?

घबराइए नहीं,
आयुष्या साहब ! हम
आपको सब समझा
देंगे !



और हर रात को
एक झोड़ेगा सुपर
कमांडो ध्रुव ।

क्यों ध्रुव,
राजी हो न ?

किसी भी अच्छे
काम के लिए मैं हमेशा
राजी हूँ ।

पर पहले स्टारफिश को कैद में रखने के लिए
बर्फ की सिल्लियों से भरा ट्रक तो मंगा लो । बाद में
इसको परमानेंट कैद में रखने का रास्ता ढूँढ़ेंगे ।

राज
कॉमिक्स
विशेषांक

मूल्य 20.00 संख्या 53

हत्यारी राशियां

सुपरकमांडो
प्रव

इस विशेषांक के
साथ एक आकर्षक
स्टीकर मुफ्त

राज कॉमिक्स विशेषांक

हत्यारी राशियां





हत्याारी राशियां

कथा: अनुपम सिन्हा, चित्र: अनुपम सिन्हा, इंकिंग: विनोद कुमार, सम्पादन: मनीष गुप्ता

रात के काले आकाश में घूमते लगे- कविओं के लिए कल्पना का स्रोत है। वैज्ञानिकों के लिए रहस्यों का भंडार है, और अधिकतर लोगों के लिए है, ज्योतिष विज्ञान का आधार-

इन ग्रहों के बारे में गहराई से जानने वाला, ग्रहों की स्थिति की गणना करके, कुछ भी जान सकता है। भूत, वर्तमान... और भविष्य -

आज की लवण कुंडली में, रात के ठीक आठ बजकर बारह मिनट पर शनि चन्द्रमा के साथ चौथे घर में प्रवेश कर रहा है...

हम समझें गए।

और वह खतरा कौन सा है, यह भी हम जानते हैं।

... और यही लवण सबसे उत्तम है... हमारे काम के लिए। कुछ खतरा है, परंतु असफलता की उम्मीद वहीं के बराबर है।





पबली, ऐसा भविष्यफल तो न जाने कितने न्यूज पेपर्स में और मैगजीनों में आता है। और हर किसी में अलग-अलग भविष्य दिया होता है।



अरे, ये सब भी बेकार की चीजें मत पढ़ा कर! काम की चीजें पढ़!

'इंडियन टाइम्स' में निकला भविष्यफल काफी कुछ सही होता है, भ्रष्ट! नामदेवमल का भविष्यफल कभी भ्रष्ट नहीं होता।

नामदेवमल! उसे मरे हुए तो कई तो मालूम!



ये कोई और नामदेवमल है। लेकिन इसकी भविष्यवाणी बिल्कुल असली नामदेवमल के टक्कर की होती है।

अब देखो! इसने मेरे भविष्यफल में काल लिखा था कि...

चुप कर! पहले नामदेवमल को फोन करके पूछ कि इस हफ्ते जो तेरा 10+2 का रिजल्ट आ रहा है, उसमें तू पास होगी या फेल!

तब पता चलेगा कि नामदेवमल कितना सही बताता है और कितना गलत!



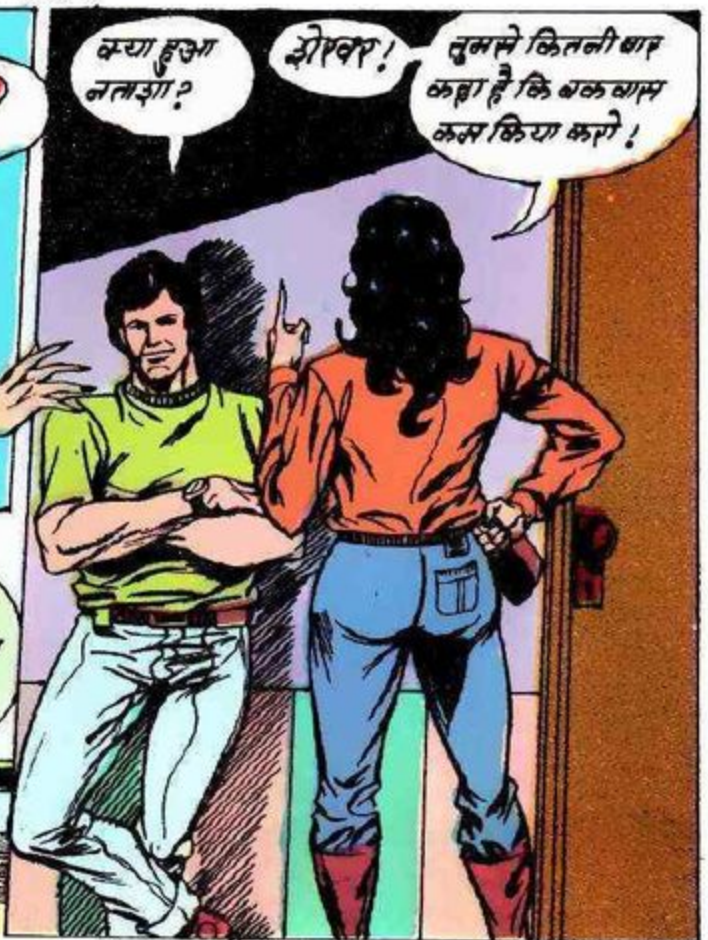
बुढ़ा अड़बड़। मैं अभी नताका को फोन मिलाती हूँ इंडियन टाइम्स में!

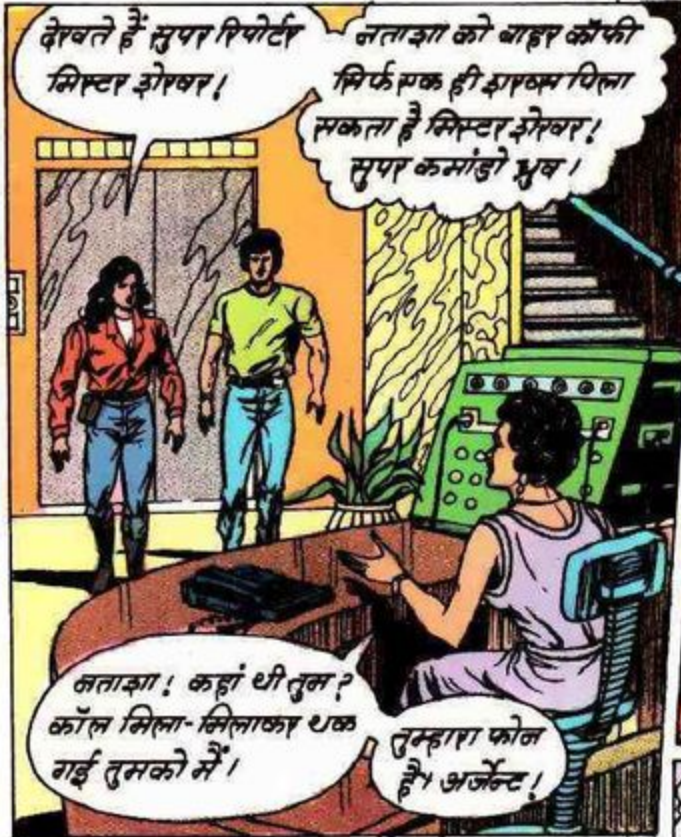
नताका, पहले तुमने माफ़री सर्कल पर जो आर्टिकल लिखा, उसमें उस सर्कल की काफी तारीफें थीं...

... उसके बाद सर्कल में गड़बड़ियाँ शुरू हुईं!









राजनगर में, आठ बजे रात के आसपास कई स्थानों पर जाम लगना, मामूली बात होती है -



हत्यारी राशियां

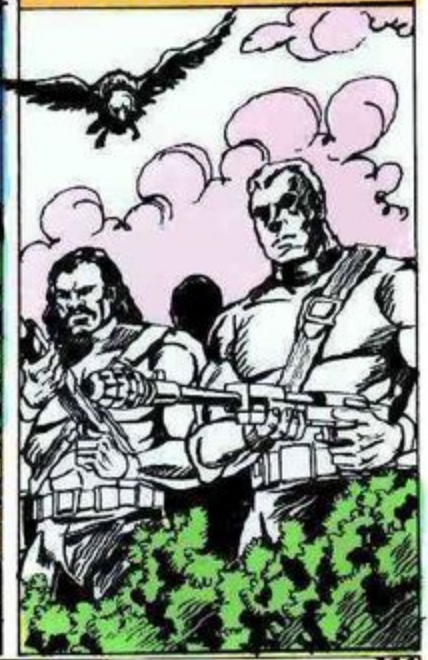
और कुछ स्थान ऐसे भी होते हैं, जहां पर राज होता है सन्नाटे का...



... तेज गति से दौड़ते बाहलों का—



और दिकार की ललाइ में घात लगाए दिकारियों का—



इतना महंगा कंसाइनमेंट ले जाते हुए धुकधुकी लगी रहती है चार जसपाल!

ओए, किस बात की धुकधुकी दुर्मा? गोदाम से ऐसे तीन ट्रक और हमारे साथ ही निकले हैं। और वे सभी अलग-अलग रास्तों से होते हुए वहीं पहुंचेंगे जहां हमें जाना है।

किसी भी लुटेरे के लिए यह जानना असंभव है कि असली माल किस ट्रक में...



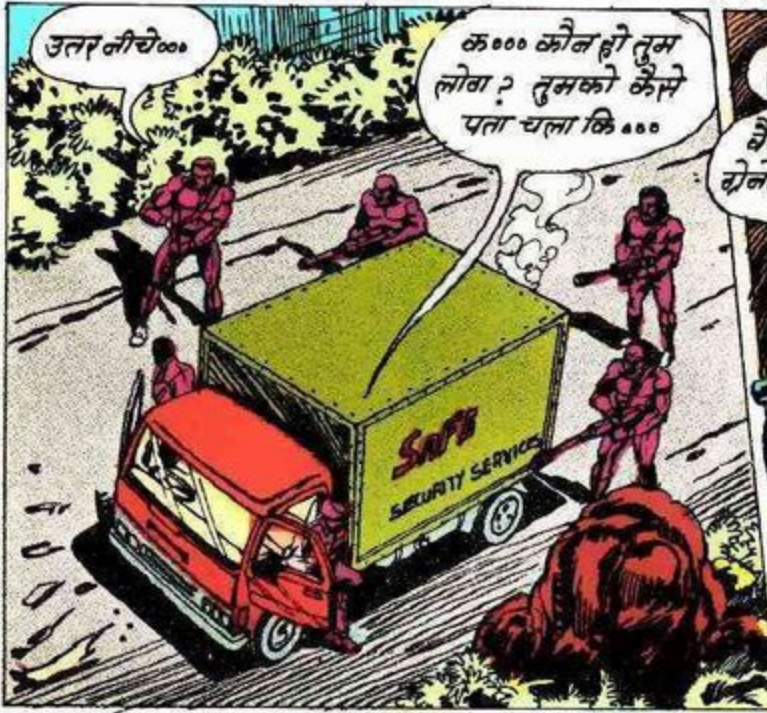
झांझूं झंझूं झंझूं

डारम के पैर ब्रेक पर दबते चले गए—



किसी ने ये हमारा गावूदारी की है ही इंतजार... डारम...





रॉकेट प्रोपेलड ब्रेक, एक भीषण आवाज के साथ, दरवाजे से जाटकराया-

लेकिन दरवाजे और लॉक पर जरा भी असर नहीं हुआ-

दरवाजा स्पेशल मेटल इस पर ब्रेक का कुछ भी असर नहीं हुआ!



लेकिन इससे पहले कि लुटेरे वैन में चढ़ पाते...

... हवा में कुछ धमका-

स्टार ब्लेड!

और इन्होंने वैन के टायरों को पंचर कर दिया है। इसका एक ही मतलब है...

... कि सुपर कमांडो भुव यहां पर आ चुका है!

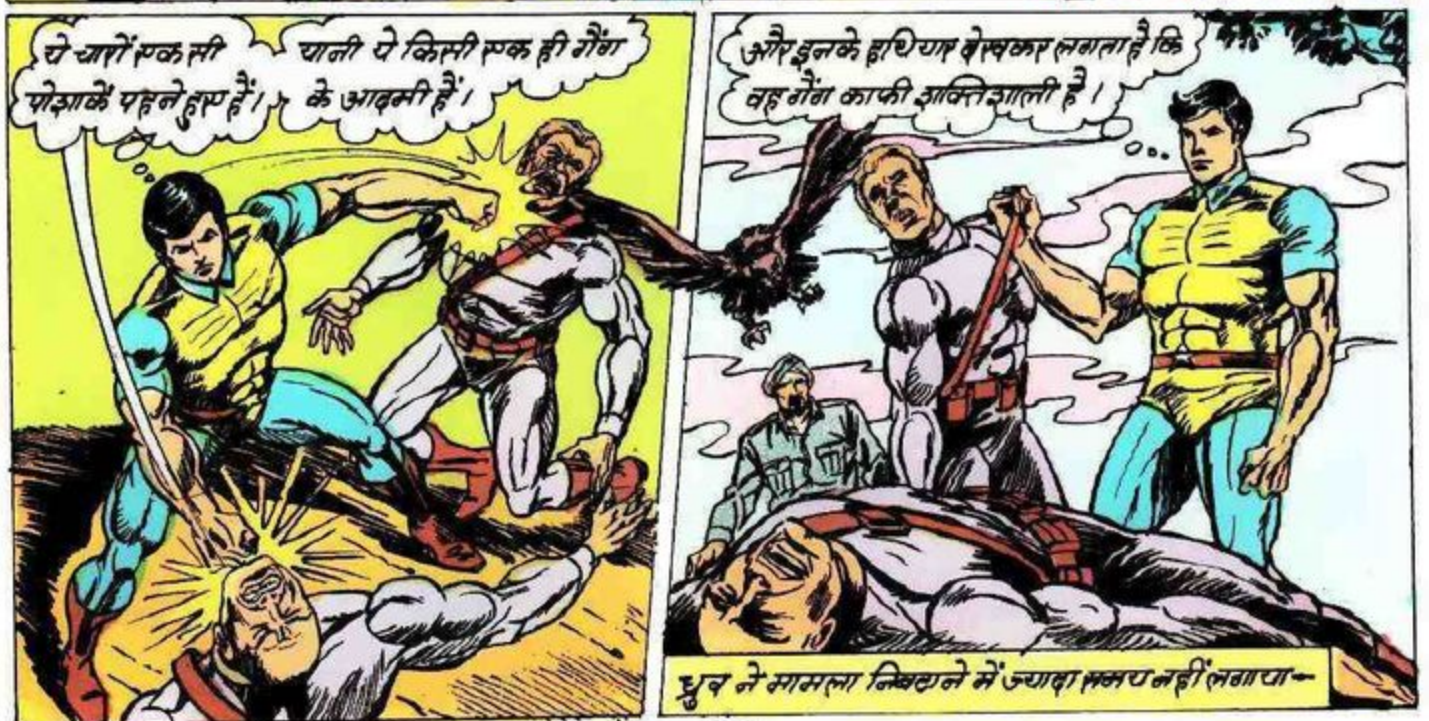
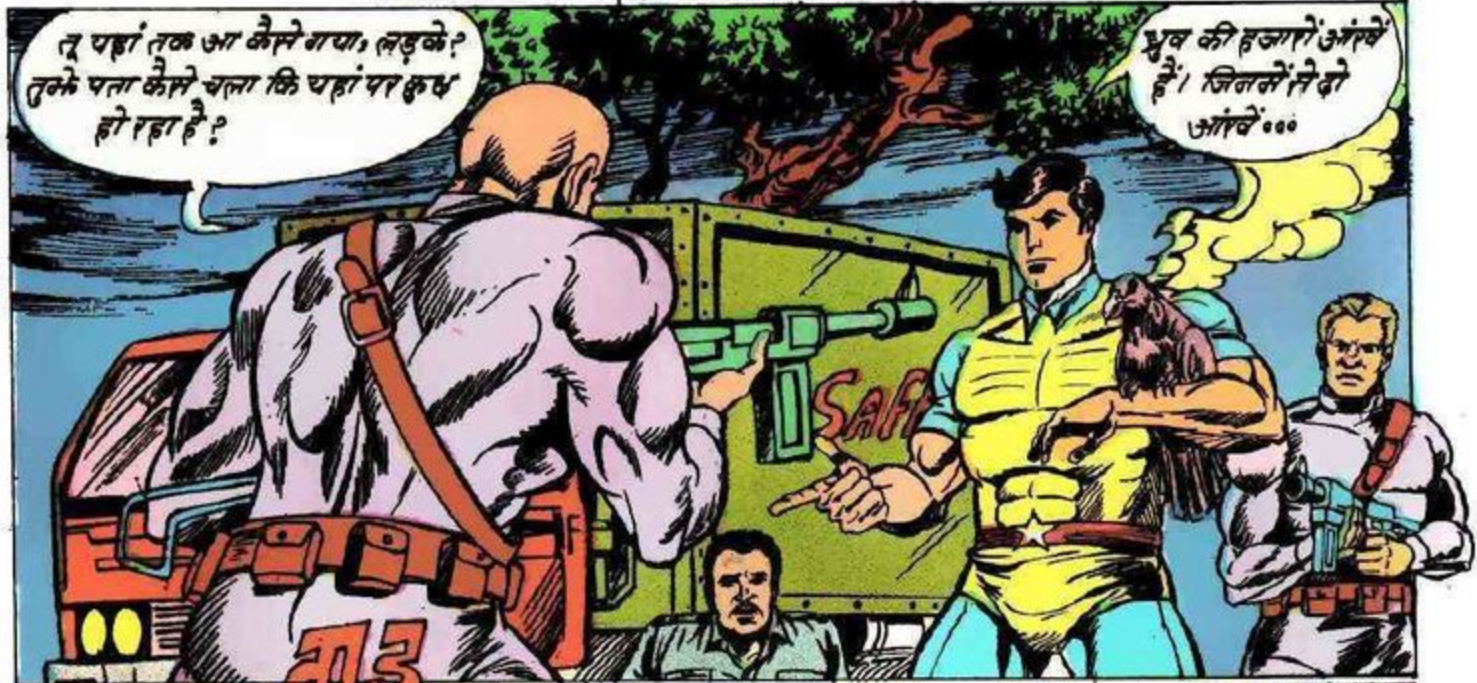
तुम्हसे कहा था कि मोटरसाइकल की आवाज का ध्यान रखना...

ओके...

ध्यान तो रख था। पर आवाज आई ही नहीं...
ईया यो यो।

आवाज आती कहाँ से? मैं मोटरसाइकल से आया ही नहीं। इस समय के ट्रैफिक में मोटरसाइकल से कहीं पर भी जल्दी पहुंच पाना असंभव काम है।

मोटरसाइकल आधी रात की सुनसान सड़कों पर गलत के लिए ही ठीक है। इस समय तो चतों के हास्ते, भूलते हुए आना ही सबसे अच्छा तरीका है।



क्योंकि उसको जानना था कि-

क्या हो रहा था वहाँ पर?
इस वैन में ऐसा क्या है, जिसके
बीचे ये गुंडे पड़े हुए थे?

ये जानकर तू
क्या करेगा,
कनांडा?

?

... उसने शूट और
झांति ले जाएंगे!

... क्योंकि इस वैन
में जो कुछ भी है...

बड़ा मममम

ओह! हार्ड स्कमप्लोमिक्स
विंस! झानि के चलते!

स्क कार में ही वैन के दरवाजे
के परफरन्स उड़ा दिए!

?

ध्रुव के कुछ समकालीन से पहले ही, ड्रक वैन में से एक छोटा सा बॉक्स लेकर बाहर आ चुका था—

आपस से आओ। ये मुन्सो हमको रोकने की हिम्मत नहीं करेंगे!

रोको इन्हें! इस बॉक्स में सुपर हार्ड क्वालिटी के रत्न रखे हैं। एक्सपोर्ट के लिए!

इनकी कीमत अपारों में है!

ध्रुव के लिए अब कुछ सुनने की जरूरत नहीं थी—

अपने ही घर—

बॉक्स, ध्रुव के हाथ में था—

लेकिन, ध्रुव को उसी पल झुक से बुरा उधल जाना पड़ा—

एक भुजबो ने
हमको काट रखने की
कोशिश कर ही डाली।
इसको तुरन्त मारल
डालना चाहिए।

ओह! एक्सप्लोसिव
रिंग्स! इनका असर तो
मैं देख ही चुका हूँ।

ध्रुव, रिंग से तो
बच गया—

झुक को होड़ा
रखते देखकर, इसी क्रोध से पागल
हो गया—

झंझ

एक्सप्लोसिव रिंग्स हवा में टिड्डिछे की तरह धाराएँ—

लेकिन ध्रुव को एक भी रिंग नहीं छू पाया—

इन रिंग्स को
ज्यादा देर तक धोखा
दे पाना मुश्किल
लगता है!

लेकिन हवा में उड़े, चट्टान के
असंख्य टुकड़ों ने अपना-अपना निशाना वुंध लिया—

इनका मुकाबला
करके इनका हवा में ही नाश
करना होगा!

और ये काम करेंगे, चट्टान के ये टूटे टुकड़े। पहले एक्सप्लोसिव रिंग्स को नष्ट करेंगे!

इधर लुटेरे भी होका में आ रहे थे—

ये दोनो कौन हैं?

पता नहीं। मगर जो भी है, हैं ये उसी माल के पीछे, जिसके पीछे हम हैं।



चट्टान के टुकड़े हवा में उड़ती रिंग्स से टकराए—

और रिंग्स हवा में ही नष्ट होने लगीं—

अभी ऑक्स अभील पर पड़ा है। और ये दोनो लड़ने में बिजी हैं। दूसरा बेहोका पड़ा हुआ है।

यही मौका है, माल उठाओ और फूट लो!

बिजली की सी तेजी से एक गुंडे के हाथ, ऑक्स पर कस गए।

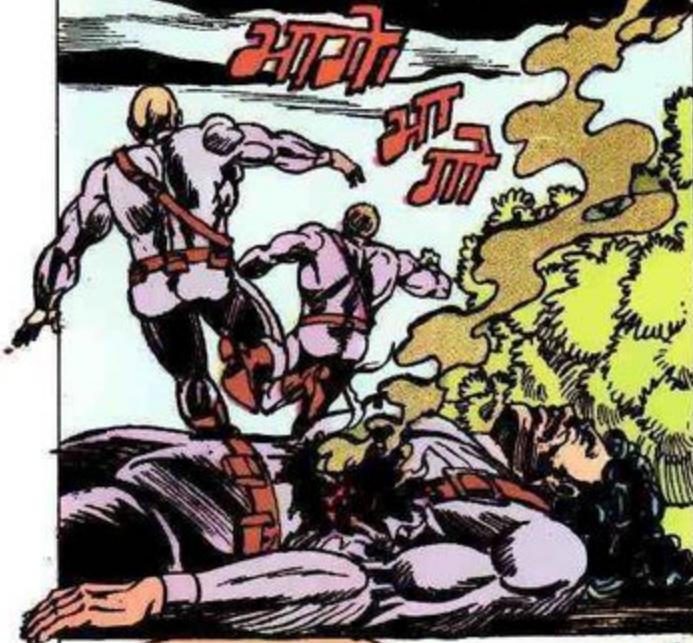


और अचानक ही पल उसके चिपड़े उड़ गए—



वह भुल नहीं था, जो उधलकर, एक्सप्लोसिव रिंग्स से बच जाता—

ये छोटा सा बच्चा ही, लुटेरों के दिलों में दहकात
ब्रह्मपुत्र करने के लिए काफी था—



अब लड़ाई सिर्फ भूख और शक्ति के बीच में थी—

इस पर फ्लैमफोसिब ... उनको तो ये उधल-उधलकर
दिश का धार करना बेकार कर देता है। इससे दूसरे तरीके
बेकार है... से निबटना होगा।



ये दिग्ग तेरे शरीर को
जकड़कर तुम्हें हिलाने-डुलाने
से भी लाचार कर देंगे कलांडो!

और फिर तू हमारे
किसी भी धार के लिए एक
अमानस निबडला होगा!

झांझझांझ



हो सकता है
शक्ति! लेकिन
पहले इस दिग्ग को
तुम्हें कैद तो कर
लेने दो!

ये दिग्ग तो तुम्हें
कैद करके ही रहेंगे
कलांडो! क्योंकि तुम्हें
पहले बेबाक करेंगे शूद्र
के बादल!

और फिर
तुम्हें अपनी कैद में
पीस डालेंगे शक्ति
के धल्ले!

ओह! यह भी होकर
में आ गया!

फ्लैम
सस



शूद्र के हाथ से, अपने शास्त्रात्मिक बखलों ने निकलकर भूख को छोड़ दिया—

असोनिया और कार्बन-डाइ-ऑक्साइड गैस के घने बादलों में घिरकर धुव कुछ पलों के लिए चकरा गया—



हा हा हा ! सुपर कमांडो धुव ! अब इन धूलियों के बाहर तेरी लाइफ ही जाएगी !

ये धूलने हवा की लमी मोर-कर पहले आकार में बढते हैं, अब ये जैसे-जैसे तेरे शरीर की गमी से नमी उठती जाएगी, ये धोटे होते जाएंगे !



और फिर... फिर ये तेरे बदन की लारी हड्डियों को तोड़कर तेरे रवून में मिला देंगे !

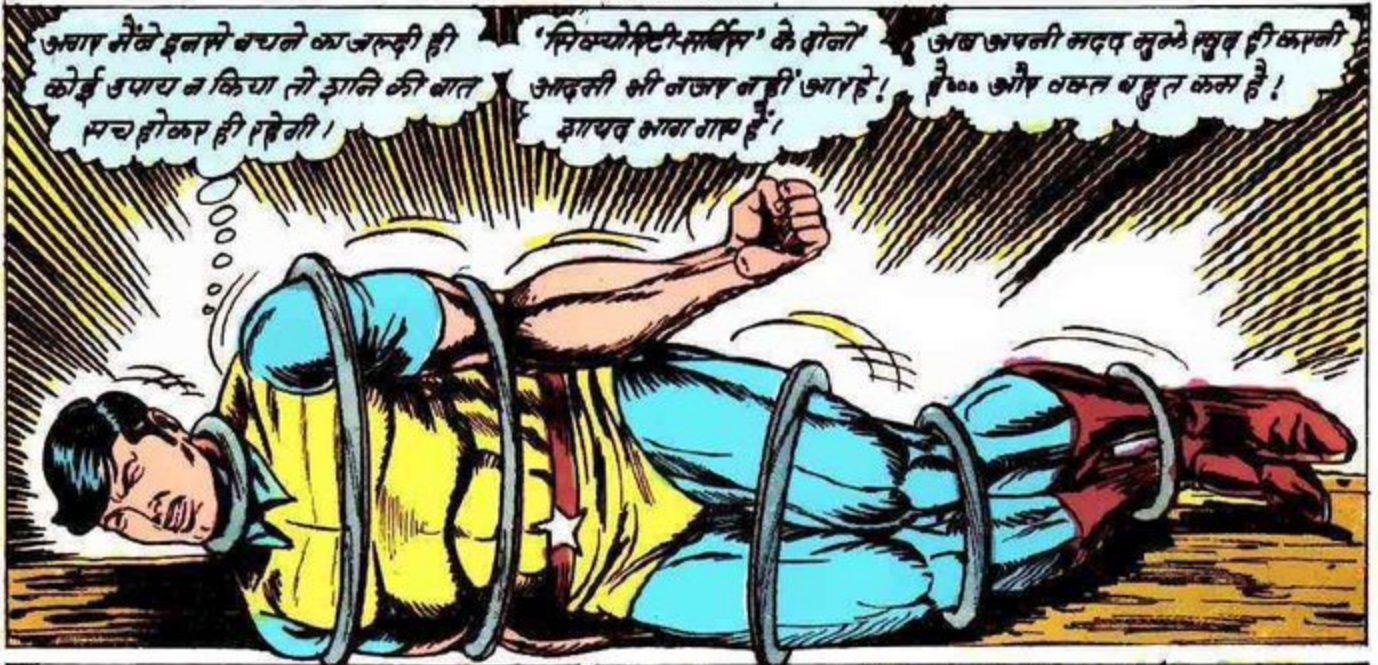
और तुम्हें मिलेगी गुड बाय, सुपर कमांडो ! एक भयानक अब नर्क में मुलाकात होगी !



ओह ! ये दोनों भगा रहे हैं, और मैं इनको रोकने के लिए कुछ भी नहीं कर सकता ! क्योंकि फिलहाल तो मुझे अपनी जान बचाने का रास्ता सोचना है !



क्योंकि ये धूलने मेरे शरीर को कासते जा रहे हैं !



कुछ ही पलों में वह भुव, धूलों में अजब था—



बुलनी देर में मेरे अलावा, सभी लोग यहाँ से भाग चुके हैं। और वैन का बेझक्रीमती कंसाइनमेंट भी लुट चुका है!

अब यहाँ पर रुकने का कोई फायदा नहीं है!



रात का अंधेरा भुव को बिगल गया—



और इसी वक़्त - राजनगर की सबसे झानदार इमारतों में से एक में—

तुमको इंडियन टाइम्स का चीफ एडिटर मैंने बनवाया है भैंरे! याद है न? तुम्हारी नौकरी और बुज्जत भी मेरे रहस्यो-कर्म पर है...





... और तुम्हारी जान भी। याद है न ?

य... याद है, बाको सर !

इंडिया का सबसे बड़ा माफिया चीफ है बाको...



फिर तुमने उस लड़की को माफिया गैंग और राज नीतिओं की मिलीभगत पर आर्टिकल लिखने की इजाजत क्यों दी ?



और इस गलती की कीमत तू अपनी जान देकर चुकाएगा, बेद्वे ! याद है न ?

याद है, बाको सर ! पर ऐसा मैंने काफी सोच-समझकर किया है ! उस लड़की पर नजर रखने का यही एक रास्ता था !

... और राजनीतिज्ञों को उनकी गद्दी पर बैठाता है... बाको...

... अगर वह लड़की नलावा मुझ तक पहुंच गई, तो इस गलती का जिम्मेदार बाको तुम्हें मानेगा, बेद्वे !



मैं मना करता, तो वह मौकरी धोखे पर आर्टिकल लिखने निकल पड़ती !

ऐसे कम से कम हमें ये तो पता रहेगा, कि वह अखिर क्या पता कर रही है ?



उस पर नजर रखो बेद्वे ! वरना तुम्हें खामखाह अपने हाथ उस लड़की के खून से रंगाने...

... ओह ! मिनल !

तुम जा सकते हो, बेद्वे ! लेकिन डेली रिपोर्ट देते रहना ! याद है न ?

य... याद है बाको सर !

इस मूर्ख बेद्वे को यह पता नहीं है, कि मेरे दो आदमी, नलाइका के पीछे पाए उसके लिए को रकीचकर पहले से ही लगे हुए हैं...
... जो एक गलत हकत पर उसके लिए को रकीचकर उसके धड़ से अलग कर देंगे!



हमारे आदमी वापस आ गए हैं, बाकी पर!

आ गए? चलो, मैं आता हूँ!



लाओ, बैनी, कहां हैं वे अबमोल एलन?

और... रसूल खान नजर नहीं आ रहा। वह कहां रह गया?

ओह! वे एलन मुझे दूसरों के लिए थे, ताकि मैं उनको बेचकर पैसा कमा सकूँ, और उस पैसे से राजनीतिज्ञों को खरीद-खरीदकर अपनी जेबों में रख सकूँ।
दुनिया की गजारों में मैं एक बिजनेसमैन हूँ। बहुत बड़ा बिजनेसमैन। लेकिन मेरे पैसे कमाने का जरिय तो अपराध ही है।



और उस जरिय को तुमने मुझसे लपेटा है। और ऐसा करके तुमने मुझे गुस्सा दिलाया है...

... और बाकी को जब गुस्सा आता है, तो वह बल जाता है...

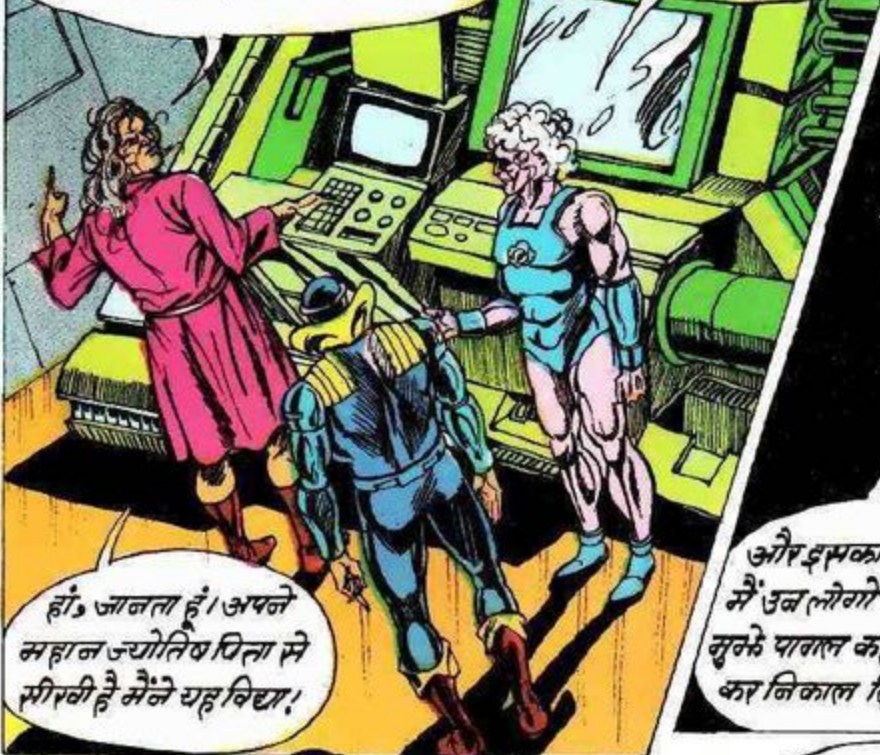
मय से थप-थप कंपता बैनी सब कुछ हाइ स्पीड टेप की तरह उगलता चला गया—



एक बार इनके बारे में पता चल जाने के बाद मेरी ज्योतिष विद्या के लिए ये जानना मुश्किल नहीं था कि ये एतन किस समय और किस रास्ते से सगरपोर्ट जाएंगे ?

कमाल की ज्योतिष विद्या जानते हैं आप महान नास्त्रोदमस !

वे सिर्फ एक बात नहीं जानते थे कि ज्योतिष विद्या और विज्ञान का आपस में गहरा संबंध है ! लेकिन मैं इस बात को साबित करके रहूंगा !



हां, जानता हूं। अपने महान ज्योतिष पिता से सीखी है मैंने यह विद्या !

और इसका सबसे पहला नमूना मैं उन लोगों को दिखाऊंगा जिन्होंने मुझे पनाल कहकर अपने बीच से ठुकरा कर निकाल दिया था !



अचानक दिन-

सरकारी सर्कस के यहां अब तो एक से जाने से मैं तो बेकार ही रास्ता बचता हो गई ध्रुव !

है...

... कि मैं सड़क पर मजमा लगाकर बट का तमाशा दिखाऊँ !

बुढ़ आइडिया, रिचा ! नगाड़ा मैं बजा दूंगी ! कमांडो का टेन परसेंट दे देना !



तुम चाहो तो कमांडो फोर्स जवाइन कर सकती हो, रिचा !

कमांडो फोर्स ? नो थैंक्स, ध्रुव ! मुझे लड़ाई-मिर्दाई से बहुत डर लगता है !





तो फिर मुझे यह बताओ कि तुम्हारी रुचि जिम्नास्टिक के अलावा और किस-किस चीज में है!

कंप्यूटर!

वाह! तब तो तुम कमांडो हैडक्वार्टर के नए सुपर कंप्यूटर को संभाल सकती हो!



हुम! संभाल तो सकती लेकिन काम करने के हैं। मैं एक एक्सपर्ट सिर्फ मुझे पूरे एकांत की कंप्यूटर-प्रोग्रामर हूँ। ज़रूरत होती है! मैं कमांडो हैडक्वार्टर में बैठकर काम नहीं कर सकती!

जो प्रॉब्लम! मैं तुम्हारे अपार्टमेंट में एक 'कंप्यूटर टर्मिनल' लगावाकर उसे अपने सुपर कंप्यूटर से कनेक्ट करवा देता हूँ...

...उसके बाद तुम घर बैठे मेरे सुपर कंप्यूटर को हैडल कर सकती हो! काम भी हो जाएगा और तुमको एकांत भी मिल जाएगा!

रुब आइडिया, धुव! मुझे तुम्हारा प्रस्ताव मंजूर है!



बाकी बातें बाद में करेंगे, तुम कंप्यूटर टर्मिनल रिया! अभी मुझे कुछ ज़रूरी लगावाओ, मैं बाद में काम निबटाने हूँ। तुमसे मिलता हूँ।

तुमने अपनी दुश्मन अब जब तक तुमसे दुबारा नहीं मिलती, तब तक मेरा सल्लय कैसे भक्त बना लिया है कहेगा, यह तो मुझे भी नहीं मालूम!



...तब तो है एक और कन्या भद्रया पर धराकाशी हो गई!

नलाका, धीरे-धीरे अपनी मंजिल तक पहुंच रही थी-



००० और इस वक़्त भी इसके बंगले में मेरा यहां पर एक घुसने वाला यह आवसी किसी भी कोण घंटे का इंतज़ार, आखिर से डारिफ नही लग रहा है!



जरूर है कि ये जो कुछ भी बात करने आया है वह इंतज़ाम करके आई मेरे काम की होगी। मेरे तो अच्छा घुसकर इनकी बातें सुन पाना बहुत मुश्किल है...



अ, डिप्ट डोब, और मुझे इनकी प्यारी-प्यारी बातें सुना!



दारु बाबू, ये है उन इंसानों का पुलिस वालों की निष्ठा, जिनका दांसफर करवाना है...

मिलिटरी बल से तो आपके अभी भी अच्छे कनेक्शन हैं...

...वैसे भी, ये बात तो वो भी समझ ही रहे होंगे कि इस चुनाव क्षेत्र से तो आपको ही जीतना है!

बी० आई का सहयोग रहा, तो हमको जीतने से कौन रोक सकता है...

...तुम बी० आई को बोल देना कि उनका काम हो जाएगा! उनके इलाके में ये पुलिस वाले बुबारा नजर नहीं आएंगे।



बी० आई तक हमारी एक और... हमारे खिलाफ एकड़े इन्सिजा पहुंचा देना! चार-पांच एक विपक्षी उम्मीदवार के आदर्श भेज दें...

होड़ा ठिकाने लगाने हैं।

...अब हम चलते हैं। नगरकार झरद बाबू...

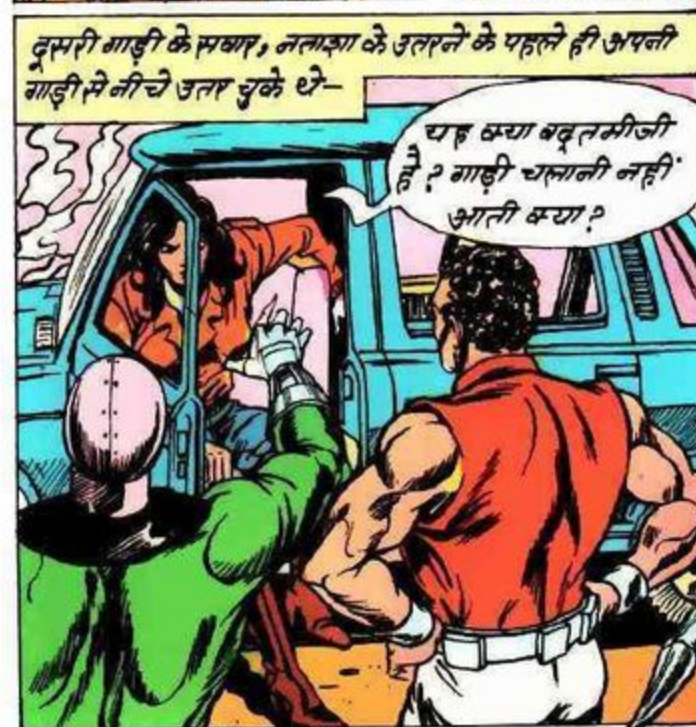
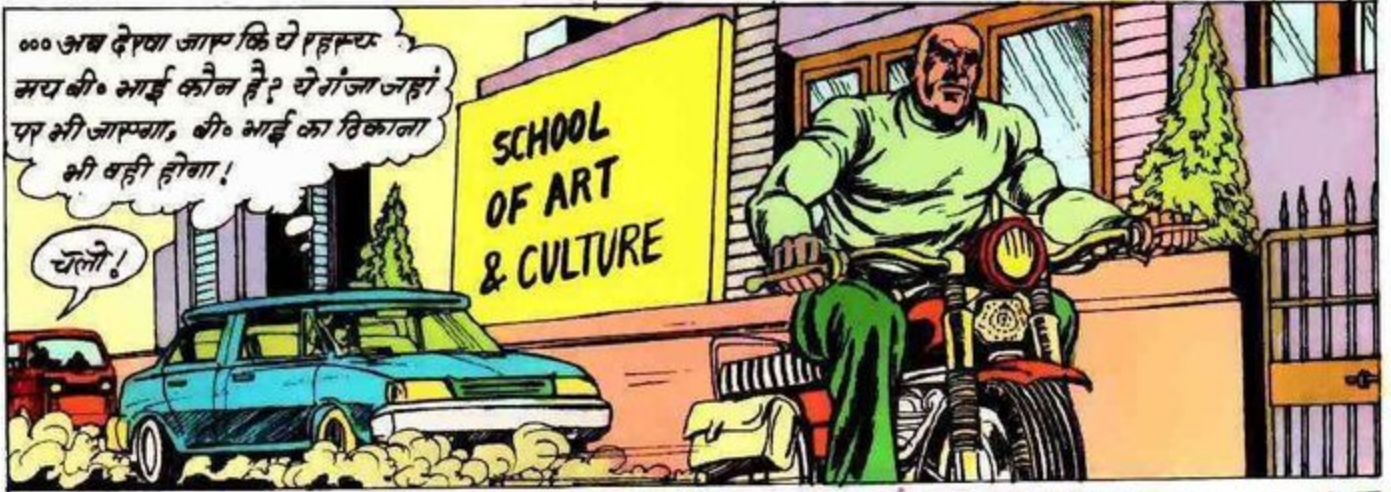
कबूतर की गर्दन में बंधा हुआ माइक्रो ट्रान्स्मीटर, एक-एक शब्द को नताका के टैपिकार्ड तक पहुंचा रहा था—



मेरा लयाल सही निकला! झरद कुमार का किसी बी० आई से संपर्क है।

और ये बी० आई कोई गुंडे पालने वाला साफिया चीफ लगता है... ये है मेरा झरद आई के खिलाफ पहला मुक़ाबला!



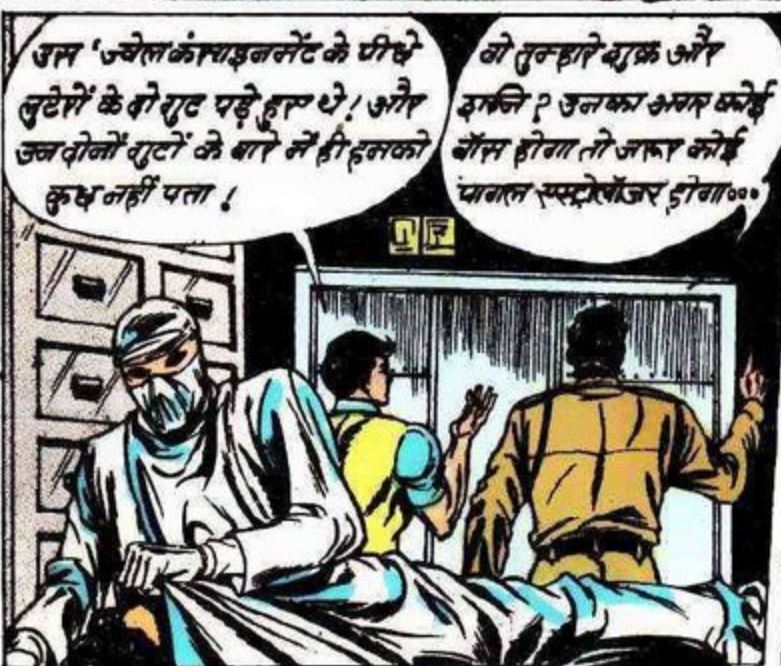


और इसी दौरान राजनगर के सेंट्रल गवर्नमेन्ट हॉस्पिटल के काबूतुह में-



इसके बारे में
कुछ पता चलाने के लिए
सहब?

हमने अपनी सारी फाइलें
खन सारी भुव! यह राजनगर
का गुंडा नहीं है। इसको कहीं
बाहर से बुलाया गया था।



उस 'जेल कांस्टेबल' के पीछे
लुटेरों के दो गुरु पड़े हुए थे! और
उन दोनों गुरुओं के बारे में ही हमको
कुछ नहीं पता!

तो तुम्हारे ब्रुक और
दरनि? उनका अपराध कोई
बॉस होगा तो जरूर कोई
पागल स्पेसबॉय होगा...



होता है न? कोई बॉस
पागल वैज्ञानिक होता है,
कोई वीला पेंच प्रोफेसर!
बस, जैसे ही...

कायद आपकी
कहा रहे हैं। आइडियल
सोचने वाला है!



इंस्पेक्टर रणना मुक्त पर चंचल
कसते-कसते, कायद गलती से
सही बोल गया!

ब्रुक और दरनि के
अपराध करने के तरीके से साफ
पता लगता है कि उनका अपराध
करना वहाँ की वास्तविक शक्तियों
पर आधारित है।

वे कहीं न कहीं रणना का नाम जानें 'स्पेस-
फिजिक्स' से जुड़े हुए हैं। कायद 'राजनगर-
ऑब्जेक्टिव' के कायरेक्टर से ही कुछ मदद
कर सकें। उनसे मिलना होगा मुझे!

नताड़ा पर खतरा मंडरा रहा था-

कैसे हमको दे दे, लड़की!

कैसे चाहिए तो किसी में यह बिजनेस ऑडियो-वीडियो लाइब्रेरी में जाकर मांगो!

मैं सोच रहा था कि तुमसे कैसेट लेने के बाद तुम्हें खत्म किया जाए, या तुम्हें खत्म करने के बाद कैसेट ले ली जाए...

...तूने पंजारा जा की मुश्किल आसान कर दी!

धड़!

नताड़ा वह बार बचाने लकी-

कुछ पलों के लिए उसका निर घूम गया-

और उसकी गर्दन तक डिकेंजे में फंस गई-

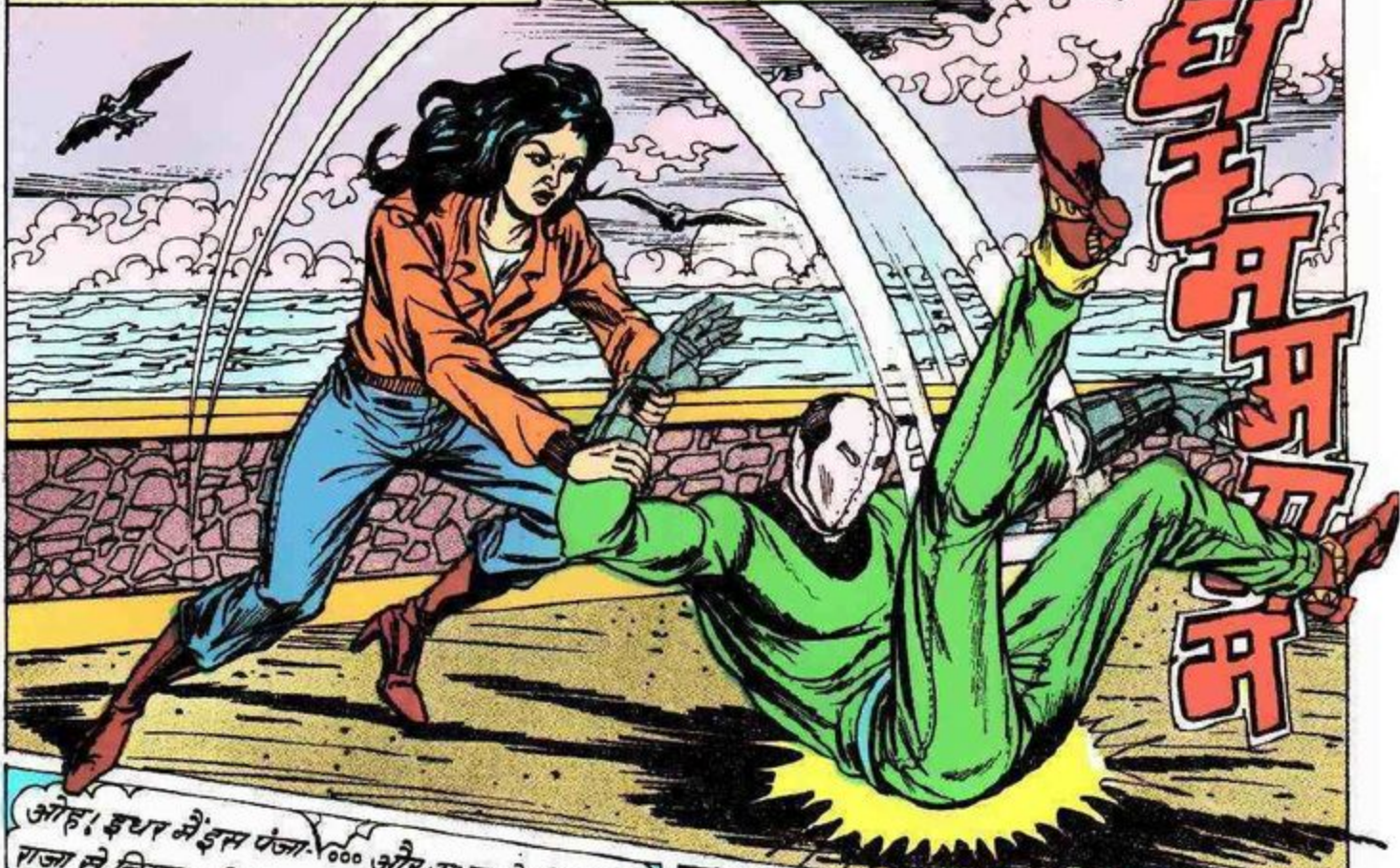
बार अप्रत्याशित था-

अस्मीमित ताकत थी उन पंजों में! नताड़ा का सिर धड़ से उखड़कर अलग हो जाने को बेताब हो रहा था-

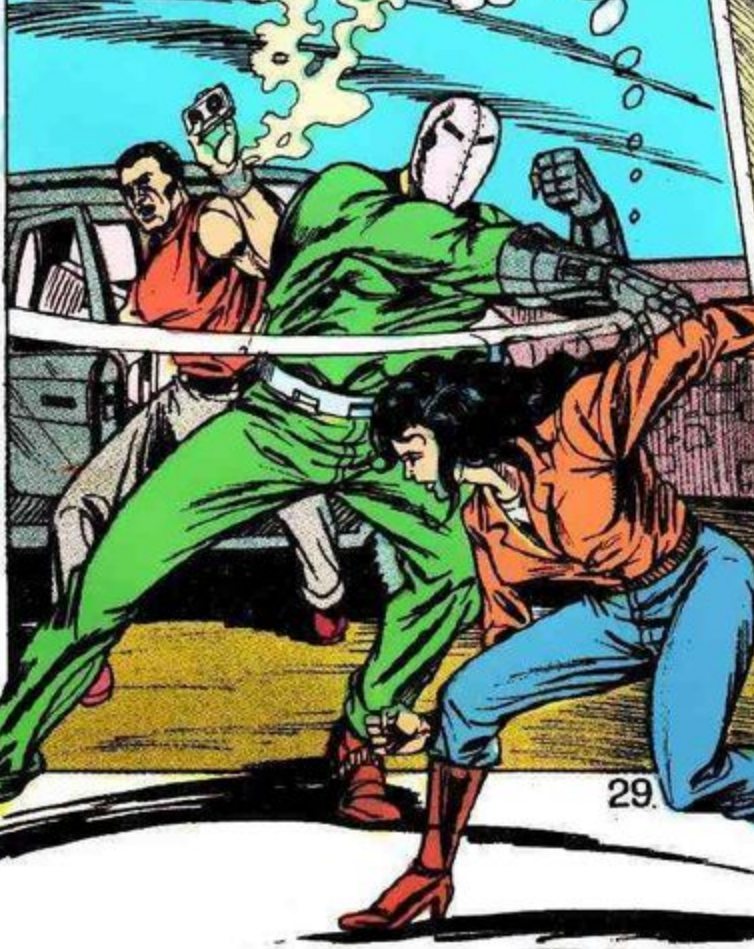
लेकिन नताशा, एक आम लड़की नहीं थी—

दांच-पेंच उसे भी आते थे—

धड़
धड़
सस
सस
सस
सस



ओह! इधर मैं इस पंजा... और उधर वो नीचो मेरी
राजा से लिपट रही हूँ... कार से कैसे निकाल चुका
है!



कुछ

कैमेट, नीचो के हाथ
से धुट गई-

धुट
क



और बलादा कैमेट की तरफ लपकी-



... नीचो अपनी पिस्तौल, निशाने पर तन चुका था-

लेकिन कैमेट तक पहुंच पाने से पहले ही...

धुट
क



धुट
क



धुट
क

धुट
क

धुट
क



कुछ ही पलों बाद—



फिर तो बला के हाथ में थी—



अब तुम दोनों मुझे बलाओ! क्यों लोगो छे मेरे पीछे?



कैसेट से तुम लोगों का क्या संबंध है?

अचानक ही पल- नलाड़ा के लिए पर मानो पहाड़ टूट पड़ा—



रबल का बेंडर लड़की को!

नहीं! इसको चेतावनी मिल चुकी है! इसको संभलने का एक मौका मिलना चाहिए!

चलो, सुनो! एक मामूली रिपोर्ट लड़की से पिट गए!

तुम्हें मालूम था कि मेरा पीछा हो रहा है! और यह भी मालूम था कि तुम दोनों इस लड़की के पीछे लगे हो!

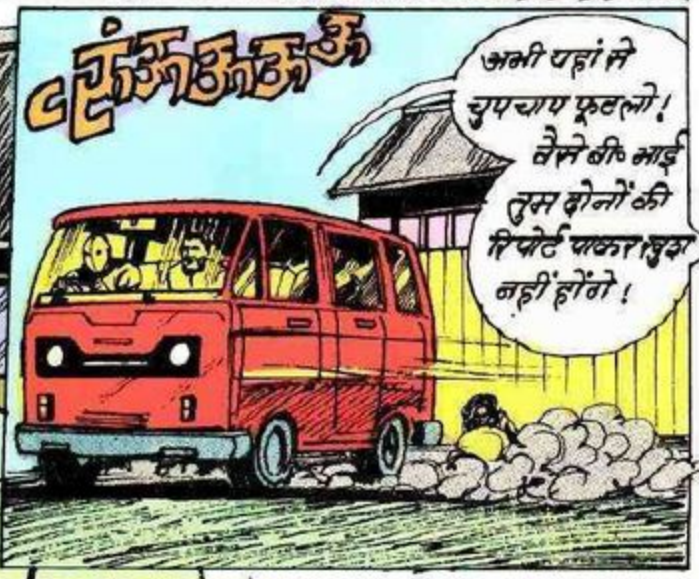


इम्पीलिय में यहां पर कापस आ गया... अचानक ही हुआ! वरना इस वक्त तुम दोनों पुलिस की हिरासत में होते!



रात का अंधेरा, धीरे- धीरे अपनी काली चादर में राजनगर को समेट रहा था—

यह है 'राजनगर ऑब्जर्वेटरी' के डायरेक्टर डॉक्टर साहा का अपार्टमेंट!



अभी यहां से चुपचाप फूटलो! वैसे भी माई तुम दोनों की रिपोर्ट पकड़ चुका नहीं होंगे!



हेलो! डॉक्टर साहा ओ, शुभ! स्पीकिंग! आप ... हां! हां... कौन?





ये सूर्य की शक्ति थी,
सम्राट! जिसकी किरणों को
इस अंबूरी में लगा रत्न
सोखता है।

और फिर मेरी कलाई में
लगा रत्न यही कारण कि किरणों
की शक्ति को दम लाकर गुना
बढ़ाकर घातक शक्ति वाला
बना देता है!



पागल हो गए हो क्या?
आग लगाओ इस
बिल्डिंग में?

चबराओ मत! यह दूसरा
रत्न कुछ ब्राह्मणों की किरणों को
सोखता है! कुछ के बादल
और पानी इस आग को बुझा
देंगे!



उ... ये सब
तुम मुझे क्यों
दिखा रहे हो?

क्योंकि तूने ही मेरे नाम पर
छब्बा लगाया है। मैं ज्ञानिपूर्वक
ऑब्जरवेटरी में अपना प्रयोग कर
रहा था!

तूने मुझे ऑब्जरवेटरी से निकाल
दिया। यह कहकर कि यह पागलपन वाले
प्रयोग, इस ऑब्जरवेटरी में नहीं होंगे।



याद है? जब मैंने कहा
था कि ज्योतिष शास्त्र
भी स्वर्गोल शास्त्र का ही
एक अंग है...

... और स्वामि रत्न, स्वामि राहों
की किरणों सोखते हैं, तब तू कितनी
जोर से हंसा था। पागल कहा था
तूने मुझे!

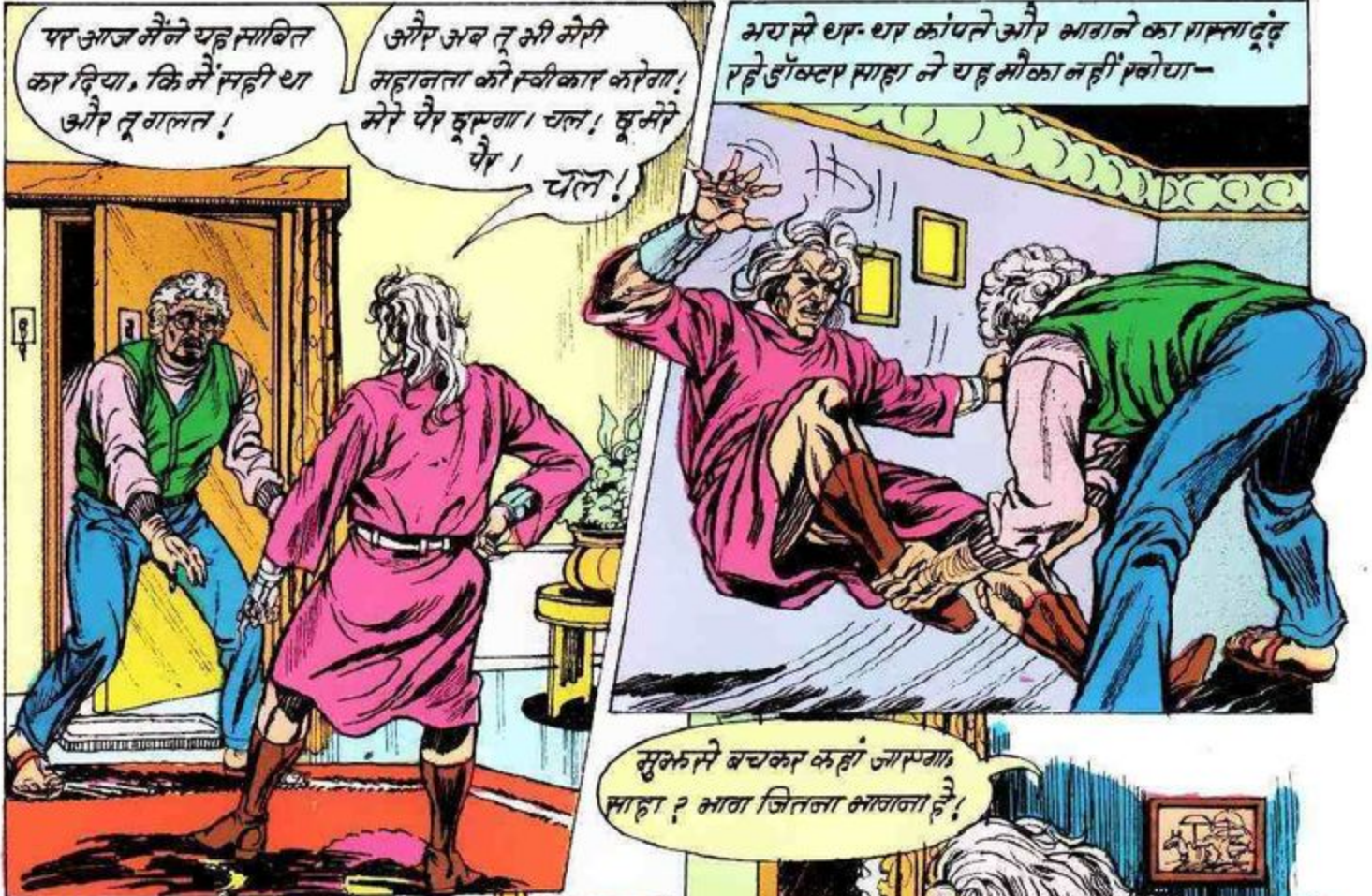
और फिर मुझे
यह कहकर
गैकरी से निकाल
दिया था कि यह
ऑब्जरवेटरी है, पागल-
पना नहीं!



उ... वह तो मैंने इसलिए
किया था, क्योंकि तुम सरकारी
ऑब्जरवेटरी में अपने व्यक्तिगत
प्रयोग कर रहे थे। इसकी मैं
इजाजत नहीं दे सकता था!



कूट! तुम डरते थे
मुझसे! मेरी बुद्धि से
जलते थे। इसलिए
तुमने मुझे रास्ते से ही हटा
दिया!





@DailyEpaperPDF



**| Gujarati | Hindi | English | Marathi |
| Telgu | Punjabi | Urdu |**



Your Own ePaper Library.

**We share daily E-paper from all around
the world**

Join today and enjoy reading.

<https://t.me/DailyEpaperPDF>

Contact Admin : @DailyEpaperPdfBot

@DailyEpaperPDF

t.me/DailyEpaperPDF

CLICK HERE TO JOIN!

और नाफ़ेदमस, उस पर फिसलता हुआ,
नीचे की तरफ बढ़ने लगा-



वहां से थोड़ी ही दूर पर- रिचा के अपार्टमेंट में-

फर्स्ट क्लास!
तुमने तो पूरी कंप्यूटर
लैब बिठा ली है, रिचा!



मैंने तो नहीं... तुमने!
फाइनेंस तो आखिर
तुमने ही किया है इस
कंप्यूटर लैब को!

वैप्रे मुझे इन सारी
चीजों की ही जरूरत थी!

अब मैं इस कंप्यूटर
सिस्टम के जरिए कुछ भी
कर सकती हूँ, कुछ भी!

बेरी मुठु! फिलहाल
मैं एक जल्दारी काम को
जा रहा था। रास्ते में सोचा,
कि तुमसे भी मिलता
चलूं।



अभी मैं चलता
हूँ। फिर मिलते
हैं।

डॉक्टर साहा अब एक भी कदम आगे
बढ़ने की हालत में नहीं थे-



हफ... हफ...
हफ...

क्या हुआ
तुमको?



रो... रोको उसे। हफ-
हफ! वह... वह मुझे
मार डालेगा! हफ! हफ!



और अब मैं तुमको बुध ग्रह की शक्ति
दिवाता हूँ। बुध ग्रह की एक सतह
का तापमान शून्य से 272 डिग्री नीचे
है। लेकिन दूसरी सतह का तापमान
जो हमेशा सूर्य की तरफ रहती है...
400 डिग्री है।

और इतने तापमान
पर धातुएं तक, पानी की
तरह पिघलकर बहने
लगती हैं...

...जैसे तुम्हारी जीप...



भागो! जीप फटने
वाली...

आह!



दू... दूर रहो
मुझसे!

मैं बचाऊंगा!

धुव... ओ वेक्स
गॉड!



हाहा हा अब तुम्हें मुझसे कौन
हा हा! बचाएगा, साहा?



सुपर कमांडो धुव! मेरे आदमियों, शुक्र और ज़ानि ने मुझे तुम्हारे बारे में सावधान किया था...

... अच्छा हुआ कि तू अपने-आप मेरे हाथों से मरने के लिए यहां पर आ गया!

अब नास्त्रेदमस तेरी मौत का तरीका खुद तय करेगा!



नास्त्रेदमस! तुम नास्त्रेदमस हो?

और वे शुक्र और ज़ानि तुम्हारे आदमी थे? तुम्हारा यानी वे सारे कीमती रत्न दूसरा जुर्म है? तुमने लूटे हैं...

अपने-आपको चुपचाप मेरे हवाले कर दो...

मैं तुम्हें मौत के हवाले करके जा रहा हूँ, बच्चे! और तू मुझे, अपने हवाले करने की बात कर रहा है!



ओहो! आश्चर्यजनक! इसकी उंगली से निकली किरणों ने जमीन में आग लगा दी!

आखिर यह मुक्त हमला कर रहा है?

इसके हाथ की अंगुलियों के रत्न आलस-आलस बाहों की किरणें सांखते हैं... और यह उन बाहों की शक्ति से ही आक्रमण करता है धुव! ये किरणें काफी खतरनाक हैं!

... तुम अगर इसकी अंशुवियों को किसी तरह से बेकार कर दो तो...

बहुत बोलता है दूसरा हा! मर्सी बहुत है तुमसे! (ले, मैं तुम्हें ठंडा कर देता हूँ...)

है इसने डेक्क साहा को बर्फ की भगवान! मिलनी में कैद कर दिया!



घबरा गया? चूचू!

घबरा मत! मैंने तेरे लिए मौत का दूसरा तरीका चुना है!



ये है मंगल और वृह-
स्पति ग्रह के बीच में तेरे
चट्टानी टुकड़ों की पट्टी!
स्पटेग्रॉउड बेल्ट!

इस स्पटेग्रॉउड बेल्ट की
शक्ति ही तेरी मौत का
कारण बनेगी लड़के!



ओह! ये भारी-भारी चट्टानी टुकड़े, गोली की फटकार से मेरी तरफ आ रहे हैं!

और ये इतनी ज्यादा ताबाह में है कि इनसे कुछ देर तक भी बच जाना मुश्किल लग रहा है!



दूसरी तरफ—

क्या मतलब है आपका? मेरी रिपोर्ट क्यों नहीं लिखेंगे आप?

हम रिपोर्ट लिखते हैं; नताशा जी! मनगढ़ंत आरोप और गप्पें नहीं लिखते!



मैं मनगढ़ंत आरोप नहीं लगा रही हूँ! मुझ पर जानलेवा हमला किया गया। मैं तीनों गुंडों के हुलिय भी बता सकती हूँ!



ऐसे तो मैं आपको पांच सौ पचाहत्तर गुंडों के हुलिय बता सकता हूँ! आप जिस बला के मैं हमले की बात बता रही हूँ; उस बला के मैं हमारी पेट्रोल जीप बराबर गड़त लगा रही थी। और उसने कुछ नहीं देखा!



आप मेरी रिपोर्ट नहीं लिखेंगे इंसपेक्टर तो मैं इस खबर को अपने पेपर में छाप दूंगी!

आप इसको पूरी दुनिया के पेपर में छपवा दो। फिर भी भूत-भूत ही रहेगा!

ऑल राइट! मैं तुम्हारे
सीनियरों से तुम्हारी रिपोर्ट
कहूंगी!

जाओ, जाओ, मैडम!
धमकी किसी और को
देना!

नलाड़ा धमकी नहीं देती उसके बाद आई जी.
मि. डंपरेक्टर! मुझे सिर्फ धुव साहब से कहकर तुम्हारी
से मिलने की देर है! बड़ी उतरवा लूंगी!

मालूम नहीं, नलाड़ा के मिलने तक धुव की किस्मत
में जिन्दा बचना था भी या नहीं—

आह!

अभी तक तो मैं
किसी तरह से जान
बचाए हुए हूँ...

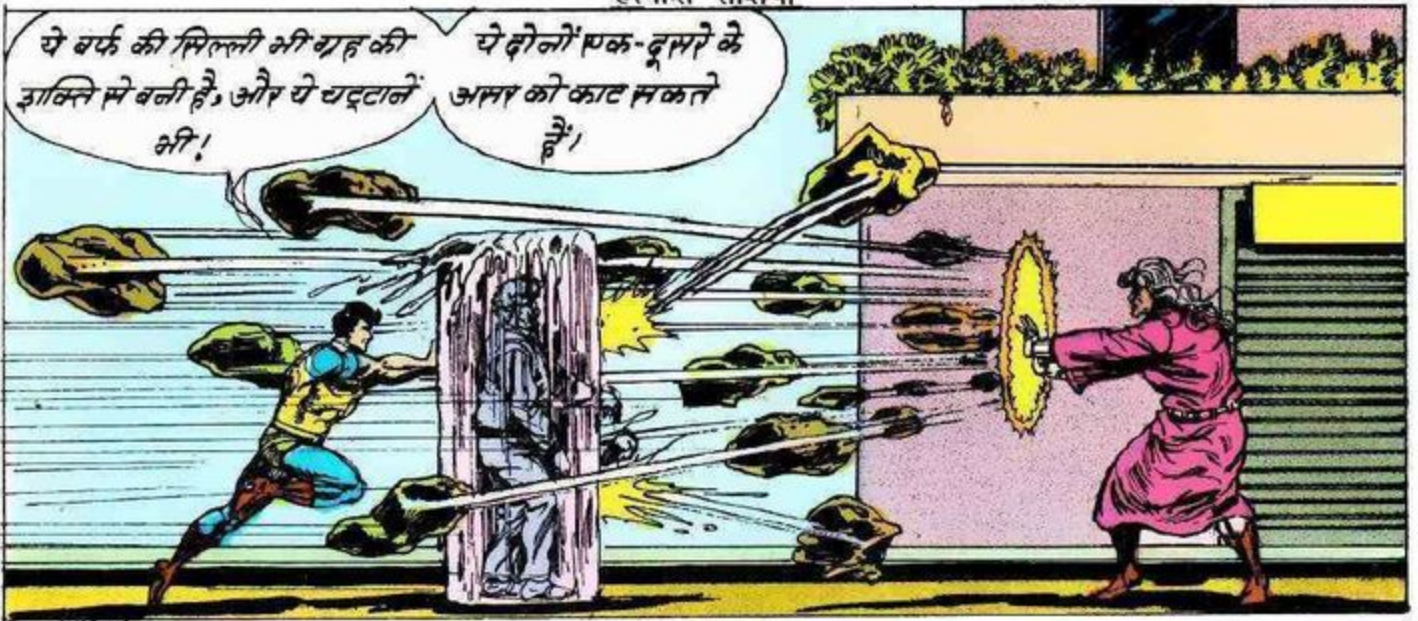
तड़

... लेकिन इन तूफानी रफ्तार की चट्टानों
का एक भी सीधा या मेरे सारे बदन की हड्डियां
तोड़ देगा!

नामश्रेष्ठमन तक पहुंचकर
उसकी अंघुठियों की जलद से जलद सामने खड़ा हुआ
बेकार करना होगा! यह कैसे? है!

ये बर्फ की मिल्ली भी बृह की
शक्ति से बनी है, और ये चट्टानें
भी!

ये दोनों एक-दूसरे के
असर को काट सकते
हैं!



नास्त्रेदमस के संभल पाने से पहले ही बर्फ की मिल्ली
उसके शरीर से आटकराई—



चट्टानें उखलने वाला गोला गायब हो गया—

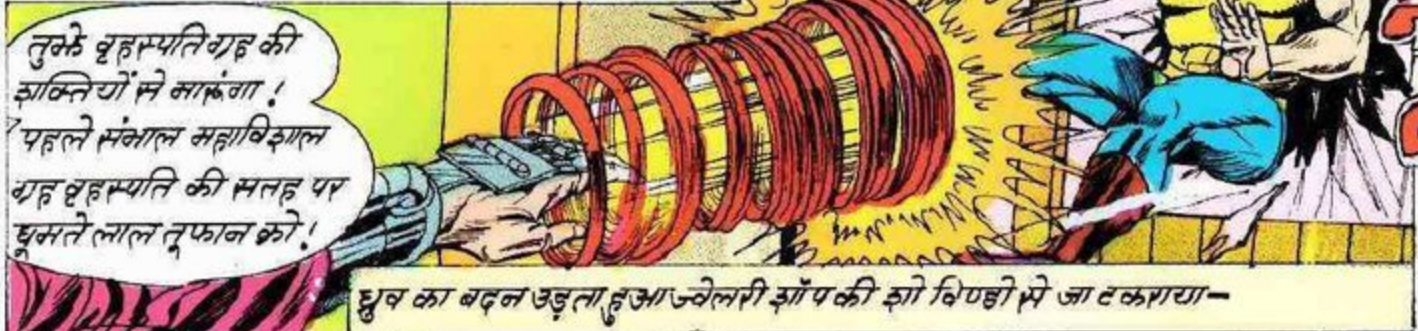
और नास्त्रेदमस क्रोध से पागल हो गया—

तूने नास्त्रेदमस पर
हमला करने की जुगत की!
मैं तेरा नामो-निशान
मिटकर राख दूंगा!



तडाकु

तुम्हें बृहस्पति बृह की
शक्तियों से साहंगा!
पहले संभल महाविशाल
बृह बृहस्पति की सतह पर
धूमते लाल तूफान को!



धुब का बदन उड़ता हुआ ज्वेलरी शॉप की दों बिण्डी से जा टकराया—

टक्कर इतनी जोरदार थी कि कुलेटपूफ झींझा भी चटक
कर रहा गया—



और ध्रुव का दिमाग लुब्ध हो गया—

य... यह क्या हो गया?
मेरे पैर तक ... हिल नहीं
पा रहे हैं!



तू उधलता बहुत है
सबसे पहले इसी का
इंतजाम कर दूँ।
बृहस्पति ग्रह की
गुरुत्वाकर्षण शक्ति
से!



सोच, वह गर्मी तेरे
हाडू-मॉस के ड्रापीर का
क्या हाल करेगी?

ध्रुव की विस्फारित आँखों अपनी
तरफ बढ़ती हथपाड़ी लपंगों को
देखने के अलावा और कुछ न का
सकी—



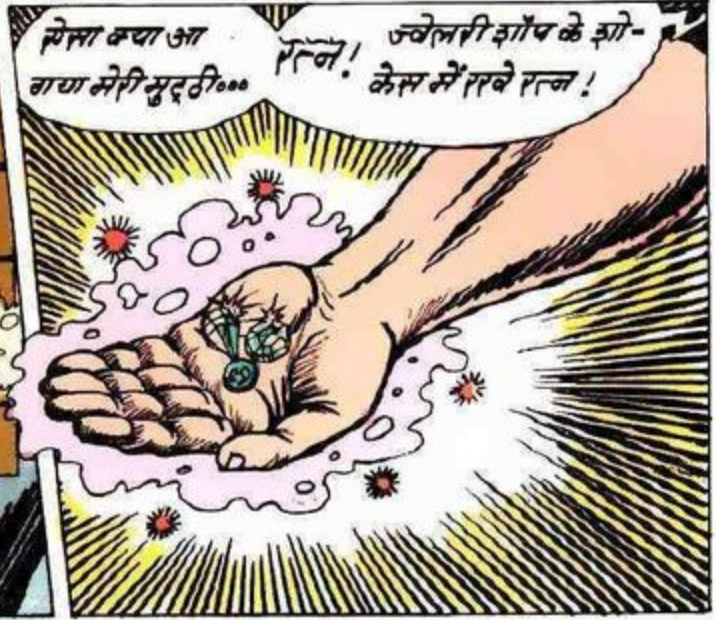
लेकिन उसके हाथ अपने बचाव के लिए आत्म-रक्षा
की जगह को टटोलने लगे और—



नहीं हिल पा रहे हैं
न? तूने बृह ग्रह की गर्मी
से जीप को पिघलते तो देखा
ही होगा!



और... उसके हाथों ने कुछ आ गया—



और फिर-रिच के अपार्टमेंट में-

तुमको इस वक्त डिस्टर्ब करने के लिए माफी चाहता हूँ रिच। लेकिन डॉक्टर साहा से मुझे कुछ जरूरी बातें पूछनी हैं...

माफी! मुझे दार्मिन्दा मत किया करो, ध्रुव!

यह तो मेरी खुशकिस्मती है कि मैं तुम्हारे कुछ काम आ सकी!

... और घटनास्थल से सबसे पास तुम्हारा ही अपार्टमेंट पड़ता है।

यलो देखो! डॉक्टर साहा बात-चीत करने की स्थिति में आ गए हैं या नहीं!

डॉक्टर साहा से सारी बातें जानने के बाद-

ओह! तो यह नास्त्रेदमस पहले ऑब्जरवेटरी में एक वैज्ञानिक था!

वाह! यानी नास्त्रेदमस के कंप्यूटर-सिस्टम का बाहर के सिस्टमों से भी संपर्क है। बेरी गुड!

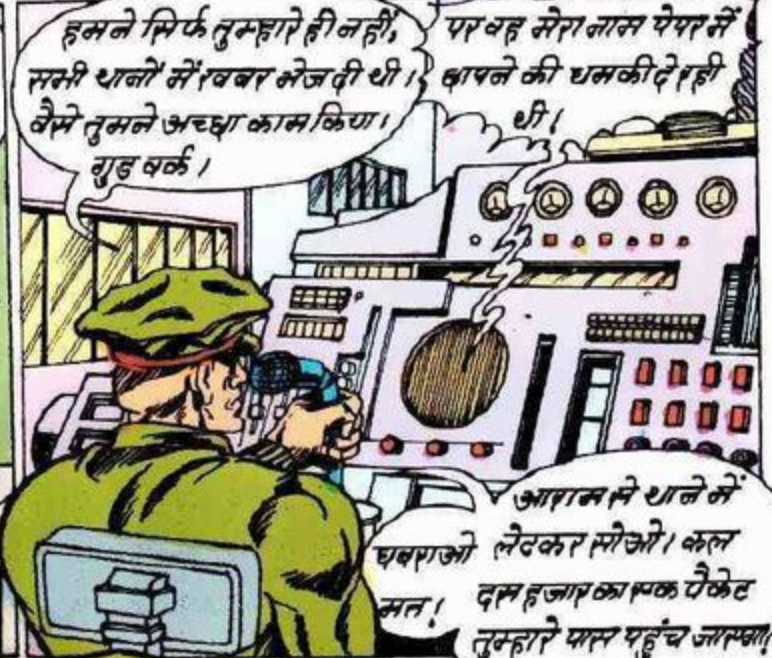
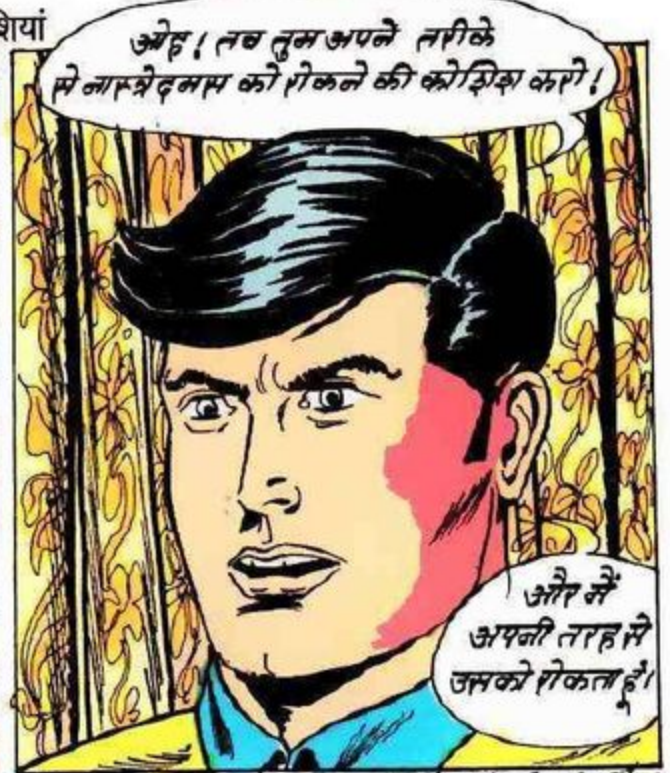
तब तो मैं भी अपने कंप्यूटर के जरिए नास्त्रेदमस के कंप्यूटर-सिस्टम को यहीं से ठीक-ठीक बेकार कर सकती हूँ!

हां, ध्रुव! ऑब्जरवेटरी से निकाले जाने के बाद इसने-कंपाला. ऑब्जरवेटरी के कंप्यूटर हिल्स में अपनी एक ऑब्जरवेटरी सिस्टम से संपर्क बनाकर हमारी बनाई है। वहां पर इसने अपना कंप्यूटर सिस्टम भी लगाया है।

और चोरी-छिपे हमारी कई गुप्त सूचनाओं की भी चुराया है।

तो करो रिच, करो! नास्त्रेदमस का खतरा अभी भी राज-मगर पर संभरा रहा है!

यह इतना आसान नहीं है ध्रुव! नास्त्रेदमस के कंप्यूटर सिस्टम तक पहुंचने के लिए मुझे काफी मेहनत करनी पड़ेगी!



कैथाला हिलम-

क्या? ध्रुव ने आपको भी भावने पर मजबूर कर दिया?

किस्मत तेज थी उसकी, डानि...

... कि हमारी लड़ाई एक ज्वेलरी शॉप के पास हो रही थी। वहाँ आज उसकी लड़ा तक जा मिलती किसी को!

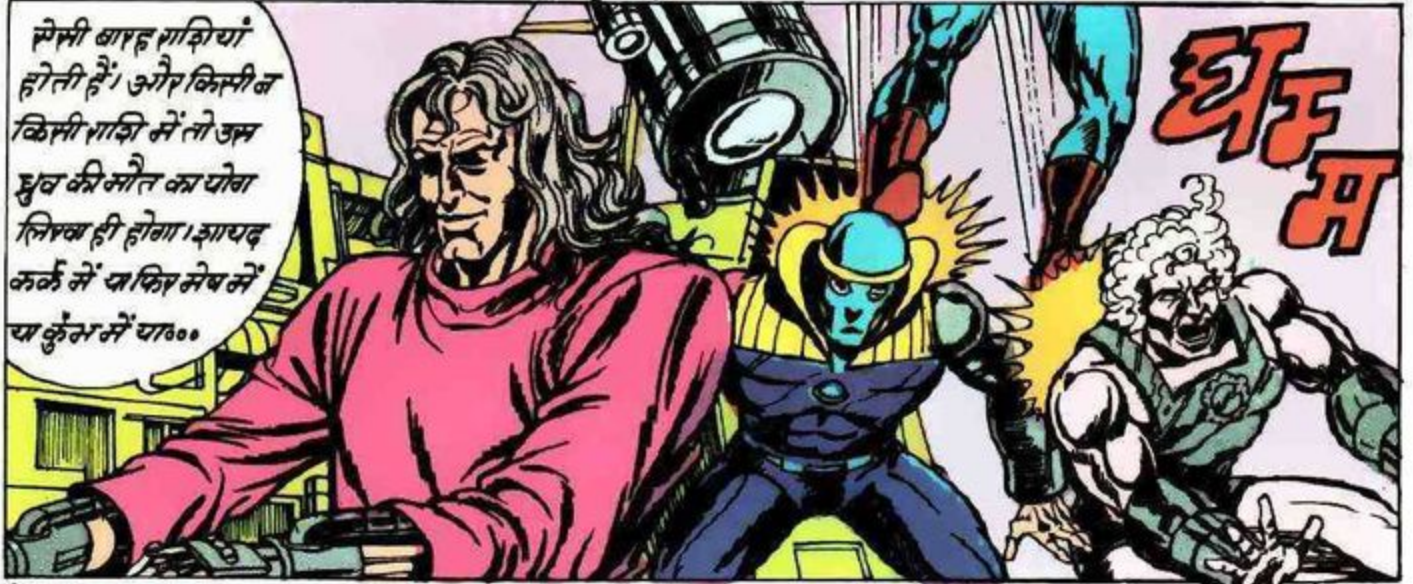
अगर ध्रुव... ध्रुव ने आपकी शक्तियों का काटवुंद लिया है, तब तो मामला खतरनाक हो गया है। अगर वह यहाँ तक आ गया तो?

... ये 'सुपरसोसाइज-क्रिप्टर'। यानी राशि निर्माता!

यहाँ तक तो वह आया ही डानि! साहा उसके यहाँ का पता जरूर बताएगा। और वह यहाँ जरूर आएगा!

ये कंप्यूटरबज्ज क्रिप्टर ब्रह्माण्ड किरणों को इकट्ठा करके, उस वक़्त आकाश में जो भी राशियाँ उदित हो चुकी होंगी, उस राशि को इस ऑब्जर्वेटरी में साकार और सजीव रूप में बना देगा!

लेकिन नास्रोदमस के पास एक नहीं, कई शक्तियाँ हैं। और उनमें से ही एक है...



ऐसी बारह राशियां होती हैं। और किसी न किसी राशि में तो उस ध्रुव की मौत का योग लिखा ही होगा। शायद कर्क में या फिर मेष में या कुंभ में या...

अपनी किस्मत को ध्यान में पढ़ ले, नास्त्रेदमस! क्योंकि तेरी मृत्यु राशि का नाम है... सूर्य कमांडो ध्रुव!



... क्योंकि यही 'य' लिखी है तेरी मृत्यु की छड़ी।



आहा! मैं तेरा ही इंतजार कर रहा था लड़के! तुम्हें तो यहां पर आना ही था...



और वह खड़ी है...



रिच, अपने कंप्यूटर से उलझी हुई थी-

ओफ़! जॉन्स दस घण्टा-बर्त और कोड ड्राई कर चुकी हूँ। लेकिन सारे के सारे निगेटिव! सबसे 'एप' आ रहा है!

जल्दी करो, रिच! जल्दी करो!



जॉन्स के कंप्यूटर-सिस्टम के अन्दर पहुंचो! मैं जानता हूँ, और यह अनुभव भी कर चुका हूँ... कि जॉन्स दस घण्टा-बर्त और कोड ड्राई कर चुकी हूँ... कि जॉन्स दस घण्टा-बर्त और कोड ड्राई कर चुकी हूँ...

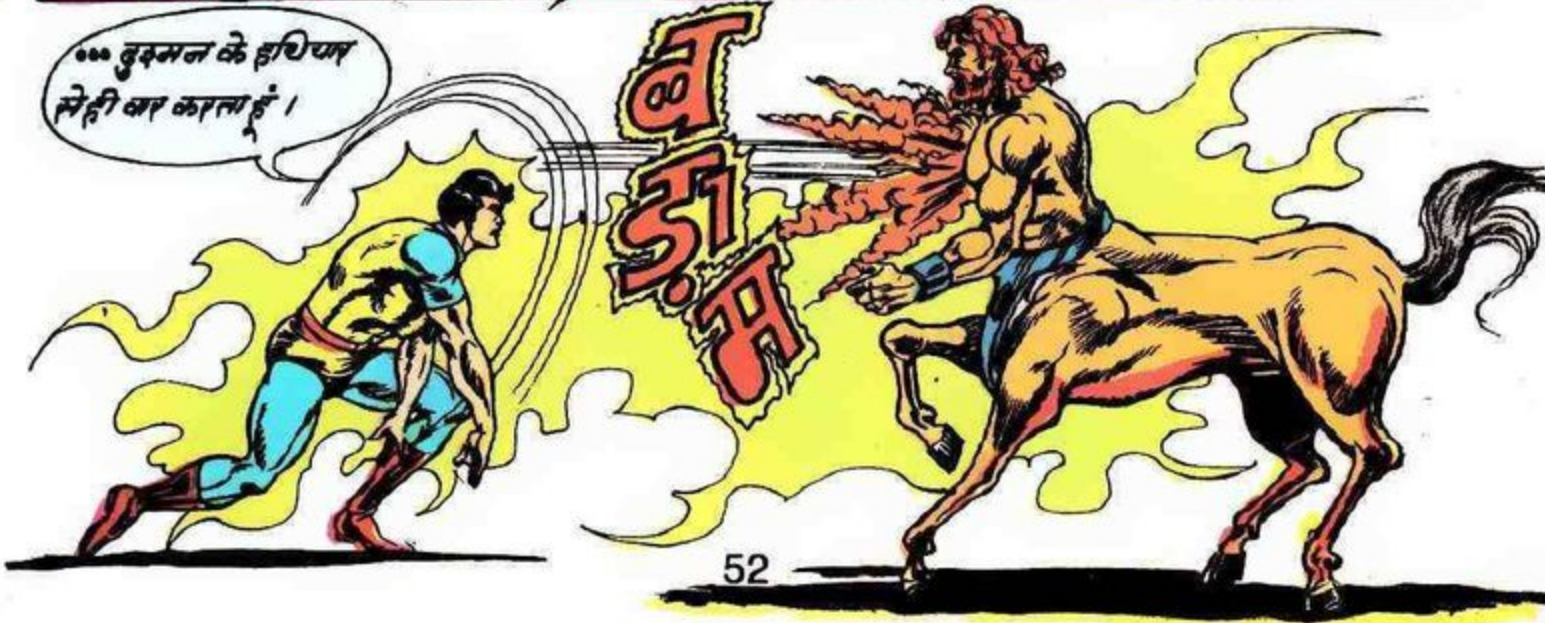
धुव की जान बचाने में है...



धुव, सचमुच बचाने में था-

टंग टंग टंग







अरे! इस पर कोई भी असर नहीं हुआ!

यह 'ब्रह्माण्ड-किरणों' से बना राशि प्राणी है, धुब! यह चलता ही सौर ऊर्जा से है!

(अगर ऐसा है तो फिर मुकाबला बराबरी का होगा चाहिए!

अगर मेरे हाथ में हथियार नहीं है, तो फिर इसके हाथ में भी नहीं रहेगा!

तुम खुद इस पर सौर-ऊर्जा युक्त ही सोचो! बाण भला क्या असर करेंगे?

ओह! याजी तुम मेरे 'राशि-प्राणी' से आधुनिक बल वाला मुकाबला चाहते हो!

बेरी गुड! क्योंकि ब्रह्माण्ड-किरणों के इस क्षीर को तो 'यूबिलियर' बस भी नहीं भेद सकते...

धुब ने कोदिस की-

हहाहा हा!

...फिर भी, तुम कोदिस करके बेवश हो!

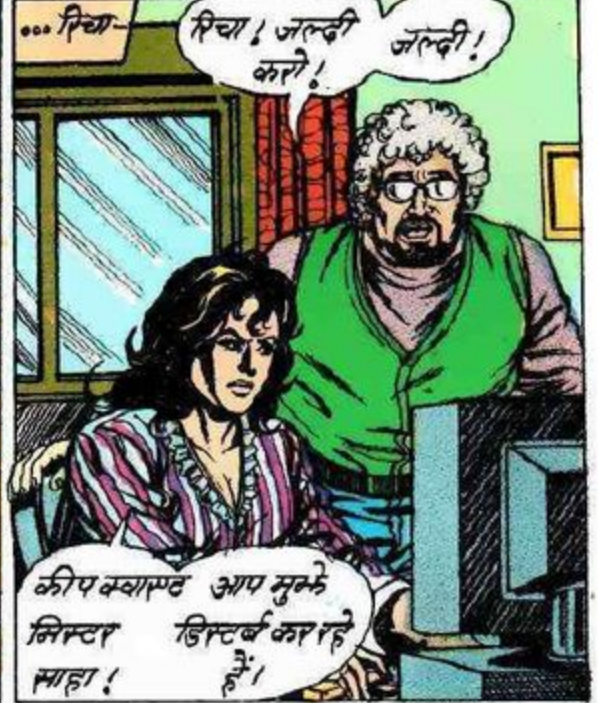
तड़क

और उसके दिमाग का जर्ज-जर्ज हिलकर रह गया—

संभल पाने से पहले और धुब का दिमाग धीरे-धीरे अंधकार में डूबने लगा—



इससे ऐसे जीत पाना असंभव है। इसको बेकार करने का एक ही तरीका है कि इसको संचालित करने वाले काम कर सकती कंप्यूटर को बेकार कर दिया जाए। है सिर्फ...



... रिचा— रिचा! जल्दी करो! जल्दी!

कीप ब्यापट आप मुझे मिस्टा डिस्टर्ब कर रहे हैं।



ओफ़! डैम इट! नास्त्रेदसस के कंप्यूटर सिस्टम में 'ग्लैंड' करने की मेरी सारी कोशिशों नाकाम साबित हो रही हैं। (और जब तक मैं कामयाब होऊँगी, तब तक धुब का न जाने क्या हाल हो चुका होगा!)



धुब की तरफ, धनुषाक्षी के खुर उभरते हुए कुचल देने के लिए बढ़ रहे थे—



तभी— धुब ने अपने-आपको संभाला—



और—

धनु, क्रोध से साबल हो उठा—

ओह! यह तो अपने एगुरों से इस पकके फर्क में घेद कर दे रहा है!



... फिर इसके एगुर मोरे बदन का क्या हाल करेंगे?



और उधर—

ईया या या या या!!

क... क्या हुआ? कारंट लगा गया क्या?



मैंने नास्त्रोदमस के कंप्यूटर सिस्टम में 'एंट्र' कर लिया है, डॉक्टर साहब!



वाह! तो बेकार कारंटो उस बड़बोले के कंप्यूटर सिस्टम को!

कारंती हूँ! अब सिर्फ एक मिनट और लंबोवा!

लेकिन धुव तो एक पल भी इंतजार नहीं कर सकता था—



अब मुझे इसको रोकने की नहीं, बल्कि समक में आध मुझे तो इसके एगुरों से तोड़-फोड़ तरीका! कमाने की जरूरत है!

और इसके लिए मुझे सिर्फ इसकी आंखों को बंद करने की जरूरत है...



... ताकि यह देव न पाए कि यह कहां पर बाप कर रहा है!



... धनु बौरवला उठा—



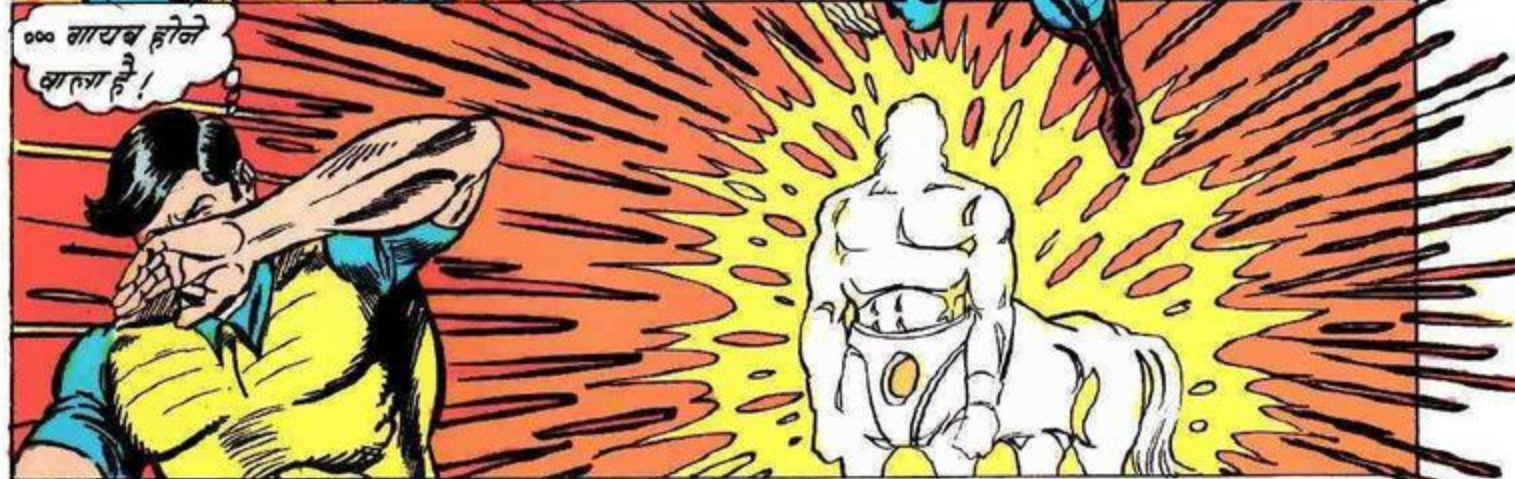
और धनु को सिराने की बेतरह कोड़का करने लगा—

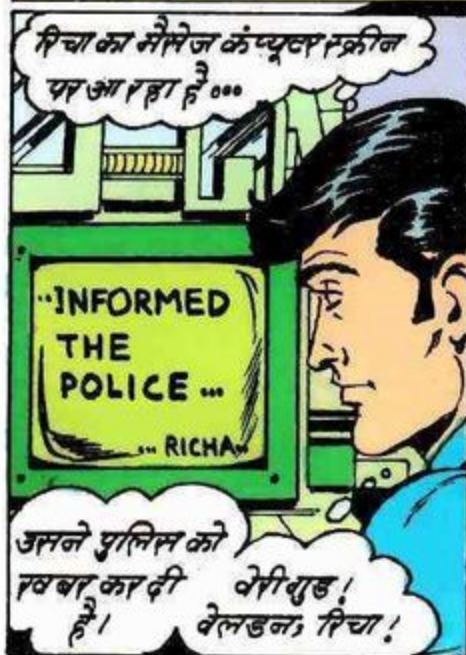
उसकी हर कोड़का, नास्त्रेदमस के ताबूत की एक-एक कील बचती जा रही थी—

अरे! यह बौरवला कर मेरे कंट्रोल से बाहर हो रहा है! ऐसे तो यह मेरी पूरी लैब तोड़ डालेगा!



कोड़का तो मेरी भी यही है, नास्त्रेदमस!

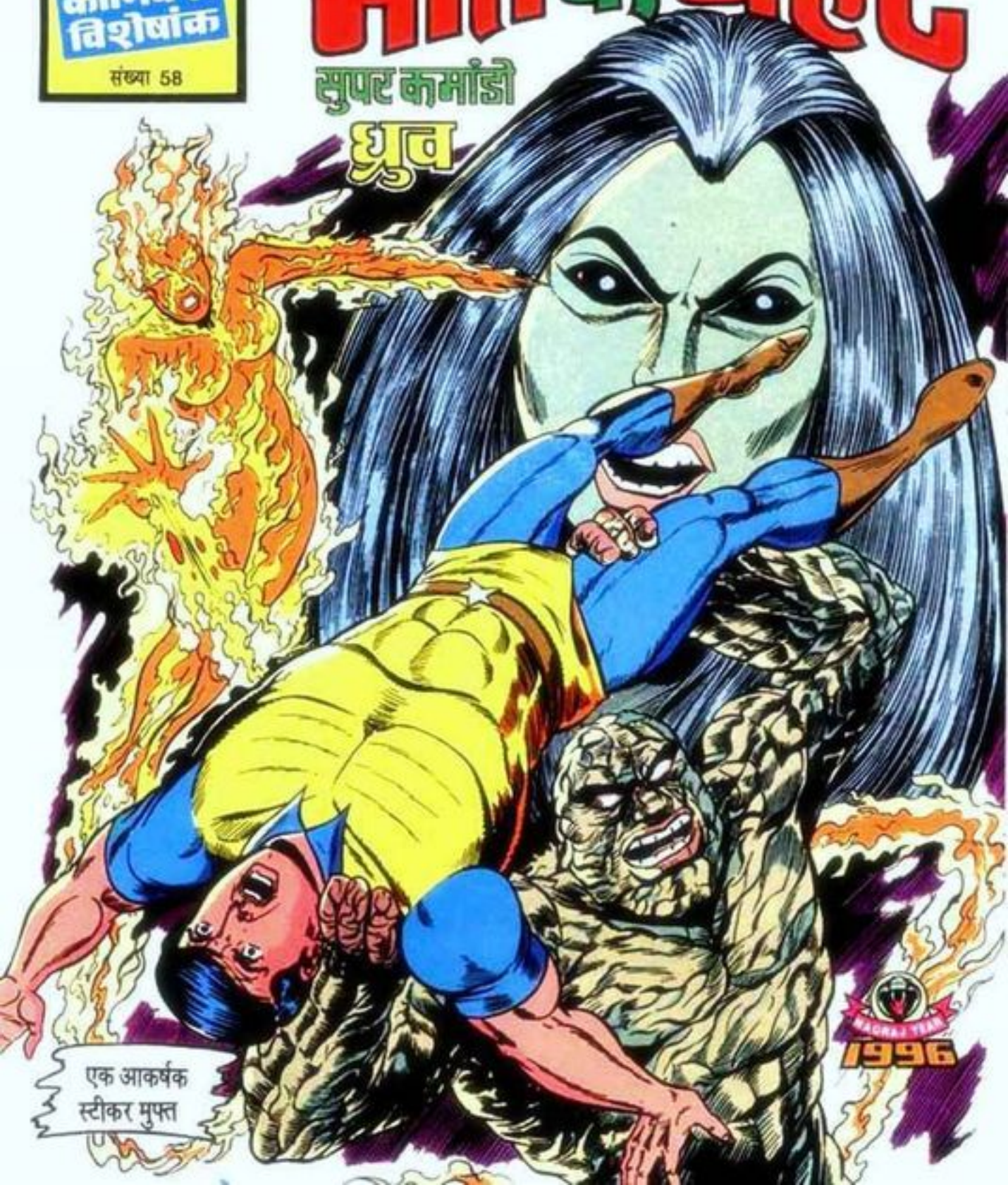






मौत के चेहरे

सुपर कमांडो
ध्रुव

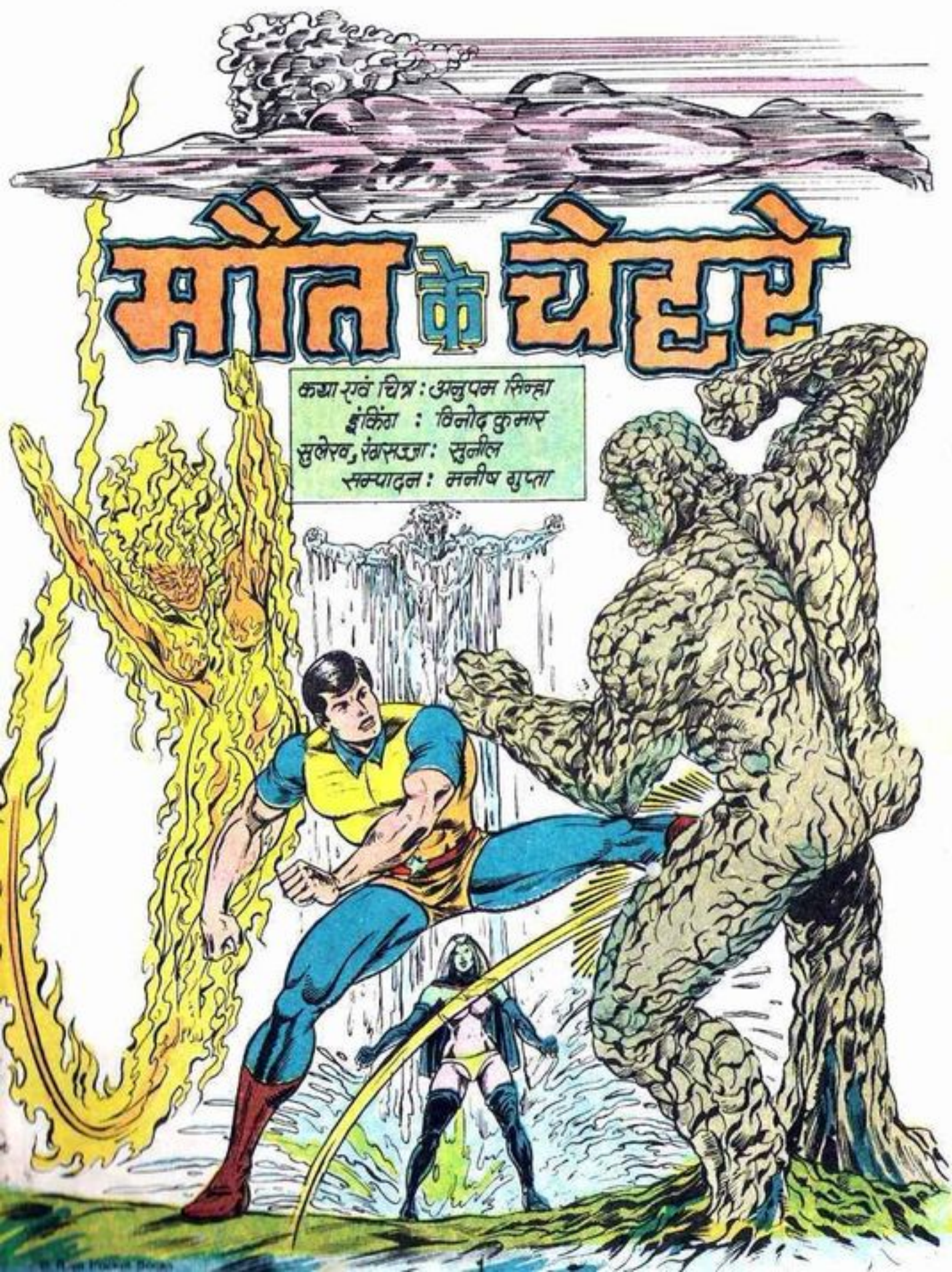


एक आकर्षक
स्टीकर मुफ्त

MAHARAJ YEAR
1996

मौत के चेहरे

कथा एवं चित्र : अनुपम सिन्हा
इंकिंग : विनोद कुमार
सुलेख, रंगसज्जा : सुनील
सम्पादन : मनीष गुप्ता



अंतरिक्ष की गहन गहराइयाँ और उसमें चमकते सितारे—

कुछ वैसे ही लगते हैं, जैसे विशाल शांत समुद्र में लैरती चमकीली मछलियाँ—

लेकिन इस समुद्र में कब तूफान आ जाएगा, यह कोई नहीं जानता—

अब वह बचकर नहीं जा पाएगी!

आगे वाले यान में—

वे एकदम मेरे पीछे हैं। मुझे एक बार फिर अपने यान की गति प्रकाश की गति के बराबर करनी होगी।...

लेकिन मुझे वह खतरा उठाना ही होगा, मैं...

अरे! यह क्या?

ताकि मैं अंतरिक्ष से 'परा-अंतरिक्ष' में प्रवेश करके इनकी... इसमें आखों से ओझल हो जाऊँ...

खतरा तो है...

ब्रह्माण्ड किरणों
का तूफान !

यह कहाँ से आया ? लगता
है कोई उस राह पर से इन
ब्रह्माण्ड किरणों को रबीच
रहा है !

ये ब्रह्माण्ड किरणों मेरे
यान के चुंबकीय क्षेत्र
में व्यवधान पैदा कर
रही हैं

मेरे यंत्र सही
तरीके से काम
नहीं कर रहे

... अब मैं परा-
अंतरिक्ष में धलंगा
नहीं लगा सकती !

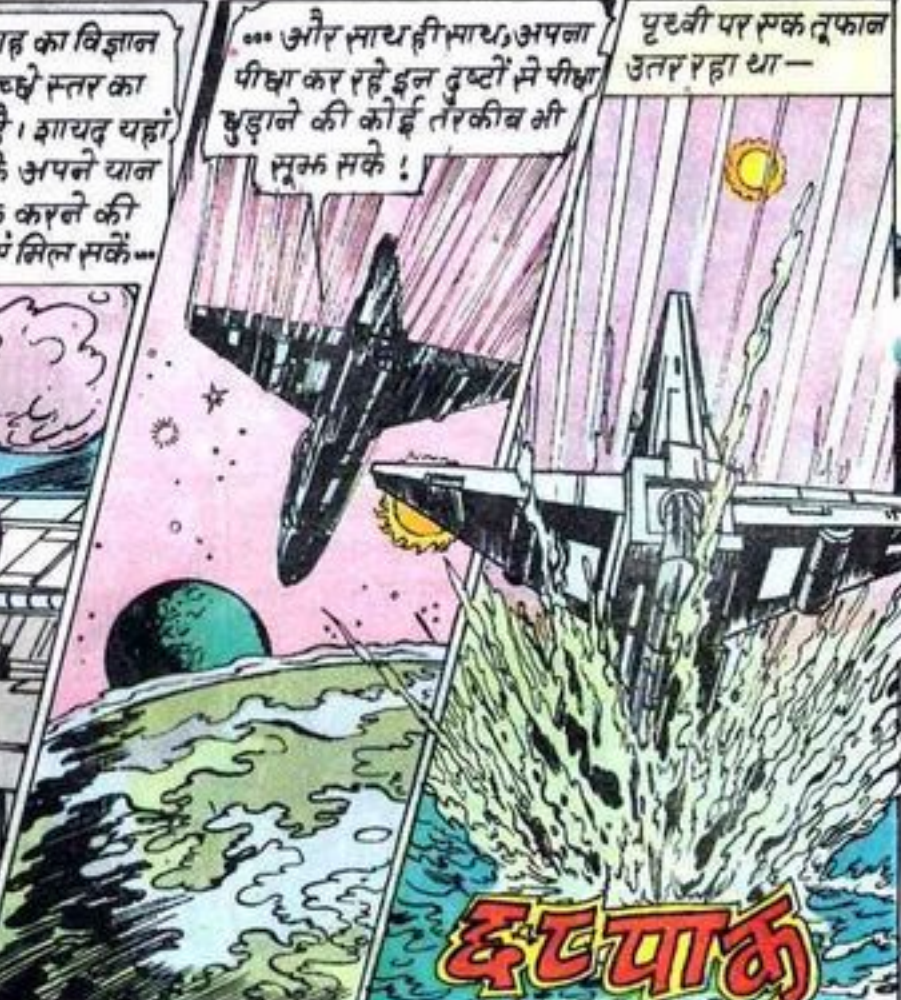


मुझे अपने यान को इस
राह पर उतारना ही पड़ेगा !

इस राह का विज्ञान
भी अच्छे स्तर का
लगता है। शायद यहां
पर मुझे अपने यान
को ठीक करने की
सुविधाएं मिल सकें...

... और साथ ही साथ, अपना
पीछा कर रहे इन दुष्टों से पीछा
छुड़ाने की कोई तरीका भी
सूझ सके !

पृथ्वी पर एक तूफान
उतर रहा था—



दुष्टपाक

★ पढ़ें 'हत्याशी राक्षियां'। ये ब्रह्माण्ड किरणों, नास्ट्रेदमस अपनी लैब में, 3
धनुरांश की बनाने के लिए रबीच रहा था—

और किसी को इसका आभास तक नहीं था—

ओफ़ ! इतनी सुबह-सुबह कौन आ गया ? दरवाजा भी मुझे ही खोलना पड़ेगा !...



...क्योंकि मम्मी किचन में हैं। और उनकी तरफ से इस घर में नौकर रखने की सराफ़ मनाही है !

अब मुझे इस घर में बेटी का भी रोल करना है...

... और नौकर का भी ...

नताशा, तुम ?

... इतनी सुबह-सुबह ओ ! गुड मॉर्निंग, गुड मॉर्निंग !



क्या बात है ? बड़ी परेशान लग रही हो ?

घर में चायपत्ती रखल हो गई क्या ? चलो, आज हमारे यहां चाय पी लो !

मैं चाय पीने नहीं आई इवेता ! मुझे तुम्हारे डेडी से कुछ काम था, अर्जेंट !







जीम ! हां,
कुल हाल तो
ठीक हैं।



लेकिन डॉक्टर अभी भी मुझे
डिस्चार्ज करने की तैयार नहीं हैं।
गोली ने हाथ की कई मांसपेशियों
को बुरी तरह से खत्म कर दिया है।

अभी भी बाएं
हाथ से एक पेन
तक उठाने की
सलाही है।

अच्छा सुनो ! एक
जरूरी काम था। मुझे इस
महीने की तनख्वाह यहीं
नर्सिंग होम में चाहिए। आज
ही !



पर क्यों पीटर ?
पैसे की क्या जरूरत
आ पड़ी ? तुम्हारा सारा
खर्च तो कैसांडी हेड-
क्वार्टर उठा रहा है !

है कुछ जरूरत !
तभी तो पैसे मांगा
रहा हूं !



न तुम समझ पाओगे,
करीम, और न ही मैं तुमको
समझा पाऊंगा !

ये बात मैं किसी को भी
नहीं बता सकता कि मुझे
पैसे क्यों चाहिए !



और लगभग इसी वक़्त—

मिल गई खराबी !
ब्रह्माण्ड किरणों के तूफान
ने मेरे यान के 'फ्यूल-टैंक'
में छेद कर दिया है।

और फ्यूल का स्तर कम
होने की वजह से, मेरे यान को
पीवर मिलनी बंद हो गई है !

मुझे न्यूक्लियर ईंधन चाहिए। और मुझे आभास हो रहा है कि इस शहर में से मुझे न्यूक्लियर ईंधन मिल सकता है!



और इस बॉक्स का उन के हाथ लगाना, मेरी मौत भी बन सकता है। क्योंकि इस बॉक्स में हैं वे पांच बेझाकीमती अंगूठियां, जिनकी कीमत है... पूरे ब्रह्माण्ड का राज्य!



समस्या गंभीर हो गई है।

क्यूसरी को बाहर निकालना ही पड़ेगा!

लेकिन मैं अपने साथ वह चीज जरूर लेती जाऊंगी जिसके लिए वे दुष्ट मेरे पीछे पड़े हुए हैं...

...और अगर वे मुझे ढूंढते-ढूंढते इस यान तक आ भी पाय, तो भी उनको राखी यान के आलावा कुछ नहीं मिलेगा!



और जरा मेरी मूर्खता देखो! मैंने अभी इन अंगूठियों की टेस्टिंग भी नहीं की है!

मुझे आभास हो रहा है कि इस शहर में न्यूक्लियर फ्यूल लेने के लिए मुझे इन अंगूठियों की मदद लेनी पड़ेगी!



रवैर जो भी हो ! फिलहाल तो मेरा उद्देश्य जल्दी से जल्दी न्यूक्लियर फ्यूल हासिल करके, इस अजनबी ग्रह से बाहर निकलना है।

वहां से कुछ किलोमीटर की दूरी पर -

मदद के लिए धन्यवाद, रिचा!

लेकिन वह आखिरी मैसैज 'फ्लैश' करने का क्या मतलब था?



मतलब? अरे, सीधी-सादी अंग्रेजी तो थी। आई... लव... यू!

दरअसल हिन्दी में बोलो तो बड़ी किक्कक लगती है। अंग्रेजी में बोलो तो लगता है कि बचपन से यही बात बोलते आ रहे हैं।

बड़ा... ओं... ने चुरल सा लगता है। यानी कि... यानी कि मतलब समझे न!

अच्छी तरह समझ गया! तुम भी कमाल की लड़की हो रिचा! दो-चार मुलाकातों में ही प्यार का इजहार करने लगी!



ये 'जेट-सेज' है ध्रुव! सब काम फटाफट करना पड़ता है... और मुझे बात छिपाने की आदत नहीं है। तुम मुझे अच्छे लोगों, तो मैंने तुमको साफ-साफ बता दिया!





शक तो मुझे पहले ही हो गया था।
शुरू से ही तुम इस लड़की पर ज़रूरत
से ज्यादा मेहरबान थे। लेकिन इतने
ज्यादा मेहरबान हो, यह मैंने नहीं
सोचा था।

अबल से काम
लो, नताशा! तुम
गलत समझ रही
हो! दरअसल रिचा
बेहोश...०००

अबल से काम लेती,
तो ये नौबत ही नहीं
आती, मिस्टर ध्रुव!

तुम्हारी अबल तुम
ही को मुबारक हो...
और यह लड़की
भी!

गुड बाय
मिस्टर ध्रुव!
हैव सनाइस
टाइम!

सुनो तो
नताशा...०००

भड़का

उफ़! कितनी जोर
से दरवाजा बंद
किया!

अब धीरे-धीरे प्याज
जैसी इस दुनिया की पर्तें
मेरे सामने खुल रही हैं।
इसका असली रूप मेरे
सामने आ रहा है...०००



००० और वह असली रूप
बहुत धिनौना है। अपराध,
रिश्कत, अराजकता और
भूट से सना हुआ रूप।

मेरी छोड़ी हुई ज़ुर्म
की दुनिया से भी ज्यादा
धिनौना!





डाम्सी, कैप्टेन को नताशा की सारी रिपोर्ट देता चला गया-



... और दूसरी लड़की, धरती की सतह पर कदम रख रही थी—



मुझे न्यूक्लियर फ्यूल बंद करने में कुछ समय लग सकता है। और इस दौरान मैं यहां के लोगों की नजर में नहीं आना चाहती। इसीलिए मुझे ...

!!



... अपना रूप इन पृथ्वी-वासियों बदलना होगा! जैसा ...



... मैं 'वीडियो-स्केनर' पर पृथ्वी के प्राणियों को देख चुकी हूं। मेरे रबद्याल में मेरा यह रूप इनके बीच में घुल-मिल जाएगा!

आं, गां गां गां ...



क्या हुआ, की क्या? गले में उड़ने वाली मछली फंसे गई क्या?



गां गां गां हों!

कोई मोर्ट आसामी दिख गई होगी। मारे रबुड़ी के मुंह से बोल फूट नहीं पा रहे हैं ...

... आहम भी देखते हैं। वाऊ!

तीन इक्के जैसी लग रही है!

चल, आ फिर! इससे जरा खैल लें!





००० इसको हम संभाल कर रख लेते हैं, सुन्दरी! तू घूम-घूम कर, टहल-टहला कर वापस आ, फिर हमसे ले जाना।

हम! चार प्राणी! अब मुझे किसी चीज की दिक्कत नहीं!

दिक्कत नहीं है तो अब यहां से फूट ले। शूsss! ही ही ही!



००० लेकिन तुम लोगों ने जबरदस्ती करने की कोशिश की ०००

००० और जबरदस्ती मुझे ०००



कोक्या, जप्पी, लीनी और तुरु मामूली उचक्के थे...

... ऐसी बला से उनका वास्ता पहली बार पड़ा था -



और शायद आखिरी बार -



गूं गूं गूं! न... न... मा... माफ...
... माफी... छोड़... छोड़...



इतना सबक तुम लोगों के लिए बहुत है...



आवाज की ठंडक, चारों के भयभीत कलेजों को नइतर की तरह चीरती चली गई -

उंगलियों की मोटाई - पतलाई को नजरअंदाज करते हुए अंगूठियों ने फांसी के फंदे की तरह उंगलियों को जकड़ लिया -





हाहाहा ! यानी मेरा प्रयोग सफल रहा । ये अंगूठियां सिर्फ देखने में ही गहने लगती हैं, पर वास्तव में ये माइक्रो-माइक्रो सर्किटों का एक सघन जाल है...

... हर अंगूठी का रवास सर्किट, ब्रह्माण्ड के पांच तत्वों में से एक तत्व को पूरी तरह से कंट्रोल करता है। पांच तत्व यानी भूमि, जल, वायु, अग्नि और आकाश !...

...और हर अंगूठी का सर्किट, अंगूठी पहनने वाले को, उसी तत्व में परिवर्तित कर देता है, जिसको वह अंगूठी कंट्रोल करती है ! तुम चारों अग्नि, जल, वायु एवं पृथ्वी यानी भूमि को कंट्रोल करने वाली अंगूठियां पहने हो, और इसी कारण, उसी रूप में परिवर्तित हो गए हो !

और तुम लोगों को कण्ट्रोल करेगी, मेरी यह अंगूठी। जो बाकी अंगूठियों के साथ-साथ, 'आकाश' तत्व को कण्ट्रोल करती है।

'आकाश' यानी कुछ नहीं! निर्वात! वैक्यूम! यही कहते हैं न तुम्हारी भाषा में!

इन अंगूठियों के प्रभाव से तुम दो ही तरीके से धुटकारा पा सकते हो। एक तो अगर मैं अपने कण्ट्रोल से तुमको आजाद कर दूँ। और दूसरा, अगर तुम्हारे इन कमजोर शरीरों के 'स्नोयु-तंत्र' यानी नर्वस सिस्टम को कोई भटका लगे, तब!



और इन दोनों में से कोई भी तरीका तुमको धुटकारा नहीं दिलवा सकता!

क्योंकि मैं अपने कण्ट्रोल से तुमको आजाद करूंगी नहीं और दूसरा कोई तुम्हारे इतने पास आ ही नहीं पाएगा कि तुम्हारे 'स्नोयु-तंत्र' को कोई भटका दे पाए!

और इस दौरान, यान की टंकी के छेद से निकलकर न्यूक्लियर ईंधन समुद्र के पानी में मिलकर उसको दूषित कर रहा था—

और ग्रीन बेल्ट अपार्टमेंट में—

रिचा, क्या हुआ था, तुमको?

अब समय आ गया है, कि मैं 'ट्रेसर' छोड़कर उस स्थान को ढूँढ़ निकालूँ जहाँ से मुझे अपने यान के लिए न्यूक्लियर फ्यूल लेना है!

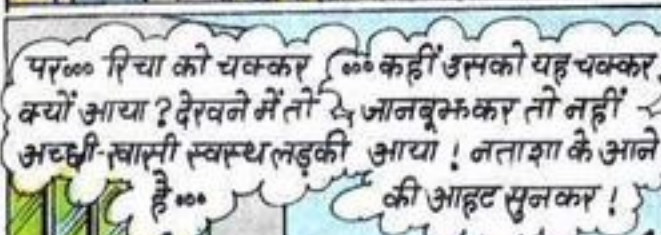


ट्रेसर उड़ चला अपने लक्ष्य को ढूँढ़ने के लिए...



कुछ नहीं। थोड़ा चक्कर खा आ गया था!

शायद रात भर जागर, कंप्यूटर पर आँखें गड़ाए रहने के कारण ऐसा ही गया। अब मैं ठीक हूँ!



आज की सुबह कुछ
रवास ही थी -



ट्रिन... ट्रिन...
ट्रिन... ट्रिन...

लो ! आज तो पत्नीना
निकलने से पहले ही सूरवा
जा रहा है !

अब सुबह-सुबह
कौन मुझको याद
कर रहा है !



हैलो ! देविदास
आपने रांगा-नंबर
मिला...

पापा ! सुबह-सुबह
दिल्ली में आज हमारी
याद कैसे आ गई ?

तूने पेपर पढ़ा
आज का ?

ये पापा ने पेपर में ऐसा क्या पढ़ लिया
कि सुबह-सुबह फोन दाग दिया !
प्राउड वाला !

नहीं पापा !
अभी तो स्कूल-
साइज भी रवत्म
नहीं हुई !

तो पहले पेपर पढ़ ! और
पेपर पढ़कर हवा में मेरी तरह
मत उड़ने लगना ! मैं शाम की
फ्लाइट से वापस आ रहा हूं !

आई एम
प्राउड ऑफ यू
इवेता ! *

जल्द कुछ
रवास...
...उई मां !
मैं तो मर
गई !



* मुझे तुम पर गर्व है इवेता !

क्या हुआ, इवेता?
कसरत करते हुए कोई
नस चढ़ गई क्या?

नहीं! मैं पास हो गई मम्मी!
और उससे भी बुरी खबर है
कि मैंने टॉप कर लिया है।
ऊँऊऊ!

सच! मेरी बेटी ने टॉप
किया है। मेरी बुढ़ू बेटी
टॉप कर गई!

शुब तो यह खबर सुनकर
पागल हो जाएगा!



पहले ही कौन
सा कम पागल है!

तुम खुदा हो रही हो और
यहाँ जान पर बनी हुई
है। अब सोचना पड़ेगा
कि कौन से कॉलेज में
रडमिशन लूं?

कौन-कौन से सज्जेक्ट लूं,
क्या करना है? क्या बनना
है? सब अभी सोचना
पड़ेगा!

और मुझे टॉप करने की
क्या जरूरत थी। अब सब
दोस्त घर पर धावा बोलेंगे
बधाई सुनते-सुनते कान
पक जाएंगे...

...और एक लंबी-चौड़ी पार्टी
देनी पड़ेगी सो अलगां! मैं तो
मर गई न? मेरी स्वप्नसाइन
भी मारी जाएगी। अब किसी
भी समझ देंगा पार्टी आती होगी
आते ही चिल्लाएगी...



इवेता,
कांग्रेचुलेशन!

हमारी पार्टी?



मर गई
इवेता!

ध्रुव भी यह खबर सुनने के लिए घर की तरफ ही बढ़ रहा था -

आह! ध्रुव भंड्या!
सुबह-सुबह उठने का पैसा
वसूल हो गया!



लेकिन वह यह नहीं जानता था कि आज घर का
रास्ता काफी लंबा होने वाला है -



इससे कि किसी बच्चे
ने रिमोट कंट्रोल वाला
प्लेन छोड़ा...
नहीं!

... ये कोई और ही चीज
है... देखना पड़ेगा कि यह
है क्या?

मोटरसाइकल उतारने का समय... मुझे वह
नहीं है इसका पीछा करने के लिए...
स्केट बोर्ड चाहिए!



और कुछ ही पलों बाद -

वाऊ! ध्रुव भंड्या ने मुझसे
स्केट बोर्ड मांगा। जब
वापस करने आएंगे तो
मैं बोर्ड पर उनके
आटोग्राफ भी ले
लूंगा!



अब सबसे पहला काम इस 'चीज' को रोकना है। और फिर यह देखना है कि वह चीज आखिर है क्या?

और यह काम मेरी 'नाइलो-स्टील' लाइन बरबोसी कर सकती है!



ध्रुव की बेल्ट से निकलकर नाइलो-स्टील लाइन...

सचमुच यह काम आसान नहीं था-



अब एक झटके में यह उड़न यान नीचे... अरे! अरे!

अरे, वह प्राणी मेरे 'ट्रेसर' को रोकने की कोशिश कर रहा है... लेकिन कुछ ही पलों में उसको पता चल जाएगा कि यह इतना आसान नहीं है!

यह वृद्ध अनदेखा नहीं गया-



और मुझे आभास हो रहा है कि स्केटिंग बोर्ड से उतरने के बाद भी यह मुझे घसीट सकता है। जब तक कोई रास्ता न सूझे, तब तक मुझे ऐसे ही...



ध्रुव की आंखों में आश्चर्य से फैलती चली गई।

यह तो बहुत पावरफुल यान है। मुझे घसीटता हुआ ले जा रहा है!



... क्योंकि वह यान उसको, उसकी मौत की तरफ ले जा रहा था -



इतनी तेज गति में तो इतना भी समय नहीं है कि मैं दारु-दारु कूद कर बच सकूँ। समय है तो बस भुंकने का...



... रोक सकता हूँ।

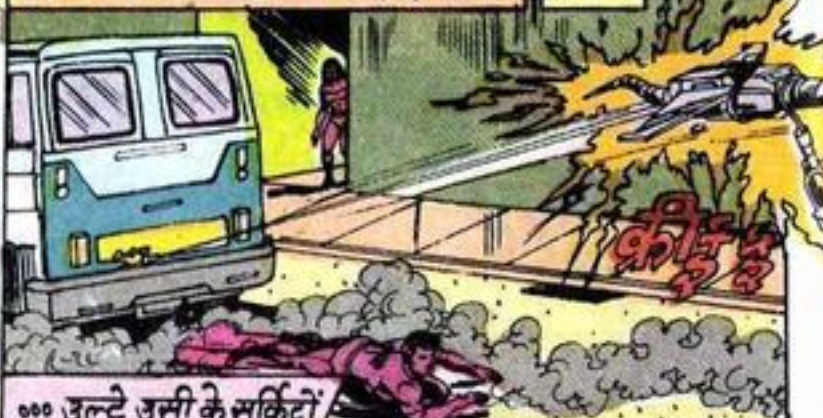
FOR QMIE



नाइली-
स्टील डोरी का दूसरा धोर बस में फंस गया-

विपरीत दिशा में उड़ रहे, उड़न यान ने
बस को भी स्वीचने की कोशिश की-

लेकिन इस प्रयास
में...



... उल्टे उसी के सर्किटों
पर जोर पड़ने लगा - पावर, ओवरलोड होने लगी-

और कुछ क्षणों की
कड़मकड़ा के बाद-



ट्रेसर फट गया। मेरा
ट्रेसर नष्ट हो गया।
इस प्राणी ने मेरा ट्रेसर
नष्ट कर दिया!

अब मुझे अपने यान में
वापस जाकर एक नया ट्रेसर
बनाना होगा! उसमें पता
नहीं कितना समय लगा जाएगा!
और मेरे पास समय की ही
कमी है। दुश्मन मेरे सिर
पर खड़े हैं... मेरा सारा
प्लान लेट हो गया!



और वह भी इस लुच्छ... इसको मैं कीड़े की तरह
प्राणी के कारण... मसलकर रख दूंगी...

एक बार में ही राख की
देरी के अलावा, और कुछ
नहीं बचेगा...
... पर नहीं! अब प्राणियों की
भीड़ बढ़ती जा रही है। इस समय
इस पर हमला करने का मतलब
है इन प्राणियों का ध्यान अपनी
तरफ आकृष्ट करना!



मैं एक और मुसीबत
मोल नहीं ले सकती। अब
तो सिर्फ एक ही रास्ता
है...
... कि मैं वापस
जाकर एक नया
ट्रेसर बनाऊँ!





donate now

powered by **paytm**



to Donate



Scan Paytm code or Click on Donate now button

क्यूसरी का वापस जाना किसी ने भी नहीं देखा-

ध्रुव ने भी नहीं! और नहीं क्यूसरी ने यह देखा कि ध्रुव क्या कर रहा है -

वर्ना शायद वह इतनी जल्दी वापस नहीं जाती -

इस 'उड़न-यंत्र' के टुकड़े शायद इस यंत्र के बारे में कुछ जानकारी दें सके!

और डिलीडर नर्सिंग होम में-

कैसे हो पीटर?

फादर परेरा! आप यहां पर कैसे?

इस महीने तुम्हारी कोई रवबर नहीं मिली तो कमांडो फोर्स के हेडक्वार्टर गया था!

वहां से करीम ने मुझे तुम्हारा पता बताया! मुझे मालूम नहीं था कि तुम नर्सिंग होम में हो!

अच्छा हुआ, आप आ गए फादर! मैं किसी के हाथ से पैसे भेजने की सोच ही रहा था!

अब उसकी जरूरत नहीं है, पीटर!

वह दो दिनों से अपने कमरे से लापता है!

क्या?

पर कहां गया वह? पैसे भेजने में मुझे तो सिर्फ चार दिनों की ही देरी हुई है!

उसके लिए चार दिनों की देरी ही बहुत थी, पीटर!



सूर्य धीरे- धीरे पूर्व से, पश्चिम की तरफ बढ़ रहा था -

और राजनगर में हलचलें बढ़ती ही जा रही थीं -

और कंप्यूटर- स्क्रीन पर वह मैसेज तब तक मौजूद था ...

... 'आई लव यू' ! और नीचे नाम था ... रिचा !

काट! आर यू डयोर, डोरवर?

डयोर? अरे, मैंने ही तो नास्ट्रेडमस वाली न्यूज कवर की है, नताशा!

जाहिर है कि वह मैसेज ध्रुव के लिए ही था!

★ पढ़ें - 'हत्यारी राक्षियां'

अ... ह... होगा! पर यह सब तुम मुझे क्यों बता रहे हो?

वैसे ही नताशा! मैंने सोचा कि यह 'न्यूज' भी तुमको मालूम होनी ही चाहिए!

हैलो, नताशा हियर...

न... नताशा जी, ध्यान से सुनिए! मैं एक ही बार बोल पाऊंगा... मेरे पास आपके लिए एक इंपोर्टेंट खबर है! पर मैं फोन पर नहीं बता सकता!...

थैंक यू, बेरी मच फार...

... आप तुरन्त बंदरगाह के गोदाम नंबर 13 के सामने आइए। मैं वहीं पर आपका इंतजार करूंगा! पर सिर्फ आधे घण्टे तक!

इंतजार करो! मैं आ रही हूँ।

नताशा जाती रही थी उस रहस्य-मय फोन करने वाले से मिलने...

...पर उसका ध्यान कहीं और अटक चुका था...



...ध्रुव पर, जो इस वक्त नेशनल रिसर्च लैबोरेट्री में मौजूद था।

मुझे पूरा यकीन है ध्रुव! जिस धातु का यह 'उड़न यंत्र' बना हुआ है, वह धातु पृथ्वी पर पाई ही नहीं जाती!



यानी... यह धातु किसी और ग्रह से आई है?

या लार्ड गर्ड है?

फिलहाल तो यही लगता है। क्योंकि इसको बनाने में भी उच्चतम स्तर की तकनीक का इस्तेमाल किया गया है।

कौन सी चीज?

न्यूक्लियर ईंधन! इस यान में एक मिनी न्यूक्लियर इंजन लगा हुआ है।



इसमें सिर्फ एक ही चीज मुझे ऐसी मिली है, जो पृथ्वी पर भी पाई जाती है।



और जाहिर है कि न्यूक्लियर ईंधन, न्यूक्लियर ईंधन से ही चलेगा!



न्यूक्लियर ईंधन से चलने वाला एक विचित्र उड़न यंत्र!

और जहां तक मेरा ख्याल है इसके उड़ने की दिशा, जिस तरफ थी, उधर तो एक ही महत्वपूर्ण जगह है... राजनगर का न्यूक्लियर पावर स्टेशन!



कुछ-कुछ समय में आ तो रहा है। पर समय में आने वाली बात सही है या गलत, यह तो राजनगर पावर स्टेशन पर नजर रख कर ही पता किया जा सकता है!



... किसी की गोली मार दी तो सुनने वाला कोई नहीं है। लाश उठाकर समुद्र में फेंक दी तो देखने वाला कोई नहीं है।

... और मुझे रास्ते से हटाना चाहता है !

यह आवाज ! तो फोन तुमने किया था ! और यह है तुम्हारी महत्वपूर्ण खबर ?

यानी कि तुम भी उसी गैंग के आदमी हो, जो शरद कुमार की मदद कर रहा है ! ★

★ पढ़ें - 'हत्यारी राक्षसियां'

तुम्हें हम रास्ते से हटाना नहीं चाहते थे। पर तू खुद ही रास्ते से हटना चाहती है !

पांच सेकेंड बाद हम गोली चला देंगे ! जिसको याद करना है कर ले !

फट पड़ा कुछ दिनों से दबा नफरत का ज्वाला मुरवी -

याद आ गया उसको अपनी उस शक्ति का एक-एक पल जो रिपोर्टर के रूप के तले कहीं दब गया था -



शक्ति - जो थी गैंग मास्टर रोबो की रोबो आर्मी के कमांडर की ...

... जिसका बचपन बीता था
खतरों के साप में—

भुनभुनों के बजाए सुने थे जिसने बारूदों के धमाके—



गुड़ियों के बजाय, जिसकी उंगलियों ने धामी थीं बन्दूकें...



... और जिसके शरीर को, मार्शल-आर्ट्स और युद्धकला में प्रवीण पंडितों ने, तपा-तपाकर बना दिया था...



... एक युद्ध की मशीन—

... जिसने अपनी मां के होते हुए भी, उसकी मूरत को कभी नहीं देखा -

हर तरह के प्यार से महकूम 'कमांडर नलाशा' को प्यार की ललाशा ने ही, ध्रुव के पास लाकर उसकी सिर्फ 'नलाशा' बना दिया था -



उसने 'कमांडर' की पदवी के साथ-साथ रोबो और अपराध-जगत को भी धोड़ दिया था -

लेकिन अब... अब वे ही लोग उसका साथ छोड़ रहे थे...

... जो लोग उसके नाम से ही थर-थर कांप उठते थे। अब उसी स्तर के लोग उसकी जिन्दगी को नर्क बनाने पर तुले हुए थे -



लेकिन अब नहीं! अब... बस!

... न जैसे मामूली गुंडे, कमांडर नलाशा के ललके खाटते थे...

... और आज भी खाटेंगे -



बस! मैं सिर्फ तुम्हें ही इसमें छोड़ रही हूँ। ताकि तुम्हारा संदेश अपने बॉस तक पहुँचा सके...

...मैं न तो तुम्हसे तेरे बॉस का नाम पूछूंगी, और न ही पुलिस को बुलाऊंगी। अब यह लड़ाई मेरे और तेरे बॉस के बीच में है!

जा! और जाकर अपने मालिक से बोल कि मैं उसको पुलिस के हवाले तभी करूँगी, जब मैं पहले उसकी कसकर धुनाई कर लूँगी!
जा!



इस दौरान-कहीं पर तेजी से काम हो रहा था-



बन गया! मेरा नया 'ट्रेसर' तैयार हो गया। पर मैं इसको अभी नहीं छोड़ूँगी... तब छोड़ूँगी, जब इस ग्रह पर अंधेरा हो जाता है, और इस ग्रह के प्राणी मरे जाते हैं!

तब मेरा 'ट्रेसर' मुझे बंद कर देगा, न्यूक्लियर ईंधन का भण्डार -



किसी खबर का इंतजार कर रहे ध्रुव के लिए भ्रम इंतजार की घड़ियाँ खत्म हो रही थीं-



ओह! तुमने वैसा उड़न यंत्र देखा है?



और एक चीख के साथ रबेल शुरू हो गया—



...हालांकि यह व्यवस्था किसी विदेशी हमले को मद्दे नजर रखकर की गई थी...

राजनगर के न्यूक्लियर पॉवर प्लांट में बहुत कड़ी सुरक्षा व्यवस्था थी...

लेकिन इसका इस्तेमाल हर उस व्यक्ति के खिलाफ किया जा सकता था, जो पॉवर प्लांट परिसर में अनाधिकृत रूप से घुसने की कोशिश करे !

...शूट स्ट साइट !... —... देरवते ही गोली मार दी—

अब ये बात दूसरी थी कि गोली असर करे या न करे —

ओ गॉड !
गोलियां इससे टकराकर बेकार हो रही हैं। सुपर वूमैन है यह क्या ?



और हर ऐसे व्यक्ति के लिए, सुरक्षा-कर्सियों को एक ही निर्देश था...



नहीं ! यह किसी 'फोर्स-फील्ड' के कवच का इस्तेमाल कर रही है !



... इसका एक ही मतलब है। यह कोई मामूली जामूस नहीं है।

आरिह! कड़क

आह!

अब मुझे इन छोटे-मोटे हादसों से बच-हादसा, मेरा थोड़ा सा कर निकलना होगा! समय नष्ट कर देता है...



पीं पीं पीं

... अब मुझे ... ?

विमान भेदी तोपें, वैसे तो किसी हमलावर विमान को मार गिराने के लिए लगी थीं...



... लेकिन इस वक्त उनका रुख नीचे की तरफ था -

और जो रॉकेट, हवा में कई किलोमीटर ऊपर उड़ रहे, विमानों को मार गिराने की ताकत रखते हैं...



... और समय ही एक ऐसी चीज है, जो इस वक्त मेरे पास नहीं है...



... उनका एक मानव रूपी शरीर पर क्या असर होगा, यह सोचना ज्यादा मुश्किल काम नहीं है -

यही वह पल था, जब ध्रुव भी-न्यूक्लियर पॉवर-स्टेशन आ पहुंचा था—

ओह! लगता है मुझे पहुंचने में थोड़ी सी देर हो गई है!

जिस गड़बड़ की मुझे आशंका थी, वह शुरू हो चुकी है... इन 'फेंसो' में 440 वोल्ट का करन्ट दौड़ रहा है मुझे बचकर निकलना होगा!

बड़ा म



लेकिन इस 'फेंस' में पहले से ही एक छेद है! जरूर गड़बड़ी फैलाने वाला यहीं से अंदर घुसा है!

कर्नल साहब! क्या गड़बड़ हो गई है यहां पर?

ध्रुव! तुम यहां? खैर! पीछे हिरहो! यह लड़की इस मुसीबत की जड़ है...

... हमने इसे बेबस कर दिया है! अब सिर्फ इसे गिरफ्तार करना बाकी है!



लेकिन—

इन प्राणियों का वह बार, मेरी 'फोर्स-फील्ड' को भेद तो नहीं पाया, पर मुझे एक तेज झटका जरूर लगा गया! मुझे संभलने में वक्त लगेगा। यानी अब बैकअप यूनिट को बुलाने का वक्त आ गया है!



क्यूसरी की उंगली में पड़ी
अंगूठी तेजी से चमकी—

और... आ पहुंची 'बैकअप-
यूनिट,—

हुर्रर



न्यूक्लियर पॉवर-स्टेशन के परिसर में एक तूफान
उठ खड़ा हुआ। तबाही मचाने के लिए—



तो यह है, नताशा! मेरे भूतपूर्व बॉस गैडमास्टर रोबो की बेटी! इसकी आवाज मैंने कई बार सुनी है। जब यह मुझे आर्डर दिया करती थी। परशकल कभी नहीं देखी! इंटरेस्टिंग! हम्म!



और पॉवर
स्टेशन में-

मेरे ये चारों प्यादे, इन सबका
ध्यान बंटार रहेंगे। और उतना ही
समय मेरे लिए काफी होगा...

...न्यूक्लियर-फ्यूल टैंकर
यहां से निकल लेने के लिए...

सभी भौचक्के थे-

य... यह सब
क्या है?

मालूम नहीं सर! लेकिन जो
कुछ भी है, उस लड़की से ही
संबंधित है!...

...क्योंकि इनके आने के
एक सेकेंड पहले, उसके हाथ की
अंगूठी कसकर चमकी थी!

इनकी रीको! किसी
भी तरह रीको! वरना ये
न्यूक्लियर स्टेशन को बम
की तरह उड़ा देंगे!

और साथ ही
उड़ जाएगा पूरा
राजनगर!

रीकने के लिए समय
बहुत ही कम बचा था ...

... क्योंकि विध्वंस की
शुरुआत तो...

... हो चुकी थी-

कड़कड़कड़



ओ माई गॉड ! अगर...अगर यह मेन न्यूक्लियर यूनिट में घुस गया तो... तो क्या होगा ?

हम तो सेना को भी मदद के लिए नहीं बुला सकते ! क्योंकि हम तो रबुद ही सेना वाले हैं !

घबराने से कुछ नहीं होगा सर ! हमको इस मुसीबत से निबटने का रास्ता तलाशना होगा !

और सबसे पहले इस अविनि-मानव को रोकने का उपाय तलाशना होगा !

क्योंकि मुझे यही सबसे ज्यादा खतरनाक लग रहा है !

पर इसको कैसे रोकोगे ? यह तो उड़ता है, और अंग-अंग से आग उगलता है !

इसकी आग बुझाने का कोई तरीका खोजना होगा सर ! कोई भी आग बगैर ऑक्सीजन के नहीं जल सकती !

अब आप देरवते जाइए सर ! अगर मेरा प्लान सफल हो गया तो आपको इस मुसीबत से छुटकारा मिल जाएगा !

हिंस

अगर हम इसकी ऑक्सीजन को भी कट ऑफ... वाह !

य... ये क्या कर रहे हो ध्रुव ?



... कर देगा? जरूर करेगा सर! लेकिन अगर मैं ऐन समय पर अलग हट जाऊं ...

... तो यह इन रेत के बोरों की बैरीकेडिंग को जलाता हुआ, रेत के इस ढेर में जा धुसेगा! और रेत आगे बुझाने के काम में लाई जाती है!

रेत इसके शरीर तक पहुंचने वाली ऑक्सीजन को कट ऑफ कर देगी!



और इसके शरीर की आग भी बुझकर ठंडी हो जाएगी!

तड़क



उसके बाद इससे निखटना सिर्फ एक लात का काम है!

लीनी के स्नायु-तंत्र को भटक लगाने के लिए, ध्रुव की रक किक ही काफी थी—

और 'स्नायु-तंत्र' को झटका लगाते ही
नीनी अपने असली रूप में आ गई—

य... यह क्या? मैं
तो इनको किसी दूसरे ग्रह
से आया समझ रहा था।
पर यह तो यहीं की रस्क
लड़की है...

...इसका मतलब है कि ये बाकी तीनों
भी मनुष्य ही हैं। और किसी कारण से
इस रूप में आ गए हैं!



अगर इसका जवाब
मिल जाए तो इनसे निबटने
में काफी आसानी...

ओफ!
गलब!



इन पतली धारों... जरा इस मोटी
से बचकर बहुत धार से बचकर
अकड़ रहा है तो दिरवा!
लड़के...



बच के सर! इसके शरीर से निकलती
पानी की तेज धाराएं स्टील की चादर में
भी खेद कर सकती हैं!

आह!

आह!

ध्रुव का बदन हवा में उड़ता हुआ करंट दौड़ते 'फेंस' से जा टकराया—

लेकिन पानी की मोटी धार के भीषण वार ने उसकी पसलियों में एक तेज दर्द जरूर पैदा कर दिया था—



यह तो उसकी किस्मत अच्छी थी कि टकराने वक़्त, उसका शरीर हवा में था—

करंट का झटका उसको ज्यादा जोर से नहीं लग पाया—

आह! आंखों के पर मुझे संभलना होगा! आगे अंधेरा धारहा और इस मुसीबत से निबटने है... कातरीका तलाशना होगा!...

... वर्ना पानी की ये तेज धारें, किसी को ज़िंदा नहीं छोड़ेंगी! और अगर ये पानी इस फेंस तक पहुंच गया तो पानी में फैला करंट कई लोगों की जान...

... करंट! यानी बिजली!



इस 440 वोल्ट के करंट को अगर पानी में दौड़ा दिया जाए तो इलेक्ट्रो लिप्सिस प्रक्रिया पानी में मौजूद हाइड्रोजन और ऑक्सीजन तत्वों को अलग-अलग कर देती है!...

... यानी अब अगर मैं इन हाई वोल्टेज तारों को...

... इस जल-मानव के पानी वाले शरीर से धुआं तो इसका शरीर विरबंधित होने लगेगा !

शरीर के टूटने से कोक्या के बदन और दिमाग कंप-कंपा उठे—

उसका शरीर, इस भटके को खाते ही अपने असली रूप में आ गया। और असली रूप में आते ही फिर से बिजली का भटका लगा गया—



कोक्या भी इस लड़ाई से बाहर हो चुका था—

वाह, ध्रुव, वाह ! तुमने एक और अजूबे को परास्त कर दिया ! वाह, कमाल ही तुम और तुम्हारा दिमाग !

रबुड़ा मत होइए सर ! अभी सिर्फ दो ही दुश्मन खत्म हुए हैं... पर बोलड़की और 'श्रीचट्टान सिंह' कहीं नजर नहीं आ रहे !

ओ माई गॉड ! दीवार टूटी हुई है। वे दोनों जरूर पावर स्टेशन के अंदर गए हैं। कुछ गड़बड़ करने के लिए !

आइए सर ! सबसे पहले तो उस लड़की को ही रोकना है क्योंकि—कि वही इस सारे भगड़े की जड़ है !



जल्द रोक लेना : पर पहले मुर्के तो रोक
लो ! उसके बाद आगे बढ़ लेना ०००

ॐ अगार जिन्दा
बची तो !

तेज हवा के धक्कों ने०००

दोनों को तिनके की तरह उठाकर फेंक दिया—

यह उस हादसे की शुरुआत है लड़के के

... जिसका
क्लार्ड मेक्स ०००

००० तेरी मौत पर
खत्म होगा!

इतनी ऊंचाई
से गिरकर धुव
की०००

००० मौत निश्चित थी! या ००० यान नहीं?



यह
स्वर्णपाश!

यह तो सिर्फ एक और
ही आदमी के पास है...

धनंजय! तुम यहां पर
कैसे? ★



समुद्र के अन्दर एक अंतरिक्ष
यान आ गिरा है, ध्रुव! उसमें से
न्यूक्लियर ईंधन निकल कर पानी
को दूषित कर रहा है!

जांच करने पर यान तो खाली मिला, लेकिन
उसमें से न्यूक्लियर कणों की एक लाइन
निकल कर, राजनगर की तरफ आ रही थी!
बस उसी लाइन का पीछा करते-करते मैं
यहां तक आ पहुंचा!



ओह! यह उसी
उड़न यंत्र से निकल रही
लाइन होगी ०००

आह!



अब इसके साथ-साथ
तु भी खत्म होगा,
स्वर्ण मानव!

तेरी शक्तियां मुझे पर तेरी
कम नहीं लग रही शक्तियों में
हैं। सामने बेकार हैं...

★ धनंजय के बारे में जानने के लिए पढ़ें—
'गैंडमास्टर रोबो' एवं 'चंडकाल की वापसी'

... क्योंकि मेरी शक्ति
प्रकृति की शक्ति है !
और तेरी शक्ति
बनावटी है !

देखले ! तेरी
घातक किरणों मेरे
शरीर के आर-पार
निकली जा रही हैं !

बगैर कोई
नुकसान पहुंचाए !

लेकिन मेरा वायु-वारतबतक तेरे
बदन को ठकठकाता रहेगा, जब
तक तेरी रक-रक हड्डी का चूरा
न बन जाए !

ओह ! ऐसे तो इससे
निबटना बहुत मुश्किल है !
और बगैर इससे निबटे
हम अंदर नहीं जा
सकते !

यह वायु का
बना मानव
है धनंजय !
वायु यानी कई
गैसों का मिश्रण !

लेकिन अगर इस मिश्रण को
रक अति निम्न तापमान
तक ठंडा कर दिया जाए तो
ये गैसों का मिश्रण, तरल
में परिवर्तित हो जाएगा !

और ये काम तुम्हारी ही त
किरणों कर सकती हैं !

★ शीत किरणों का धनंजय ने पहली बार प्रयोग 'किरीवी का कहर'
विशेषांक में किया था —

शायद तुम ठीक कह रहे हो! वैसे भी ; कोशिश करने में कोई हर्ज तो नहीं है!

धनंजय ने अपनी शीत किरणों का एक तेज वार तुरू पर किया—

देखते ही देखते, तुरू के वायु शरीर का ताप-मान, शून्य से कई डिग्री नीचे आ गया—



तुरू को इस बदलाव से एक जोरदार भटका लगा—

उसने शीत किरणों से बचने की कोशिश की—

गैसों अपना रूप बदलकर ध्रुव बनने लगीं—



आर्रर्रर्र!

मगर 'शीत-किरणों' ने उसका पीछा नहीं छोड़ा—

एक भयानक चीख के साथ, तुरू अपने असली रूप में आ गया और नीचे आ गिरा—

रहा-सहा काम ध्रुव ने पूरा कर दिया—







अगले पल, सैनिक भी बेकार हो गए—

हा SSSS हं!

ये बला, इन हथियारों से रोकने वाली नहीं है, धनंजय! इस पर तो तुम्हारे अस्त्र-शस्त्र ही कुछ असर डाल सकते हैं!

मैं कोशिश करके देखा हूँ, भुव!



धनंजय के वारों से जपपी पल भर के लिए ठिठका जरूर...

लेकिन उसके बिजली की सी गति से बढ़ते कदम रुकने नहीं—

धड़क

धनंजय का सिर कुछ पलों के लिए चकरा गया—

उसको अपनी तरफ बढ़ते मौत के कदमों का सहसास नहीं था—

धड़क



यह तो मैं भूल ही गया था कि भूमि में हर तरह की ऊर्जा सोखने की शक्ति होती है!

और भुव भी उसको बचा सकने में विवश था—

मौत के चेहरे

तभी चमक उठी ध्रुव की
आंखों के आगे०००

एक पल में पता
चल जाएगा!

नीचे पड़ी एक बंदूक उठाकर एक भरपूर
वार किया ध्रुव ने अंगूठी पर -

यह अंगूठी! ऐसी
ही अंगूठियां तो बाकी
तीनों के हाथों में भी थीं...
००० कहीं ये ही अंगूठियां
इनके रूप बदलने का
कारण तो नहीं हैं!

तड़क

अंगूठी का नगा
टूट तो नहीं०००

००० पर अंगूठी के नगा के अंदर के सारे
नाजुक माइक्रो-सर्किट हिल उठे। और०००

००० शॉर्ट सर्किट
हो गया -

अंगूठी के शॉर्ट-
सर्किट होते ही -

००० जप्पी भी अपने असली
रूप में आ गया। फिर से
बेहोश हो जाने के लिए -

तड़क

आह! तुमने तो
इसकी भी कमजोर
नस दंडली ध्रुव!

तुम्हारा आखिरी
मोहरा भी पिट चुका है,
अब तो तुम्हारा न्यू-
क्लियर-ईंधन उठाकर
ले जाने वाला कोई भी नहीं
रहा। अब तो आत्म-
समर्पण कर दी दो!

सुके सामान उठाने के
लिए किसी सेवक की जरूरत नहीं
है। उसके लिए मेरी यह अंगूठी ही काफी
है, जो आकाश तत्त्व को कंट्रोल करती है!

ओह! यानी ये पाँच अंगूठियाँ,
पाँचों तत्वों को कंट्रोल कर
सकती हैं।

हां! जैसे मेरी अंगूठी
आकाश तत्व को बड़ा में
कर सकती है। आकाश
यानी निर्वात, वैक्यूम!
यानी कुछ नहीं!

यह 'वैक्यूम-फील्ड'
की रचना कर सकती है!
और यही वैक्यूम ईंधन
के बक्खों को रबींचकर
मेरे यान तक पहुंचा
देगा ०००

००० और अगर तुमने मुझे
रोकने की कोशिश की
तो तुमको भी!



आश्चर्य! तुम जरूर किसी और ग्रह की हो!
तुम्हारा विज्ञान तो मुझे भी आश्चर्य में डाल
गया। फिर भी मैं तुमको रोक सकता हूँ,
लड़की!



मैं तुम्हारे किसी भी वार को
ध्रुव तक पहुंचने से पहले
रोक लूंगा!

जरूर रोक सकते हो! अगर
तुम पहचान सको कि ध्रुव
कौन है! पहचानो ०००



००० ध्रुव कौन है ०००

ऊर्जा के एक झमाके ने ध्रुव के साथ-साथ
तीनों सैनिकों को भी उल्ट-पलट कर रख
दिया—

जरूर रोक सकते
हो! लेकिन उससे पहले
मैं तुम्हारे दोस्त को खत्म
कर सकती हूँ। इसलिए ये
कोशिश मत करना!

और जब भस्माकार स्वप्न हुआ तो—

चार-चार
ध्रुव !



हां, लेकिन इनमें से
असली सिर्फ एक ही है!
अब मैं 'ध्रुव' को आराम
से स्वप्न कर सकती हूँ!

क्योंकि ये न तो बोल सकते हैं!
और न ही हिल सकते हैं! यह
दृष्टिभ्रम तरंगों का 'साइट-इफेक्ट'
है!

तुम न तो चारों को एक
साथ बचा सकते हो,
और न ही ध्रुव को पहचान
सकते हो!

याद रखना, तुम्हारी
एक गलत हरकत के
बदले में, मैं तुम्हारे
दोस्त की जान ले
लूंगी!



धनंजय अपनी सारी वैज्ञा-
निक शक्तियों के बावजूद
असहाय सा खड़ा रह गया—

वह क्यूसरी को
रोकने के लिए
कुछ नहीं कर सकता था—

लेकिन ध्रुव का दिमाग अभी 'जड़' नहीं हुआ था—



इस लड़की ने दृष्टिभ्रम
तरंगें डालने से पहले अपनी
बेल्ट को धुआ था— यानी
इन दृष्टि-भ्रम तरंगों का
कंट्रोल इसी बेल्ट में है!

धनंजय ने
इस बात पर गौर नहीं
किया है। और मैं उनको यह बात
न ही बोलकर बता सकता हूँ, और
न ही इशारा करके!

अब जो कुछ करना
है, मुझे ही करना
है!

ध्रुव ने अपनी प्रसिद्ध
इच्छाशक्ति को सक्रिय
किया। पहली हरकत उसके
जबड़ों में हुई। भिचगा
जबड़े—

उसका शरीर धीरे-धीरे
हिलने लगा—

और फिर

अपना संतुलन खोकर, आगे
की तरफ गिर पड़ा—



क्यूसरी, ध्रुव से कुछ ही फुट के फासले पर खड़ी हुई थी -



ध्रुव के जबड़े उसकी बेल्ट को अपने साथ खींचते हुए, नीचे की तरफ गिरे -

धनंजय की शक्तियां भी वैक्यूम के भयानक खिंचाव के आगे बेकार थीं -



सबके शरीर धीरे-धीरे खतरनाक गोले की तरफ खिंच रहे थे -



बाहें शरीर से अलग हो जाने के लिए बेताब हो रही थीं...

और एक भटके से बेल्ट उधलकर वैक्यूम के गोले में समा गई -



और इसी के साथ टूट गया, दृष्टि भ्रम तरंगों का जाल -



ध्रुव और सैनिकों के शरीर की जकड़न भी दूर हो गई -

सबके रूप अपनी वास्तविक अवस्था में आ गए -

क्यूसरी का भी -

और इस हादसे ने क्यूसरी को क्रोध से पागल कर दिया -



अब तुम सब भी इसी वैक्यूम के गोले में समाओगे!

ये तुम्हारे फेफड़ों की सांसों तक खींच लेगा!

और तुम लोगों को मिलेगी एक दर्दनाक मौत!

कितनी -

रुका रुक वह गोला गायब हो गया -

यह क्या?

यह

यह

यह

यह

यह



बस क्यूसरी कस!

तुम्हारे भागने का रास्ता यहीं खत्म होता है!



तुम लोग!

हां, क्यूसरी! अब तुम हमारी कैद में हो!

धन्यवाद! पर यह सब क्या हो रहा है? कौन हैं आप लोग?

हम लोग आकाश गंगा के दूसरे धोर पर स्थित एक ग्रह के वासी हैं!



और यह लड़की हमारी अपराधी है। हम इसी का पीछा करते-करते यहां तक आ गए हैं!



इसका अपराध क्या है?

इसका अपराध है एक वैज्ञानिक होना। एक महान वैज्ञानिक!

महान वैज्ञानिक होना तो अपराध नहीं होता!

हमारे ग्रह पर होता है। हमने विज्ञान में अभूतपूर्व तरक्की कर ली है। हर दिन कई नए आविष्कार हो जाते हैं!



हम प्रकृति से इतने दूर हो गए हैं कि नदी, पेड़-पौधे, पहाड़, खेत यह सब सिर्फ तस्वीरों में मिलते हैं!

सारा काम रोबोट करते हैं। प्राणी आलसी हो गए हैं। संश्लेष में हम आविष्कारों से इतने परेशान हो गए हैं कि वैज्ञानिक होना भी एक अपराध हो गया है!



इसका अपराध भी एक आविष्कार है। एक महान आविष्कार। अब हम चलते हैं। हमारा टेली पोर्टर हमको अपने यान तक ले जाएगा।

बिदा, पृथ्वीवासियों। किसी कष्ट के लिए क्षमा करना!



सच है। अति हर चीज की बुरी होती है!



राज

**कॉमिक्स
विशेषांक**

मूल्य 20.00 रुपए

कमांडर न ता शा

एक
आकर्षक
स्टीकर
मुफ्त

सुपर कमांडो ध्रुव



कमांडर नताशा



सुपर कमांडो ध्रुव

कथा एवं चित्र: अनुपम सिन्हा, इंकिंग: विनोद कुमार, सुलेखबर्ग: सुनील पाण्डेय, संपादक: मनीष गुप्ता



नताशा... रिपोर्टर नताशा अपने एक आर्टिकल 'राजनीति और माफिया' लिखते-लिखते बार्को से जा टकराई। और बार्को की सुट्टी में बंद उसके सहीटर, बार्को के गुंडों और भ्रष्ट पुलिस वालों ने नताशा को समाज का वह धिनौना रूप दिखवाया, जिससे वह अंजान थी। वह इतनी परेशान हो गई कि ध्रुव और रिचा के रिश्ते पर भी शक करने लगी। और जब इंस्पेक्टर शमशेर सिंह ने उसे हेरोइन रखने के भूटे केस में फंसाना चाहा, तो नताशा ने तय कर लिया कि अब वह रिपोर्टर नताशा से बन जाएगी कमोडोर नताशा -

और इस परिवर्तन की शुरुआत यहां से होती है-



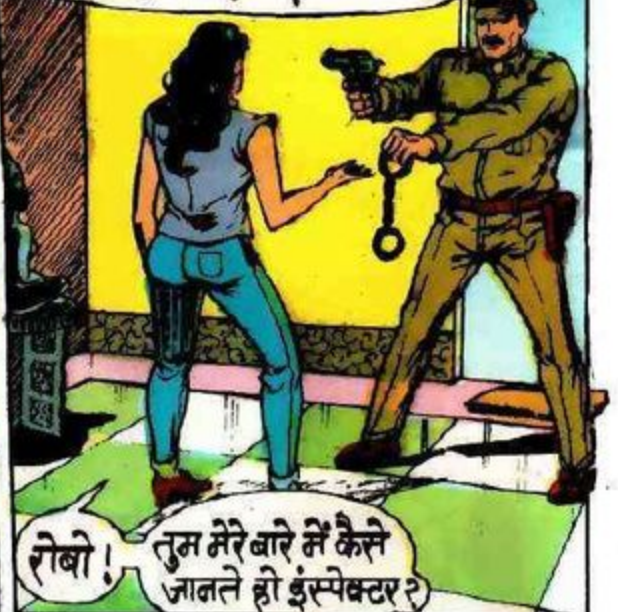
यू आर अंडर अरेस्ट, मिस नताशा! वीडियो-कैसेट में छिपाकर हेरोइन की तस्करी करने के आरोप में।

यह कैसेट मेरी नहीं है! यह मुझे एक लड़का अभी-अभी यह कहकर दे गया था कि इसमें एक केस से संबंधित महत्वपूर्ण सुराग हैं।

कौन था वह लड़का?

यह मुझे नहीं पता! उसको मैं नहीं जानती?

सभी पकड़े गए अपराधी यही कहते हैं। अब चुपचाप यह हथकड़ी पहन लो, वर्ना कल के अखबारों में खबर छपेगी कि वैंडमास्टर रोबो की बेटी पुलिस मुठभेड़ में मारी गई।



रोबो! तुम मेरे बारे में कैसे जानते हो इंस्पेक्टर?

याद करो! कुछ समय पहले तुम्हारे घर से एक के. ५७ रायफल पकड़ी गई थी...

...उस केस में हालांकि तुमको पुलिस ने आखिरकार बेकसूर ठहराया था, लेकिन उस केस से तुमको पल्लिसिटी खूब मिली थी। खैर! एक आत्मकवादी की बेटी समझने नहीं बनेगी तो और क्या बनेगी!



गैडमास्टर रोबो की ताकत अगर कम न हुई होती तो ये बात कहने से पहले तुम्हारी जुबान कांप कर गिर गई होती, इमशेर सिंह!

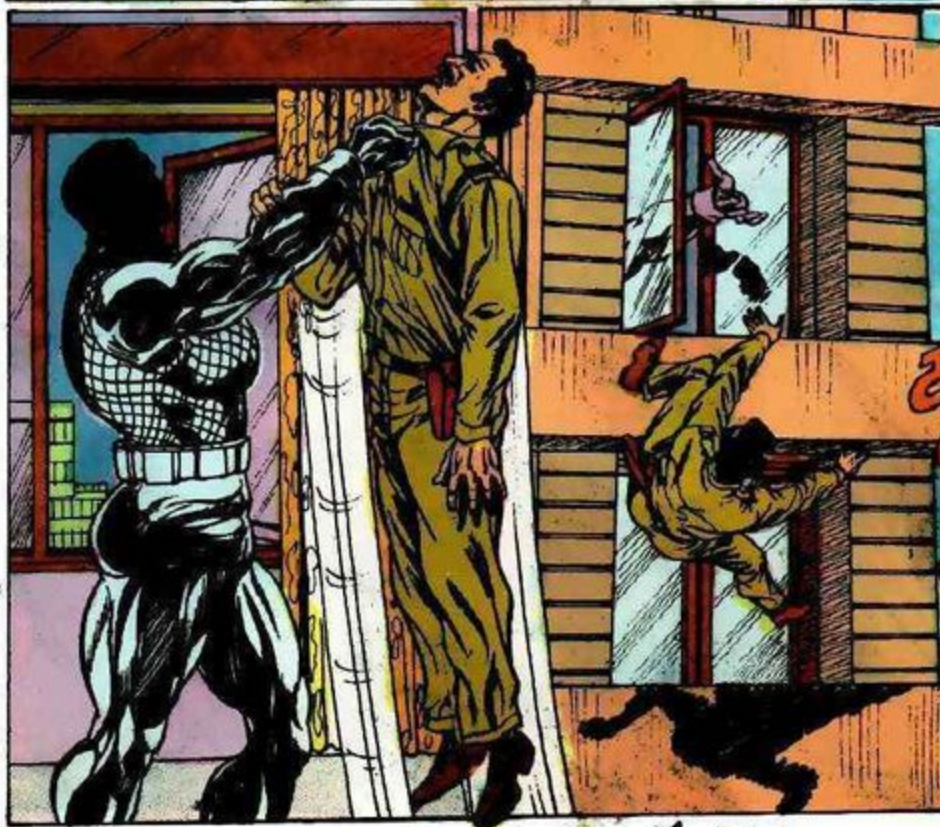
बहुत सुन ली तेरे बाप की तारीफ। अब हाथ आगे कर और पहन ले लोहे की चूड़ियाँ।

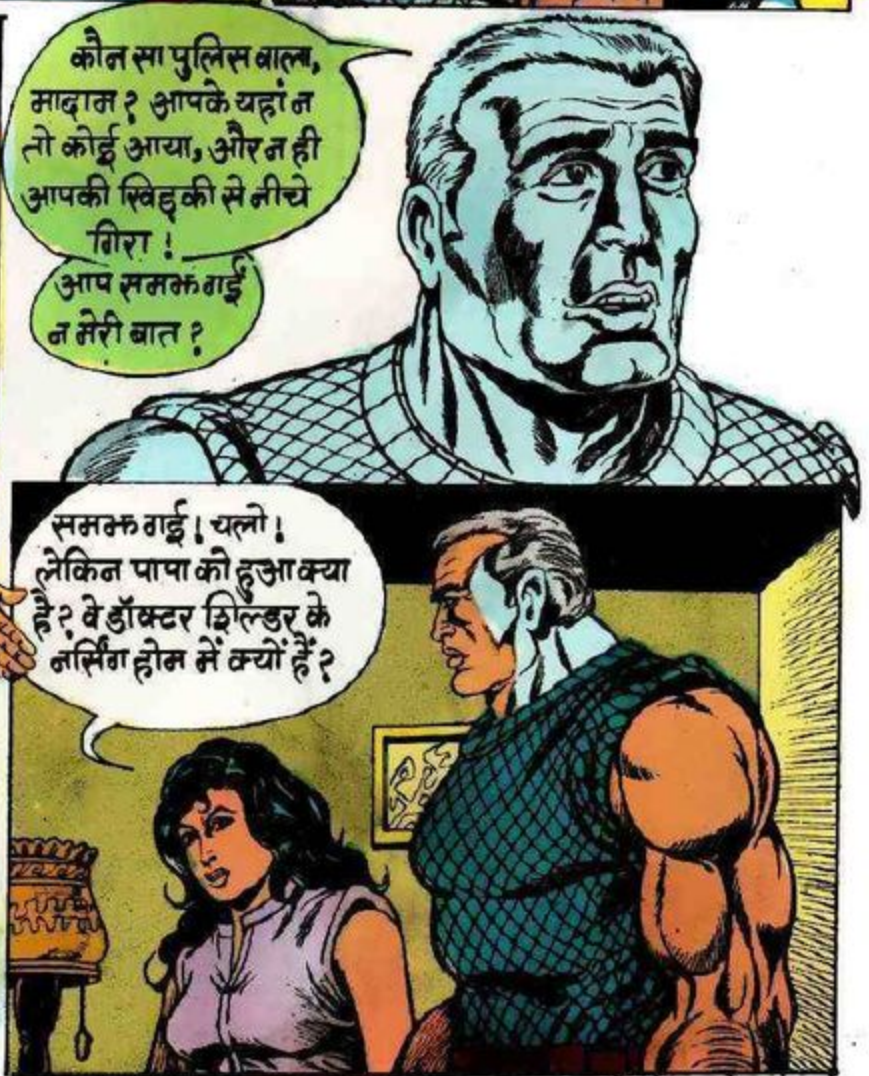
अब मैं कुछ नहीं कर सकती। अगर मैंने हथकड़ी पहन ली तो दून बंधनों से मैं कभी बाहर नहीं निकल पाऊँगी... और अगर मैंने कुछ और करने की कोशिश की तो ये इन्जिया मुझे गोली मार देगा!

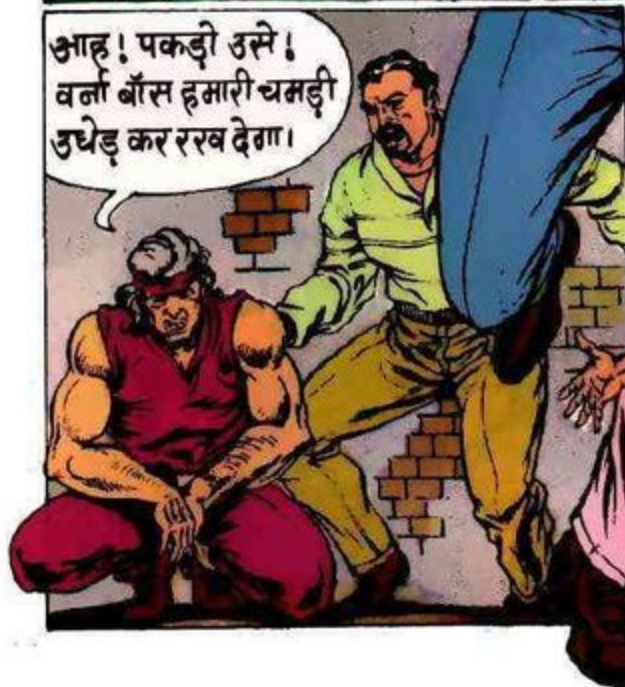
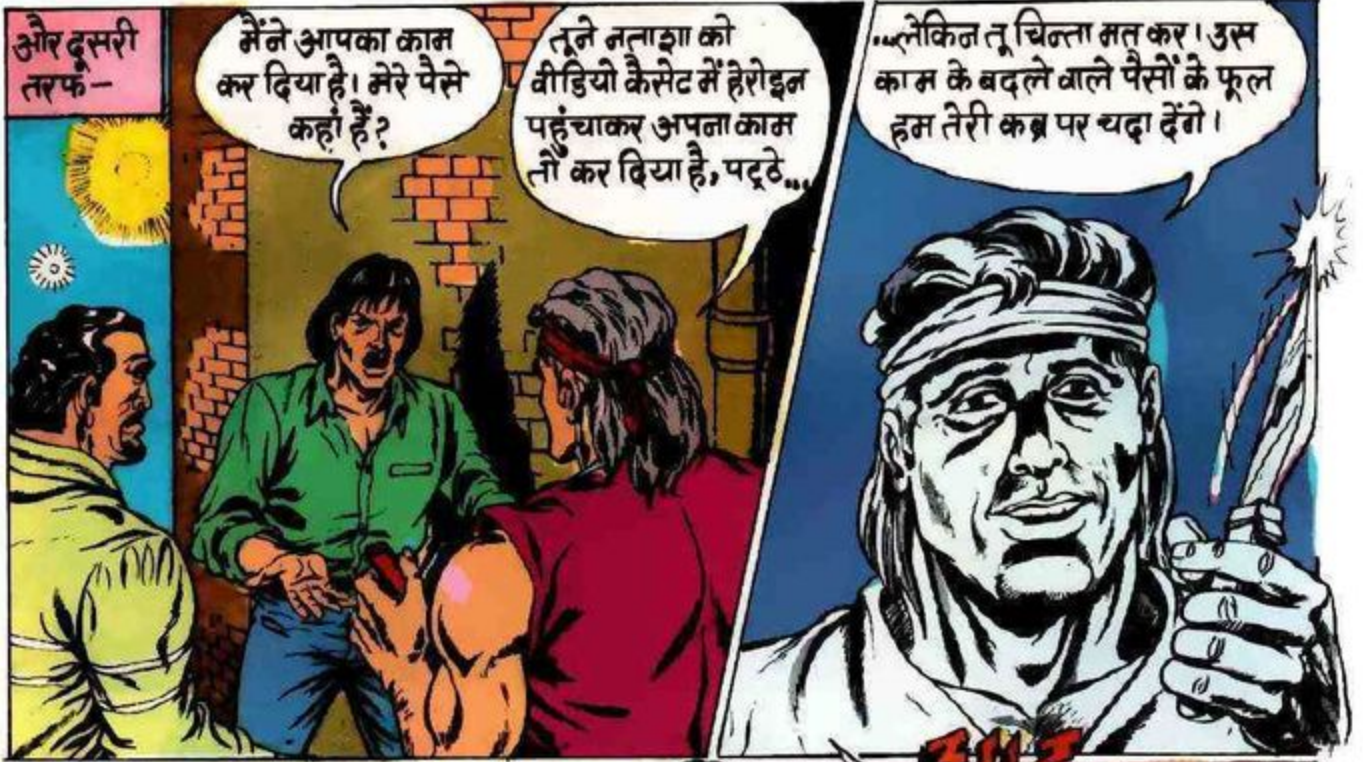
अब मैं क्या... अरे!

तडाक

धाड़







आखिरकार-

हफ! हफ!
आस ह!

अब तेरी कहानी खत्म!
और तेरे साथ-साथ यह
सारी कहानी भी खत्म।

हांsss

कहानी खत्म होने
से पहले...

तडाक

...मैं इस कहानी का
क्लाई मैक्स ही बकल
देता हूँ।

सुपर कमांडो
धुव!

तू मुझे रोक नहीं पाएगा!

आसह!

इसको मामूली गुंडा समझकर मैंने इसको गंभीरता से नहीं लिया था!

लेकिन इसकी फुर्ती देखकर लगता है कि इसकी तराड़ी ट्रेनिंग मिली हुई है!

धम्ममम

तडाक

यह मामूली गुंडा नहीं हो सकता! ... कि यहां पर जो कुछ भी हो और इसका एक ही मतलब है... रहा था, वह मामूली नहीं है!

ठक

मुझे इस मामले की तरह तक पहुंचना पड़ेगा!

धाड़

आई ई ई!

मैं इससे जीत नहीं सकता! इससे बचकर भागने का और काम भी पूरा करने का एक ही रास्ता है!

और वह ये है।

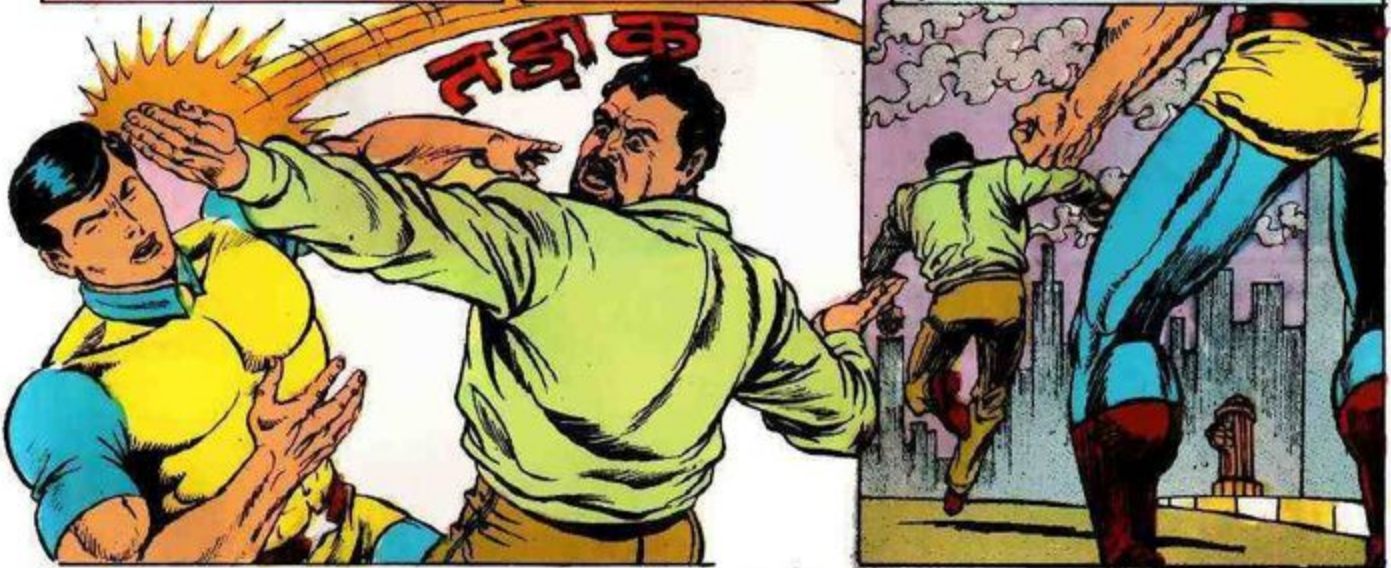
जैकेट के अंदर से निकाला गया, दूसरा चाकू अपने शिकार के शरीर में जा धंसा—



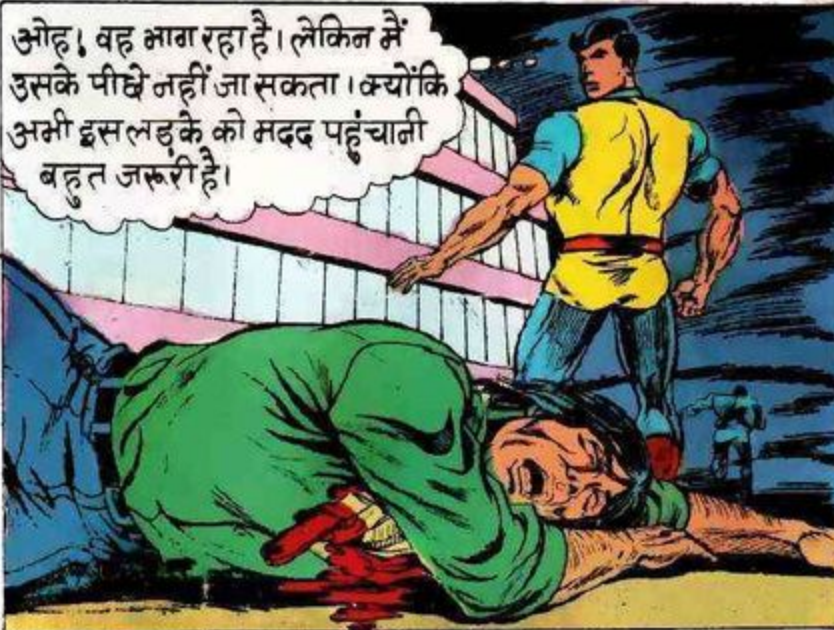
ध्रुव का ध्यान पलभर को बंटा —

और इसी एक पल में—

गुंडे की भागने का मौका मिल गया—



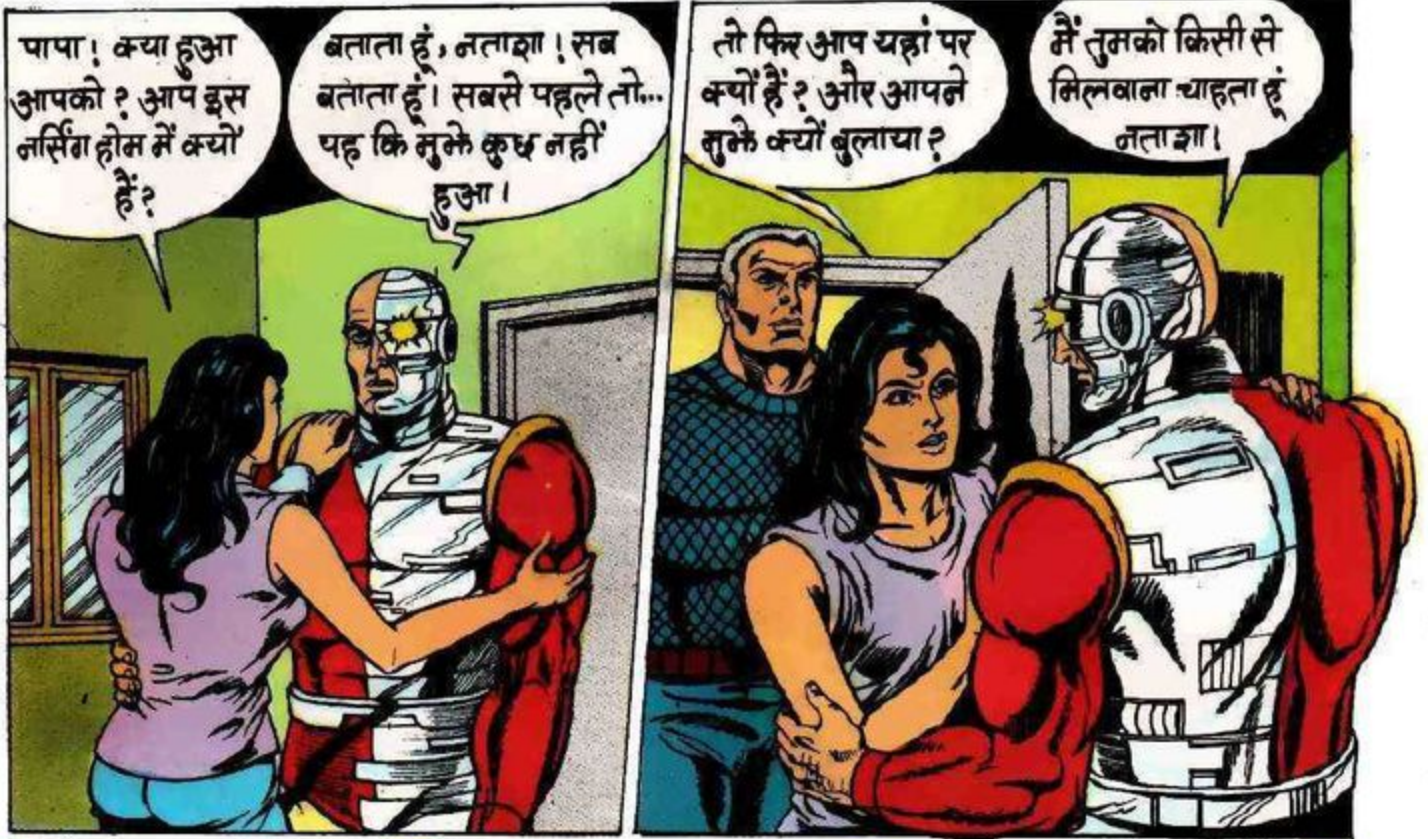
ओह! वह भाग रहा है। लेकिन मैं उसके पीछे नहीं जा सकता। क्योंकि अभी इस लड़के की मदद पहुंचानी बहुत जरूरी है।



और अस्पताल में—

आओ, बेटी!







इसलिए तुम्हारा ज़िन्दा रहना हमारे लिए मौत का कारण बन सकता है।

और हम अभी मरना नहीं चाहते!

लेकिन बार्को, मैं तो...

आहहहह!

कद

इसका क्या करना है, बॉस? गोली मार दूं इसको?

नहीं! अगर इसकी गोली लगी लाश पुलिस के हाथों लगी गई, तो एक नया कमेला खड़ा हो जाएगा...

...और हां! बांधने के लिए उन रस्सों का इस्तेमाल करना, जो पानी में एक घंटे रहने के बाद अपने-आप गल जाते हैं।

ओं के बॉस!

गुडबाय, मांटो! तुम्हारी मौत का मुझे बेहद अफसोस है। पर क्या करें...

अपनी गार्दन बचाने के लिए दूसरे की गार्दन का नाप देना ही पड़ता है!

...इसकी इसी बेहोशी की हालत में रस्सी से बांधकर समुद्र में फेंक दो। पानी में दम घुटकर अपने-आप मर जाएगा। और यह एक दुर्घटना लगोगी ...

आज का दिन हर कोई डॉक्टर के साथ ही शुरू कर रहा था -

मैंने आपकी बीमारी को डायग्नोज कर लिया है मिस रिचा ...

...और इस बीमारी का मेडिकल साइंस के पास कोई फुलप्रूफ इलाज नहीं है।

मतलब ?

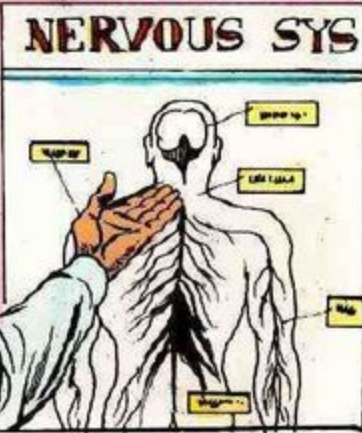
यह एक जान लेवा बीमारी है, मिस रिचा !

क्या बीमारी है मुझको, डॉक्टर ? जो हो साफ-साफ कहिए। मैं बुरी से बुरी खबर सुनने की भी ताकत रखती हूँ।

आपको 'नर्वस सिस्टम' की बीमारी है। 'स्नायु-तंत्र' खराब हो रहा है आपका।

दरअसल यह एक बहुत कम सुनी जाने वाली बीमारी है। एक खास किस्म की बीमारी, जो सिर्फ मानव के स्नायु-तंत्र पर ही हमला करती है...

... और स्नायु-तंत्र को धीरे-धीरे कमजोर करती जाती है। पहली अवस्था में थकान महसूस होती रहती है। दूसरी अवस्था में चक्कर आते हैं। सांस फूलती है और फिर आदमी के हाथ-पैर कांपने लगते हैं। नजर कमजोर होने लगती है और उसके बाद बिस्तर और फिर ...





...मौत! और इस बीमारी का कोई इलाज नहीं। यही कहना चाहते हैं न, डॉक्टर भंडारी ?

नहीं! मैं यह कहना चाहता हूँ, कि इस बीमारी पर शोध कार्य चल रहा है, रिचा!

...और प्रयोग के तौर पर एक इलाज देना गया है। अभी इसके रिजल्ट पूरी तरह से सामने नहीं आए हैं लेकिन करके देखने में कोई हर्ज तो है नहीं।



क्या है वह इलाज ?

मैग्नेटिक थेरेपी। यानी चुंबकीय चिकित्सा। इसमें शरीर के चारों तरफ एक बहुत शक्तिशाली चुंबकीय क्षेत्र की रचना की जाती है।

इससे शरीर में रक्त के दौर पर असर पड़ता है। और यह रक्त का दौरा, 'स्नायु तंत्र' पर असर डालता है!

इससे धीरे-धीरे 'स्नायु तंत्र' मजबूत होता है!



गुड! हम ये थेरेपी कब से शुरू कर सकते हैं ?

अभी से। क्योंकि इस पर शोध तुरन्त। कार्य में ही कर रहा हूँ।



गुड! हम ये थेरेपी कब से शुरू कर सकते हैं ?

और मैंने यही पर एक लैब बनाकर रखी है।





PhonePe



Refer your friends and receive
Cashback!

Get ₹75 when each of your friends
make their first money transfer on
PhonePe!

[VIEW T&C](#)

Invite Link

https://phon.pe/ru_niracpwof

Invite friends using



CLICK HERE
TO JOIN NOW









ओह! ऐसा लग रहा है, जैसे
बदन का हर अंग कंप रहा
हो डॉक्टर...

यह मैग्नेटिक थेरेपी सीधे
नर्वस सिस्टम पर असर करती
है रिचा। यह कंपन उसी कारण
से है...

... पर यह तो अच्छी खबर है। इसका
मतलब है कि इलाज असर कर रहा
है।



अब तुमको रोज यहां पर आकर
रुक बार 'मैग्नेटिक फील्ट' में यह
भटका सहन करना होगा।

और अगर तुम ठीक हो
गई तो तुमसे ज्यादा फायदा
तो मुझे होगा।

आपकी?
वो कैसे?

मैं प्रसिद्ध हो जाऊंगा रिचा!
इस लाइलाज बीमारी का
इलाज दूंगे वाला डॉक्टर।



और डॉक्टर शिल्डर के
नर्सिंग होम में -

आप चुप क्यों हैं, पापा?
मैंने तो आपसे एक सीधा-
सादा सा सवाल पूछा है।

मां के जिन्दा
रहते आपने मुझसे भूठ
क्यों बोला कि वह मर गई? क्यों
दूर रखा मुझे उससे?

और इतने सालों बाद
आप मुझे उसके पास क्यों
लेकर आए हैं?

एक सवाल और है,
नताशा! और वह ये कि
रोबो ने तुम्हारी मां को
यहां पर क्यों रखा हुआ
है, डॉक्टर शिल्डर के
हॉस्पिटल में?



और दूसरी तरफ— एक नई कहानी जन्म ले रही थी—



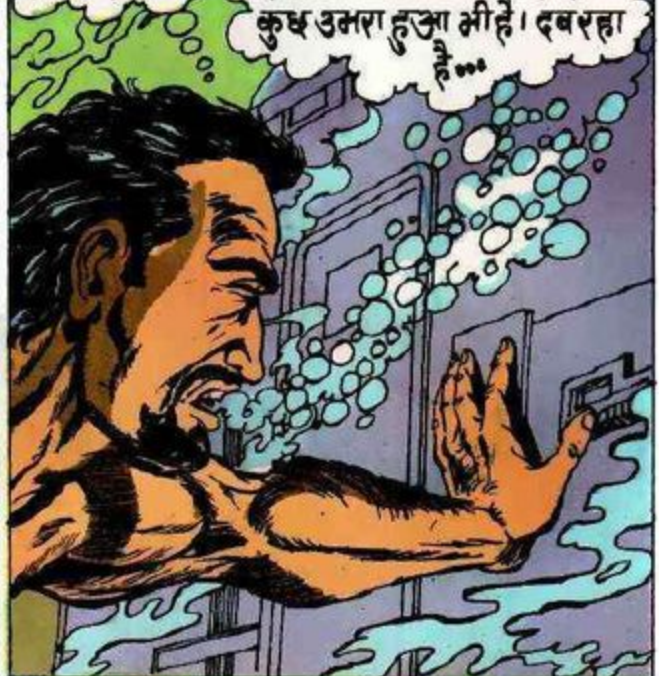
और पानी में अपने-आप गल जाने वाली रस्सियां भी कमजोर हो गई थीं-

बंधन खुल गए-

... अब तो मौत होकर ही... अरे, मेरा हाथ किस चीज से लड़ रहा है। सपाट दीवार लगा रही है। कुछ उभरा हुआ भी है। दब रहा है...



बंधन खुलने से भी कोई खास... सतह तक पहुंचते-पहुंचते फायदा नहीं होगा। मैं पानी में दम घुट जाऊंगा। फेफड़ों में काफी गहराई पर हूँ... हवा बहुत कम बची है...



यह समुद्र में डूबा, बयूसरी का स्पेशल शिप था...

... जिसके अंदर मांटो आ गिरा था-

मांटो के अंदर आते ही, शिप के ऑटोमैटिक पंपों ने पानी को बाहर निकालना शुरू कर दिया-



और पीछे रह गया आश्चर्यचकित मांटो-

कमाल है। यह तो 'स्टार-वार्स' का सेट लगता है। जरूर किसी फिल्म के प्रोड्यूसर का सेट डूब गया होगा। खैर, मेरी तो इसने जान बचा ली। अब यहां से बाहर निकलना कितना आसान हो गया है...



* पढ़ें- 'मौत के चेहरे'



... इस स्पेस-सूट को पहनकर !



ध्रुव भी जल्दी ही इस घटनाक्रम में शामिल होने वाला था—

नताशा ! इंस्पेक्टर शमशेर सिंह को नताशा ने मारा है ?

यह मैंने नहीं कहा मैंने सिर्फ मिस्टर ध्रुव ! इतना कहा कि हमको नताशा पर शक है ...



... क्योंकि शमशेर सिंह की लाशा हमको नताशा के स्पार्टनेट वाली बिल्डिंग के बाहर मिली है। वह ऊपर से गिरकर मरा था।

उस इमारत में तो और भी कई फ्लैट हैं, ऑफीसर !

हैं। लेकिन शमशेर सिंह की उंगलियों के निशान, सिर्फ नताशा के फ्लैट से ही मिले हैं, ध्रुव !



लेकिन इससे यह तो साबित नहीं होता कि नताशा ने ही शमशेर सिंह को मारा है।

हो सकता है वह कहीं और से नीचे गिरा हो। आखिर नताशा उसे क्यों मारेगी ?



क्योंकि नताशा एक समबलर है मिस्टर ध्रुव !...

... हमको उसके फ्लैट से हेरोइन के पैकेट मिले हैं। एक वीडियो कैसेट के खोल में रखे हुए।



थे तो बस मैं और मेरियन। हम दोनों मेडिकल कॉलेज में एक साथ ही पढ़ते थे। आपस में गहरे दोस्त भी थे, एक दूसरे से बेइन्तहा प्यार भी करते थे, और शादी करने का इरादा भी रखते थे-

मेरियन को प्लास्टिक सर्जरी में दिलचस्पी थी-

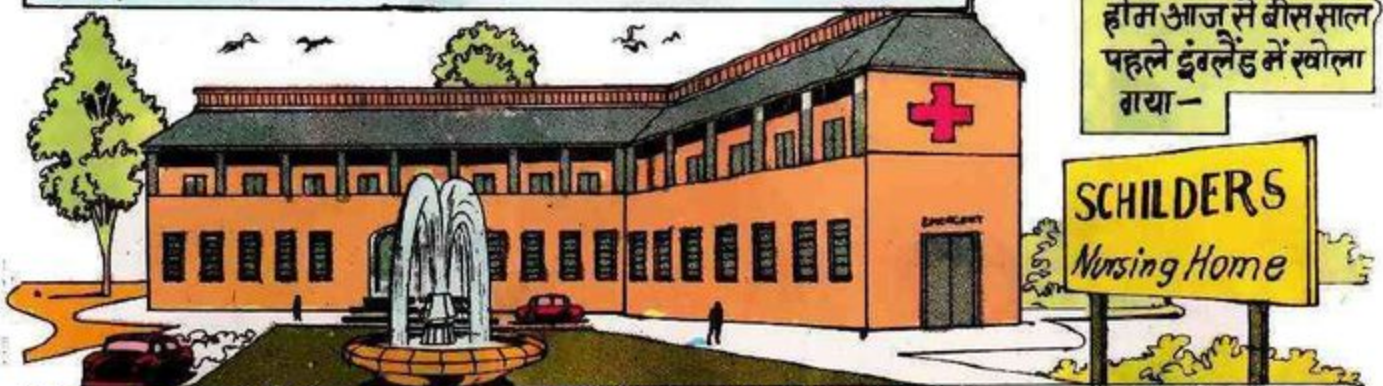
और मुझे रोबोटिक्स में। यानी कृत्रिम मशीनी अंगों का प्रत्यारोपण करने में-



हम दोनों ही अपने-अपने क्षेत्र के माहिर डॉक्टर थे-

और इस कारण हमकी अपनी प्रैक्टिस जमाने में ज्यादा वक्त नहीं लगा-

पहला बिल्डर नर्सिंग होम आज से बीस साल पहले इंग्लैंड में खोला गया-

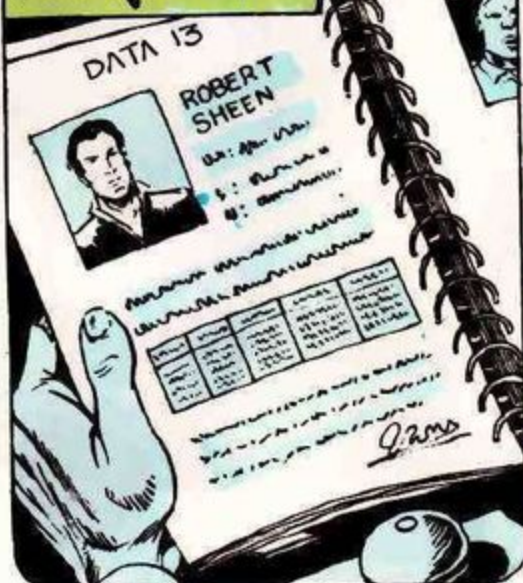


और उसके पहले मरीजों में से एक था, रॉबर्ट शीन-

जिसकी आज की दुनिया वैडमैस्टर रोबो के नाम से जानती है-



उस वक्त की पुलिस फाइलों के अनुसार राबर्ट शीन एक जिन्दा दिल लड़का था। सनर्जी बहुत थी उसमें -



राज कॉमिक्स

लेकिन जब उसे उस सनर्जी को निकालने का कोई रास्ता न मिला तो वह अपराध की तरफ मुड़ गया -



अपराध तो वह छोटे-मोटे ही करता था, लेकिन उसकी निडरता और जीबाजी के कारण कई लोकल अपराधी उसको अपना गुरु मानने लगे थे -

और यही निडरता, उसके लिए मौत का कारण बन गई -

ये इस सरिया के माफिया-चीफ गॉड-फादर सल साल्वानो हैं राबर्ट!

ये चाहते हैं कि तुम इनके लिए काम करो! और अपने गैंग को इनके गैंग से मिला दो। तुमको...



राबर्ट किसी के लिए काम नहीं करता।

शेरों के ऊपर भला कौन हुकूमत कर पाया है।

आदमी स्वतंत्रताक लगाता है, साल्वानो!

अभी तो नहीं, लेकिन भविष्य में यह हमारे लिए स्वतंत्रताक बन सकता है



... इसलिए मिटा दो इसको और इसके टुटपूजिया गैंग को।

ऐसी मौत मारो इन्हें जो औरों के लिए भी सबक साबित हो सके। जाओ!

और फिर खून की
होली खेली गई-

साल्वानो के अत्याधुनिक हथियारों से लैस आदमियों ने रॉबर्ट गैंग के अड्डे पर बिना
चेतावनी के छापा बोल दिया-



रॉबर्ट गैंग के सदस्य इसके लिए तैयार नहीं थे-

वे बकरों की तरह काट डाले गए-

हासस ह!



सिर्फ एक ही आदमी, सिर्फ एक पिस्तौल के जरिए उस फौज
का मुकाबला कर रहा था-

धं
य
धं
य

यह आदमी था रॉबर्ट डीन-

अचूक निशानेबाज-

जिसकी हर गोली अपना शिकार
तलाश करती जा रही थी-

फ
य



साल्वानो के आदमियों की तादाद तेजी से कम होती जा रही थी-



और पिस्तौल की गोलियां खत्म होने के बाद भी, साल्वानो के आदमियों की तादाद कम होने में कोई रुकावट नहीं आई थी-



एक अकेला आदमी साल्वानो के लिए खतरा बनता जा रहा था-



लेकिन साल्वानो के पास बंदूकों के अलावा और भी शस्त्र थे-



ऐसे हथियार-

जिनकी निशाने पर फेंकने की जरूरत नहीं पड़ती -

वे अपना निशाना अपने-आप दूंद लेते हैं।



रॉबर्ट शीन की जब मैंने पहली बार देखा, तब वह उसी हालत में था। हथगोले से बुरी तरह घायल।



उसका शरीर बुरी तरह से क्षत-विक्षत हो चुका था। बचने की उम्मीद नहीं थी -



और इसी कारण मुझकी इलाज का वह तरीका अपनाने पर मजबूर होना पड़ा, जिसे अब तक टेस्ट भी नहीं किया जा सका था -

कृत्रिम मशीनी अंगों के प्रत्यारोपण का तरीका -



और इस तरह रॉबर्ट शीन बन गया... रोबो।

ऑपरेशन
सफल रहा -

अब हमकी इंतजार था, ऑपरेशन के
नतीजे का -



क्योंकि हमको पता नहीं था कि कृत्रिम मशीनी अंगों का प्रत्यारोपण रॉबर्ट पर क्या असर डालेगा -

झुकावत अच्छी भी थी,
और स्वभाव भी -

रॉबर्ट का शरीर मशीनी अंगों
को गड़गड़ कर रहा था -



लेकिन साथ ही साथ रॉबर्ट चिड़चिड़ा भी होता जा रहा था।
सक... क्रूरता सी भलकने लगी थी उसकी आंखों में -

हॉस्पिटल का स्टॉफ भी उसके पास जाने
में धबराने लगा था -



रॉबर्ट
को किसी पर भी भरोसा नहीं रह गया था -

और इसका एक ही कारण हो सकता था।
शरीर में मशीनी अंगों का लगना -



मशीनी अंगों ने उसके शरीर में कुछ
स्वास द्वार मोन्स की कमी पैदा कर दी थी -

यह गलती मेरी थी, जिसने
रॉबर्ट की जिन्दगी बिगाड़ कर
रख दी थी -



जिसके कारण
वह क्रूर से क्रूरतम
होता जा रहा था -

और उस गलती को सुधारने
का मेरे सामने सिर्फ एक ही
रास्ता था -



मेरियन -

सिर्फ मेरियन ही एक ऐसी डॉक्टर थी, जिसको देखकर रॉबर्ट के चेहरे पर मुस्कान आ जाती थी-

इसलिए हमने आपस में यही तय किया कि, मेरियन ही रोबो की देखभाल करे-

मेरियन भी मान गई। क्योंकि यह सिर्फ थोड़े दिनों की ही तो बात थी-



लेकिन दिन बीतने के साथ-साथ रॉबर्ट का, मेरियन के प्रति प्यार का पागलपन बढ़ता गया-



और उस दिन तो हद हो गई, जिस दिन रॉबर्ट एक रोबो ने एक जूनियर डॉक्टर को सिर्फ इसलिए ऊपर से नीचे फेंक दिया, क्योंकि उसने मेरियन से ऊँची आवाज में बात की थी-



अगले ही दिन, वह एक नर्स पर सर्जिकल छुरी लेकर दौड़ पड़ा-



अगर मेरियन ने उसे रुका होता तो नर्स जान से हाथ धो बैठती-

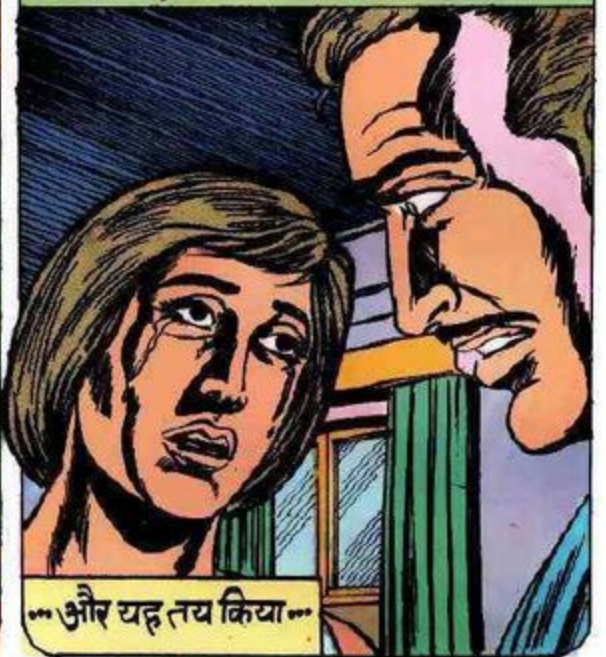
रोबो का वह रूप देखकर मैं और मेरियन दोनों ही सिहर गए—

यह पक्का ही गया था कि रोबो के दिमाग में क्रूरता भरती जा रही थी और अगर उस ज्वाला मुरवी को कोई रोक सकता था तो सिर्फ ...

एक बहुत महत्वपूर्ण निर्णय लेने का समय आ गया था। मैंने और मेरियन ने इस समस्या पर लंबा-चौड़ा विचार-विमर्श किया ...



— मेरियन —



... और यह तय किया ...

— कि रोबो और मेरियन की शादी करा दी जाए—

ताकि रॉबर्ट की आदतों पर जिन्दगी भर के लिए अंकुश लगाया जा सके—



अब मैं तुमको पति-पत्नी घोषित करता हूँ रॉबर्ट शीन और मेरियन कोल।

लेकिन यह उम्मीद भी जल्द ही टूट गई—

शादी होने के बाद रोबो ने पहला काम किया—
स्वाल्थानो की नृशंस हत्या का—



और वह उसी हालत में घर भी वापस आ गया -

यह खून किसका है, रॉबर्ट?

य... यह खून! यह तो एक आदमी का खूनी छेद हो गया था...

... उसी की अस्पताल पहुंचाकर आ रहा हूँ। बहुत खून निकल रहा था उसके। शायद वही हाथों में लग गया।

अगले दिन का पेपर पढ़ते ही मेरियन समझ गई कि क्या हुआ होगा -



लेकिन उसने यही समझा कि यह हत्या रॉबर्ट ने प्रतिशोध के लिए की है। अब आगे से वह ऐसा कभी नहीं करेगा -

लेकिन यह उम्मीद भी गलत साबित हुई। मेरियन से छुपाते हुए रोबो के कदम, अपराध की दुनिया में और गहरे होते चले गए।



और वह रॉबर्ट से बन गया... ग्रैंड मास्टर रोबो...

मेरियन से अब और बर्दाश्त नहीं हो सका...

... वह गर्भवती अवस्था में रोबो का घर छोड़कर अपने मायके चली गई -



और वहीं पर उसने एक पुत्री को जन्म दिया -

उस बच्ची का नाम रखा गया... नताशा -







...हो न हो, नताशा के ऐसे गायब होने का, और शमशेर सिंह की हत्या का संबंध उस हमले से जरूर है।



टैक्सी मिलती ही नहीं। पता नहीं, कहाँ तक पैदल चलना पड़ेगा।



बाकी बोल ला, फोन रहा है। मुझे दे।



बाकी! मैं... मांटो बोल रहा हूँ।

मांटो!



अब तेरे सामने दो ही रास्ते हैं। या तो चुपचाप अपना साम्राज्य मेरे हवाले करके शहर छोड़ दो, या आत्महत्या कर लो।

!?



बार्की की संदेशों अब उस पर दस्तखत भी तो मिल गया है! कर दिए जाएंगे।

सट सटसटक

स्नर्जी के तीन भीषण धमाकों ने...

...तीनों की पिघले मांस के ढेर में बदल दिया-

और साथ ही साथ, केबिन भी सुलग उठा-

वहां से गुजर रहे, ध्रुव का ध्यान खींचने की इतना ही काफी था-

ओह! वह केबिन स्कार्क भीषण आग में कैसे सुलग उठा...

...कोई धमाके की आवाज तक नहीं आई। शायद पेट्रोल...

... कोई बाहर आ रहा है। आग की लपटों में लड़खड़ा नहीं रहा है। घिरा हुआ!

लेकिन... यह इसको मदद की जरूरत नहीं है।

कुछ गड़बड़ है। और मुझे
आभास हो रहा है कि इस गड़बड़
की जड़ यही आदमी है।



बढ़ते कदम धमकाए-

और मांटो का ध्यान बाकी
से हटकर...



ध्रुव पर चला गया-

ओह! सुपर
कमांडो ध्रुव!

कौन हो
तुम?



यह तो मैं भूल ही गया था कि
बाकी के अपराध-साम्राज्य पर
कब्जा करने के पहले...

... मुझे तुमको रास्ते
से हटाना पड़ेगा।

वर्ना तुम हमेशा के लिए सिरदर्द पैदा
करने वाली मशीन बन जाओगे।

बाकी! इसने
बाकी का नाम
लिया?



यानी इस सारे चक्कर का बार्को से संबंध है ! मशहूर माफिया चीफ बार्को !

अब तक पुलिस के पास बार्को के खिलाफ कोई सबूत नहीं है...

... अगर मैं इसको काबू में कर सकूँ, तो यह शायद बार्को के खिलाफ एक अच्छा सबूत साबित हो !



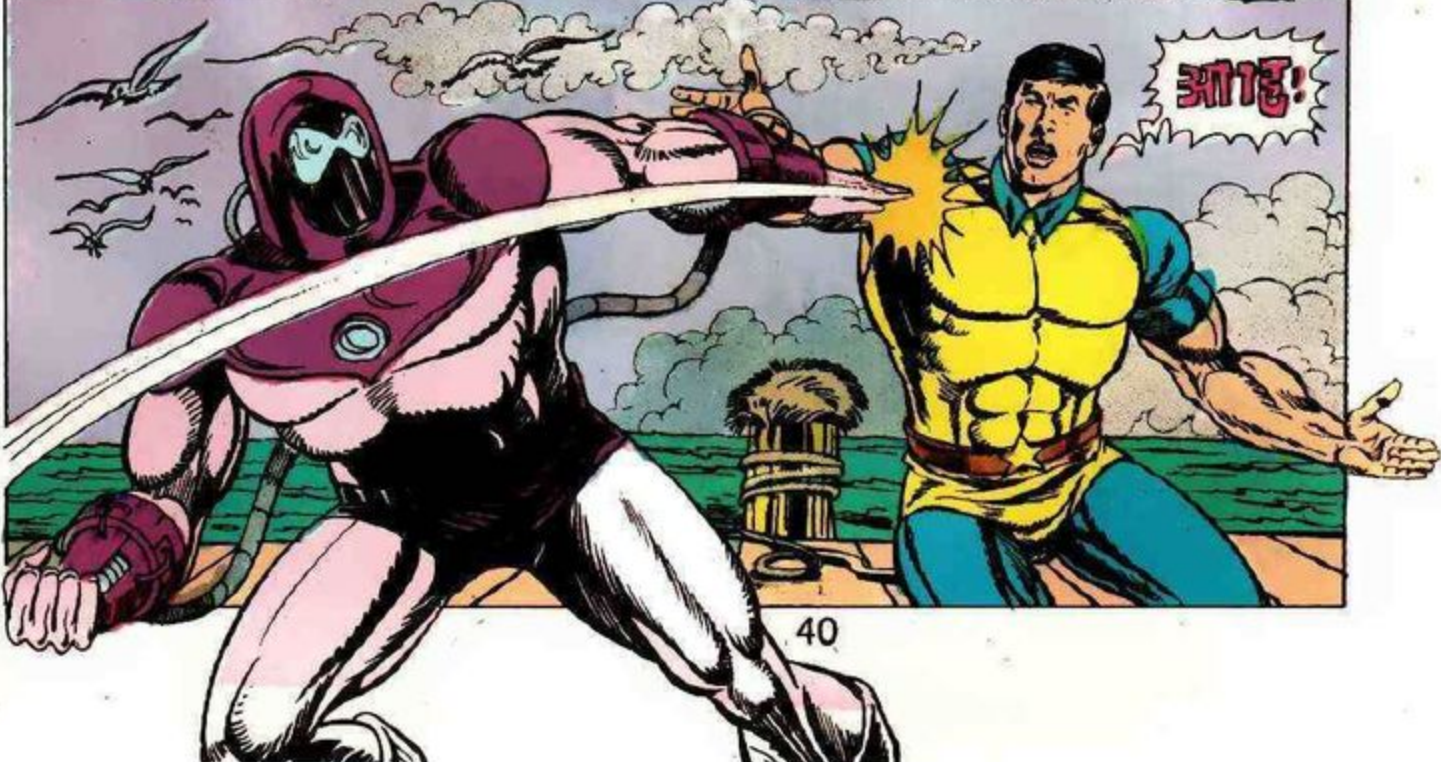
लेकिन सवाल यह है कि इसके सनर्जी-ब्लास्टों को पार करके इस तक कैसे पहुँचा जाए ?



एक मिनट ! इसके हाथों से ब्लास्ट लगा-तार नहीं निकल रहे हैं ! एक ब्लास्ट और दूसरे ब्लास्ट के बीच में लगभग दो सेकेंडों का अन्तर है...
... अगर मुझे कुछ करना है तो वह...

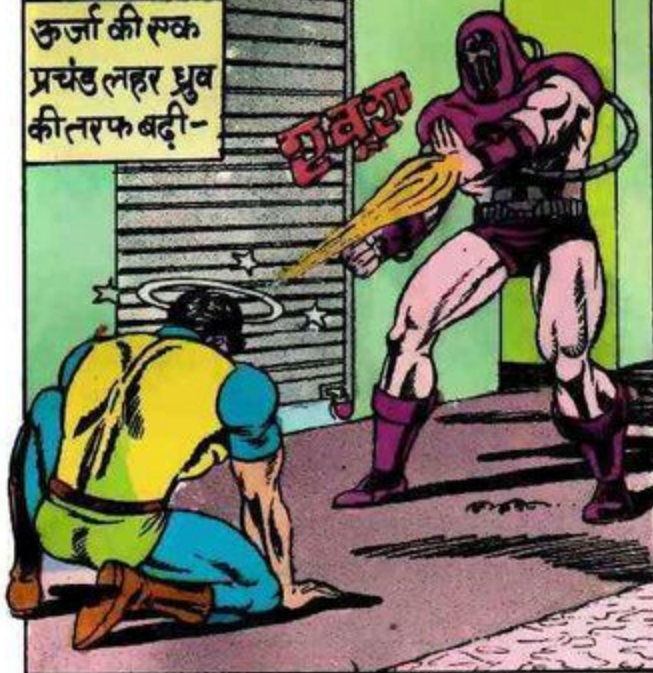
... इन्हीं दो सेकेंडों में करना है !





इस बार से ध्रुव पूरी तरह संभल पाता,
उससे पहले ही निझाना तन चुका था-

कुर्जा की रक
प्रचंड लहर ध्रुव
की तरफ बढ़ी-



लेकिन ध्रुव को धून पाई-

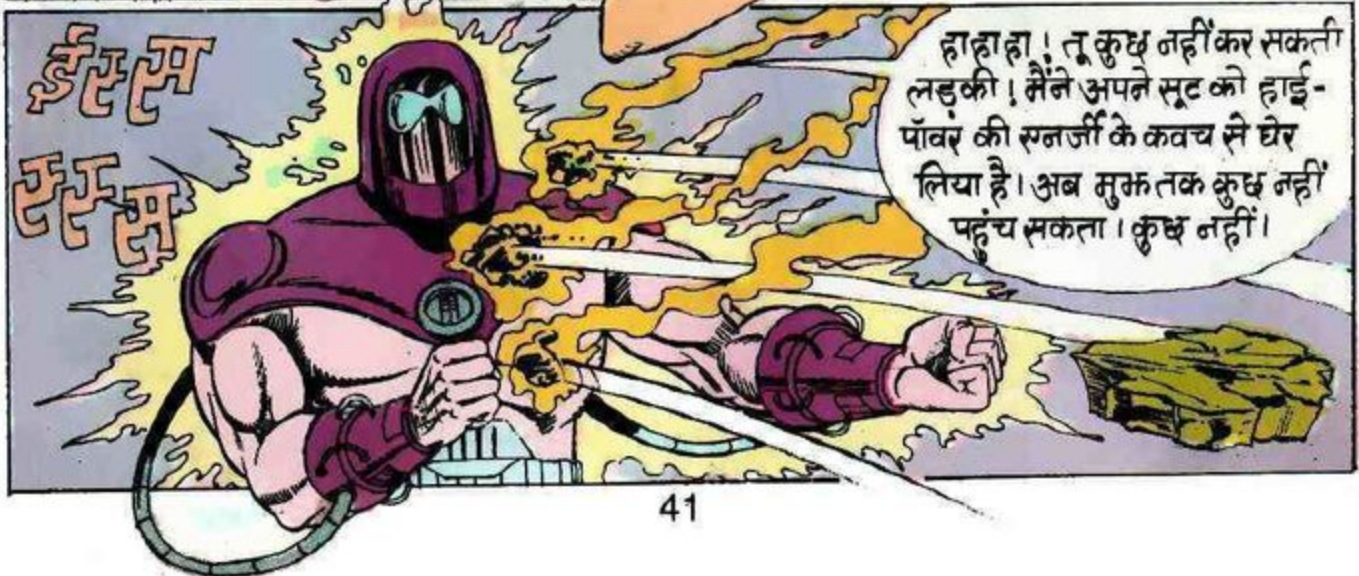


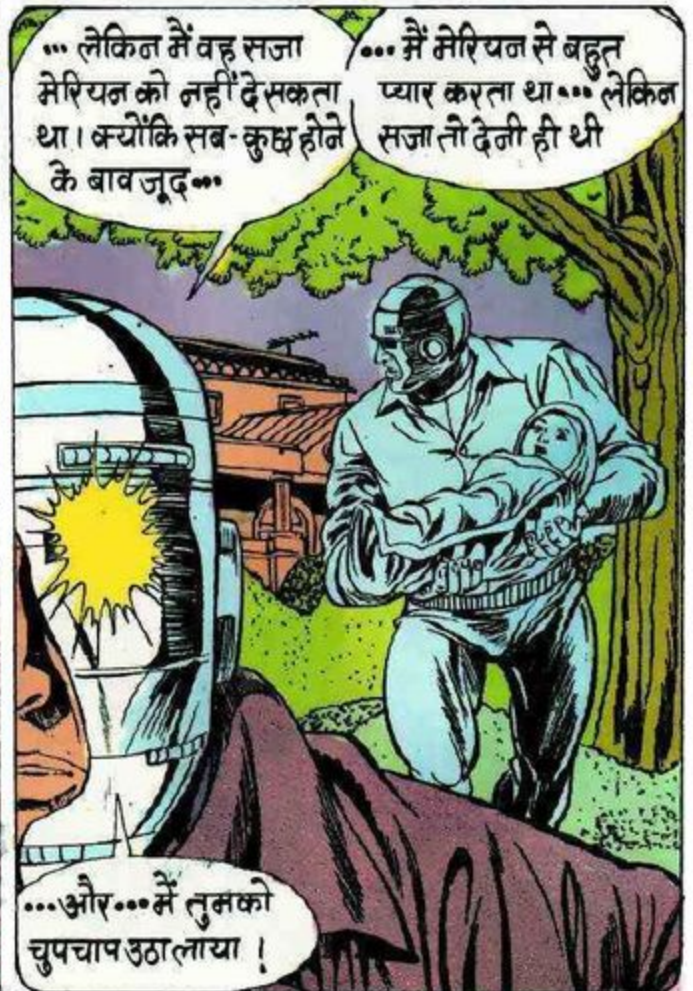
रिचा ! तुम यहां
पर कैसे ?

बताती हूं ! लेकिन पहले जरा
इस व्यवधान को दूर कर लूं !



हाहाहा ! तू कुछ नहीं कर सकती
लड़की ! मैंने अपने सूट को हार्ड-
पॉवर की एनर्जी के कवच से घेर
लिया है। अब मुक्तक कुछ नहीं
पहुंच सकता। कुछ नहीं।





मैंने बदले की भावना में जलकर तुमको तुम्हारी मां से दूर तो कर दिया था, लेकिन तुमसे मैं शायद मेरियन से भी ज्यादा प्यार करता था -

दुनिया मुझे अंतर्राष्ट्रीय आतंकवादी वैडुमास्टर रोबो के नाम से जानती थी। लेकिन तुम्हारे लिए मैं एक इंसान था। तुम्हारा...

... पापा!



तुमको मैं उसी लाह-प्यार से एक नाजूक, कोमल लड़की की तरह पाल रहा था जैसे शायद तुम्हारी मां तुमको पालती। एक फूल की तरह...
... लेकिन तभी, मुझको पेरिस जाना पड़ा।
बाई आरव में लेसर-आई फिट करवाने के लिए।



मेरी गैरहाजिरी में, मेरे डिप्टी चीफ ने मेरे आतंकवादी साम्राज्य पर कब्जा करने की कोशिश की, और उसने अपना मोहरा बनाया - तुमको। मेरी बेटी को -

मैंने अपनी नई लेसर आई के जरिए तुमको बचा तो लिया, लेकिन इस घटना ने मुझे सोच में डाल दिया -



मेरे कारण तुम्हारी जान कभी भी खतरे में पड़ सकती थी। और मैं हर वक्त तुम्हारे पास नहीं रह सकता था -

रुक ही रास्ता था। तुमको आत्मरक्षा के गुरु सिखाने का। तुम्हारी उम्र भी सीखने लायक हो रही थी -

और मेरे पास, अलग-अलग तरह की लड़ाईयों के दांव-पेंच सिखाने वाले कई उस्ताद मौजूद थे -



तुम्हारी ट्रेनिंग शुरू हो गई -

वैसे तो यह ट्रेनिंग सिर्फ तुमको आत्मरक्षा सिखाने के लिए थी -

...लेकिन समय बीतने के साथ-साथ तुम्हारी खूबियां सामने आने लगीं -

तुम्हारे किशोरावस्था में आते-आते मेरे गैंग में रुक भी रुकसपट ऐसा नहीं बचा था जिसने तुमसे मात न खाई हो -



गैंग में सब तुम्हारी इज्जत करने लगे थे, और मेरे बाद सिर्फ तुम्हारा ही हुक्म मानने को तैयार थे -

मेरे सामने और कोई रास्ता नहीं था -

सबकी मर्जी के आगे मुझे झुकना ही पड़ा -



तुम युद्ध की सभी कलाओं में इतनी तेज निकली, कि तुमने अपने उस्तादों को ही मात देनी शुरू कर दी -

और तुम नताशा से बन गई ... कमांडर नताशा -



अब तू मुझसे नहीं बचेगा, ध्रुव ! तुझे तो मैं तड़पा-तड़पाकर मारूंगा ! ले... मैंने अपनी 'स्पेस-शील्ड' को बंद कर दिया है। अब आ।



आकर मार... मुझे! उफ़!

तूने यह 'शील्ड' बंद करके बहुत बड़ी गलती की है, मांटो!



कोई गलती नहीं की है! फिर तुम्हारे धूसों की बिसाल यह 'स्पेस-सूट' है! वैक्यूम ही क्या है, कमांडो! तक को सह सकता है।



हम जो करना चाहते हैं, वह तू नहीं समझ पाएगा, मांटो! सेसे 'स्पेस-सूट' ताकत तो दे सकते हैं, लेकिन दिमाग नहीं दे सकते।



डॉक्टर भंडारी अचानक कुछ देरकर परेशान हो उठे—



य... यह क्या?



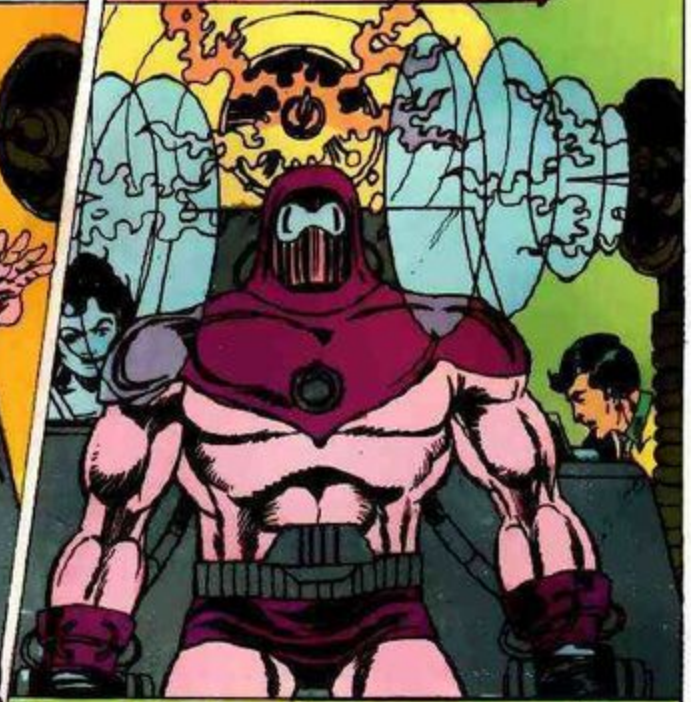
मांटो के वारों की बचाने हुए, ध्रुव और रिचा उसको 'मैग्नेटिक-फील्ड' वाले कक्ष तक ले आए थे—



और कुछ समय पहले से पहले ही मांटो, उस जाल में फंसा चुका था, जो ध्रुव और रिचा ने उसके लिए बिछाया था—



कुछ समय पहले से पहले ही रिचा ने मांटो के बदल को 'प्लेट' पर कस दिया—



और ध्रुव ने 'मैग्नेटिक-रिसोनेटर' को ऑन कर दिया—

मांटो की सारी सनर्जी, अब तीव्र मैग्नेटिक फीलड के सजबूत रवोल में कैद थी—



मांटो अपनी स्पेशल जेल में कैद हो चुका था—

चलो! एक मुसीबत तो दूर हुई। अब...

ध्रुव! ध्रुव! यह आदमी अब आदमी नहीं है!



ये आप क्या कह रहे हैं, डॉक्टर भंडारी? यह आदमी नहीं तो फिर क्या है?

इसका पूरा शरीर सनर्जी में बदल चुका है, ध्रुव! अब इस रवोल में इसका शरीर, गुब्बारे में भरे पानी जैसा है।



ओह! यानी... अरे! मेरे स्टार-ट्रांसमीटर पर कोई मैसेज आ रहा है।

हैलो! ध्रुव वियर।



कैप्टन! मैं कैबुट करीम! पुलिस अस्पताल में भर्ती उस लड़के को होश आ गया है। उसने अपना बयान भी दे दिया है। उसके अनुसार...

करीम से उस लड़के का बयान सुनकर ध्रुव की आंखें फैलती चली गई—



ओह! यानी यह नताशा को फँसाने की चाल थी। और इंसपे. शमशेर सिंह भी इसमें शामिल था। इससे दो बातें साफ होती हैं। एक तो यह कि नताशा स्वतंत्र नहीं है...

...और दूसरी यह कि नताशा कालिल है। क्योंकि उस रात शमशेर सिंह उसी के फ्लैट पर गया होगा, नताशा को रंगोहाथों पकड़ने के लिए।

एक खबर और है, ध्रुव...



...पीटर का फोन आया था। फादर परेरा उसकी देखने शिल्डर नर्सिंग होम गए थे। उन्होंने वहाँ पर नताशा को डॉक्टर शिल्डर के कमरे में देखा है...

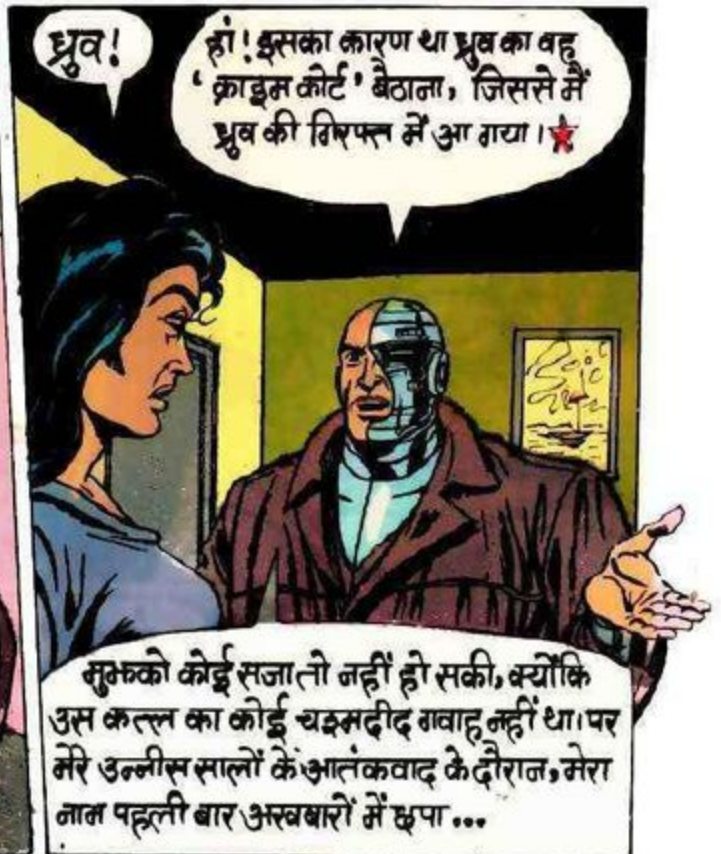
...उसके साथ एक स्वतंत्रताक सा आदमी भी था। फादर परेरा चेहरा तो नहीं देख पाए, पर उसका चेहरा मेटल जैसी चमक मार रहा था।



रोबो! यानी नताशा गैडमास्टर रोबो के साथ डॉक्टर शिल्डर के नर्सिंग होम में है। पर क्यों? मुझे तुरन्त वहाँ पर जाना होगा।

रिचा! तुम यहीं पर रुककर मोटो पर नजर रखो। मैं थोड़ी देर में वापस आकर, इसकी हिरासत में लेने का इंतजाम करता हूँ।

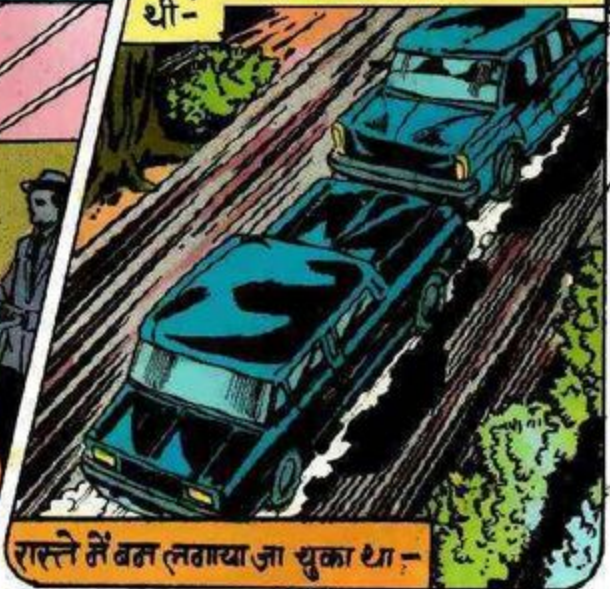
ओके ध्रुव!



मुझे न तो ये पता था कि मेरियन आ रही है...

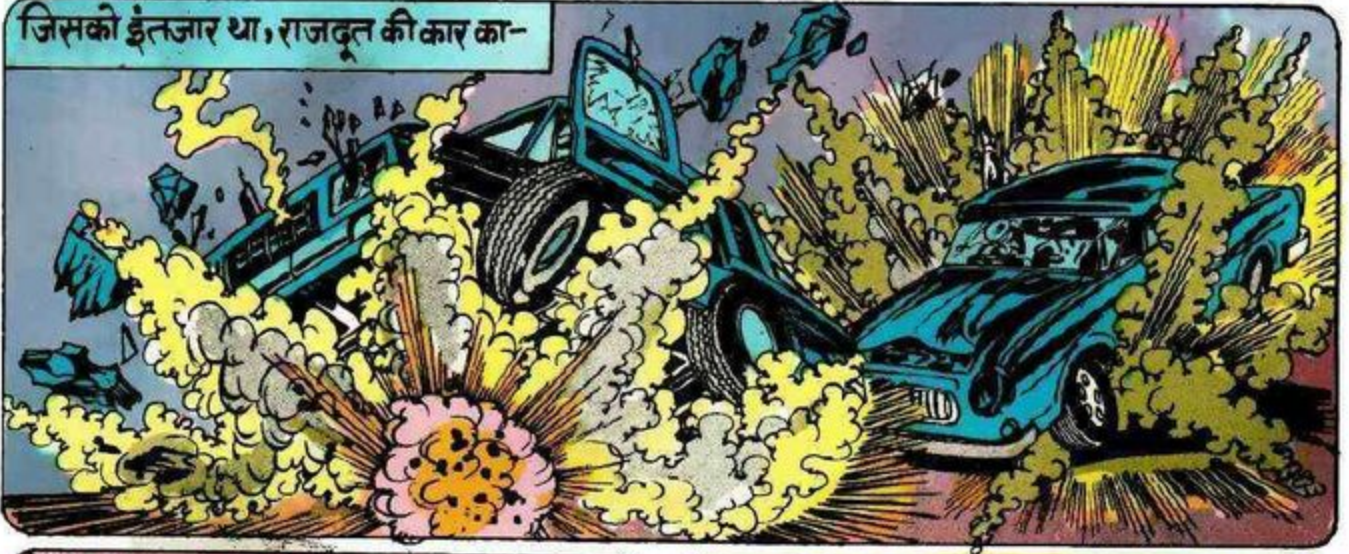
...और न ही ये पता था कि रास्ते में, मेरियन और राजदूत में अच्छी जान-पहचान हो गई थी-

और वह सयरपोर्ट से, राजदूत की गाड़ी में ही बैठकर राजनगर आ रही थी-



रास्ते में बम लगाया जा चुका था -

जिसको इंतजार था, राजदूत की कार का-



मैंने मेरियन को सब देखा, जब मैं कार के पास यह पक्का करने गया कि काम हो गया है -



कुछ पलों के लिए मैं इतना स्तब्ध रह गया कि मुझे पता ही नहीं रहा कि मैं कितनी खतरनाक जगह पर खड़ा हूँ, और कभी भी पकड़ा जा सकता हूँ -



कहानी, समाप्ति की ओर बढ़ रही थी -



अच्छा हुआ मांटो ने मेरी मोटरसाइकल का कचूसा बना दिया। वरना उससे अस्पताल तक पहुंचने में देर हो सकती थी... ये तरीका ज्यादा फिट है।

मुझे बैटमैन से मिलकर ये तरीका ईजाद करने के लिए, झुक्रिया अदा करना चाहिए।

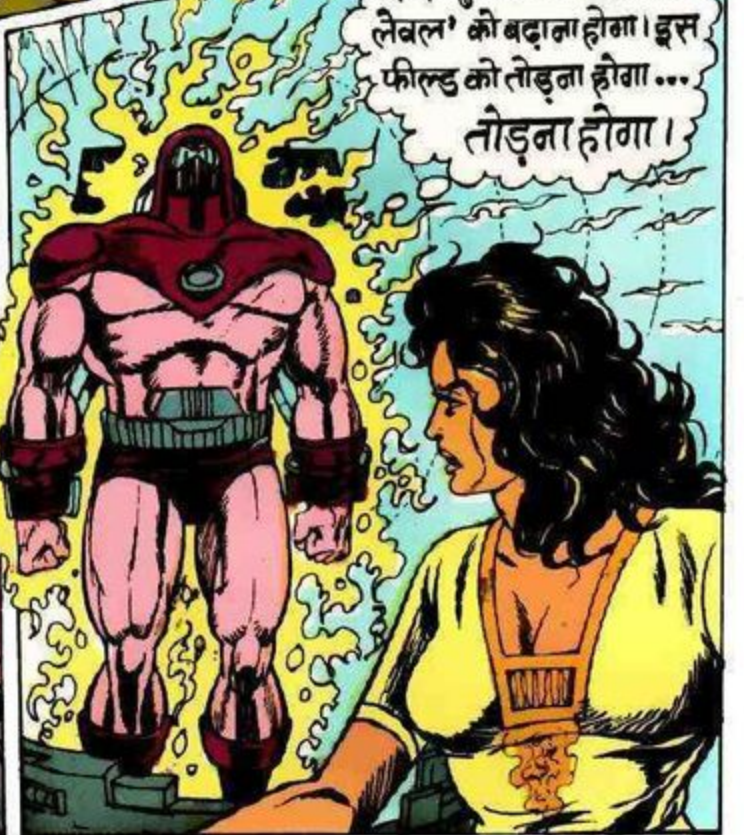


... और उसके लिए मुझे अपने 'सुपर-लेवल' को बढ़ाना होगा। इस फील्ड को तोड़ना होगा... तोड़ना होगा।

मांटो ने अभी तक हार नहीं मानी थी-



ये 'मैग्नेटिक-फील्ड' मेरी ऊर्जा को बाहर निकलने नहीं दे रही है। मुझे इस 'मैग्नेटिक-फील्ड' को तोड़ना होगा...



कमांडर नताशा

तोड़ना होगा!



वह डॉक्टर शिल्डर के नर्सिंग-होम
में गया है। अब उसी नर्सिंग-होम
में कब्र बनेगी...



— सुपर कमांडो ध्रुव की —

आ गया शिल्डर
नर्सिंग-होम।







सुपर कमांडो
ध्रुव !



तुम यहाँ
पर कैसे ?

कैसे नहीं, 'क्यों'
पूछो नताशा !

मैं तुमसे यहाँ पर
शमशेर सिंह की
हत्या के बारे में
पूछने आया हूँ।



ओह ! लेकिन मुझे तो
इस हत्या के बारे में
कुछ नहीं पता !

भूठ मत
बोलो, नताशा !

मेरे पास इस बात
का ठोस सुबूत है
कि शमशेर सिंह
तुम्हारे फ्लैट में ही
गया था।



मैं बस ये जानना
चाहता हूँ कि उस हत्या
में तुम कहाँ तक
झरिक्त...

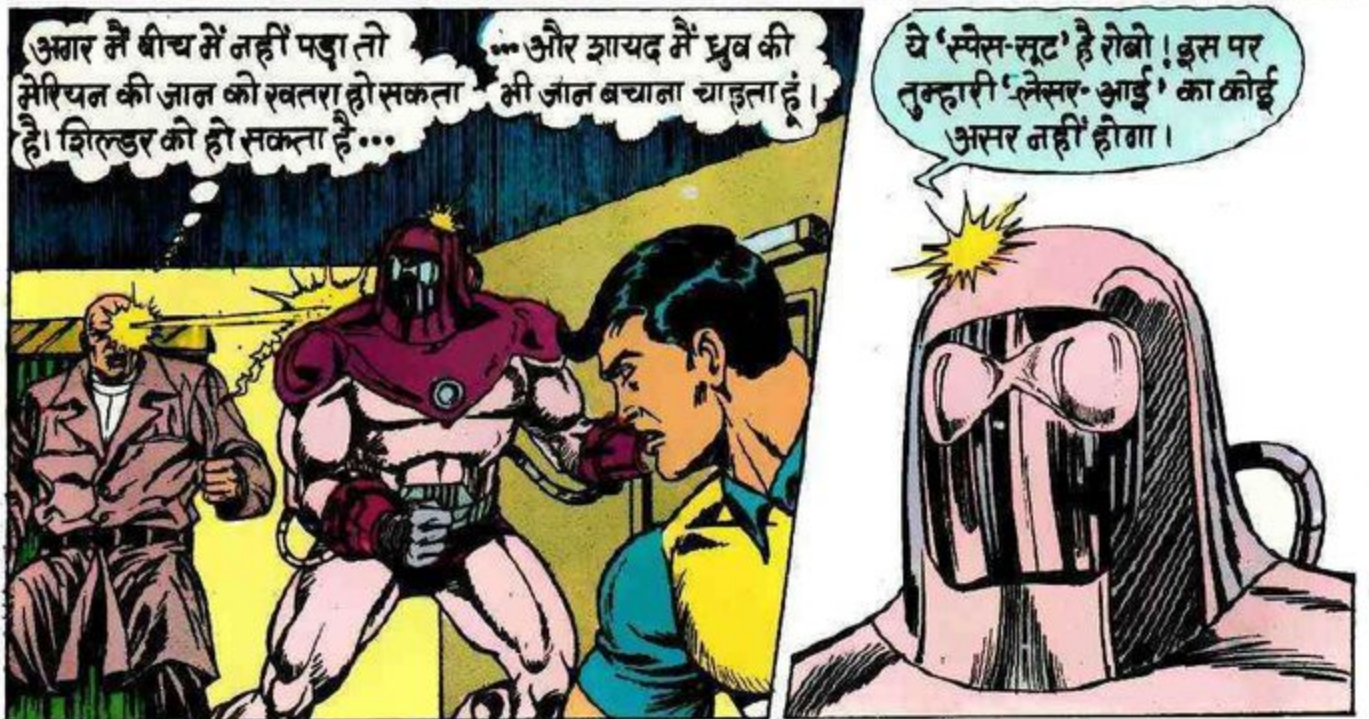
आह !

यह क्या
है ?



इस मामूली सा 'स्वर्जी-
ब्लास्ट' था नताशाजी !

मांटो ! तुम
आजाद हो गए ?







मगर कैसे?

धूँ



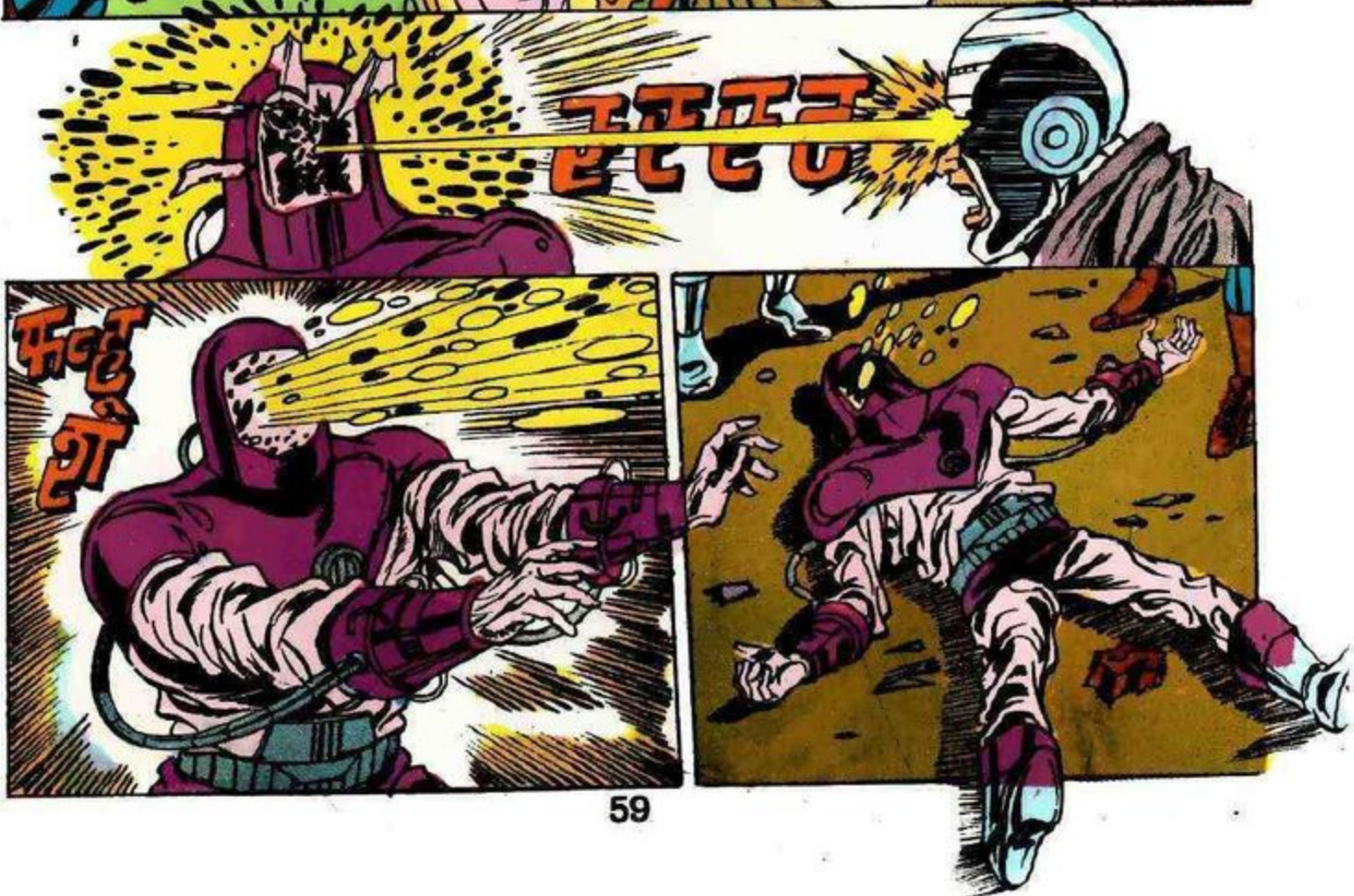
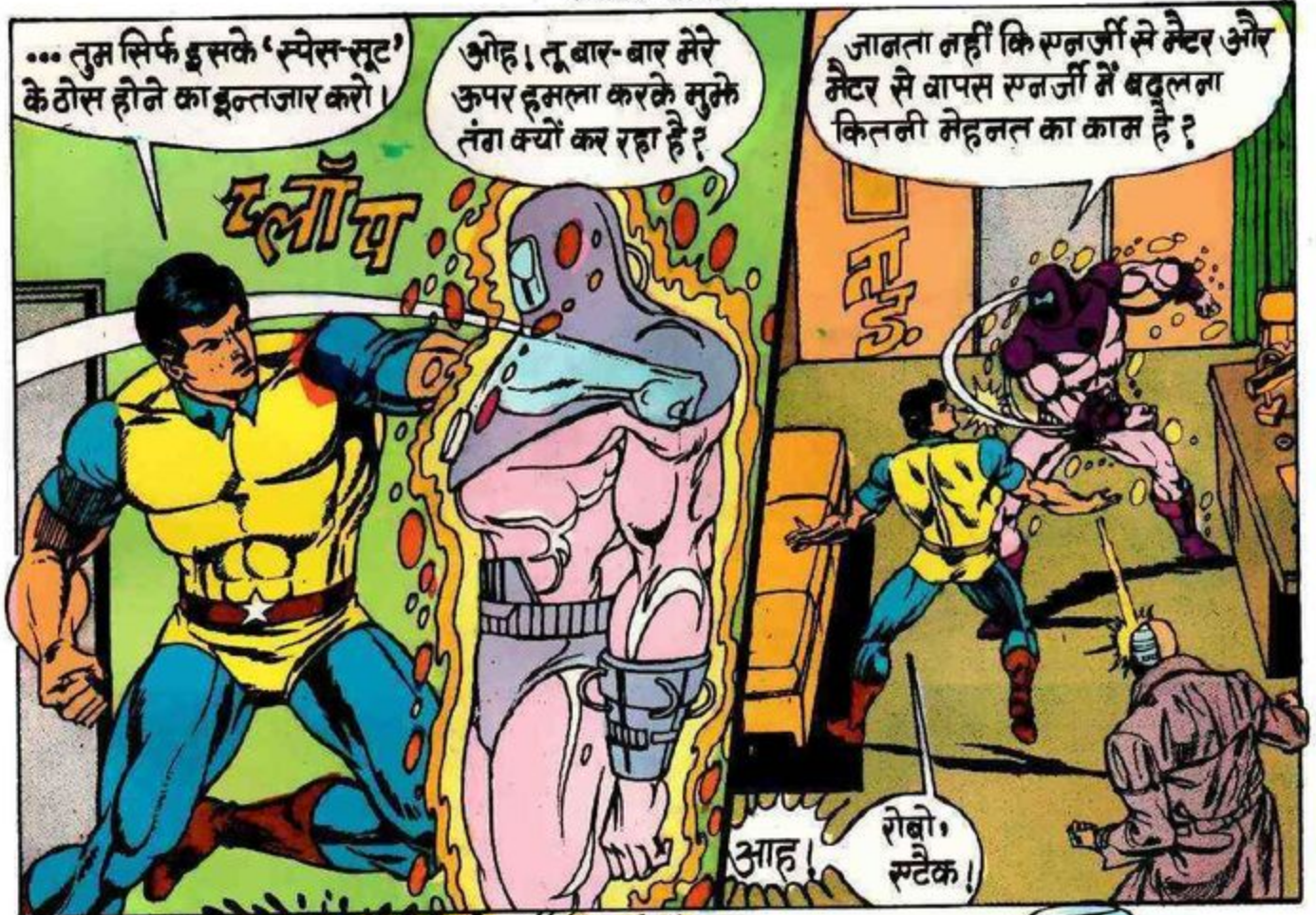
इसके 'स्पेस-सूट' पर तुम्हारा लैसर बेअसर है, रोबो! लेकिन इसके चेहरे पर लगा 'वार्डजर-डीशा' इतना मजबूत नहीं लगता...

...अगर तुम उस वार्डजर को तोड़ सको तो स्पनर्जी का बना इसका शरीर, बाहर हवा में उड़ जाएगा।

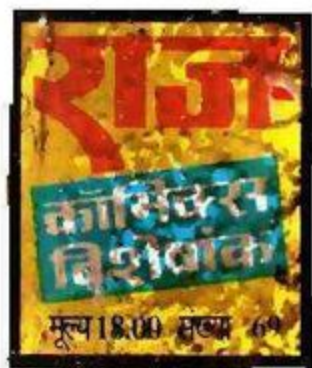
लेकिन ऐसा मैं कैसे कर सकता हूँ?

मेरे वार करते ही यह अपना सूट स्पनर्जी का बना लेता है। और मेरा लैसर ग्लास्ट आर-पार हो जाता है।





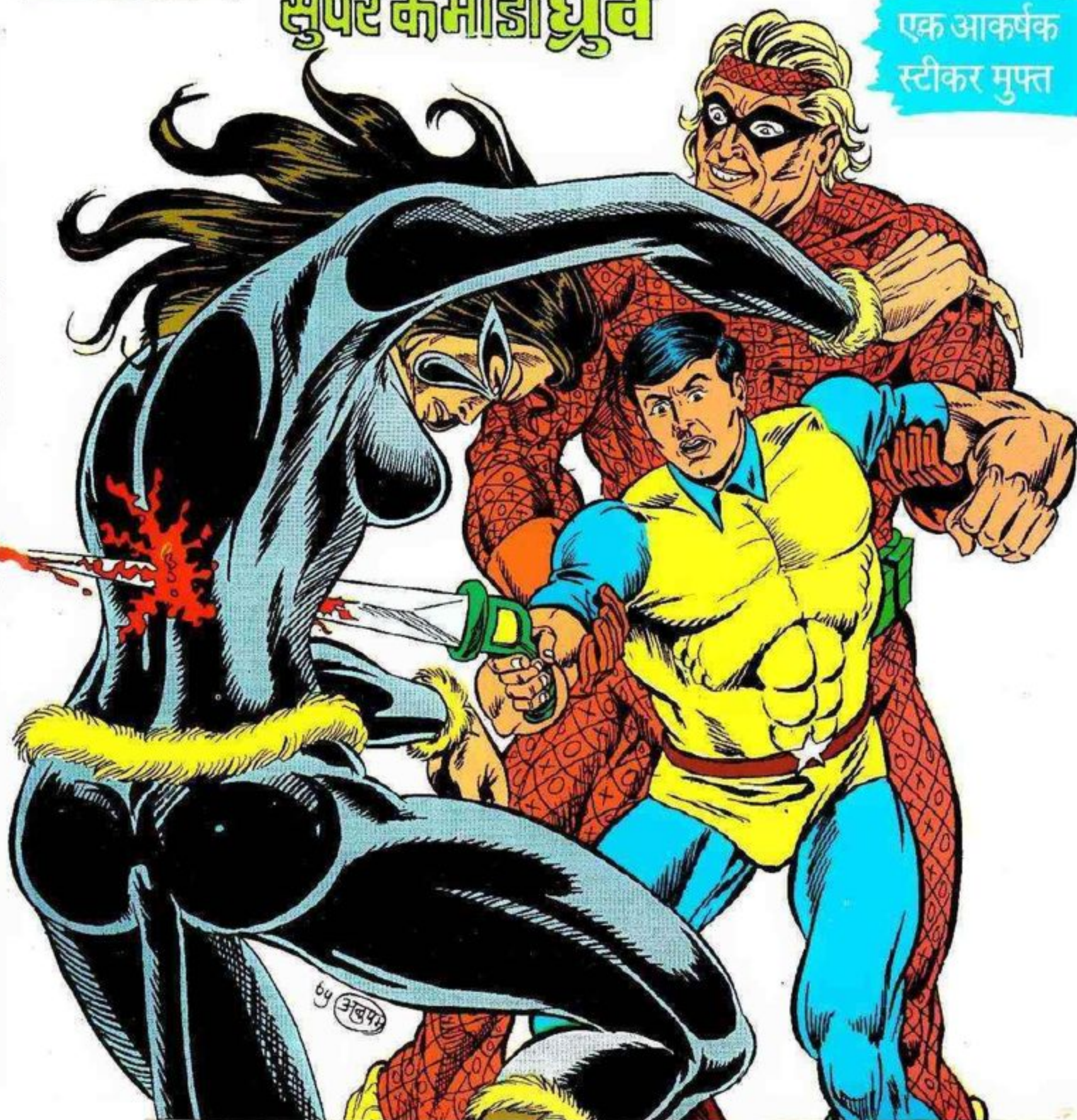




सज्जार मौत

सुपर कमांडो ध्रुव

एक आकर्षक
स्टीकर मुफ्त



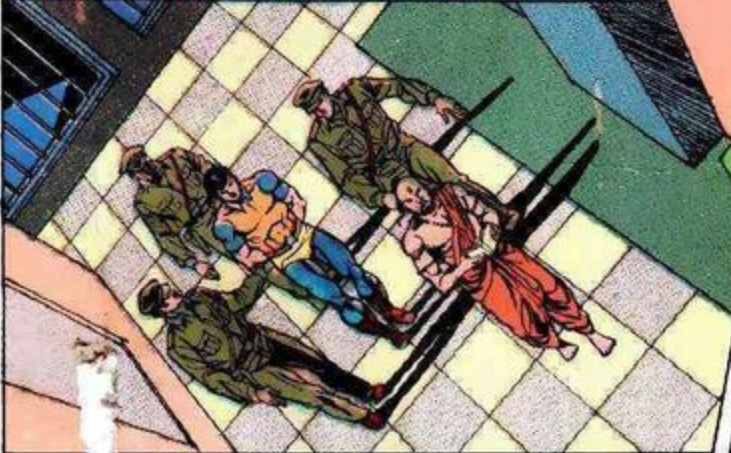
जब रात खत्म होने वाली होती है, और सुबह की रोशनी फूटने लगती है...

... तो जेल की काल कोठरी के बाहर बूटों की पच्चापें गूँजने लगती हैं ...

-- फांसी की सजा पाए कैदी को काल कोठरी से बाहर निकालकर ...

... क्योंकि यह समय होता है ...

... उसकी जिन्दगी के आखिरी सफर पर ले जाने का -



जिस सफर के आखिरी धोर पर इंतजार कर रहा होता है मौत का दूत -



जो कैदी के चेहरे पर
थेली पहनाने की कोशिश
करता है...

...और मना करने पर
हटा भी लेता है-



क्योंकि कुछ मौत की सजा पाए कैदी, मौत की
सामने देखकर मरना ज्यादा पसन्द करते हैं-

जल्लाद, फंदे को चैक करके कैदी की गार्दन में
छाल देता है -



लीवर खिंचता है...



... और कैदी का शरीर, गार्दन से कुछ पल झूलने के बाद ...



... तड़पकर ज्ञांत हो जाता है-



अच्छा है! अच्छा है।
अच्छी फिल्म बनाई है।
लेकिन इसका मतलब क्या है?...
... और तुमने अब तक यह भी नहीं बताया कि तुम हो कौन?

जुर्म की अंतर्राष्ट्रीय दुनिया मुझे 'स्कीमर' कहती है, बाकी! क्योंकि मैं दुश्मन की गोलियों से नहीं, बल्कि अपनी स्कीमों से मारता हूँ ...

... जो कैसेट अभी तुम देर रहे थे, वह तुम्हारे लिए खासतौर से बनाई गई स्कीम है। और इस स्कीम का नाम है...

सजाए मौत

कथा एवं चित्र: अनुपम सिन्हा; इंकिंग: विलोद कुमार; संपादक: मनीष गुप्ता;





गुडनाइट बार्को !
अभी मुझे ध्रुव पर
कुछ और जानकारी
इकट्ठी करनी है।



यह क्या कर रहे हैं, बार्को
सर ? ध्रुव के लिए पचास
लाख रुपय ?

इतना पैसा खर्च करने
की क्या जरूरत है ? और...
और ध्रुव से तो फिलहाल
हमारी कोई दुश्मनी भी
तो नहीं है।

है नहीं
तो हो जाएगी
कैप्टन !



तुमकी वह लड़का याद
है न, कैप्टन, जिसके हाथों से
तुमने हेरोइन से भरा वीडियो
कैसेट नताशा के पास पहुंचाया
था, ताकि इंस्पेक्टर शमशेर सिंह
नताशा को रंगे हाथों पकड़ ले...
वह लड़का इस वक्त पुलिस
हिरासत में है। ★

वह जल्दी ही होश में आकर सब-कुछ उगल
देगा ! नताशा भी निर्दोष साबित हो जाएगी और
तुम्हारा नाम सुनते ही ध्रुव यह समझ जाएगा
कि इन सब हादसों के पीछे मेरा ही हाथ है।



उस लड़के पर
कड़ा पहरा है !

उस तक पहुंचकर उसको
हमेशा के लिए खामोश कर पाना
लगभग असंभव है !



अब ध्रुव सब-कुछ जान
ही जाएगा ! और फिर उससे
मेरा बच पाना असंभव
होगा !

अब एक ही रास्ता है कि
सब-कुछ जानने से पहले ही
उसकी रास्ते से हटा दिया
जाए !

अभी ध्रुव असावधान होगा !
उसकी खत्म करने का यही मौका है !

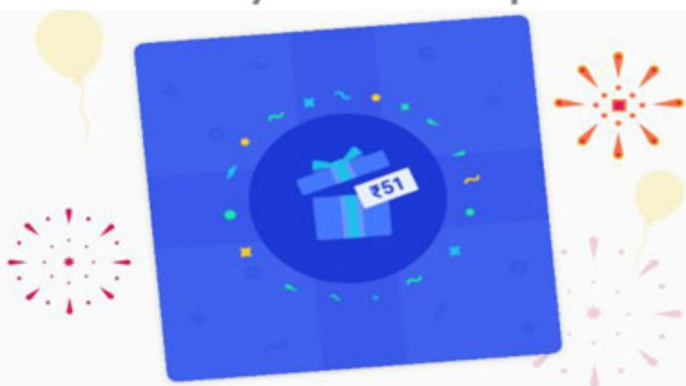
इसीलिए मैंने
स्कीमर को यहां पर
बुलाया है !

★ यह कहानी जानने की पढ़ें 'कमांडर नताशा' और 'मौत के चेहरे' ।



Tez

money made simple



Invite your friends to Tez

You'll each get ₹51 when your friend
sends their first payment

From Team Tez

[Invite Friends](#)

OFFER DATES

Offer expires 31 March 2019

DETAILS

Invite anyone to Tez and you each get ₹51 when they make their first payment.



बार्की का डर
बेबुनियाद नहीं था...

... क्योंकि जैसे-जैसे दिन बीतते जा रहे थे,
उस लड़के के बचने की संभावनाएं बढ़ती
जा रही थीं-

ये अधूरा
बयान देकर फिर बेहोश
हो गया है, ध्रुव...

... एक दो दिनों
में इसे पूरी तरह से होश
आ जाएगा !...

लेकिन मुझे यह नहीं समझ
में आ रहा है कि इस मामूली से
आदमी के लिए इतनी
सुरक्षा व्यवस्था क्यों
है ?...

... और तुम्हारे जैसा
व्यस्त आदमी इसमें
इतनी दिलचस्पी क्यों
दिरवा रहा है ?

आभास, डॉक्टर साहब ! मुझे
ऐसा आभास ही रहा है कि इस
लड़के पर हमले के पीछे एक बहुत
बड़ा षड्यंत्र है...

... अगर ऐसा न होता, तो
इस मामूली से लड़के की
मारने के लिए तीन पेड़ोंवर
गुंडे न भेजे जाते !...

... और वह
षड्यंत्र क्या है,
यह सिर्फ ये लड़का
ही बता सकता है !



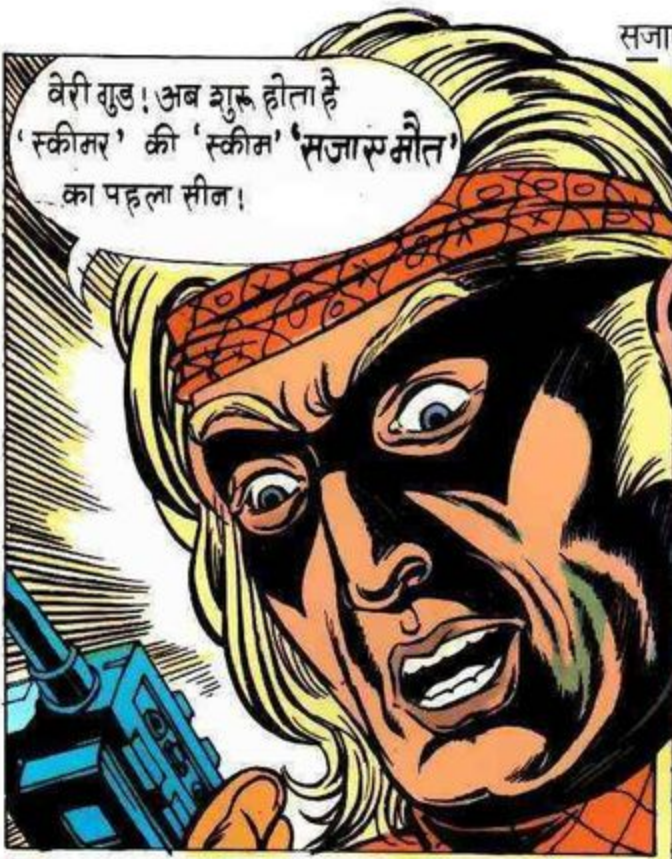
रविवर, अभी तो मैं चलता हूं। मुझे घर जाकर
कुछ जरूरी सामान लेना है और फिर रात की
गाइत पर निकलना है !

ध्रुव इस बात से
बेखबर था...

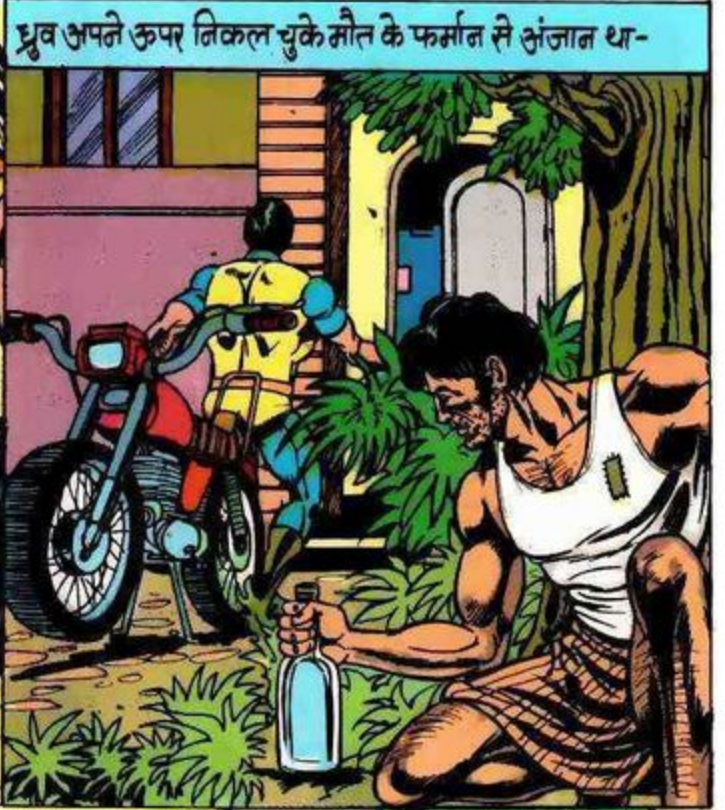
... कि उसकी हर एक हरकत पर नजर रखी जा
रही थी-



हेल्लो ! सजेंट X-2 बीत
रहा है ! पुलिस हॉस्पिटल से !
ध्रुव यहां से घर जा रहा है !
फिर वहां से रात की गाइत पर
निकलेगा !



बेरी गूड! अब शुरू होता है
'स्कीमर' की 'स्कीम' 'सजाए मौत'
का पहला सीन!



ध्रुव अपने ऊपर निकल चुके मौत के फर्मान से अंजान था-



ओह! रास्ते में
मत खड़ी रहा कर
इवेता!

ओफ! मैं रास्ते में नहीं
खड़ी हूँ। तुम अपने बदन
की गाड़ी गलत साइड से
निकाल रहे हो!

वैसे क्या मैं पूछ सकती
हूँ कि ये आंधी की तरह घुसकर
तूफान की तरह कहाँ जा रहे हो?

मुझे कुछ जरूरी सामान लेकर
रात की गाइड पर जाना है, इवेता!

ओह! तो फिर निकल रही है
राजकुमार की सवारी आवारानादी
के लिए!

आवारा!
मैं आवारा
हूँ?

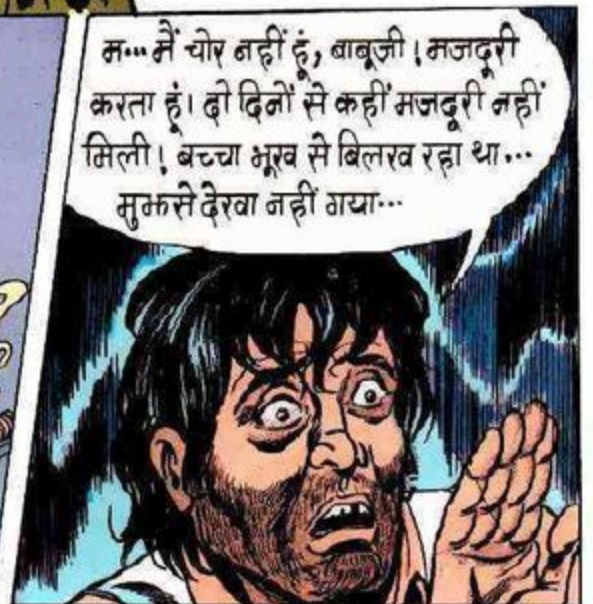


हुम! रात-रात भर बाहर रहने वाले को,
कम से कम अच्छा बच्चा तो नहीं
कहा जा सकता!





अगले ही पल, ध्रुव का बदन हवा में तैरता हुआ...



मैं-चोरी के डरादे से निकला था, पर हिम्मत नहीं पड़ी। यहां आपकी मोटरसाइकल देरवी, तो दीवार फांदकर पेट्रोल चुराने के लिए आ गया। बस यही मेरा कुसूर है सरकार! चाहें तो हथकड़ी लगा दें!

नहीं! यह चोरी तुमने मजबूरी के कारण की है। अभी मैं तुमको सिर्फ चेतावनी देकर छोड़ रहा हूं।

इसने मेरी मोटरसाइकल का सारा पेट्रोल नीचे गिरा दिया है। अब इसमें सिर्फ इतना ही पेट्रोल बचा होगा कि यह पेट्रोल पंप तक जा सके। खैर, पेट्रोल भरवाकर रात की गाइत पर तो जाना ही है।



सजाए मौत की शुरुआत हो चुकी थी-

रजेंट X-4 हियर!

मैंने उसकी मोटरसाइकल का पेट्रोल निकाल दिया है। अब वह पेट्रोल भरवाने जा रहा...

... और पेट्रोल भरवाने के लिए वह उसी पेट्रोल पंप पर जाएगा, जिस पर वह हमेशा जाता है...

... और वहां पर उसका इंतजार करेगा... स्कीमर! ओ के 0 X-4! ओवर!



यह पेट्रोल पंप, ध्रुव का फेवरिट इसलिये था क्योंकि घर के पास होने के साथ ही, वहां पर रात के वक्त ज्यादा भीड़ नहीं होती थी-





मुझे पहले इनकी ऑटोमैटिक बंदूकों का रुख, पेट्रोल पंप से उल्टी दिशा में मोड़ना होगा...

... गंगाराम, कैश से भरा बैग मुझे दे दो ! मैं इन तक वह कैश पहुंचा दूंगा !

मर गया रे !

अगर यह गंगाराम का बच्चा पहले मुझे पेट्रोल दे देता, तो अब तक मैं इस पेट्रोल पंप से बाहर निकल चुका होता ! अभी तो यहां से हिलना भी सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है।

लाओ ! नीटों से भरा बैग इधर दे दो !

... पेट्रोल पंप से बाहर की तरफ छलांग लगा दी-

लेकिन ध्रुव ने बैग देने के बजाय...

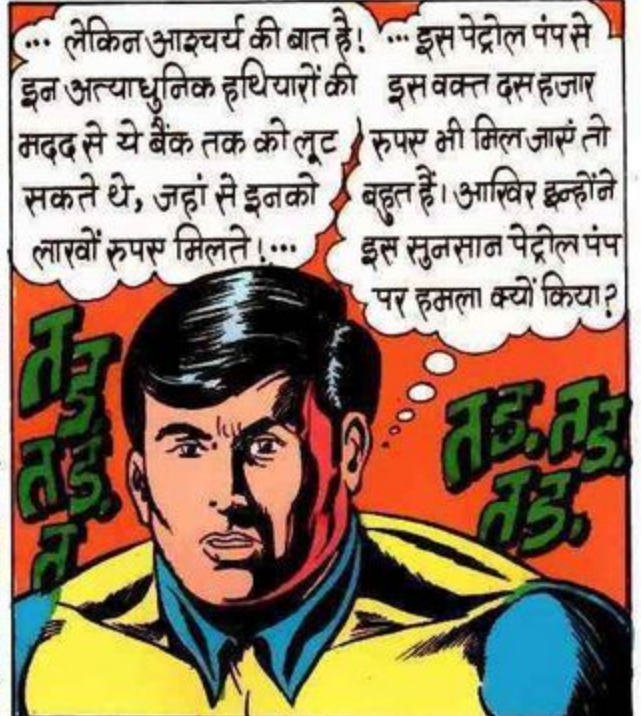
बंदूकों का रुख बाहर की तरफ मुड़ गया-

और वातावरण गोलियों की तड़तड़ाहट से गूंजने लगा-



मेरा इस गोलियों की बौध्दार् की
पेट्रोल पंप से दूर रवीचने का प्लान
तो सफल हो गया ।...

... अब इनके हाथों
से इन ऑटोमैटिक
हथियारों की अलगा
करना है...



... लेकिन आश्चर्य की बात है! ... इस पेट्रोल पंप से
इन अत्याधुनिक हथियारों की
मदद से ये बैंक तक की लूट
सकते थे, जहां से इनको
लारवों रुपस मिलते!...

इस वक्त दस हजार
रुपस भी मिल जायें तो
बहुत हैं। आखिर इन्होंने
इस सुनसान पेट्रोल पंप
पर हमला क्यों किया?

कारण यहां पर
रवड़ा था—

सब-कुछ प्लान के हिसाब से
जा रहा है! लेकिन इस वक्त रुक
और मौका मेरे हाथ लगा गया है...

... ध्रुव की मोटर साइकल की
पेट्रोल की टंकी का ढक्कन
रबुला हुआ है...

... यह मेरे ओरिजिनल प्लान
में तो नहीं था! लेकिन शायद
यह तरीका काम कर ही जाए।



अबाले ही पल—
स्कीमर ने एक काली गोली की हवा में
उछाल दिया—



जो अचूक निशाने की तरह सीधे मोटर साइकल के
पेट्रोल टैंक के छेद के किनारे से लड़ती हुई टंकी में जा
बिरी—



वाह! यह काम तो हो गया! अब मुझे इंतजार है ध्रुव के हमले का! अब तक मैंने उसे इतना मजबूर कर दिया है कि वह उसी चीज का इस्तेमाल करेगा, जिसका मैं चाहता हूँ ...



स्कीमर ने सचमुच ध्रुव की इतना मजबूर कर दिया था...

... कि वह 'स्टार-ब्लेड' का इस्तेमाल करने पर विवश हो गया था-

अगर इनके हाथों में मामूली बंदूकें या रायफल होतीं, तो मैं इनको ऐसे ही रोक लेता! ...



... लेकिन इन स्वचालित हथियारों के लिए मुझे अपने 'स्टार-ब्लेड' का इस्तेमाल करना ही पड़ेगा!



अगले ही पल- स्टार ब्लेड हवा में उड़े ...



... गुंडों ने बचने की भरसक कोशिश की-





लेकिन लुटेरों की हर अगले कदम का आभास पहले से ही था -



वे ध्रुव के लिए तैयार थे -



और अक्सर ऐसी लड़ाइयों में उसे दूसरा बार नहीं करना पड़ता था -



लेकिन ध्रुव भी ऐसे गुंडों के लिए कई सालों से तैयार था -



... और उधर- एक 'स्टार-ब्लेड' रवामोड़ी के साथ हवा में सनसना उठा-

निशाना सटीक था-



और इससे पहले कि ध्रुव का ध्यान इस हादसे की तरफ जा पाता, एक दूसरी हरकत ने उसका ध्यान अपनी तरफ खींच लिया-

निशाने की चिल्लाने तक का मौका नहीं मिला -



वह एक गाड़ी में बैठकर भाग रहा है। मुझे मोटरसाइकिल से उसका पीछा करना होगा!



गंगाराम! तुम पुलिस को फोन कर देना। मैं उस कार के पीछे जा रहा हूँ!

अच्छा! तो ध्रुव मेरे पीछे लगा है...



... लेकिन उसको इसका आभास नहीं है कि वह अपना पीछा ज्यादा देर तक जारी नहीं रख पाएगा!

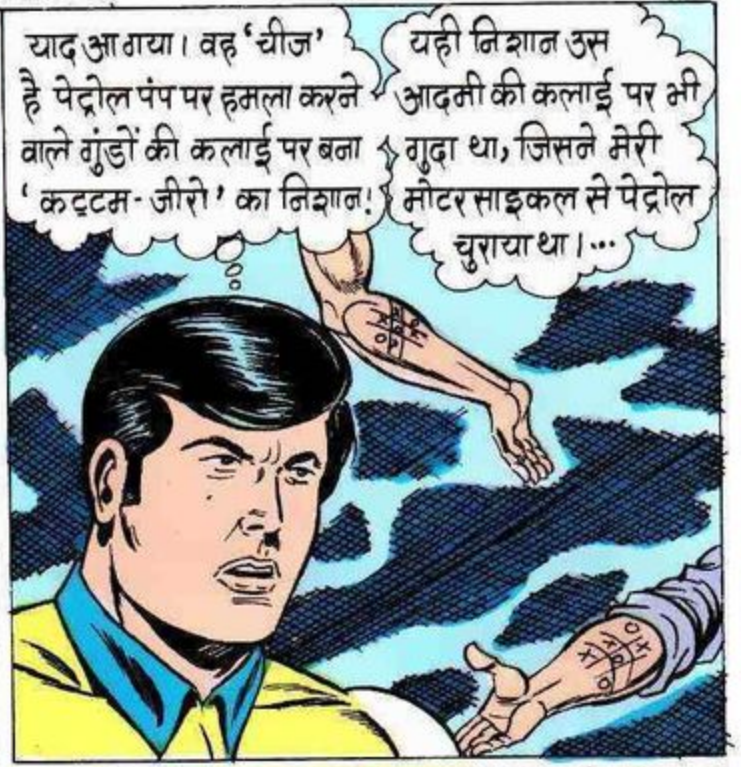


मुझे बार-बार ऐसा कष्टों लगा रहा है कि कहीं पर कुछ गड़बड़ है...





... लेकिन वह 'चीज' आखिर है क्या ?



... एक ही जवाब ... पेट्रोल!



... टंकी के छेद के बगल में यह कोलतार कैसा लगा है ?



अगले ही पल झुब समझ गया कि क्या हुआ है -

धमाका होने के एक सेकेंड पहले ही, वह कूद चुका था-

बज्जा

ओफ़!
बाल-बाल
बचा!

टंकी के ऊपर
कोलतार लगा देकर ही
में समझ गया था कि मुझे
मरने के लिए एक पुराने,
मगर विश्वसनीय तरीके
का इस्तेमाल किया गया
है।

वह तरीका जिसमें पोटेशियम या सोडियम धातु को, कोलतार की गोली में बन्द करके पेट्रोल टैंक में डाल दिया जाता है। पेट्रोल धीरे-धीरे कोलतार को गलाता है! और फिर वह अति-प्रतिक्रियात्मक धातु, पेट्रोल या हवा के संपर्क में आते ही गर्मी पैदा करती है...



ध्रुव को वापस पेट्रोल पंप पहुंचने में कुछ ही मिनटों का समय लगा। लेकिन इन कुछ ही मिनटों में-

... अब मुझे वापस पेट्रोल पंप जाना होगा!...



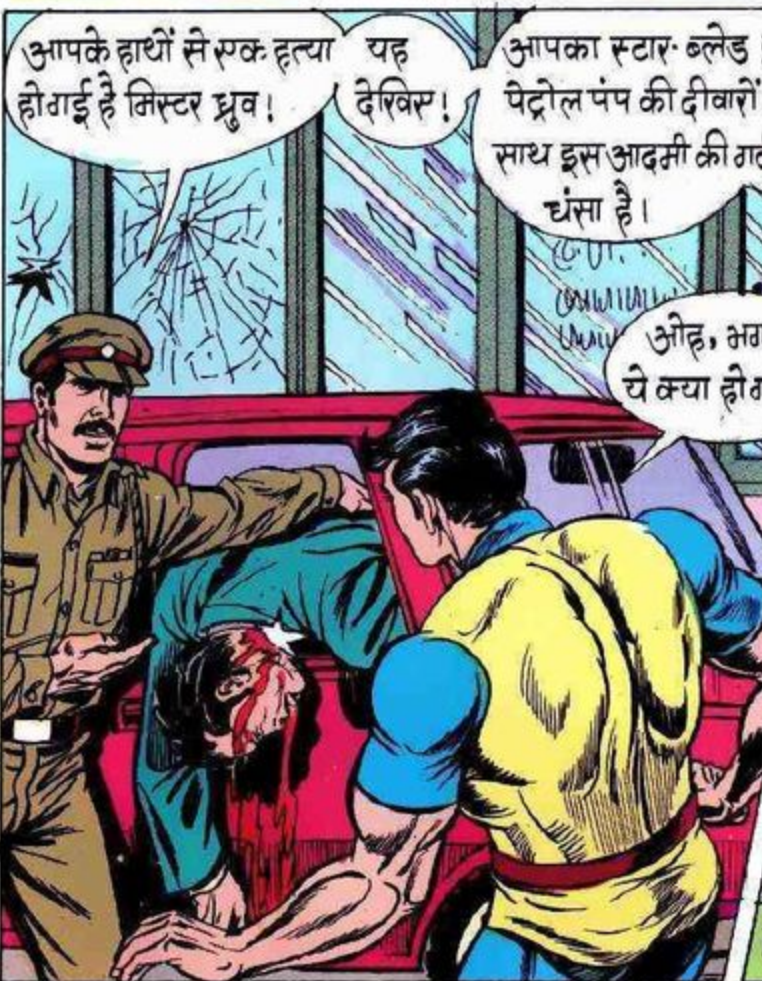
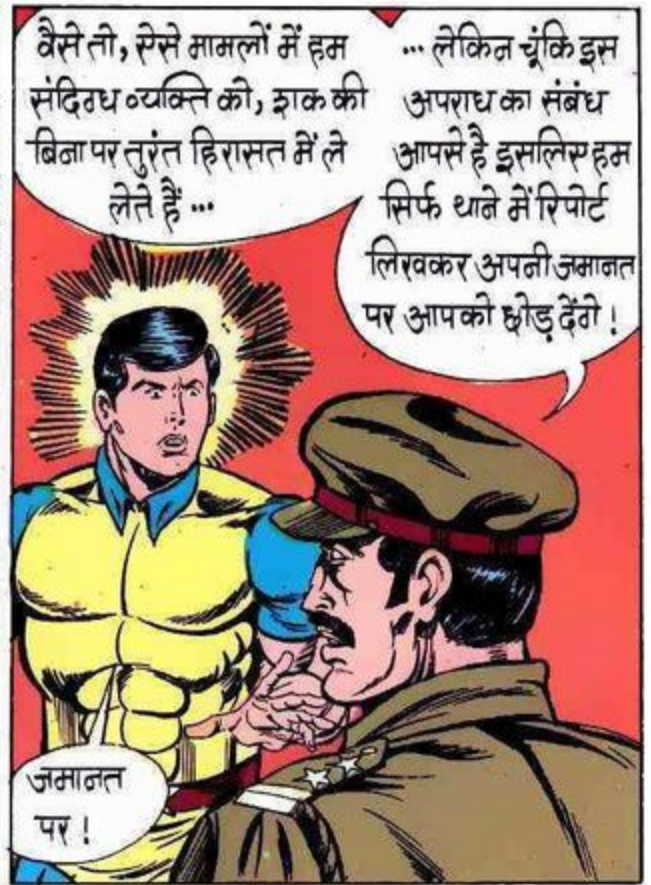
... शायद वे लुटेरे ही मुझे कुछ बता सकें!



पुलिस यहां पर पहुंच चुकी है। यानी तुमने फोन कर दिया था...

शाबाश गंगाराम!

पुलिस तो पहुंच गई, ध्रुव साहब! ... शायद वे बेहोशी का लेकिन इनके यहां पर पहुंचने तक नाटक कर रहे थे। आपके वो तीनों गुंडे भाग चुके थे! ... जाते ही भाग खड़े हुए।





हां! पुलिस हॉस्पिटल जा रहा हूं। दरअसल अभी ध्रुव ने एक लड़के की कुछ गुंडों से बचाया था। लड़का गंभीर अवस्था में हॉस्पिटल में लाया गया था। मैं उसी की देखने हॉस्पिटल जा रहा हूं।...

... तुम भी चलना चाहो तो चलो। यहां का काम रेणु देख लेगी।

नो प्रॉब्लम!

सेसी क्या खास बात है उस लड़के में?

वह लड़का कुछ दिनों पहले, कुछ समय के लिए होश में आया था। उसने बयान दिया था कि एक आदमी ने उसको हेरोइन के पैकेट से भरा वीडियो कैसेट, नताशा तक पहुंचाने के लिए दिया था। ताकि इंस्पेक्टर शमशेर सिंह नताशा की रंगी हाथों पकड़ सके!...

... लेकिन उसने डर के मारे उस आदमी का नाम बताने से साफ इंकार कर दिया, जिसने उसे कैसेट दिया था।

इतना बताने के बाद वह फिर बेहोश हो गया। इसलिए ध्रुव ने उस पर सख्त पहरा बैठा दिया है, ताकि उसकी मारने की कोशिश न की जा सके। उस लड़के को अब धीरे-धीरे होश आ रहा है। अब देखना यह है कि वह उस आदमी का नाम अभी बताता है या नहीं!

वैसे तो उसकी देखने ध्रुव ही जाता था। लेकिन तुमको पेपर से पता चल ही गया होगा कि फिलहाल वह अपनी दूसरी समस्या से निबटने में व्यस्त है।

हां, पढ़ा तो था! लेकिन यकीन नहीं आया।

कैप्टन किसी को नहीं मार सकता! दुर्घटनावश भी नहीं! उसका निशाना कभी चूकता ही नहीं!

अगर पीटर को ध्रुव के निशाने पर मरोसा था...

... तो किसी और की भी अपने निशाने पर पूरा विश्वास था—

एक निशाना तो लगा गया। सुपर कमांडो ध्रुव अपराधी साबित होकर ही रहेगा...

... क्योंकि उस स्टार-ब्लेड पर सिर्फ ध्रुव की उंगलियों के निशान हैं, जिसने शामनाथ की हत्या की है।



लेकिन पुलिस इसे एक हादसा मान रही है स्क्रीनर!...

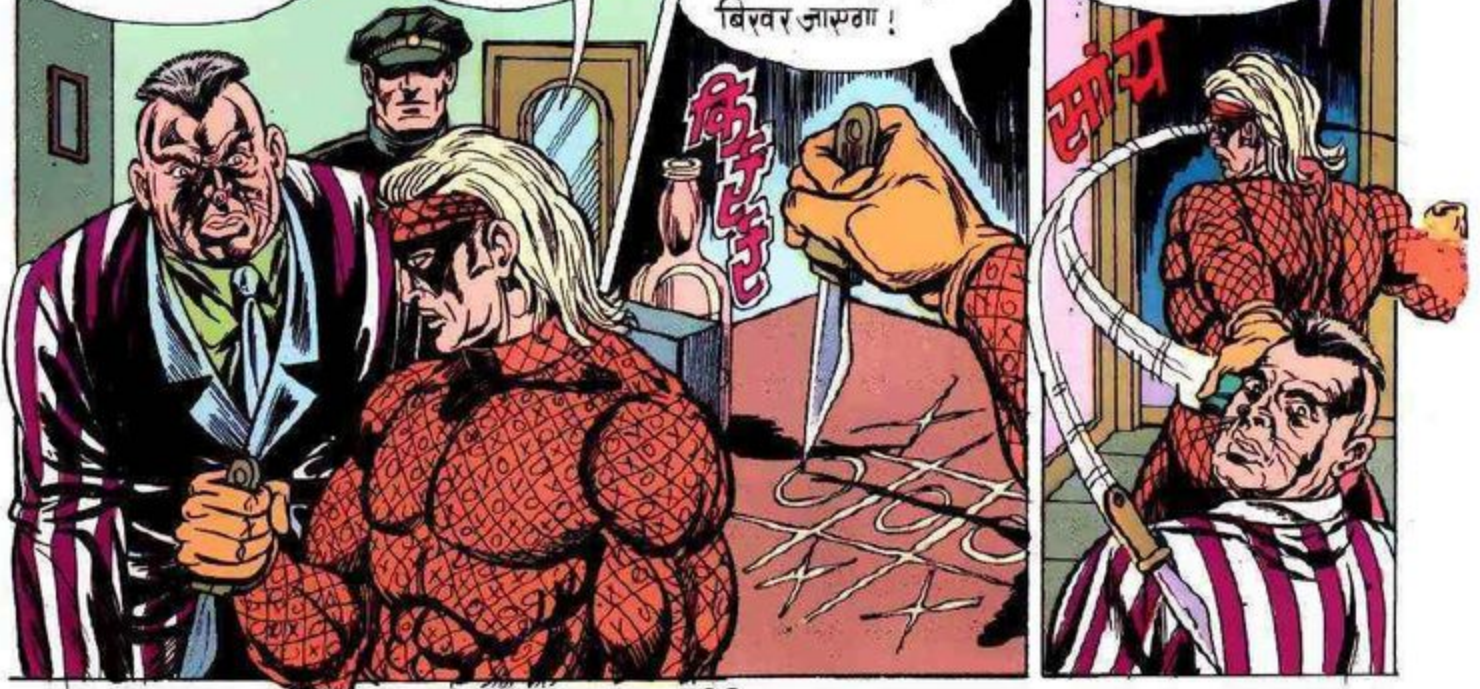
... इससे ध्रुव की कोई सजा नहीं होगी!

इससे नहीं होगी, बार्की! यह तो पहला सीन था। सिर्फ पब्लिक के दिमागों में ध्रुव की इमेज खराब करने के लिए!...

... और अब आएगा दूसरा सीन! जो पब्लिक के दिलों में ध्रुव के लिए डर बैठा देगा!

और उसके बाद तीसरे सीन में लोहा इतना गर्म हो जाएगा कि एक हथौड़ा मारते ही वह टुकड़े-टुकड़े होकर बिखर जाएगा!

अब मुझे दुबारा डिस्टर्ब मत करना। क्योंकि अब सजा स मौत का दूसरा सीन शुरू होने जा रहा है!



और वहां से
दूर -

ये सब भूठ है। मेरा भइया
किसी की हत्या नहीं कर
सकता !



ये सच है इवेता ! ऐसा मैंने
जानबूझ कर नहीं किया, लेकिन
अंजाने में मेरे हाथों से एक
व्यक्ति मारा गया !

और इस वक्त कानून का
रखवाला सुपर कमांडो ध्रुव
जमानत पर है !



अब तुमकी बहुत संमलकर काम करना
पड़ेगा ध्रुव ! अगर इस वक्त तुम्हारे हाथों से
फिर कोई गड़बड़ हो गई, तो एक तो जमानत
रद्द हो जाएगी, और दूसरे जज का रुख भी
ज्यादा कठोर हो जाएगा...

आप फिक्र मत
कीजिए पापा ! कोई
गड़बड़ नहीं होगी। मुझे
बस उस सुनहरे बाल वाले
आदमी का पता मिल जाए
जो पेट्रोल पंप से भागा
था तो...



मैं देरवता
हूँ !



हेलो !
सुपर कमांडो
ध्रुव ! ध्यान से सुनो !
अगर तुम पेट्रोल पंप
वाले हादसे के बारे में सच्चाई
जानना चाहते हो तो मुझसे
मिलो...

... मैं तुमकी पोटदार रोड पर, रमकी कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा बनाई जा रही बिल्डिंग साइट पर मिलूंगा। पर ध्यान रहे, अकेले आना, और जल्दी आना।

मैं तुरन्त आता हूं।

कहां जा रहे हो ध्रुव?

एक रहस्यमय की ... घबराइस मत! मैं गुत्थी सुलभाने, सही-सलामत वापस पाया! ... लौट आऊंगा!

और इसी वक़्त- किसी और स्थान पर-



इंपोसिबिल! ध्रुव अगर आंखों पर पट्टी बांधकर निशाना साधे, तो भी उसका निशाना चूक नहीं सकता। यह जरूर उसको फंसाने की चाल है। ...

यह या तो मेरा कोई हमदर्द है और या फिर मेरा शिकारी! ... मैं दोनों ही परिस्थितियों के लिए तैयार रहूंगा! क्योंकि सच्चाई तो मुझे जाननी ही है।

... किसकी मौत ने आवाज दी है, जो उसने ध्रुव के साथ सेसा करने की जुर्रत की?

अपने सारे अंदर-वर्ल्ड के संपर्क सूत्रों से पता करो हल्क कि किस मछर ने ध्रुव का एक बंदूक चूसने की कोशिश की है?

जी आइ कमांडर नताशा!

और पोद्दार रोड पर-

AMC
CONSTRUCTION

यह मैं 'स्नको कंस्ट्रक्शन कंपनी' की साइट पर तो आ गया। लेकिन यहां तो कोई नजर नहीं आ रहा है! शायद आज काम बंद है, और मुझे बुलाने वालों की इस बात का पता है...

... लेकिन यहां पर मैं उसकी ढूंढूंगा, या वह मुझकी ढूंढ लेगा ...

... यह आवाज कैसी है?

हवा की सरसराहट ने ध्रुव की इतना सतर्क कर दिया...

... कि वह अपनी तरफ बढ़ती मौत से बच सके—

ओ माई गॉड! इतना रबतरनाक बूमरैंग! यानी मेरे मेजबान ने ही मुझे ढूंढ लिया है!

हवा में घूमता हुआ बूमरैंग—

ख
ध
कु

... वापस अपने मालिक की तरफ घूम गया-

और साथ ही साथ ध्रुव की भी नजरें घूमती हुई...

... बूमरैंग को फेंकने वाले पर जा टिकीं-

आओ सुपर कमांडो ध्रुव! तुम्हारी शायदाश में तुम्हारा स्वागत है। देरवो, मौत का फरिश्ता बूमबैंग रवुद तुम्हारे स्वागत के लिए खड़ा है।...



... लेकिन मुझे तुम्हारी बाँड़ी देखकर लग रहा है कि तुम्हारा वजन काफी ज्यादा है। तुमको दो टुकड़ों में बांट दिया जाए, तो अर्ध उठाने वालों को शायद कम वजन उठाना पड़े।...

... क्योंकि तब वे दो टुकड़ों की दो अर्धियां बना सकते हैं।

ऐसे मामूली खिलौनों से मेरे टुकड़े हो सकते तो मैं कभी का दुनिया से उठ गया होता बूमबैंग!



ये ऊँचाई पर खड़ा है! और ये बात इसकी ताकत बन गई है। इसकी नीचे लाना होगा।...



... ताकि मुकाबला बराबरी का हो सके।

ध्रुव ने उस लंबे बांस को पोल-वॉल्ट की तरह तानकर एक तेज दौड़ लगाई -



और बूमबैंग के पैर उस ऊँचाई से उखड़ गए -



लेकिन ध्रुव का मुकाबला इस बार किसी मामूली गुंडे से नहीं था -

गिरते- गिरते भी बूमबैंग ने अपनी पीठ पर लगे विशाल बूमरैंग की उतारा...



इतनी ऊँचाई से गिरकर यह मरेगा तो नहीं! लेकिन इस हालत में जरूर पहुंच जाएगा कि बगैर संबलेंस के अस्पताल न जा सके!

... उसका हाथ हवा में ही घूमा...

सुर्दसुर्दसुर्दसुर्दसुर्द

... और हवा में उड़ता हुआ बूमरैंग, हवा में ही वापस घूमकर...

... उसके पैरों के नीचे आ टिका -

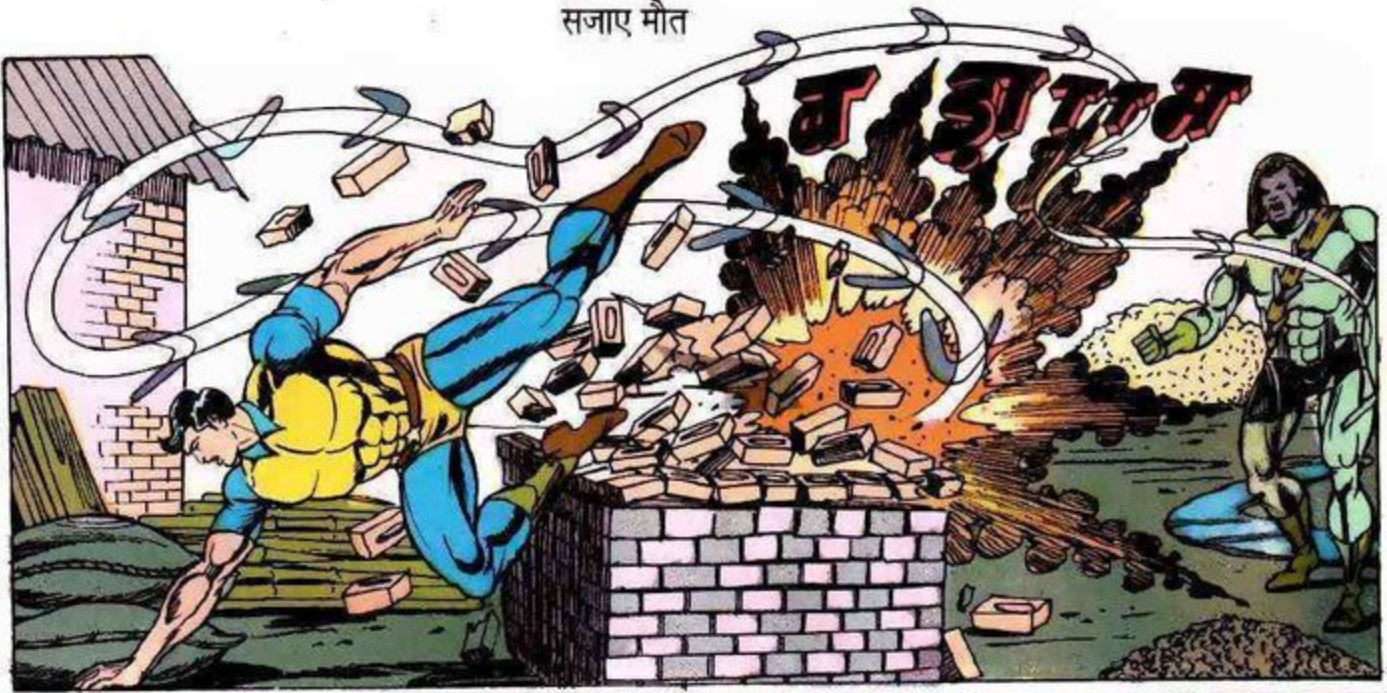
और हवा में तैरता हुआ बूमरैंग सुरक्षित जमीन पर उतर गया -

इस करतब से ध्रुव भी कुछ क्षणों के लिए स्तब्ध रह गया -

और बूमरैंग ने इसका पूरा फायदा उठाया -

बहुत खेल हो गया, ध्रुव! ले संभाल मेरे 'विस्फोटक' बूमरैंग को ...

... ये तेरे चिथड़े उड़ा देंगे। बच सकता है तो बचकर दिसवा!



ओह! ये बूमरैंग तो बड़े शक्तिशाली विस्फोटक हैं। और इनके उड़ने की दिशा इतनी आड़ी-तिरछी है कि इस पर स्टार-ब्लेड से निशाना लगा पाना बहुत मुश्किल है।...

... लेकिन इनसे निबटने का कोई न कोई रास्ता जल्दी सोचना होगा, वरना ये विस्फोटक कहीं मुझको ही निशाना...



स्कंदन पास हुए घमाके की लहर ने...

... ध्रुव को उठाकर दूर फेंक दिया—

ओह! इनको निष्क्रिय करना ही होगा, और बमों को निष्क्रिय करने का एक ही तरीका है, कि उनको पानी में डुबो दिया जाए। पर इस बूमरैंग को पकड़कर पानी में डुबोया कैसे जायगा?

स्कमिनट! यह बोरिंग शायद मेरे काम आ सके! फिलहाल तो यही एक तरीका नजर आ रहा है।

इधर ध्रुव ने लपककर, बोरिंग की मोटर-पंप का स्विच ऑन किया -

और उधर से एक और विस्फोटक बूमरैंग उसकी तरफ हवा में उड़ा -



लेकिन इस बार ध्रुव के पास निशाना लगाने के लिए हथियार था -



ओह! एक तो बूमरैंग बम पानी में भीगकर निष्क्रिय हो गया, और दूसरे तेज धार ने उसकी उड़ान को भी खत्म कर दिया...



क्योंकि ध्रुव अपने पास स्टार-ब्लेड के अलावा और कोई हथियार नहीं रखता। वह अपने आस-पास की चीजों को ही हथियार बना लेता है। और उन चीजों से निबटने का तरीका तुरन्त सोच पाना बहुत मुश्किल है। ओह! गलब!



इस तेज धार ने मुझे बेबस करने के अलावा, मेरे विस्फोटक बूमरैंगों को भी निष्क्रिय कर दिया है। ...



...अब मुझे स्कीमर के निर्देशों का पालन करना होगा। उसने मुझे, ध्रुव को न हरा पाने की स्थिति में भागकर सेंद्रल मार्केट जाने की कहा था।

और वहीं पर- स्क रॉबे की आड़ में-

तो आखिरकार बूमबैंग की भागने की अक्ल आ ही गई! मुझे पता था कि इसके फरिश्ते भी ध्रुव को मार नहीं सकते।



वैसे अगर ये न भाग पाता, तो मैं इसकी मदद भी करने की तैयार था...



...अब ये भागकर सेंद्रल मार्केट पहुंचेगा। ध्रुव भी इसके पीछे लगा होगा! और तब बूमबैंग वहीं करेगा जो मैंने उसे बताया है।

मुझे शॉर्ट-कट से मार्केट इनसे पहले पहुंचना होगा!

ताकि मैं वह मनमोहक नजारा अपनी आंखों से देख सकूं।

सेंद्रल मार्केट, पोद्दार रोड से ज्यादा दूर नहीं था-





अगले ही पल- मार्केट में भगदड़ मच गई।
और सबकी जुबान पर एक ही बात थी-

आगो! ध्रुव के पास
टाइम-बम है!

अरे! बम कोई मार्केट में लेकर
घूमने की चीज है? कैसे-कैसे
पागल हैं!



ये अब शामनाथ की जान लेने के
बाद, हम सबकी जान के पीछे पड़ा है!

पुलिस! पुलिस!

हाहाहा! सुपर कमांडो ध्रुव! अब
देखते हैं कि तू क्या करता है! अब
या तो तू अपने चिथड़े उड़वाले, या
फिर जहां पर भी बम फेंकेगा, वहां
पर तबाही मचवाले!...

...अब फंस
गया तू
बच्चे!

यही खयाल ध्रुव
के दिमाग में भी
घूम रहे थे-

ओफ! बचने के लिए अच्छी चाल यली
है बूमबैंग ने। इसको ररवता हूं तो मर
जाऊंगा, और फेंकता हूं तो मारा जाऊंगा...



... क्योंकि कहीं भी फेंकूं, यह
बम फटकर कुछ न कुछ
तबाही तो मचाएगा ही।
और उसका इल्जाम मेरे
सिर आएगा...

... लेकिन ये
चाल इतनी अच्छी
नहीं है कि ध्रुव
को रोक सके!
चीं-चीं-चीं!

इधर ध्रुव के हाथ से छूटकर टाइम-बम बूमरैंग हवा में ऊपर उड़ला...

... और उधर उसके गले से उमरी आवाज की सुनकर रंक चील तेजी से नीचे उतरी-



और अपने पंजों में बूमरैंग की दबाकर तेजी से ऊपर की ओर उड़ी-



इतनी ऊंचाई पर पहुंचकर उसके पंजों ने बम को छोड़ दिया-



और रंक सेकेंड बाद ही रंक धमाका हुआ-

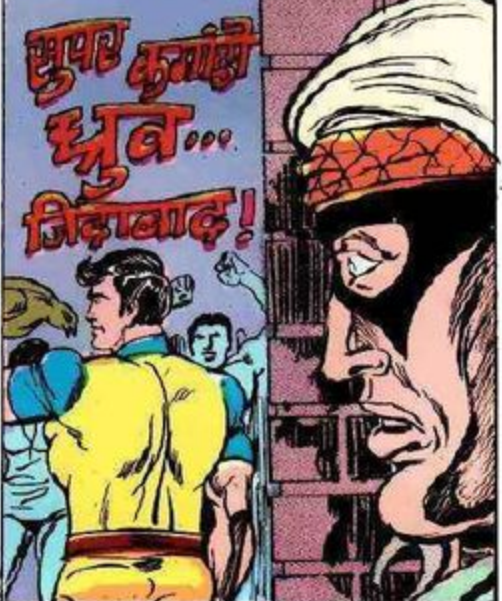
स्कीमर के 'सजा रू मौत' का दूसरा सीन फ्लॉप हो गया था-

ओफ़! ध्रुव ने अपनी विलक्षण बुद्धि और फुर्ती से मुझे मात दे दी। अगर ये बम फट जाता, तो ध्रुव की कम से कम उम्र कैद मिलने का रास्ता पक्का हो जाता। लेकिन चलो! ऑपरेशन 'सजा रू मौत' के तीसरे सीन में वह रंगे हाथों पकड़ा तो जायगा ही। तब देख लेंगे!

कुछ ही पलों में चील सैकड़ों फीट की ऊंचाई पर पहुंच चुकी थी-



लेकिन यह धमाका किसी को नुकसान नहीं पहुंचा सकता था-



और हॉस्पिटल में-

13

उस लड़के की होश तो आ गया है करीम, लेकिन वह कोई भी बयान देने से साफ इंकार कर रहा है!

इसका क्या मतलब है? मुझे तो कुछ समझ में नहीं आ रहा है?

मतलब साफ है करीम! अभी-अभी उसके किसी करीबी की मौत हो गई होगी। और वह लड़का अपने-आपको असहाय महसूस कर रहा है!

कहता है कि वे लोग उसे मार डालेंगे...

...और अब तो उसे बचाने वाला भी कोई नहीं रहा! यही दोहरा जा रहा है!...

मैं उससे मिलकर उसकी समझाने की कोशिश करता हूँ।

लेकिन अंदर घुसते ही पीटर की आंखें भी आश्चर्य से फट पड़ीं। और उस लड़के की भी-

जोनाथन! तू यहां पर है! और मैं और फादर परेरा तुम्हें ढूंढ-ढूंढकर परेशान हो गए!

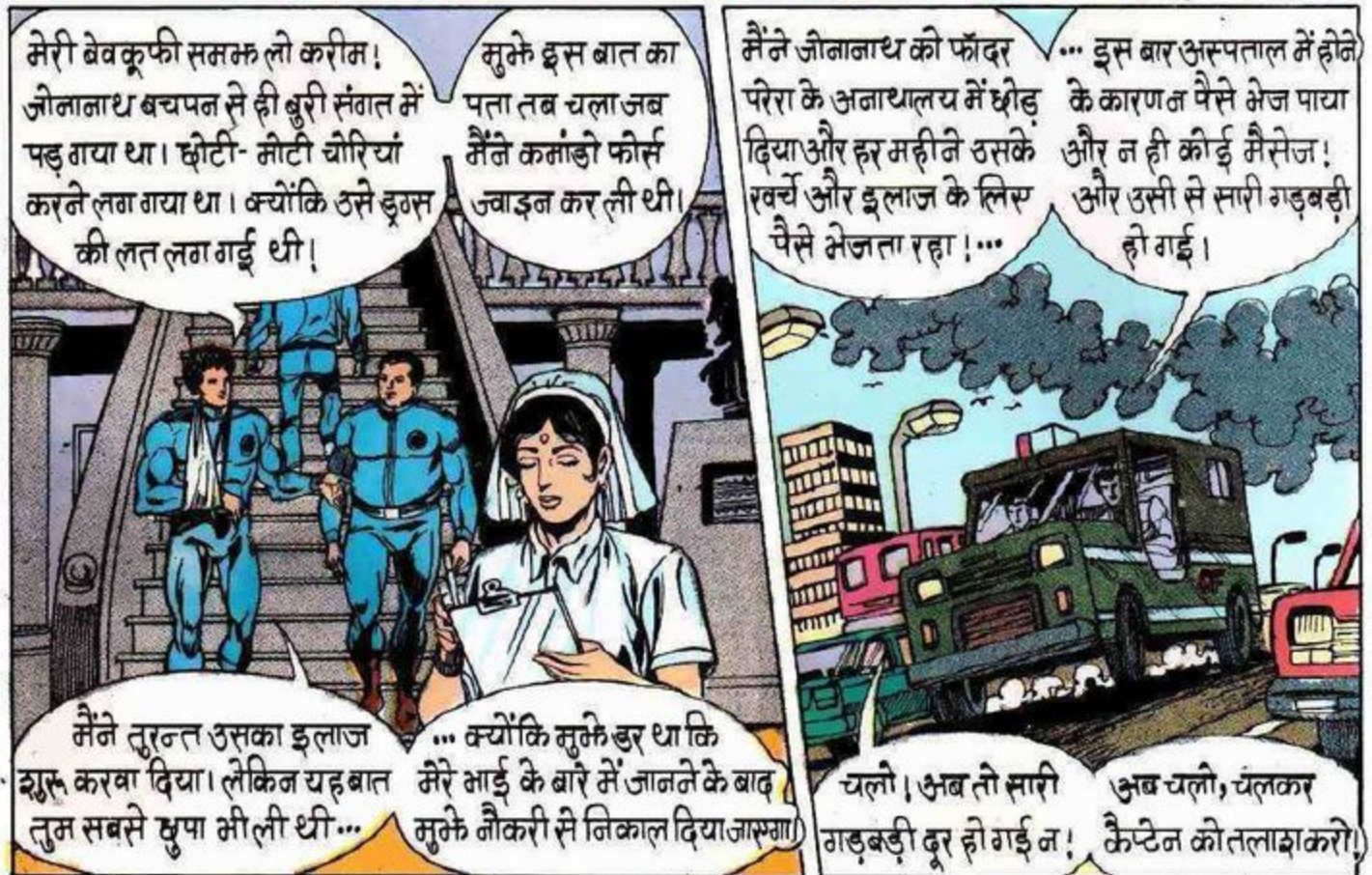
प... पीटर! मेरे भाई! तू जिन्दा है!

जिन्दा है से तेरा क्या मतलब है?

मैंने सुना था कि किसी ने तुम्हें गोली मार दी है!

'गोली मार दी' सुनकर तू समझा कि मैं मर गया? ओरे, गोली मुझे बाजू में लगी थी पगले...

... लेकिन तू फादर परेरा के पास से भाग क्यों आया था, जोनाथन?



कैप्टेन इस वक्त, बार्को और स्कीमर के साथ था-

तुम्हारा दूसरा सीन तो टॉय-टॉय फिक्स हो गया स्कीमर!

अब तो उसे शक पड़ चुका है स्कीमर! तुम उसकी फांस नहीं पाओगे, क्योंकि वह हर चीज से सतर्क रहेगा!

अपने दोस्तों से सतर्क नहीं रहेगा न? और इस बार वह अपने एक दोस्त से ही टकराएगा!

अब मुझे क्या पता था कि वह चील की लीचे बुला लेगा!...

...रवैर, 'सजाए मौत' के तीसरे और आखिरी सीन से वह कभी नहीं बच पाएगा!

उधर देरवो! मैं अपने अट्टे में बैठा-बैठा भाड़ नहीं भोंक रहा था!

य... यह तो... ब्लैककैट है! इससे तुमने संपर्क कैसे किया?

आज रात की या तो ध्रुव, ब्लैककैट के हाथों मरेगा...

...और या ब्लैककैट की मारकर फांसी के तरबते पर चढ़ जाएगा!

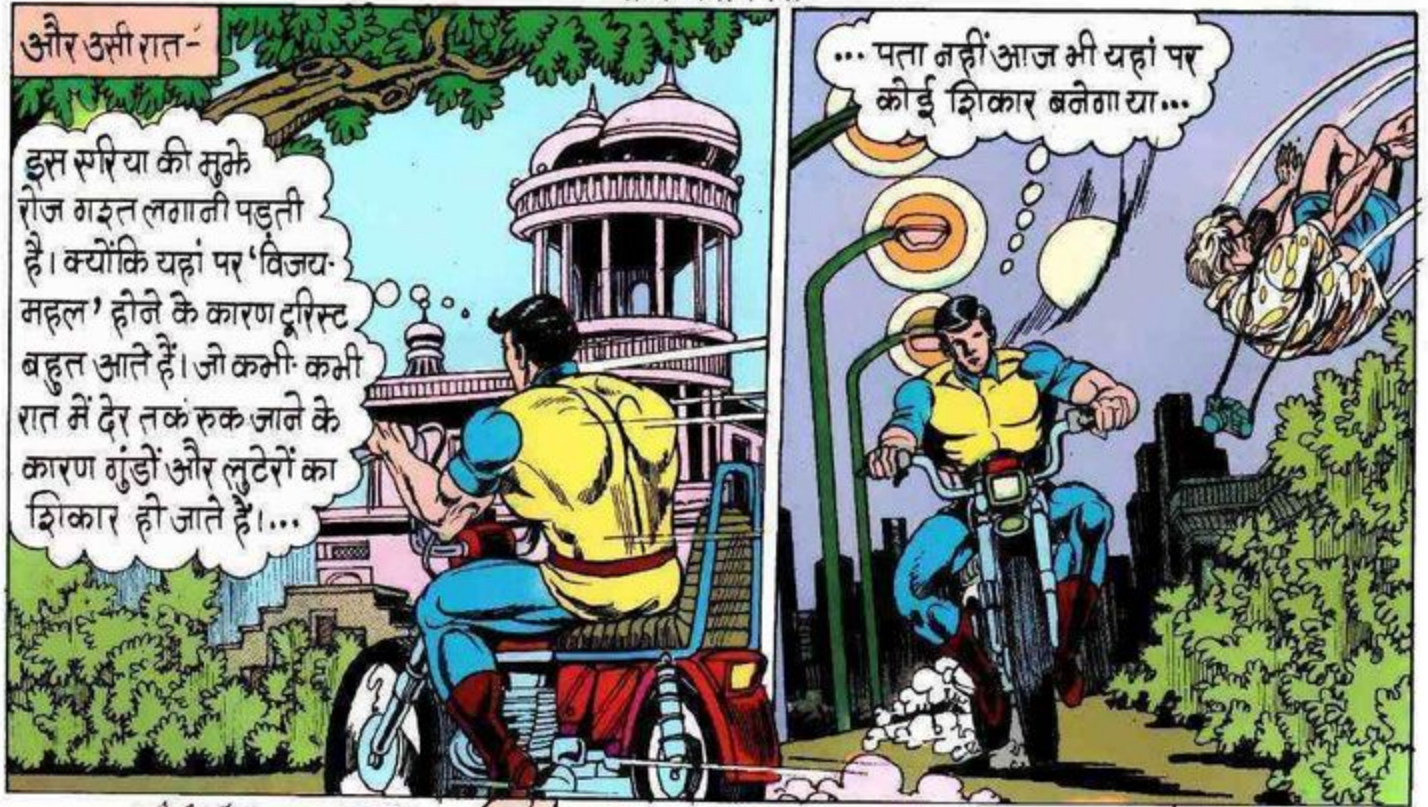
और इसको ध्रुव से टकराने के लिए राजी कैसे किया?

तुम आम रवाओ! पेड़ गिनने का काम मुझ पर छोड़ दो!

और उसी रात-

इस सूरिया की मुके
रोज गइत लगानी पडती
है। क्योंकि यहां पर 'विजय-
महल' होने के कारण टूरिस्ट
बहुत आते हैं। जो कभी-कभी
रात में देर तक रुक जाने के
कारण गंडों और लुटेरों का
झिकार हो जाते हैं।...

... पता नहीं आज भी यहां पर
कोई झिकार बनेगा या...



... नहीं...

... यह क्या?

ध्रुव, अपनी मोटरसाइकल से, अलग जा गिरा-



वह 'लुटेरा' नहीं, 'लुटेरा'
है सुपर कमांडो ध्रुव...

... और उसका
नाम है...





और उसके ब्लेड जैसे तेज नारवून किसी की रवाल उधेड़ देने के लिए काफी थे—

लेकिन ध्रुव अभी भी ब्लैककैट को अपनी दोस्त ही मानता था—

और दोस्त पर कोई घातक वार करना ध्रुव की आदत में शामिल नहीं था—



... यह तो सिर्फ आत्म-
रक्षा के लिए है...

... लेकिन आज मुझे लगता है
कि तुम्हारे लिए मुझे कसम तोड़नी
ही पड़ेगी।...



... वर्ना तुम मेरी
गर्दन तोड़...

... आ sss ह!

उफ़!

ब्लैक कैट को जल्दी से काबू में करने की
कोई तरीका सोचनी ही पड़ेगी...

... वर्ना मैं इस पर घातक वार करने
के लिए मजबूर हो जाऊंगा...



... और इस काम में शायद इस ट्रिस्टर
का कैमरा मेरी मदद कर सके!



अगले ही पल- फ्लैश की तेज
चकाचौंध ने ब्लैक कैट को पलभर
के लिए अंधा सा कर दिया-

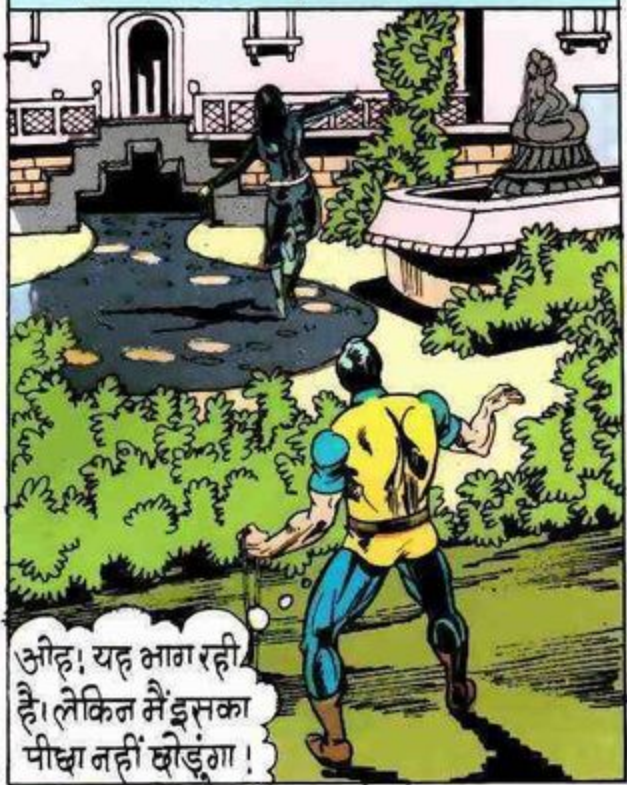


और फिर उसकी आंखों के आगे तारे नाचने लगे -



लेकिन इससे पहले कि ध्रुव अगला कदम उठा पाता ...

... ब्लैककैट तेजी से महल की तरफ भागी -



ओह! यह भाग रही है। लेकिन मैं इसका पीछा नहीं छोड़ूंगा!

वह छत की तरफ भाग रही है। ओह! अब कुछ-कुछ समझ में आ रहा है।

ध्रुव भी कुछ-कुछ समझ रहा था...



... और स्कीमर भी -

वुड! सब कुछ स्कीमर के हिसाब से ही हो रहा है...

... अब सिर्फ इंतजार करना है तो सही वक्त का! ...

... और उसके बाद ध्रुव के हाथों में होगी हथकड़ियां, और गले में होगा फांसी का फंदा। 'सजाए मौत' का तीसरा सीन फ्लाप नहीं होगा!...

... क्योंकि इस बार मेरे हाथों में है 'कॉम्प्रेसड सयरगल' जो उच्च दाब वाली हवा का तेज जेट छोड़ती है।

और इसका वार कमीरवाली नहीं जाता!



कमांडो हैडक्वार्टर में इस वक्त भी काफी चहल-पहल थी-

मिल गया! कैप्टन उपाधि वाले तो कई अपराधी हैं, लेकिन कैप्टन नाम का एक ही अपराधी है।...

... यह तो... बार्की का दाहिना हाथ है... ...राजनगर का माफिया बॉस बार्की!

ध्रुव काफी दिनों वेरीगुड! से बार्की के पीछे पड़ा था...

... लेकिन उसके खिलाफ कोई सबूत नहीं मिल रहा था। तुरन्त ध्रुव को मैसेज भेजी करीम!

मैं कोशिश तो कर रहा हूँ। लेकिन ध्रुव का 'स्टार-ट्रान्समीटर' डूबोज आ रहा है। शायद ध्रुव कहीं पर मैसेज भेज रहा है!

बार्की के नाम का जिक्र कहीं और पर भी हो रहा था-

ओह! तो बार्की ने ध्रुव को खत्म करने के लिए स्कीमर को बुलाया है! अन्तर्राष्ट्रीय अपराधी स्कीमर!

कोई बात नहीं! थोड़ी देर बाद फिर से कोशिश करना। ध्रुव तक सूचना तुरन्त पहुंचानी बहुत जरूरी है!

हां, मैडम! और एक धमाकेदार खबर का पता और भी चलता है...

...और वह यह कि आप पर पिछले कुछ समय से हो रहे हमलों के पीछे बार्को का ही हाथ था ! शमशेर सिंह भी बार्को का ही आदमी था !



ओह ! यानी पिछले कुछ सालों तक जो कुत्ता हमारे हाथ से हड्डी लेकर चूसता था, वह अब हमको ही काटने की कोशिश कर रहा था...

... बार्को के इस पाप का हिसाब हम खुद अपने हाथों से करेंगे !



नताशा की सवालियों के जवाब मिल रहे थे...

... और दूसरी तरफ सजाए मौत का फंदा कसता ही जा रहा था-



ध्रुव की मेरा पीछा करते-करते कम से कम पांच मिनट पहले छत पर आ जाना चाहिये था...

... आखिर वह रुक क्यों गया ?



... रुका नहीं था, मिस ब्लैककैट...



... दरअसल दीवार के रास्ते से ऊपर आने में थोड़ा ज्यादा वक़्त लग ही जाता है।

ताड़

अच्छा! तो तू समझता है कि मुझ पर असावधानी की हालत में वार करके तू मुझे काबू में कर सकता है ? ...

... ऐसा समझकर तूने बहुत बड़ी भूल की है ...



वा... वाह ! सब-कुछ मेरी स्कीम के अनुसार ही जा रहा है। ध्रुव ब्लैक कैट का पीछा करते-करते छत तक आ पहुंचा है। अब मुझे सिर्फ पुलिस के आने का इंतजार है, जिनको मैंने पहले ही रविवर भेजकर बुलवा लिया है। और तब मैं करूंगा इस सयर जेट गन का इस्तेमाल !

स्कीम की ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ा। क्योंकि कुछ ही सेकंडों बाद -



एक तेज पुलिस सायरन ने वातावरण की खामोशी को चीर कर रख दिया—



आवाज ब्लैक कैट के कानों तक भी पहुंची—



पुलिस आ गई है। अब स्कीमर की स्कीम के अनुसार मुझे ध्रुव को खींचकर मुंडेर तक ले आना है...

... ताकि, स्कीमर अपनी 'सयर-जेट गन' का प्रयोग ध्रुव पर करके उसे मुंडेर से नीचे गिरा सके!...

... मुझे बस यही समझ में नहीं आया कि यह काम स्कीमर पुलिस के सामने क्यों करना चाहता है?...

... खैर मुझे क्या? मुझे तो सिर्फ अपना काम करना है...

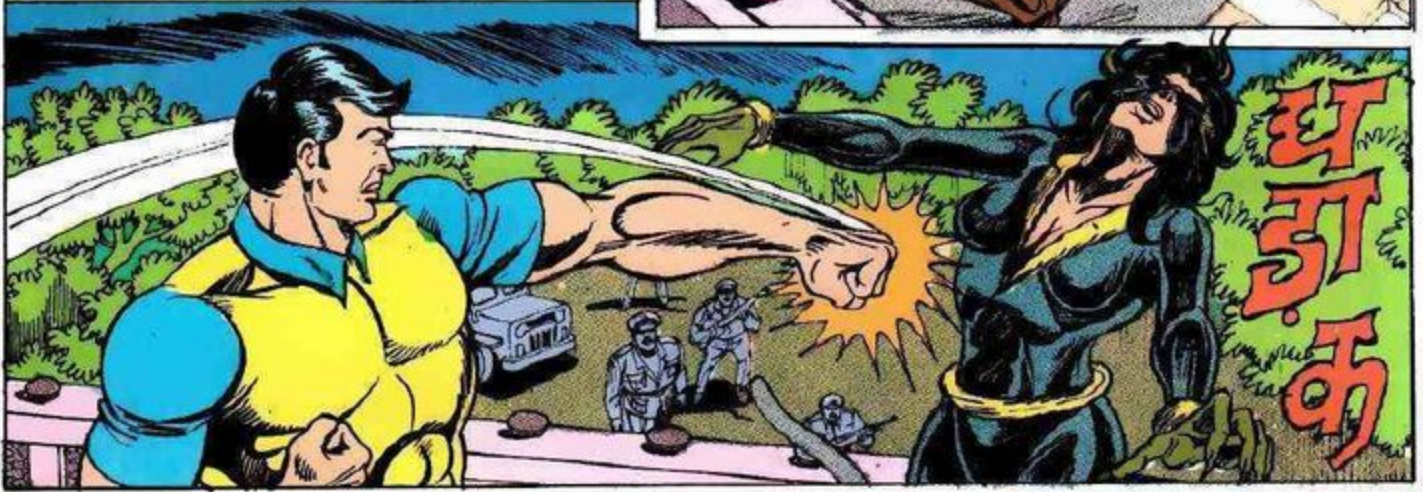


ये मूर्ख लड़की समझ रही है कि मैं अपना वार ध्रुव पर करूंगा! यह नहीं जानती कि मेरा निशाना ध्रुव नहीं यह धोकर है! ध्रुव पर वार करने का मतलब अपनी उपस्थिति की चिल्ला-चिल्लाकर बता देना। आज तो इस धोकर की हत्या होगी, और यह हत्या करेगा ध्रुव!





इधर ध्रुव ने ब्लैककैट पर वार किया...



... और ब्लैककैट के लड़खड़ाते बदन से हवा का एक तेज जेट टकराया—

अरे! अरे! ये तो नीचे गिर गई! उफू! ये क्या हो गया?

मुझे अपना वार दूसरी जोर से नहीं करना चाहिए था!

हवा के जेट को ध्रुव देरव नहीं पाया—



... और ब्लैककैट के नीचे गिरने का दोषी अपने-आपकी मानते लगा-

आज उसके हाथों से एक हत्या हो
जानी थी -



क्योंकि इतनी ऊँचाई से गिरने का मतलब था, एक अवश्यभावी मौत-

एक दिल की दहला देने वाली चीख
हवा में बिंचती चली गई-

जो किसी के कानों की घंटी की
मधुर आवाज जैसी लगी-

हा हा हा... सफल हो गई मेरी स्कीम! ऑपरेशन सजाय मौत का तीसरा सीन फ्लॉप नहीं हुआ...

और अपने लक्ष्य पाने के स्थान से स्कीम ने वह वृद्ध देखा, जिसकी देखने के लिए वह तरस रहा था-

यूआर
अंडरअरेस्ट
मिस्टर ध्रुव!

हम तुमको
ब्लैक कैट की
हत्या के जुर्म
में गिरफ्तार
करते हैं।

... पुलिस ऊपर आती
ही होगी...

...मुझे छिपने का स्थान बदल लेना चाहिए!

...लेकिन यहां पर अपनी खुशी का इजहार करने का मतलब है, अपनी मौत की झुला लेना।...

अब तो मैं अपने अड़्डे पर ही जाकर हंसूंगा और... और इतना हंसूंगा कि उसकी दीवारें कांपकर टूट जाएं !

ही ही ही मेरा बुरी तरह से घीरवने और
ही ही! नाचने का मन कर रहा है!...

... जब तक वह अपने अड़्डे तक नहीं पहुंच गया-

हाहा स्कीमर इज
ग्रेट! ग्रेटेस्ट
ऑफ ऑल!

महलों के गुप्त रास्ते से भागते
स्कीमर ने अपनी हंसी की तब तक दुबारा रखा...



मैंने ध्रुव की रास्ते से हटा दिया। अब उसकी कम से कम चौदह साल की सजा होने से कोई नहीं बचा सकता। वह रंगी हाथों पकड़ा गया है ...

... अब वह जेल में रहेगा, और सारे अपराधों की अपनी आंखों के सामने होते हुए देखेगा...

... अब वह तिल-तिल करके मरेगा तड़पेगा! लेकिन कुछ नहीं कर पाएगा। यह सजा तो 'सजाए मौत' से भी ज्यादा अच्छी है!



मैंने ब्लैककेट की हत्या के आरोप में ध्रुव को पुलिस के सामने ही ऐसा फंसाया है ... कि वाह ... वाह ...

?

तुमने किसी की किसी की हत्या के आरोप में नहीं फंसाया है, स्कीमर...



सुपर कमांडो ध्रुव!...

... त... तुम यहां कैसे? तुमको तो पुलिस ने ब्लैककेट की हत्या के जुर्म में गिरफ्तार कर लिया था!

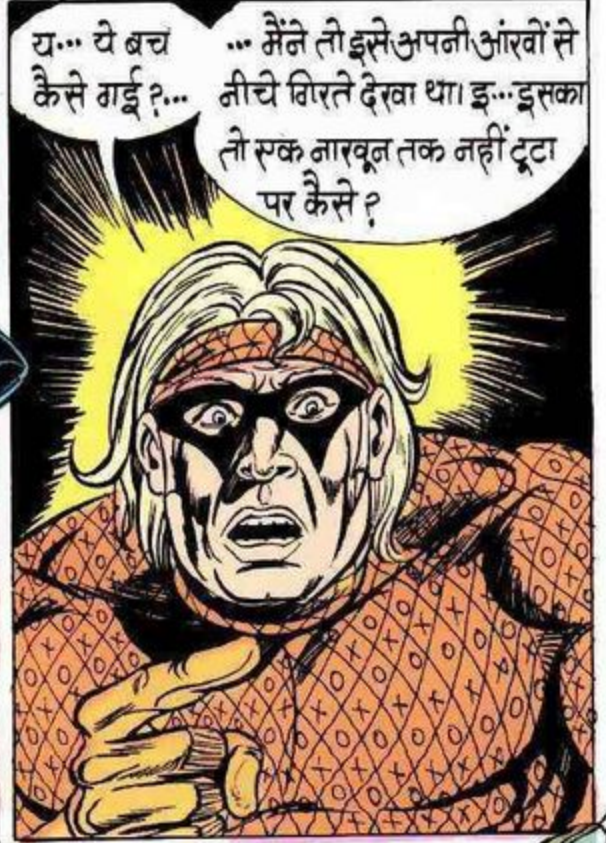
जरूर गिरफ्तार कर लेती स्कीमर...

... अगर मेरे हाथों से 'ब्लैककैट' का खून हुआ होता तो ! यानी तुम्हारे द्वारा ब्लैककैट का मेक-अप करके भेजी गई इस लड़की का ।

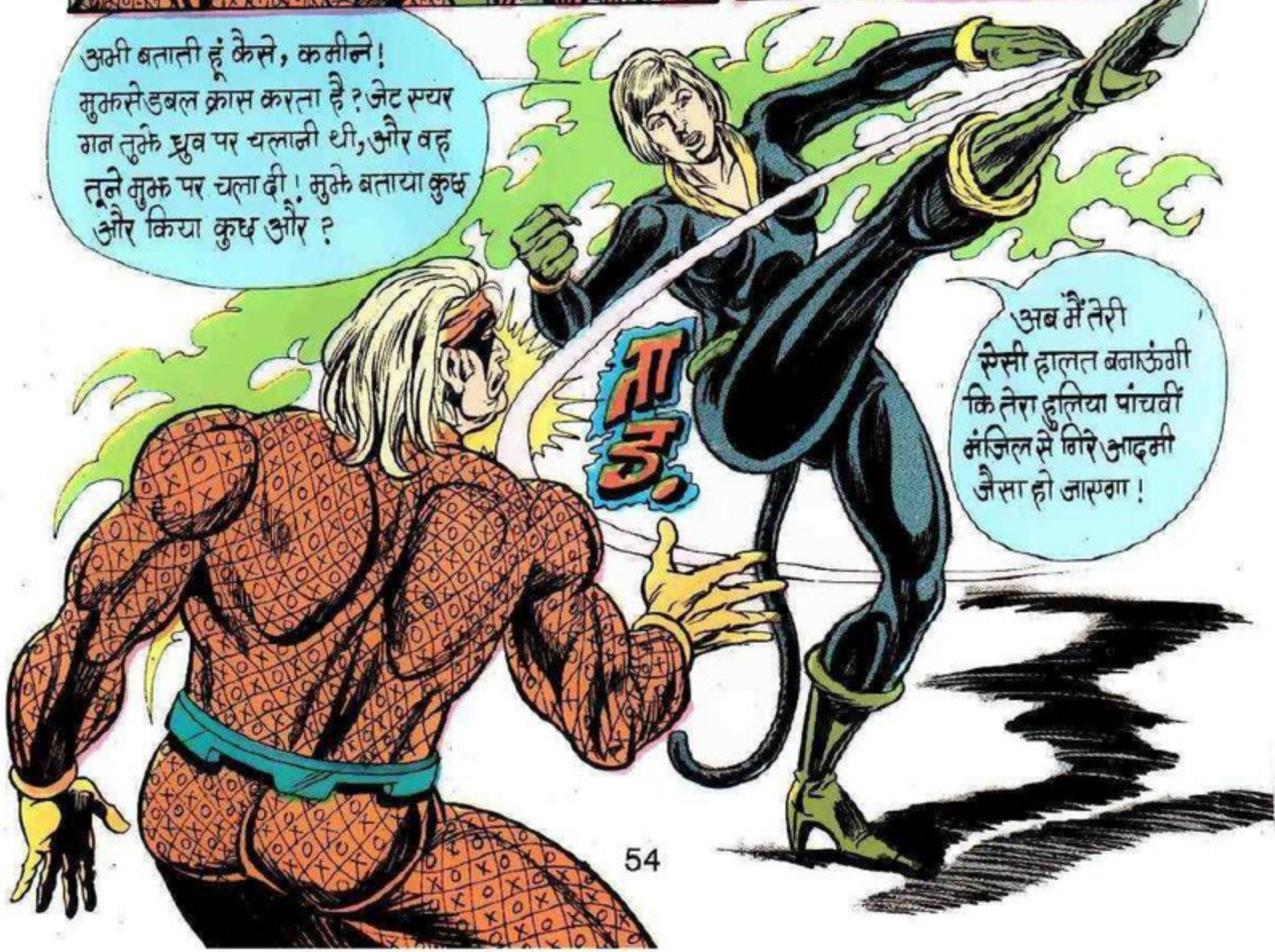


य... ये बच कैसे गई ?...

... मैंने तो इसे अपनी आंखों से नीचे गिरते देखा था। इ... इसका तो रुक नारवून तक नहीं दूटा पर कैसे ?



अभी बताती हूं कैसे, कमीने ! मुकसे डबल क्रॉस करता है ? जेट स्पर गन तुम्हें ध्रुव पर चलाती थी, और वह तुम्हें मुझ पर चला दी ! मुझे बताया कुछ और किया कुछ और ?



अब मैं तेरी ऐसी हालत बनाऊंगी कि तेरा हुलिया पांचवीं मंजिल से गिरे आदमी जैसा हो जाएगा !



सबसे पहले तो मैं तुमको यह बता दूँ स्कीमर कि मैं नतीकभी गिरफ्तार हुआ, और न ही मैं जमानत पर छूटा हुआ था। यह सब तुमको कम में रखने के लिए नाटक रचा गया था। पेट्रोल-पंप ऑपरेटर गंगाराम के बयान के बाद पुलिस ने यह मान लिया था कि जिस वक्त मैं 'स्टार-ब्लेड' फेंक रहा था...

... उस वक्त मेरे और स्वर्गीय शामनाथजी के बीच में पेट्रोल पंप का बॉक्स था। गलती से भी मेरे द्वारा फेंके गए स्टार-ब्लेड उनकी नहीं लग सकते थे...



... वैसे भी, जिस कोण से ब्लेड उनकी गर्दन में धंसा था, उससे साफ जाहिर हो रहा था कि ब्लेड, मेरी विपरीत दिशा से फेंका गया था !

और तुम उसी दिशा से निकल कर भागे थे। मैं तो सारा खेल तभी समझ गया था। इसी लिए अपने गिरफ्तार होने और जमानत पर होने का नाटक रचा ताकि तुम मुझ पर फिर हमला करो और मैं तुमको पकड़ सकूँ।

बूमबेंग वाले हादसे में तुमने मुझे लगभग फंसा ही दिया था। लेकिन मेरी किस्मत अच्छी थी कि मुझे रेन वक्त पर उस मुसीबत से बाहर निकलने का रास्ता सूझ गया...

... मुझे मालूम था कि तुम बीरबला उठोगे, और तीसरा हमला जल्दी ही करोगे। मैं हर तरफ से सतर्क हो गया था !



लेकिन लाइला की ब्लैककैट के रूप में भेजकर तुमने मुझे कुछ देर के लिए चक्कर में डाल दिया।...

... परन्तु लाइला से कुछ देर तक लड़ने के बाद, इसकी फाइटिंग स्टाइल देखकर मैं समझ गया कि ये असली ब्लैककैट नहीं हो सकती !

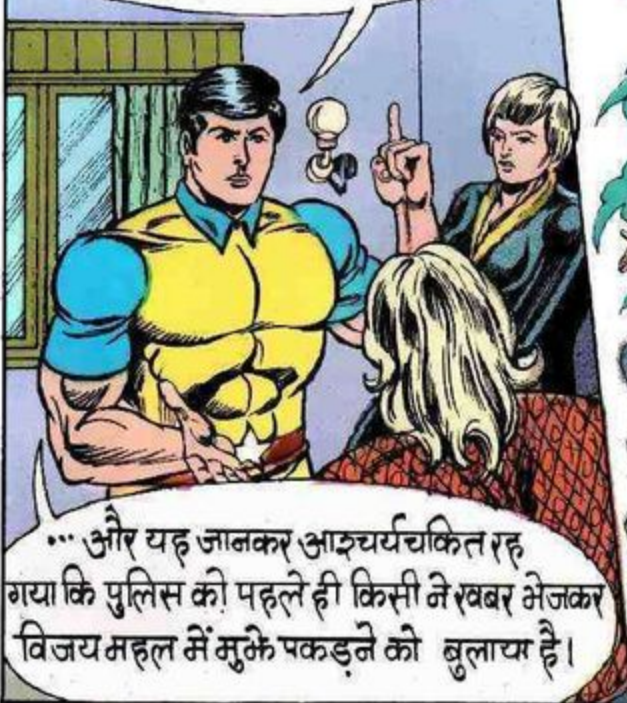
मैं सतर्क हो गया। और जब इसने लाइलाई बीच में छोड़कर महल की छत पर भागने की कोशिश की तो मैं सोच में पड़ गया...



... छत पर जाने का एक ही मतलब हो सकता था। और वह यह कि योजना छत से नीचे गिराकर मारने की है। मैंने तुरन्त सीढ़ियों पर ही रुककर अपने स्ट्रॉन्ग ट्रांसमीटर पर पुलिस से संपर्क किया...

मैंने पुलिस वालों से उस जाल को भी साथ लेते आने का अनुरोध किया, जिसका इस्तेमाल फायर ब्रिगेड वाले ऊपर से नीचे कूद रहे व्यक्तियों को लपकने के लिए करते हैं। बस, अब मामला फिट था !

ब्लैककैट से मेरी लड़ाई हुई। पुलिस आ गई और ब्लैककैट ऊपर से नीचे आ गिरी। लेकिन जमीन पर नहीं, सीधी पुलिस वालों द्वारा पकड़े गए जाल पर—



... और यह जानकर आश्चर्यचकित रह गया कि पुलिस की पहले ही किसी ने खबर भेजकर विजय महल में मुझे पकड़ने को बुलाया है।

☆ इसी वक्त करीम कमांडो ट्रांसमीटर पर ध्रुव से संपर्क करने की कोशिश कर रहा था—

मैं जानता था कि तुम किसी गुप्त स्थान पर छिपकर सारा दृश्य देख रहे हो। इसीलिए पुलिस ने छत पर आकर मुझे गिरफ्तार किया। पुलिस तुम्हारे लिए भी महल की तलाशी लेना चाहती थी। पर मैंने उनको रोक दिया...

... क्योंकि मैं जानता था कि महल में छिपने की सैकड़ों जगहें हैं, और भागने के दर्जनों रास्ते। वैसे भी लाइला हमारे कब्जे में थी।...



... तुम्हारे दोगलेपन ने लाइला को बुरी तरह नाराज कर दिया था। वह तुरन्त पुलिस गवाह बनने पर राजी हो गई। और मुझे यहां तक ले आई! तुम्हारी सारी स्कीम भी इसी ने मुझे बताई।...

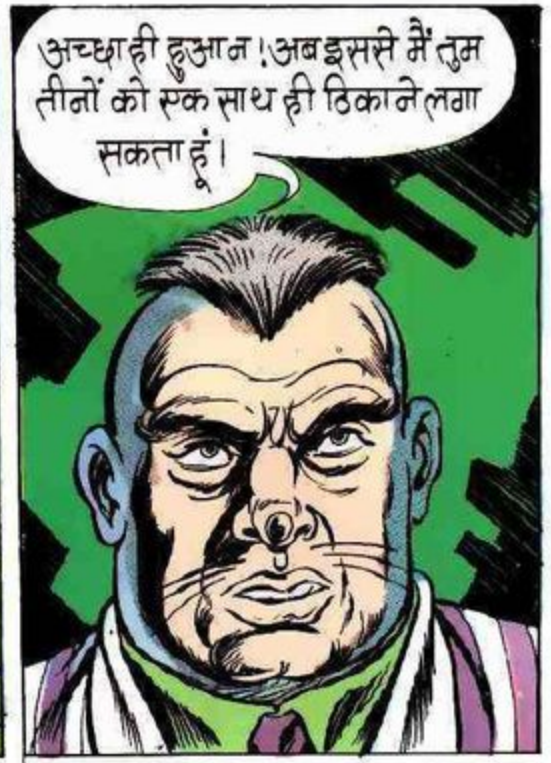


... मैं जान गया हूं कि तुमकी बाकी ने किरास पर बुलवाया था। मुझे मारने के लिए। और यहां पर बाकी बेवकूफी कर गया। पहले तो मेरे पास बाकी के खिलाफ सिर्फ एक ही गवाह था, अब तीन गवाह हैं। अब बाकी मुझसे बच नहीं सकता!

बाकी के खिलाफ सबूत तू तभी इस्तेमाल कर पाएगा, जब तू जिन्दा बचेगा ध्रुव!



बाकी!



... नताशा और हल्क के-

नताशा! तुम यहां पर कैसे?

इस कुत्ते बाकी के पीछे!
यह गद्दार नमक हराम था,
और नमक हरामों की रेबी
की अदालत में एक ही
सजा है...
...सजाए मौत!

मेरा काम खत्म हुआ!
अब मैं जा रही हूँ।

रुक जाओ नताशा! तुम
मेरी आंखों के सामने दो-दो
हत्याएं करके नहीं जा
सकती!

तुम्हारा कमजोर
कानून मेरा कुछ
नहीं बिगाड़
सकता!

ध्रुव खासीदा रह गया। वह जानता था
कि इस वक़्त कानून के मुकाबले
अपराध का पलड़ा भारी है-

यह तुम कभी साबित
नहीं कर पाओगे,
ध्रुव!...

... क्योंकि मेरे पास सैकड़ों ऐसे गवाह हैं,
जो कसम खा सकते हैं कि इस वक़्त मैं एक
शानदार पार्टी में खाना खा रही हूँ।

लेकिन वह यह भी जानता था कि एक न एक
दिन नताशा की वह गिरफ्तार करके ही रहेगा।

राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 16.00 संख्या 73

अंधी मौत

एक नागराज फ्लैग मुफ्त



सुपर कमांडो ध्रुव

आ जा, सुपर कमांडो ध्रुव,
आ जा ! पकड़ सकता है तो
मुझे पकड़कर दिखा :

तूने मुझे अंधा
करके यह कैसे समझ
लिया कि ध्रुव तुम जैसे
कमीने से डर गया ?

अरे, ध्रुव अपनी आंखों
पर पट्टी बांधकर सिर्फ आवाज
के सहारे कई बार अपने दुश्मनों
को मार दे चुका है।

बड़ा, ध्रुव ! पन्द्रहवीं मंजिल से
अपनी जिन्दगी का आखिरी
कदम बढ़ा ले ! ...

... सुपर लोका ने तुम्हें अंधा
तो पहले ही कर दिया है। और
अब वह तुम्हें देने जा रहा
है रुक ...

अंधी मौत

कथा एवं चित्र :

अनुपम सिन्हा :

इंकिंग : कांथले, चिनोद :

सुलेख एवं रंग :

सुनील पाण्डेय :

संपादक : मनीष गुप्ता :

आज के, तेजी से आगे बढ़ते इस दौर की मांग है, संचार तकनीक का तेजी से विकास। ताकि सूचनाओं एवं जानकारीयों का विश्वभर में फलक अफकते आदान-प्रदान हो सके। और इंसान की इस विवशता के कारण आज दुनिया पर राज करते हैं...

...उपग्रह और कंप्यूटर-

संचार की सुविधाएं, या फिर दुनियाभर में फैले हुए कंप्यूटर नेटवर्क और या फिर अन्तर्राष्ट्रीय जालूरी की अत्याधुनिक दुनिया। हर चीज उपग्रहों द्वारा ही नियंत्रित की जाती है-

चाहे वे टी.वी. के स्क्रीन चैनल हों, या दूर



पृथ्वी के चारों तरफ घूमते हुए अजगित उपग्रहों को संचालित करते हैं, पृथ्वी पर फैले असंख्य कंप्यूटर सेंटर...

...और इन कंप्यूटर पैनेलों का निष्क्रिय होता है...



...इंसानी हाथों में-



ये हैं हमारे प्रस्तावित स्पेस स्टेशन की डिजाइन श्रृंखला! इसे तुम उपग्रहों का सर्विस स्टेशन भी कह सकते हो।



लेकिन इस स्पेस स्टेशन पर गुरुत्वाकर्षण शक्ति ल हीजे के कारण, उतके ही ईंधन में रॉकेट दस गुना ज्यादा दूरी तय कर सकता है...

... हमने मंगल ग्रह पर एक मानव सहित रॉकेट भेजने का प्रोग्राम बनाया है, जो इसी स्पेस स्टेशन से उड़ेगा...

मैं ?

हां, ध्रुव ! तुममें वे सारी सुविधाएं हैं, जो एक आदर्श अंतरिक्ष यात्री में होनी चाहिए। स्वस्थ शरीर और चुस्त दिमाग का इससे अच्छा संगम हमको त हीं मिल सकता !...

... और उस रॉकेट के अंतरिक्ष यात्री होंगे तुम !

तुम -- सुपर कमांडो ध्रुव !

... मंगल ग्रह पर मानव सहित रॉकेट भेजने के प्रोग्राम का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है, आदर्श अंतरिक्ष यात्री...

... इस अभियान से पूरे भारत का सिर धड़ से तन जाएगा। और अपने देश की यह दौलत सिर्फ तुम ही दे सकते हो !

अपनी मातृभूमि के लिए तो मेरी जान भी बाजिर है, सर ! मैं इस अभियान के लिए तैयार हूँ।

ठीक है सर ! लेकिन मेरी स्क शर्त है। ट्रेनिंग का वक्त मेरे अनुसार तय किया जाएगा...

... क्योंकि मैंने राजनगर में कानून और शांति बनाए रखने का बीड़ा भी उठाया हुआ है। जब तक मैं यहां हूँ, तब तक मैं उस काम की मंजर अन्दाज नहीं कर सकता...

मुझे मंजूर है।

अबाले हफ्ते हम स्क लया उपग्रह छोड़ने जा रहे हैं। इसको पृथ्वी की स्थिर कक्षा में स्थापित किया जाएगा।...

... इसलिख स्क हफ्ते तक तो मैं काफी व्यस्त रहूंगा। और उसके बाद इस लक्ष्य प्रोजेक्ट पर काम शुरू हो जाएगा !

शायदा ! इस तुमको छः महीने में पूरी तरह से देल कर देंगे। आज से ही ट्रेनिंग शुरू कर दें तो कैसा रहेगा ?

ध्रुव की ट्रेनिंग शुरू हो गई थी-

ये तुम्हारी ट्रेनिंग का पहला सबक है ध्रुव!

रॉकेट जब उड़ता है तो शरीर पर पड़ने वाला गुरुत्व बल कई गुना ज्यादा बढ़ जाता है...

...यह यंत्र तुम्हें ठीक वैसा ही दबाव देकर तुम्हारे शरीर को उसका आदी बना देगा।

और दूसरी तरफ हो रही थी रॉक प्लेन की शुरुआत-

बेकार! ये 'लेसर प्लास्ट' की उत्तम शक्तिशाली नहीं है, जितना मुझे चाहिए!

मैं यह टकराव नहीं चाहता था। अपना प्लान गुप्त रखना चाहता था मैं। लेकिन क्या करूं, शायद ऊपर वाले ने 'स्पेस ट्रेनिंग सेंटर' के गार्ड की सौत 'सुपर लोवा' के हाथों में ही लिखी है।

अब क्या होगा, मास्टर? सेटलाइट के छोड़े जाने में सिर्फ रॉक हफ्ता बचा हुआ है।

यादी हमारे पास और प्रयोग करने का अवसर नहीं है। अब रॉक ही रास्ता है। हमको 'स्पेस ट्रेनिंग सेंटर' जाकर वहां से 'ट्रायल लेसर वेल्डर' को लेकर आना होगा।...

...तबकि उसको देखकर मैं अपना सुपर लेजर तैयार कर सकूँ।

तैयार हो जाओ, स्पेस ट्रेनिंग सेंटर वाली...

...आज रात तुम्हारी सौत का फर्मान लेकर आ रहा है सुपर लोवा!

और उस रात- जब ध्रुव अपनी रात की वास्तवता करके, अपनी दुनिया में व्यस्त था-

ये हमारी स्पेशल लैब है ध्रुव! इसमें हमने 'स्पेस सर्विस स्टेशन' की हवाहवाकल करने की कोशिश की है..

... यहाँ तक कि हमने एक रक्स तकनीक से इस पूरे कक्ष को गुरुत्वाकर्षण रहित क्षेत्र बना दिया है। यहाँ पर दुनिया लेने के बाद तुमको अंतरिक्ष में ज्यादा दिक्कत नहीं होगी!



इधर मैग्नेटिक जूते पहने डायरेक्टर साहब ध्रुव की समझा रहे थे-

और इधर स्पेस दुनिया सेंटर के कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के घेरे में मौजूद मुख्य द्वार पर-

आह... हाँ, ये रात की ड्यूटी का चक्कर बड़ा खराब होता है यार! खतरा भी ज्यादा होता है, और बीढ़ भी ज्यादा आती है!

ये... ये कैसे ... मेन गेट तो अन्दर आ गया? ... बंद है। कूद कर आया क्या?



रघुपति वो दरवाज़ा!

नहीं! हवा में से पैदा हो गया है। हाँ... मैंने अपनी आंखों से देखा है!





स्लार्क की घनघनाहट पूरे कॉम्प्लेक्स को गुंजा गई-



स्क-स्क वार ही गॉर्डों को बेहोश करने के लिये काफी था। लेकिन घिरते-घिरते भी स्क गॉर्डों ने स्लार्क वल्टन दबा दिया था-





लेकिन 'सुपर मीका' यह नहीं जानता था कि 'स्पेस टेलिग्राफ सेंटर' की बाहर से मदद मंगावाने की कोई जरूरत नहीं थी-

मदद वहीं पर मौजूद थी-

रेड सर्लट! रेड सर्लट! बाहर से कुछ अवांछित तत्व सेंटर में घुस आए हैं!...

... सभी सुरक्षा यूनिट कॉरीडोर नंबर 26 की तरफ बढ़ें! डबल स्पीड!



बाकी सारा कॉन्फ्लेक्स, सुरक्षा गार्डों से खाली हो गया था-



अपने हिस्से की दो जगहों को तो मैं चेक कर चुका हूँ। अब सिर्फ यह रुक जगह बचती है...

...अगर किस्मत अच्छी हुई तो वह...



...लेसर बेल्टर यहीं... मिल गया जैक पॉट!

तु ज़रूर अपनी किस्मत सोने की कलम से लिखवाकर आया है, सांचेज!

स्क सेकंड वाद 'लेसर बेल्टर' सांचेज के हाथ में था-



और उसके स्क सेकंड वाद उसके हाथ से बाहर-



आस ह!

कौन है तू लड़के? सांचेज से उलझकर भरी जगहों में अपनी मौत को क्यों बुलाना चाहता है?



तुम्हारे यह बोलने से दोबारा साफ हो गई है। पहली तो यह कि तुमको किसी ने विदेश से इम्पोर्ट किया हुआ है...

...क्योंकि इंसान के सारे छोट-बड़े अपराधी ध्रुव को पहचानते हैं!...





अंधी मौत

उम्मी कांप्लेक्स में कई और टिक्क भी दक्के को तैयार थे -

... क्योंकि इसके बाद तुम लोहा कुध भी और नहीं देख पाओगे!

आह!

तो तुम लोहा मुझे गिरफ्तार करना चाहते हो। ठीक है, कर लो! लेकिन गिरफ्तार करने से पहले रुक बार मुझे ध्यान से देख जरूर लो...

यह क्या है?

मेरी आंखें



सुपर लोका अपने सारे काम
सक ही इधियाए से करता है।
प्रकाश ऊर्जा यानी लाइट
सर्जरी से...

...और यह था मेरा पहला
बार! सुपर स्ट्राइक अल्ट्रा
बैथलेट किरणों का सक
तेज कम्पाका...



...वह कम्पाका जिसने
तुम सबकी आंखों की
कोशिकाओं को पूरी तरह
से नष्ट कर दिया है।...

...यह सब अखबार
वालों की बताना भूलना
मत...

...और सबसे पहले
उनको मेरा नाम बताना।
सुपर लोका!



मास्टर, आप
यहां पर हैं?

क्या हुआ शिवा?
लेसर वैलेंडर मिला
गाया क्या?

सांघेज और लूका
को मौका रहने ही
'लेसर वैलेंडर' लेकर
भाग जाना चाहिये था-

उन्होंने ऐसा नहीं किया,
और यहीं पर वे गलती
कर गए-

मुझे धातु की घसकती
दीवार में लूका का
प्रतिबिम्ब दिख रहा था!
इसलिए मैं स्थिर रहने
भुल गया...

मुझे तो नहीं
मिला! अपने दिस्से
की सारी जगहों में
चेक कर चुका हूं।
ले अब तक वह
सांघेज या लूका को
जुन्न मिला गया होगा।
आओ, चलकर उनको
ढूँढ़ते हैं।



...और बार मुझे पूरी
तरह से लबा नहीं पाया। लेकिन मेरा निर अमी
तभी हल्का-हल्का घूम रहा है।



मुझे सबसे पहले तो
लूका की गोली से बचना
है। और उससे मुझे बचाव,
कांच का ये टुकड़ा!



...पूरा कमरा गुरुत्वाकर्षण रहित क्षेत्र बन जाता है—

अये! अये!
यह क्या हो
रहा है?

हम... हम
उड़ कैसे रहे
हैं?

यह कमरा गुरुत्वाकर्षण रहित
क्षेत्र बन गया है, लुका! और
चूंकि तुमको लोचें स्वीचजो वाली
गुरुत्व शक्ति स्वतंत्र हो गई है,
इसीलिए तुम उड़ रहे हो!...

... तुमने
सेसे क्षेत्र में रहने
का थोड़ा सा अनुभव
है!...

... यहाँ
पर कैसे उड़ा जाता है, यह
मैं तुम लोगों को अभी सिखा
देता हूँ।

ताड़,

धड़क



सेसी लड़ाई न तो सांचेज ने कभी बुल-फाइटा रिंग में लड़ी थी...



...और न ही लूकाने माफिया होगी मैं-

ध्रुव के शक्तिशाली वारों ने, कुछ ही पलों में दोनों को ही धूल-चटा दी-



अब बताओ, लूका, सांचेज रण्ड कंपनी! इस 'लेसर वेल्डर' का तुम क्या करने जा रहे थे?...

... अब तो तुम्हारी स्वतिर मैंने गुरुत्वाकर्षण बटन भी बंद कर दिया है!

ये लोहा नहीं... लेसर वेल्डर लेने दूजको मैंने भेजा था...



... मैंने यानी सुपर लोहा ने!

ओह! तो तुम हो दूज लोहा के बॉस!... तुम भी अपना वार करके देख लो!



मैं तुम पर वार नहीं करूंगा, ध्रुव! तुम्हारे वारे मैं मैंने काफ़ी कुछ सज्ज रखा है। तुम मेरे किसी भी वार से बचने की क्षमता रखते हो...

... लेकिन अगर तुमने लेसर-वेल्डर मेरे हवाले न किया तो...





तारे प्रेस रिपोर्टर स्क ही सवाल पूछ रहे हैं कि सुपर कमांडो ध्रुव इस हादसे के वक़्त, स्पेस ट्रेनिंग सेंटर में क्या कर रहा था ?

इसने महत्वपूर्ण सवाल यह है कि सुपरबोवा उस लेसर वेल्डर से क्या करने आ रहा है ?



यह तुम सोचो ! मैं तो कल सुबह श्री हरीकोटा आ रहा हूँ, जहाँ से नई सेटेलाइट की घोड़ा जाना है।

क्योंकि इस घटयंत्र का पहला चरण सफल होने के बाद, दूसरा चरण शुरू हो चुका था—



अब मुझे अपना लेसर क्लास्टर बमाली में ज्यादा वक़्त नहीं लगेगा। इस लेसर वेल्डर में जो तकनीक प्रयोग में लाई गई है, मैं उसकी नक़ल करके कुछ ही दिनों में अपना लेसर क्लास्टर बना सकता हूँ।

डिटेल् बताओ !

मुझे किसी ठोसीर खतरे का सहसास हो रहा है। सुपरबोवा ने पूरी दुनिया से ख़ुशख़ार अपराधियों को आखिर क्यों जमा कर रहा है ? मुझे समझ रहते इस घटयंत्र का पता लगाकर इसको नाकाम करना होगा।



ध्रुव का डर बेबुनियाद नहीं था —

मास्टर ! रो लीजिए ! ये वैज्ञानिक, सेटेलाइट छोड़ें जाने वाले प्रोद्धान का चीफ़ है। डॉक्टर प्रभु श्रीवास्तव !



प्रतिभाशाली वैज्ञानिक है। एक खूबसूरत
बीवी है। और पांच साल का एक बेटा है...
आदी के आठ साल बाद हुआ है। श्रीवास्तव
श्री हरिकोटा में है।...

... लेकिन इसकी
बीवी और बच्चा
राजनगर में ही रहते
हैं...



आहा! बड़ा प्यारा
बच्चा है। बीवी भी
खूबसूरत है...

... हम इससे मिलना चाहते
हैं। इनको हमारा मेंहमाल
बनाकर यहां ले आओ...



... और फिर श्रीवास्तव के पास
ये छोटा सा पैकेट पहुंचा देना !...

... जाओ काम चालू
कर दो !



इधर सुपर नोवा
अपने पड़चरित्र को अंतिम रूप दे रहा था...

... और दूसरी तरफ पूरे राजनगर में एक उत्तेजना
की लहर दौड़ रही थी-



वाह!
वाह!

कमाल है!

राजनगर का नाम
ऊंचा कर दिया।



कितनी
आश्चर्यजनक
खबर है !...





... और वहां से दूर- श्री हरिकोटा लॉन्गिवास्टेशन पर किसी की खुशी में, गहरा दुःख मिला हुआ था-



सेटेलाइट छोड़ें जाने की खबर तुरंत ही चारों तरफ फैल गई-

बधाई हो मास्टर !
सेटेलाइट छोड़ी जा चुकी
है और आपके द्वारा भेजा
गया पंथ उसमें फिट है...



मेरी लैस-वान भी
तैयार है, सांचेज !...

...लेकिन न जाने क्यों मुझे
कुछ न कुछ गड़बड़ होने की
आशंका सता रही है।

क्यों मास्टर ? हमारे प्लान को
सिर्फ प्रभु श्रीवास्तव ही मंटीया-
मेट कर सकता है। और वह
सेसा कभी नहीं करेगा। क्योंकि
उसका परिवार हमारे कब्जे
में है।

उसकी तरफ से
नहीं, मुझे खतरा
इसकी तरफ से है।

जानता नहीं है तो जान
जाएगा। तुम उसके बारे में
नहीं जानते सांचेज !

अब जब तक वह मेरे और
मेरे प्लान के बारे में पता नहीं
लगा लेगा, तब तक वह चुप
नहीं बैठेगा !



ध्रुव की तरफ से ? लेकिन
यह तो हमारे बारे में कुछ भी
नहीं जानता ?



तब तो इससे पहले कि
वह कुछ गड़बड़ कर पाए, हम
उसको खत्म कर देते हैं, मास्टर !



और इस हरकत ने शायद उनकी जान बचा ली-

क्योंकि इसी वक्त-
कंपाला हिल्स पर
स्थित उजाड़ अंध जखेदरी
में-☆



तुमको यकीन
है कि अंत तक ग्रुथ
वहां पर पहुंच गया
होगा ?

'लेसर-गज' को
चाज़ करो ! ...

... तब तक मैं दूसरों को
निशाने पर फ़िक्र करता हूँ।



स्पेस ट्रेनिंग सेंटर
पर एक भीषण विपदा आने वाली थी-

☆ ऑब्जरवेटरी लक्ष्यों एवं ग्रहों के अध्ययन के लिए कुंआई पर बनी एक खास इमारत, जिसमें
टेलीस्कोप लगा रहता है।

यकीन नहीं, पक्का पता
है। मेरे आदमी ने अभी-
अभी मैसज भेजा था ...

... ग्रुथ, 'स्पेस ट्रेनिंग सेंटर'
में पहुंच चुका है।

अगर पहुंच चुका है तो
यह 'ट्रेनिंग सेंटर' के उसी
हिस्से में होगा, जहां पर
ट्रेनिंग लेख बनी हुई है।



लेकिन स्पेस ट्रेनिंग सेंटर के अंदर बैठे लोग इस आने वाली
मुसीबत से अज्ञात थे-



आओ, हायरक्टर
वेंकटराजू ! बड़ा
इंतज़ार करवाया
तुमने ! ...

... मैं तो तुम्हारे
ऑफिस में बैठा-
बैठा एक खीड़ भी
नार चुका !



... लेकिन आसमान से कुछ और
जल्द नीचे गिरने वाला था-

लेसर-गन पूरी
तरह से चार्ज हो चुकी
है, मास्टर!

... और
ये दबा
बटन!

और एक चमकती लकीर अंधेरे
के सीने को चीरती हुई, पृथ्वी के
वायुमंडल को पार करती हुई...



... 'सेटेलाइट' चन्द्रशेखर' में फिट उस
यंत्र से जा टकराई, जो 'सुपरनोवा' द्वारा
डॉक्टर प्रभु श्रीवास्तव के पास भेजा गया था-

यह यंत्र वास्तव में
एक 'परावर्तक' यानी
रिफ्लेक्टर था-

जो 'लेसर किरण'
को विधरित कोण
पर मोड़ देने की
क्षमता रखता था-



... और फिर लेसर किरण अपने निशाने की तरफ चल पड़ी-

और वह निशाना था...

... राजनगर के
स्पेस ट्रेनिंग सेंटर
का वह हिस्सा...



... जहां पर ट्रेनिंग
के लिए स्पेसाल
लैंच बनी हुई थी-

अंधी मौत

ध्रुव की सिर्फ आधे सेकंड पहले खतरे का
आभास हुआ...

... और उस आधे सेकंड में वह कुछ नहीं कर सकता था-



कहीं पर गुंज रहा था धमाका -

और कहीं पर गुंज रहा था ठट्ठाका -

हवा हाहा!
स्वप्न! मेरी लेस्स-
गान स्कंदम परफेक्ट
काल कर रही है!...

...बड़ा पैसा और मेहनत
लगाई है मैंने इसमें। अब
सत्य आ गया है अलंक-
वदी संगठनों के ओहड़ों
को पूरा करके मुलापोकाल
का!

स्पेस ट्रेनिंग सेंटर में भगवद
सच्ची हुई थी -

ओ माई गॉड!
यह सब क्या हो
रहा है?

कल कोर्ड लेसर
वेल्डर चुरा ले गया
और आज ये लेख,
मलका बन गई!...



...लेकिन धूँध
कहाँ गया? वह तो
यहीं पर प्रैक्टिस
कर रहा था!

इस धमाके से किसी का
भी बच पाना असंभव है, सर!



चलो, अच्छा ही
हुआ। बला टली!

मैं यहाँ पर हूँ
डायरेक्टर साहब!



आपके इंस 'स्पेस
सूट' ने मुझे बचा
लिया...

लेकिन यह हादसा
हुआ कैसे? क्या हुआ
था?







सवाल सिर्फ यह है कि उसने यह हमला कहाँ से किया है। क्योंकि हायरक्टर वेंकटराजू के अनुसार, 'स्पेस ट्रेनिंग सेंटर' के आस-पास रेसरी कोई जगह नहीं है, जहाँ से हमला किया जा सके।...

... लेकिन डॉक्टर साहू ने नास्त्रेदस का नाम लेकर मुझे उस जगह का आइडिया दे दिया। नास्त्रेदस ने कंपाला हिल्स पर बनी वीरान ऑब्जरवेटरी को अपना आबुड़ा बना रखा था। और ऊँचाई पर बनी उस ऑब्जरवेटरी से पूरा राजनगर साफ दिखता है। हो सकता है सुपर नौवा ने यह अटक वहीं से किया हो! ☆

मेरा ख्याल सही भी हो सकता है, और गलत भी! लेकिन उस ऑब्जरवेटरी को चेक तो करना ही पड़ेगा। पर उसके पहले मुझे कुछ तैयारी करनी पड़ेगी। डायद सुपर नौवा से मुठभेड़ ही हो जाए।...



पैसा कल सुबह लौ बजे तक जमा हो जाएगा...
... ये 'जेहाद-ए मुजहिदीन' के चीफ का वायदा है...

और कंपाला हिल्स पर -

मैंने तुमको 'स्पेस ट्रेनिंग सेंटर' के लफ्ट होने का वीडियो टेप, अभी-अभी दिखा दिया है। अब तुम्हारे काम के काम से बताऊँगा।...

... तुम्हारे काम की कीमत पछले करार हज़ार हो गयी। जो तुम मेरे स्थिर बैंक खाते में जमा कराओगे। पैसा मिलते ही काम हो जाएगा!









उसको मैंने नष्ट कर दिया!... सिर्फ तुमको यतावनी देने के लिए!

सुपर लोवा!
यानी... यानी वह उजाड़
ऑब्जरवेटरी तुम्हारा अड्डा
नहीं थी?



अगर होती तो मैं उसको
उध्वस्त क्यों? उसके
बजाय तुमको ही उड़ा
देता!

मेरा अड्डा कहाँ पर है,
यह तुम अगर जन्म-
जन्मांतर तक भी वृद्धते
रहे तो पता नहीं लगा
पाओगे!



इसीलिए मेरी बात
मानी। और मेरा पीछा
छोड़कर वापस लौट
जाओ!



यह मुझे ऑब्जरवेटरी तक
जाने नहीं देना चाहता! वहला-
फुसलाकर मुझे वापस भेजना
चाहता है। यानी ऊपर कुछ
बाद बड़ जरूर है!

तुम्हारा अड्डा कहाँ पर है,
यह सिर्फ चन्द लोवा ही जानते होंगे।
और तुम उनमें से एक हो!...

... इसलिये तुमकी
मुझे अपने बिल के
बारे में बताओगे!

दुश्मन को घेतावनी देना
सुपर लोका की आवत नहीं है
ध्रुव ! यह तो मैं सिर्फ तुमको
इज्जत देने के लिये बता
रहा था...

...लेकिन अबार तुम
मरना ही चाहते हो,
तो यह तुम्हारी कर्ज़
है। मेरी नहीं!

साथे के बीच-बीच
लगे पत्थर ने ध्रुव
का दिमाग हिलाकर
रख दिया-

और साथ ही साथ सुपर लोका की
ठंडालियां भी हरकत में आ गईं-



तड़क



यह सारा इंतजाम
मैंने बहुत पहले से
ही करके रखा था।
तुम्हारे जैसे किसीटांडा
अड़ाने वाले की टांगोंतोड़ने
के लिये!

गुड बॉय
मिस्टर ध्रुव!

पैरों के नीचे पैदा हुई हल्की सी
थरथराहट ने ध्रुव को सावधान कर
दिया-



?

और इस सावधानी ने उसकी जान बचा ली-

क्योंकि अबले ही पल, पथरीली जमीन फटने से पहले ही
ध्रुव अपनी जगह छोड़ चुका था-



बद ताता म

लेकिन धमाके नहीं रुके-

और नहीं धुव-

बाTTTTTड



और फिर जब धमाके रक्तस दूर तो-

य-य-य! तुम्हारी सारी सावधानी
बेकार गई सुपर लोवा! तुम्हारे द्वारा
बिछाई गई रिमोट कंट्रोल लैंड मईने
भी मुझे रक्तस नहीं कर पाई।



इसका उद्देश्य तुम्हें
रक्तस करना था भी नहीं,
सुपर कमांडो धुव!

इसका उद्देश्य तो सिर्फ इस खाई को
बलाना था! ताकि तुम अपनी मौत से
बचकर भाग न पाओगे...



अब तुम्हारे आगे
खड़ी है...

... और
तुम्हारे पीछे...

राज कॉमिक्स

... और अब डायट करनी देखेंगा भी नहीं!
क्योंकि अब ये पहले मुझे अपने मुंह से
निकलती आग से भूनेगा...

... और फिर दिनर
बनाकर खा जाएगा!



भागने
का भी रास्ता
नहीं है...

... पीछे खड़ा
है, और सामने
ये यमदूत !...

... डायट कर सकूँगी और स्टैकिंग
मेरी मौत को कुछ देर के लिए टाल सकूँ।



यह क्या ?

फन्स डूटके आर-पार
निकल गया ! पर
कैसे ?

यह प्राणी कम से कम
हवा का तो बनाव नहीं
हो सकता !



सक ही संभावना हो सकती
है। और वह यह कि यह कोई
असली वस्तु न होकर कोई
तीन आयामी आकृति हो !...

... ऐसी चीज मैं पहले भी
बापाल में देख चुका हूँ !★

वैसे भी सुपर लोवा अपने सारे
अपराध 'प्रकाश' से ही करता है। और
धी-धीयसे डबल पिक्चर भी उसी प्रकाश का एक अंश है।





लेसर वेल्डर की भीषण गर्मी ने ध्रुव के पैरों के आस-पास की चट्टानों को पिघला दिया—

वैसे तो यह रास्ता स्क
लिचिचत मोत की तरफ
जाता था...

...लेकिन ध्रुव का बदल
जुपिटर सकसक दिनों से
ही ऐसी कलाखलियां खने
में साहिर था -

लेकिन सिर्फ
कुछ ही पलों
के लिए -



और इसी कड़ी मेहनत में आज उसकी
जिन्दगी को खत्म होने से बचा लिया -



अब सिर्फ एक सेकंड
की देर है। इस बार मैं
इसकी आवा की लपट से
बच नहीं पाऊंगा।

लेकिन...लेकिन यह
क्या? यह जीव तो साधव
हो रहा है।



इतना झोला न बल ध्रुव
समक तो न गया ही है।
वह जीव तो एक उ ड
आकृति थी। भूलसा तो तुम
यह 'लेसर बल्टर' रहा
था...
...और अब यह
तुम्हें जलाकरा!



मेरे पास साधव एक था
दो सेकंड का समय है।
उत्तरी देर में मैं यह 'स्टार
लाइन' ऊपर अटका कर
चढ़ सकता हूँ। लेकिन उस
हालत में 'सुपर गोबा' इस
'स्टार लाइन' को ही नष्ट
कर देगा।...



... इसलिए ऐसा
रास्ता सोचना पड़ेगा
कि 'स्टार लाइन' की
ऊपर अटका जाए और
सुपर गोबा की बखस हो
जाए...
...और जहाँ पर मैं स्टार
लाइन को अटका सकता हूँ।

...वह जगह है,
सुपर लोवा का बायाँ हाथ!

स्टार लाइन ने सुपर लोवा के
हाथ को लपेट लिया-

और एक कटके से, सुपर लोवा नीचे आ गिरा-



अब उसका बायाँ हाथ चट्टान की न थाल लेता तो
उसका बदन नीचे गिरकर चूर-चूर हो जाता-

और जब तक वह बचाव का कोई रास्ता सोच पाता, तब तक
ध्रुव उसके सामने पहुँच चुका था-



अब बताओ
सुपर लोवा...

... तुम्हारे तरफ़ा मैं अब कौन
सा तरफ़ बचा है ?

ताड़ आह!





अंधरे में धुपी वह रहस्यमय आकृति अभी भी अपनी जगह से नहीं हिली-

ओलाई गोंड! ये सुपर लोवा तो बहुत खतरनाक आदमी लगता है। धुव को अंधा कर दिया है इसने!...

... लेकिन एक बात अच्छी भी हुई है। धुव से लड़ाई के चक्कर में इन लोगों का ध्यान सुभ्र पर नहीं गया!

अब मैं इनके पीछे-पीछे ऑब्जरवेटरी... और फिर उसके बाद तक आराम से पहुँच सकता हूँ... इन्टरज़र के रुन्डा सिक्कों का...



और ऑब्जरवेटरी में-



सुपर कमांडो धुव!



चल सूरदास, तू भी इन दोनों के साथ अंदर बंद हो जा!



लेकिन उसका बेहोश शरीर जमीन से, एक छुटी सी आवाज के साथ टकराया-

और इतनी आवाज, संचेज को सतर्क कर देने के लिए काफी थी-

ये आवाज कैसी थी?
लूका! लूका! तुम ठीक तो होन ?... लूका?



लूका! ...लूक... ...कसपफ!



बार पूरी ताकत से नाक और अंग्रे के जोड़ पर किया गया था-

संचेज के लिए होश संभाले रखने का सवाल ही नहीं था-

अब पहले पर सिर्फ शिवा तैनात था-



क्यों बेदा ध्रुव! टी.वी. देखेगा? मेरे पास एक जादुई सुरक्षा है...



... जिसकी लगाने से अंधे भी देखने... अह... अह...



अम्प!





और फिर-

बता, वह आदमी कौन था अंधे!...

...बता, वरना तेरे स्क-स्क अंडा की आद्विस्ता-आद्विस्ता काटूंगा!

... पढ़ले तुम मुझे सिर्फ इसलिये काव में कर पास क्योंकि तब मैं आंखों से दर्द से बेहाल था...



ध्रुव को असह्य समझने की भूल मतकर लोवा...



... सिर्फ उनकी आवाज के सहारे!

धड़ाक

आह!

जोरदार धुंसा था मास्टर। स्क ही वार में आप चित हो गए। कोई अंधा इतना सटीक वार नहीं मार सकता... मुझे तो शक ही रहा है कि ध्रुव पूरी तरह से अंधा नहीं हुआ है।...



असंभव!



और ध्रुव के पैरों के ठीक आगे के फर्श का रक हिस्सा बिना आवाज के सरक गया-

लैकड़ों फुट नीचे पथरीली चट्टानें साफ दिख रही थीं-



...और उसका बदन, पथरीली चट्टानों से टकराकर चूर-चूर हो जान के लिए, तेजी से नीचे गिरने लगा-



लेकिन वहां तक पहुंच नहीं पाया-



कुछ ही देर बाद ध्रुव, वापस कक्षा में खड़ा हुआ था—

देखा, सूर्य! अब तेरी बातों में आकर मैंने इस अंधे को मार दिया होता, तो पुलिस के हमले से इस कैसे बचते ?

अब मुझे डिस्टर्ब मत करना !...

... बाकी सारी सेटिंग्स तो हो चुकी है! अब सिर्फ गन की निशाने पर सेट करना बाकी है।

इस अंधे का क्या काम ?

रहने दो इसको यहीं पर। जनरल के सामने रहेगा तो ज्यादा अच्छा होगा।

वेसे भी ये अंधा हमारा कुछ बिगड़ाने तो सकता नहीं।

इसे उस आदमी के बारे में कुछ नहीं पता है।

आज मेरी जिनदगी की साध पूरी हो जायगी। गन के सेट होते ही निशाना फिक्स हो जायगा। और फिर बटन दबाने ही गन से एक लेसर किरण निकलकर अभी ताजी- ताजी धोड़ी गई सेटलाइट 'यन्त्रक्षेत्र' की तरफ बढ़ेगी...

... वहाँ पर वह उस खास 'रिफ्लेक्टर' से ठकरायेगी, जो मैंने डॉक्टर श्रीवास्तव को उस सेटलाइट में फिट करने के लिए भेजा था। वह यंत्र लेसर किरण को सोरबने और उसे उसके निशाने पर परावर्तित करने में लगानेवा लै सेकंड का समय लेगा...

... और उसके बाद... वह लेसर किरण-यंत्र पहुँची अपने लक्ष्य को नष्ट करने के लिए। और वह लक्ष्य होगा... संसद भवन।



और ध्रुव कमरे में अकेला रह गया-

वह स्क्रीन के लिये
चुपचाप खड़ा रहा-

और फिर उसकी उंगलियाँ तेजी से कंट्रोल पैनल पर फिसलने
लगीं-



दूसरी तरफ- उस रहस्यमय आकृति को सुपर मोबा और
बाल्डी दो तरफ से घेर रहे थे -



मुझे किसी के पैरों की
आहट सुनाई दे रही है...

उधर से आ रहा है
वह ज़ैतान! अब नहीं बचेगा...



...वह... आहह!
बाल्डी! मूर्ख! तू
भी अंधा हो गया
है क्या?

ओह! वह तो
कहीं दिखावा ही
नहीं मास्टर!

जल्द करीबि फिपाहीवा!
चलो! सबसे पहले कंट्रोल
रूम में जाकर बाहर जाने
वाले सभी रास्ते को बन्द
करना पड़ेगा!...

... उसके बाद उसको
पूरी ऑब्जरवेटरी में धुँवेंगे!



बिजली की सी फुर्ती से दोलीं
कंदोल कक्ष में पहुंचे -

जहां पर वे भ्रुव को
घोड़कर गए थे -

अरे! अरे! तू कंदोल
पेगल से क्या धेंदुझाह
कर रहा है अंधे?



तुम्हारी कुछ गलतियों
की ठीक कर रहा हूँ,
सुपर लोबा!

तुम्हारी... तुम्हारी आंखें!
तुम्हारी आंखें ठीक कैसे
हो गईं?

मेरी आंखें खराब कब
हुई थीं सुपर लोबा?

जो कुछ तुम देख रहे थे, वह कमाल तो
इन 'स्पेशल कॉन्टैक्ट लेंसों' का था। जो मैंने
तभी बनवा लिए थे, जब तुमने पहली बार
'स्पेस टेलिग्राफ सेंटर' पर हमला किया था। अंधे
हूँ गॉर्डी की आंखें देखकर मैंने
दूबड़ वैसा ही इनको बनवाया था।



और जब मेरी आज्ञा के अनुरूप तुमने
मुझ पर अल्ट्रावायलेट किरणों से हमला किया,
तो मैंने अपनी आंखों की चपाने द्वारा, सुपचाप
कॉन्टैक्ट लेंसों को अपनी आंखों में सरका लिया था!



मैं चाहता तो तुमको वहीं पर
पकड़ सकता था। लेकिन मेरा मकसद
पहले तुम्हारे प्लान के बारे में जानना
था। और इसीलिए मैं अंधा बनकर
तुम्हारा बंधक बन गया, और यहाँ
पर आ गया।...

... यहाँ पर आकर मुझे पता
चला कि तुमने डॉक्टर श्रीवास्तव
की पत्नी और बेटे को भी बंधक
बनवा रखा है। सबसे पहले मैंने
उनको छुड़वाया।

तुमने? यानी...
यानी वह तुम्हारा
आदमी था!

था नहीं... हे लोबा! मैं
सारी तैयारी करके आया था। और
मेरे साथ आया था...





विध्वंसक लेसर किरण की औबजरवेटरी तक
पहुंचने में-

स्वतन्त्र हो गई तुम्हारी
महत्वाकांक्षी योजना
सुपर जीवा...

...लेकिन मुझे यह समझ में नहीं आया कि तुम इस औद्योगिक वेदरी तक पहुंचे कैसे? यह तो नास्तेदमन का एक गुप्त अड्डा था!

नास्त्रेदमस और मैं जेल की
स्क्री की ठोड़ी में बंद थे। मैं घुटने
वाला था। उसी ने मुझे स्पेस ट्रेनिंग
सेंटर का साग नक्शा और वहाँ तय
लेसर बेल्टर के बारे में बताया।

उसने सुने इस आँख के दर्द का भी पता बतलाया। इस क्षण पर कि मैं उसे जेल से छुड़ा लूँगा। पर उसको छुड़ाने के पहले अब मैं खुद ही वहाँ पहुँच जाऊँगा!

और जेल की सड़क
अंधरी कोठरी में,
नास्त्रेदमस का खूब
खोल रहा था—

सुपर जोवा मुझे
धीरे-धीरे दे गया। उसने मुझे
नहीं छुड़ाया। पर अब
मुझे उसकी जरूरत
नहीं है।...

... क्योंकि अब
वास्तविकता खुद
ही यहाँ से आजाद
ही सकता है! ...

... और उसके बाद
मैं लुंवा अपना
बदला !



षड्यंत्र

सुपर कमांडो ध्रुव

एक ट्रेडिंग
कार्ड मुफ्त



आज से लगभग दो साल पहले- हिमालय की तराई के एक छोटे से गांव के करीब रात का अंधेरा कुछ पलों के लिए दिन के उजाले में बदल गया। आग की लपटों में घिरी चमकती हुई कोई चीज जमीन की तरफ भीषण गति से गिर रही थी-



कुछ ही पलों बाद एक जोरदार धमाका हुआ। वह उल्का जैसी वस्तु, जमीन का सीना चीरती हुई, अंदर समा गई-



और जब गांव वाले घटनास्थल पर पहुंचे, तो जमीन तो आश्चर्यजनक रूप से गर्म थी-

लेकिन किसी गड़बड़े का कोई नामोनिशान नहीं था। जमीन वापस समतल हो गई थी-



गांव वाले इस आश्चर्यजनक घटना से इतने भयभीत हो गए कि उन्होंने वह जगह ही छोड़ दी। गांव वीरान हो गया-

लेकिन उस वक्त यह किसी को भी आभास नहीं था, कि दो साल बाद जमीन में धंसी वस्तु एक बार फिर उभरेगी और टकराएगी ध्रुव से। जब ध्रुव के खिलाफ रचा जाएगा एक कुटिल ...

षड्यंत्र

कथा एवं चित्र: अनुपम सिन्हा
 इंकिंग: विनोद कुमार, विठ्ठल कांबले
 सुलेख एवं रंग: सुनील पाण्डेय
 सम्पादक: मनीष गुप्ता

इस घटयंत्र की शुरुआत तब हुई थी जब भारत के टॉप वैज्ञानिकों डॉक्टर साहू और डॉक्टर वेंकटराज ने ध्रुव का, मंगल ग्रह पर जाने वाले पहले अंतरिक्ष यात्री के रूप में चयन किया था-

ध्रुव की ट्रेनिंग की शुरुआत में तो सब कुछ ठीक-ठाक चलता रहा, लेकिन समस्याएं तब से शुरू हुईं-



जब नारका जेल से छूटे एक सुपर-विलेन सुपर नोवा ने, स्पेस ट्रेनिंग सेंटर में रखे 'लेसर वेल्डर' को चुरा लिया, और उसकी मदद से एक 'लेसर तोप' बनाकर, उसका निशाना संसद भवन पर तान दिया-

लेकिन सिर्फ कुछ ही देर के लिए। ध्रुव ने अंधा होने का नाटक, सुपर नोवा की स्कीम को गहराई से जानने के लिए किया था-

ध्रुव की इस चाल ने सुपर नोवा की योजना की धजियां उड़ाकर रख दीं और उसे जेल हो गई-



लेकिन इस घटनाक्रम की खबर, नारका जेल में बंद नास्त्रेदमस को नहीं थी। दरअसल अपनी योजना की सफलता के लिए सुपर नोवा ने नास्त्रेदमस की अंतरिक्ष वैद्यशाला का इस्तेमाल किया था-

जिसका पता नास्त्रेदमस ने सुपर नोवा की इस झूट पर बताया था कि सुपर नोवा उसको नारका जेल से छुड़वा लेगा-



ध्रुव सुपर नोवा से टकराया तो जरूर, पर सुपर नोवा के हाथों, आंखों की रीझानी गंवा बैठा-

उसने ठान ली कि अब वह बगैर सुपर नोवा की मदद के ही जेल से फरार हो जाएगा-

और सबसे पहले सुपर नोवा की धोखेबाजी की सजा देगा। और उसके लिए उसे जाना होगा... राजनगर-

राजनगर- जिसका अपराध जगत यानी अंडरवर्ल्ड कभी भय से कांपता और थरथरता रहता था-

आज उसमें खुशी की लहर दौड़ रही है-



ये जाम,
हमारी कामयाबी
के नाम।

चियर्स!

कामयाबी तो अब मिलकर ही रहेगी,
केड़ी! क्योंकि जिस व्यक्ति ने हमारी
सारी गतिविधियों को लगभग बन्द कर
दिया था, अब वही राजनगर से
दूर जा रहा है।

सिर्फ राजनगर से दूर नहीं
चचेरे! इस पृथ्वी से भी दूर जा
रहा है। अन्तरिक्ष में जा रहा है।

भगवान करे, वह
अंतरिक्ष में ही घूमता
रह जाए। वापस ही न
आ पाए।

आमीन! ★



वैसे भी अगर वह वापस आया भी तो
कम से कम दस दिन बाद ही आएगा।
और इन दस दिनों में तो हम राजनगर की
मोजे की तरह पलटकर रख देंगे।

भगवान करे, हमारी ये
मुसीबत हमेशा के लिए
दूर ही जाए!

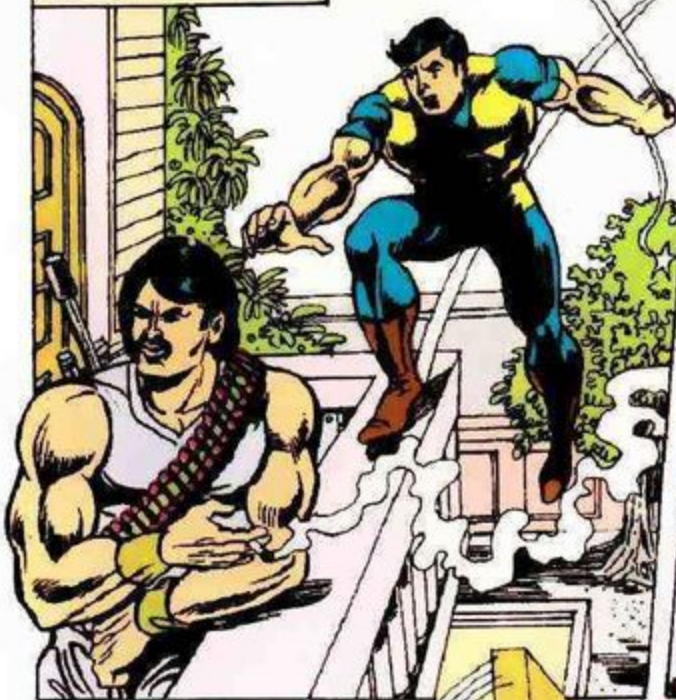
रुक और जाम, हमारे दुश्मन
सुपर कमांडो ध्रुव की मौत के
नाम!

केड़ी और चचेरे की दुआ
सही होने के बजाय फिलहाल
उल्टा असर दिख रही थी-



★ आमीन = 'ऐसा ही हो'

क्योंकि 'ध्रुव' नाम की सुसीबत उनसे दूर जाने के बजाय उनके पास आ रही थी-



पास...



...और पास-



और फिर- सामने-

सुपर कमांडो ध्रुव यहां पर!



तड़क

कितनी बार कहा है केशी कि रात-बिरात शैतान की बातें मत किया कर। याद किया और हाजिर हो गया शैतान!

घबरा मत चधरे! इसके पास हमारे खिलाफ कोई सबूत नहीं है। यह हमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकता!



सच है केशी! फिलहाल मेरे पास तुम्हारे खिलाफ सबूत नहीं है...

लेकिन मैं जानता हूं कि बाकी के मरने के बाद तुम राजनगर के सबसे बड़े माफिया डॉन बन गए हो। और इसीलिए मैं तुम्हारे पास आया हूं! ☆



ओह! यानी तुमकी भी केशी की मदद की जरूरत पड़ ही गई। बोलो!

मैं अगले कुछ दिनों तक राजनगर में नहीं रहूंगा। और अगर उन दिनों में या रातों में राजनगर में कोई भी अपराध हुआ, किसी की चैन तक रबीची गई तो मैं पुलिस के पास नहीं, तुम्हारे पास आऊंगा। क्योंकि राजनगर का हर घीटा-बड़ा लफंगा, आजकल तुम्हारे इशारों पर ही नाचता है।...

... और अगर ऐसा हुआ तो मैं न तो तुमको पुलिस स्टेशन ले जाऊंगा, और न ही अदालत...

... सारा मामला यहीं पर निबटा दूंगा।



उम्मीद है कि तुमसे दुबारा मुलाकात की जरूरत नहीं पड़ेगी।

लेकिन ध्रुव यह नहीं जानता था कि राजनगर में एक ऐसा अपराधी आने वाला है, जिस पर के सी का जोर चलने वाला नहीं था-

यह बिन बुलाया मेहमान आने वाला था, नारका जेल से-

और उसका नाम था- नास्त्रेदमस-



नारका जेल के इन मूर्ख गार्डों को इनका भविष्य बता- बताकर मैंने इनकी यह कंप्यूटर लगाने की राजी कर लिया है। ये समझते हैं कि इस पर मैं इनका कंप्यूटराइज्ड भविष्य बताऊंगा...

... लेकिन इस कंप्यूटर से मुझे कुछ और ही काम है।...

... अब मुझे इंतजार है उन रत्नों का, जो अब मेरे पास...



नास्त्रेदमस की सम्पत्तिफायर बनाने में लगभग तीन घंटे का समय लगा-

काम पूरा हो गया। इस कंप्यूटर ने और किसी का भविष्य चाहे न बनाया हो, लेकिन मेरा तो बना दिया।

अब नास्त्रेदमस की आजाद होने से कोई नहीं रोक सकता।



सबसे पहले बुध ग्रह की गर्म सतह की गर्मी से इन सतारवों को पिघलाया जाए...



आ गए। और मेरे पास सिर्फ एक ही ... मंगल और वृहस्पति ग्रह के बीच घूम रही 'सर्पटॉयड बेल्ट' की चट्टानों के टुकड़े हैं...

... और फिर... ओह! ... सतारवों के पिघलते ही अलार्म बज उठा। बुरा हुआ।

वो रहा!



मैं किसी का नुकसान करना नहीं चाहता था... लेकिन अब तो मजबूरी है। गोंड आते ही होंगे।

चट्टानों के वारों ने गार्डों को वहीं पर रोक दिया-

लेकिन नारका जेल की सुरक्षा- व्यवस्था बहुत मजबूत थी-



मेरे पीछे
से भी गॉर्ड आ रहे
हैं। जल्दी ही ये ठालियारा
गॉर्डों से भर जाएगा। मैं
बिना वजह इनको नुकसान
पहुंचाना नहीं चाहता।



इसलिए मैं खुद
ही यहां से गायब होने
का इंतजाम करता
हूँ।...

... हाक चह के
घने बादलों की
मदद से।

और फिर गाढ़े बादलों ने कॉरीडोर की
पूरी तरह से घेर लिया-

हाथ की हाथ सुकाई देना भी बन्द
ही गया-



और बादल घंटने से पहले ही-

नास्त्रेदमस नारका जेल से
बाहर निकल चुका था-

बुधग्रह की ठंडी सतह
से आती किरणों की मदद से
मैं हवा में मौजूद जल कणों को
जमाते हुए अपने लिए भागने
का रास्ता तैयार कर सकता
हूँ।...

... अब मैं सीधा
राजनगर जाकर ही
रुकूंगा! और सबसे
पहले सुपर बोबा को
सजा दूंगा, उसकी
धोरे बाजी की।...



नास्त्रेदमस का शरीर घने
बादलों के बीच में घिरने लगा-

... और फिर निबंदंगा उस दुष्ट
डॉक्टर साहा से।...

... जिसकी वजह से मुझे
नारका जेल की सैर करनी पड़ी।

नास्त्रेदमस के भागने की खबर के फैलने में अभी काफी समय था। क्योंकि बगैर नास्त्रेदमस की पकड़ने का प्रयास किए, नारका जेल वाले ये बात प्रेस वालों को बताने वाले नहीं थे-



इसीलिए ध्रुव इस खबर से अंजान था-



कमाल है! रिचा के फ्लैट में अब तक ताला बन्द है...
...लगभग एक महीना हो गया। उसकी बिता बताए बाहर गए हुए...
...अब तक तो उसकी वापस आ जाना चाहिए था। ★

समय भी क्या कमाल की चीज है। कल तक मेरी जिन्दगी में दो लड़कियां थीं। नताशा और रिचा। और आज दोनों ही मुझसे दूर जा चुकी हैं। नताशा अपराध की दुनिया में है और रिचा न जाने कहाँ पर है।...



ध्रुव का ध्यान जल्दी ही रिचा और नताशा से हटकर कहीं और जाने वाला था-

क्योंकि नास्त्रेदमस अपना ध्यान राजनगर पर केन्द्रित कर रहा था-

(ओह! मेरे यहाँ पर आने से पहले ही सुपर लीवा, ध्रुव से पिटकर जेल पहुँच चुका है। और... और ये क्या? ध्रुव मंगल ग्रह पर जा रहा है। और इस प्रोजेक्ट का डायरेक्टर, डॉक्टर साहा है।...



... वह कमीना डॉक्टर साहा तो कोई सही काम कर ही नहीं सकता। जरूर कहीं पर कोई गड़बड़ है। मुझे इस प्रोजेक्ट के बारे में ध्यान-बीन करनी पड़ेगी...



... शायद इसी ध्यान-बीन के जरिए मुझे उस कमीने से बदला लेने का मौका मिल जाए।

★ रिचा ही ब्लैक कैट है, जो 'राजनगर की लबाड़ी' में नागराज की विष फुंकार से बेहोश हो गई थी। तब से किसी को भी उसका पता नहीं मिला है।

नास्रेदमस की 'स्पेस कंट्रोल सेंटर' के गोदाम तक पहुंचने में कोई खास दिक्कत नहीं हुई-

इस 'सिक््योरिटी गार्ड' की यूनिफॉर्म मुझे गोदाम के अन्दर तक पहुंचा देगी।...

... और जब तक यह होना में आया तब तक मैं अपना काम करके यहां से निकल चुका होंगा।

और फिर गोदाम में-

अच्छा! तो ये है रॉकेट के पुर्जों का गोदाम! यानी कम से कम रॉकेट तो बनाया जा रहा है। अब कहीं और...

प्र ये क्या?

ये रॉकेट के 'क्रायोजेनिक इंजन' में लगाने वाले 'आइसोटोप प्रोपेलर' का कंटेनर है। लेकिन यह क्या चक्कर है? इतने छोटे कंटेनर में तो 'आइसोटोप प्रोपेलर' समा ही नहीं सकता। यानी कुछ गड़बड़ जरूर है।

मैं भी सरकारी कर्मचारी रह चुका हूं। और छोटे कंटेनर में बड़ा माल मंगाने का मतलब अच्छी तरह से जानता हूं। ☆

जरा चेक करके देखा जाए कि अगला माल कब और कैसे आ रहा है। उसी से सारा मामला साफ हो जाएगा।

यह रहा। अगला माल कल ही आ रहा है।

राजनगर बंदरगाह पर 'जिवागी' नाम के मालवाहक जहाज पर!



अगले दिन - राजनगर के व्यावसायिक बन्दरगाह पर -



माल उतारने की प्रक्रिया की, कैप्टन के अलावा कोई और भी ध्यान से निगरानी कर रहा था-



... क्योंकि वह कुली जिस आसानी से उस कंटेनर को उठा रहा है।...



... उसे देखकर साफ पता लगता है...

... कि ये कंटेनर...

... खाली है।

ये! कौन हो तुम?

वह गुमनाम फोन कॉल एकदम सही थी। ये सारे के सारे कंटेनर खाली हैं।



ये मिस्टर! मैंने पूछा कौन हो तुम?

यह तो तुमकी पता चल ही जायगा कि मैं कौन हूँ ! लेकिन पहले ये बताओ कि इन कंटेनरों में भरे रॉकेट के पुर्जे कहाँ गए ?

इससे तुम्हारा कोई मतलब नहीं है ! ये सरकारी मामला है ! इसमें अगर तुम अपनी टांग अड़ाओगे, तो, तुम्हारी टांग तोड़ दी जायगी !

तो फिर तुम्हारी गर्दन को तोड़ना, ज्यादा ठीक रहेगा !...

... इसकी गर्दन को तोड़कर इसकी लाश को पानी में फेंक दो !



तुम जैसे लोगों के मामले में टांग अड़ाना तो मेरी पुरानी आदत है।



कैप्टन का आदेश पाते ही, मनो माल उठा लेने वाले मजदूर ध्रुव की तरफ लपके -

और ध्रुव कासिर, लोहे जैसी मजबूत भुजाओं के शिकंजे में कस गया -



इस शिकंजे से अपनी गर्दन को छुड़ा पाना असंभव काम लगता है !...

... अब रुक ही रास्ता है ! यह जैसे ही मेरी गर्दन को तोड़ने के लिए, मेरे सिर को घुमायगा...

... मैं उसी पल अपने शरीर को भी उसी दिशा में घुमाऊंगा...



... और फिर ये बेहोश हो जायगा...

... और मैं आजाद !

ध्रुव के आजाद होते ही बाकी दो कुली
भी ध्रुव की तरफ लपके -

धड़क

लेकिन आशा के
अनुरूप ही -

धम्मम

तड़क

लड़ाई एक मिनट से ज्यादा नहीं चली -

लेकिन मुसीबतें अभी
रखत नहीं हुई थीं—

तेरी किस्मत में शायद गोली
रखाकर ही मरना लिखा है। और तुम्हें
गोली मारने से मेरा कुछ बिगड़ेगा
भी नहीं।...

वैसे तो गोलियों से मुझे
कोई परेशानी नहीं होती
है... लेकिन फिलहाल
मैं तुम्हें ट्रिगर दबाने
की परेशानी से बचना
चाहता हूँ।

॥०॥५७॥

ध्रुव के गोल होंठों से एक रास धुन की सीटी निकली—

और कैप्टन के हाथों से पिस्तौल छूटकर दूर जा गिरा—

... क्योंकि इस वक्त तू एक
चोर है, जो मेरे जहाज पर बिना
इजाजत के घुस आया है।

लेकिन इससे पहले कि ध्रुव का मुक्का, कैप्टन से पूछताछ कर
सकता—

ध्रुव!
रुक जाओ!

एक आवाज ने उसके हाथ की बीच में ही रोक दिया—

तुम शायद खाली कंटेनरों
को देखकर उत्तेजित हो गए
हो। लेकिन ये कंटेनर खाली
ही आने थे।

तुम तुरन्त डॉक्टर साहब या
डॉक्टर वेंकटराजू से बात कर लो।
वे तुम्हारी सारी गलतफहमियों
को दूर कर देंगे।

ध्रुव को तो उसके सबलों के जवाब, डॉक्टर साहब से मिल ही जाने वाले थे—

लेकिन कहीं और पर- सवाल ही सवाल थे,
लेकिन जवाब कहीं नहीं मिल रहे थे-

हमको पृथ्वी पर इस ग्रह के
अनुसार दो साल बीत चुके हैं, टार !
लेकिन अब तक न तो हमको दुंदने
के लिए कोई आया, और न ही हम
अपने ग्रह तक मदद के लिए सिग्नल
भेजने में सफल हो पाए हैं।

हिम्मत रखो
नाडारा ! हम
रवोजी हैं, और
हमारा इतने समय
तक गायब रहना
स्वाभाविक बात है।

थोड़े समय बाद
वे हमको दुंदने के
लिए जरूर निकलेंगे।

जी करना है, जल्दी करो टार !

कुछ दिनों पहले तक ये इलाका वीरान
था, लेकिन अब यहां पर काफी
चहल-पहल हो गई है !...

...वे यहां पर कोई मशीनी
ढांचा रकड़ा कर रहे हैं।

वैसे भी, मैं
इस 'सिग्नल-चंन्न' को
और शक्तिशाली बनाने
की कोशिश कर रहा हूं।

अब तक इस ग्रह के
चारों तरफ बनी ओजोन गैस
की पर्त हमारे सिग्नलों को
रोक रही है। सिग्नल बाहर
नहीं जा पा रहे हैं।

उसे तो मैंने भी देखा था। पर
वह मशीनी ढांचा है किस चीज का ?

वह मशीनी ढांचा था...

... उस 'रॉकेट' का, जिसे डॉक्टर वेंकटराजू और डॉक्टर साहा संग्रह गढ़ भेजने जा रहे थे-

लेकिन इस वक्त दोनों का ही ध्यान, रॉकेट में नहीं था-

अमी-अमी मेरे पर्सनल सेक्रेटरी बंसल का फोन आया था मेरे पास। बड़ी गड़बड़ हो गई है। ध्रुव अमी न जाने कैसे 'जिवागो' शिप पर पहुंच गया और उसने उस पर आने वाले रवाली कंटेनर भी देख लिए।

क्या? वह शिप तक पहुंचा कैसे? और उसको यह खबर किसने दी कि कंटेनर रवाली आ रहे हैं?

पता नहीं! लेकिन अब शायद हमारी पोल खुलकर ही रहेगी। मैं ही गाथा था जो तुम्हारी स्क्रीम में शामिल हो गया।

घबराओ मत! ध्रुव की शक तो हो गया होगा, लेकिन मैं मामला संभाल लूंगा।

पर अब खतरा बढ़ गया है। तुमने ध्रुव को अंतरिक्ष यात्री बनाकर बहुत बड़ी गलती की है, वेंकटराजू! अब या तो ध्रुव की रास्ते से हटाना पड़ेगा और या फिर रॉकेट को ही ठिकाने लगाना होगा।

पर यह होगा कैसे? हम यह काम कैसे कर सकते हैं?

हम यह काम नहीं करेंगे वेंकट! लेकिन मेरी जान-पहचान एक ऐसे आदमी से है, जो एक ऐसे कातिल का इंतजाम कर देगा, जो ध्रुव की रास्ते से हटा सके!

वह है, राजनगर का माफिया डॉन...
... केडी!

कौन है वह आदमी?

डॉक्टर साहा ने केशी से संपर्क करने में ज्यादा वक़्त नहीं लगाया-

तुम्हें ध्रुव को ख़त्म करने के लिए आदमी चाहिए, साहा ? वाह... वाह ! तुने तो मेरे मुँह की बात छीन ली।



मैं एक ऐसी अंतर्राष्ट्रीय किलर रिंग को जानता हूँ, जो ऐसे हत्यारे सफ़ाई कर सकते हैं।...

...लेकिन उनके रेट बहुत ज्यादा हैं। वरना मैं ही किसी हत्यारे को बुलवाकर ध्रुव को ख़त्म करवा देता।

पैसों की तुम चिन्ता मत करो! सबसे अच्छे हत्यारे को बुलवाओ, केशी!

लेकिन अगर वह ध्रुव को नहीं मार पाया तो?



अब इसकी गारंटी तो कोई नहीं ले सकता, साहा!

ठीक है! तुम हत्यारे को बुलाओ! पहले वह ध्रुव को मारने की कोशिश करेगा। और असफल रहने की स्थिति में वह मंगल ग्रह जाने वाले रॉकेट को नष्ट कर देगा।

रॉकेट को नष्ट?... ऐसा क्यों?

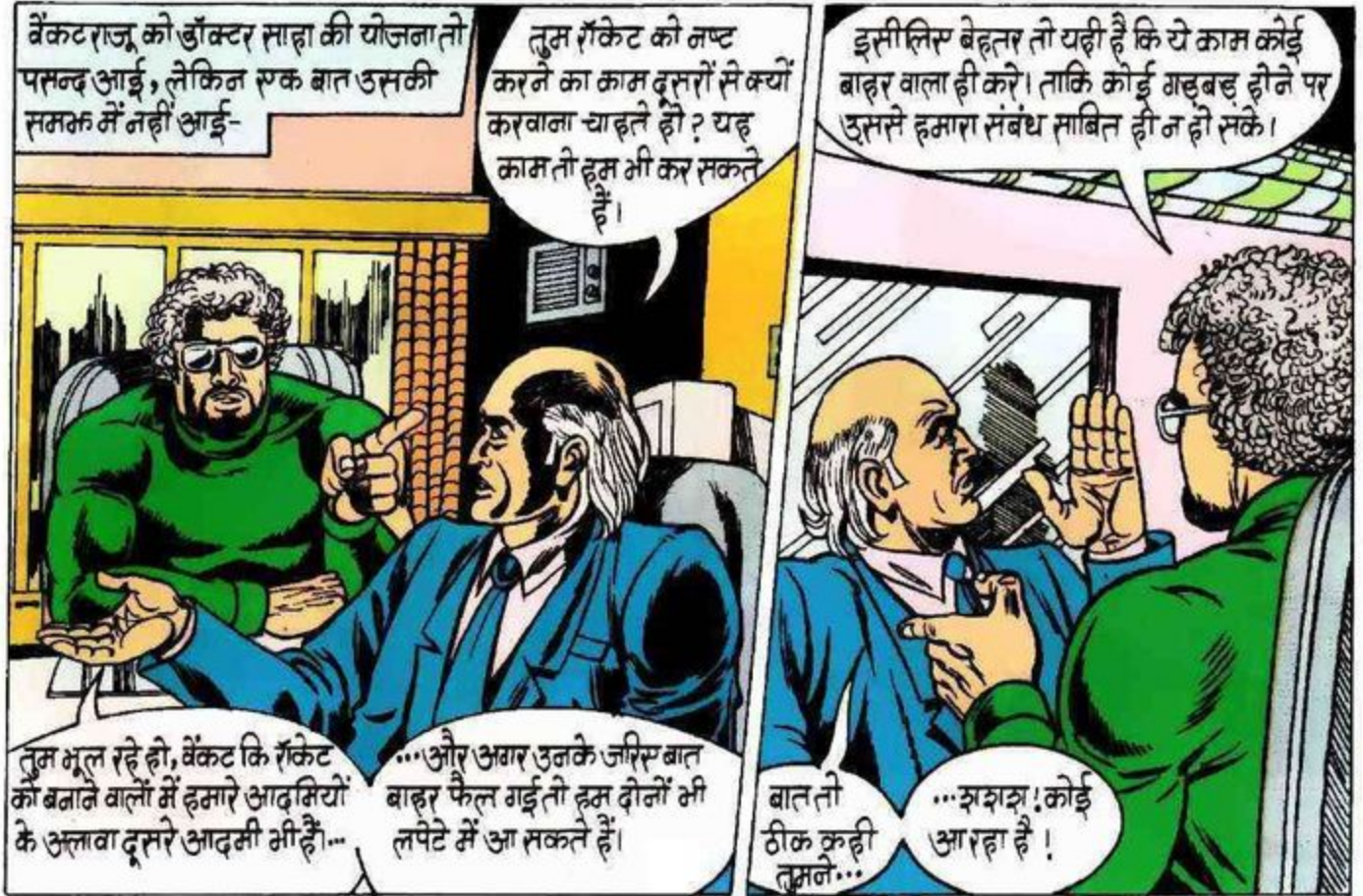
बात तो सही है तुम्हारी! तो फिर सौदा पक्का।



तुम आम खाओ, केशी! आम के अन्वर की गुठली में क्या है, यह सोचकर दिमाग क्यों खराब करते हो?



पक्का... तुम्हारे कमीशन की रकम काम होते ही तुम तक पहुँचा दी जाएगी।



इनमें से दो रूटों पर तो खाली कंटेनर भेजे जाते हैं, और सिर्फ एक रूट पर सामान आता है। इसका पता या तो हमको होता है, और या फिर जहाज के कैप्टन को।...

... इस 'जिवागी' शिप में तो खाली कंटेनर ही आने थे। माल तो हमारे पास पहले ही पहुंच चुका है।

क्या सोचने लगा गए? अब सोचना छोड़ो, और रॉकेट साइट पर चलने की तैयारी करो!

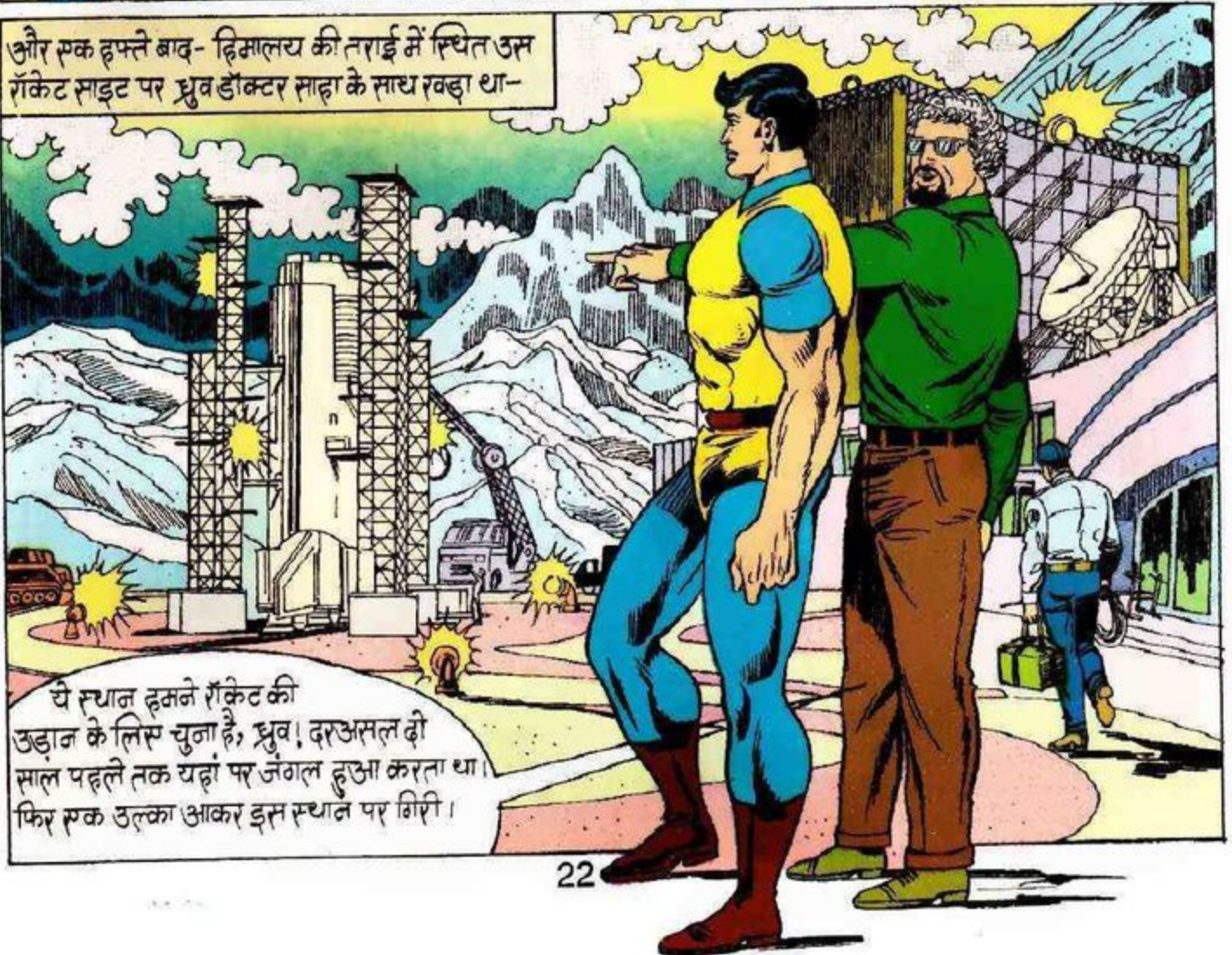
अब तुम्हारा ऊपर जाने का समय आ गया है, ध्रुव!



ओह! ध्रुव को शक तो हुआ, लेकिन फिर भी वह खामीश रह गया-



और एक हफ्ते बाद- हिमालय की तराई में स्थित उस रॉकेट साइट पर ध्रुव डॉक्टर साहू के साथ खड़ा था-



ये स्थान हमने रॉकेट की उड़ान के लिए चुना है, ध्रुव! दरअसल दो साल पहले तक यहां पर जंगल हुआ करता था। फिर एक उल्का आकर इस स्थान पर गिरी।

अजीबो-गरीब उल्का थी वह! उसके टकराने से इस पूरे इलाके का जंगल जलकर राख हो गया, लेकिन जमीन में एक गड्ढा तक दिरवाई नहीं दिया...

लेकिन यहां पर अंतरिक्ष से सीधी उल्का आकर गिरने से हमकी ये विश्वास हो गया कि अगर इस स्थान से रॉकेट को छोड़ा जाए तो उसका उड़ान-पथ निश्चित करने में आसानी होगी।

इसीलिए हमने इस स्थान को रॉकेट छोड़ने के लिए चुना है।



...और तो और, उस उल्का का भी कहीं शायद टकराने के घमाके ने कोई पता नहीं चला! उसकी पूरी तरह से नष्ट कर दिया था।



डॉक्टर साह्रा का ख्याल एकदम गलत था-

अंतरिक्ष से आकर गिरने वाली वह वस्तु उल्का नहीं थी-



बल्कि एक अंतरिक्ष यान था, जिसके धरती से टकराने पर गड्ढा हुआ तो जरूर था, लेकिन अपने शक्तिशाली 'संकशन पंपों' की मदद से उन अंतरिक्ष यात्रियों ने मिट्टी को वापस रबींचकर गड्ढे को भर दिया था, और भूमि को फिर से समतल कर दिया था-



डारा! 'पेरिस्कोप स्क्रीन' पर नजर आने वाले बाहर के इस दृश्य को देखो।

यह मशीनी ढांचा तो कोई रॉकेट लगता है टार!

वाह! यानी हमारे ठीक ऊपर बनने वाला मशीनी यंत्र एक रॉकेट है।



हां, नाहारा! लेकिन पहले इसकी जांच-पड़ताल करके यह देखना हीगा कि यह रॉकेट इस योग्य है या नहीं कि हमको अपने गृह तक ले जा सके।...

... मैं जाकर सब कुछ पता करके आता हूं।

जरा सावधानी से काम करना टार!



घबराओ मत! मैं अपनी कलाईयों पर ये 'डिस्प्लर' बांधकर जा रहा हूं। जो हमको अदृश्य कवच में तो रखता ही है, और जरूरत पड़ने पर कंपन तरंगों भी छोड़ सकता है।

हां! लेकिन इसकी जरूरत न ही पड़े तो अच्छा है। क्योंकि यह यंत्र एक बार में एक ही शक्ति का प्रयोग कर सकता है। या तो तुम अदृश्य रह सकते हो, और या फिर कंपन तरंगों छोड़ सकते हो।

चिन्ता मत करो, नाहारा!

क्लिक



कंपन तरंगों छोड़ने का मौका आसगा ही नहीं! क्योंकि इस अदृश्य रूप में मुझे कोई तभी देख सकता है, जब बहुत ज्यादा ध्यान से देखे।

और ऐसा कोई करेगा ही नहीं। मैं अभी आता हूं।



लेकिन नाहारा का दिल अभी भी आशंका से कंप रहा था—

हमारा यान इतना क्षतिग्रस्त हो गया है कि अब यह उड़ नहीं सकता। लेकिन गृह देवता की कृपा से इसके बाकी सिस्टम सही तरीके से काम कर रहे हैं। तभी हम इतने दिनों तक जिन्दा रह सके।...



... लेकिन अब हमारा क्षिपे रह पाना बहुत मुश्किल लगता है। गृह देवता करें यह रॉकेट हमारे काम के लिए उपयुक्त हो, और हम वापस अपने घर जा सकें। मदद करो गृह देवता।

टार तो सांतवना देकर चला गया—



... स्विडकी का शीशा तोड़ता हुआ...



... बिल्डिंग के अन्दर जानकारी लेने के लिए घुसने जा रहे...

... टार के सामने आ गिरा-



चीरव की आवाज सुनकर कई लोग घटनास्थल की तरफ भागे-

ध्रुव भी इनमें से एक था-

क्या हुआ? अरे, ये तो बंसल है। डॉक्टर वेंकटराजू का पर्सनल सेक्रेटरी!

पता नहीं क्या हुआ। मैंने तो इसे जमीन पर तड़पता हुआ देखा!



कांच के टुकड़े देखने से तो लगता है कि ये ऊपर से गिरा...

... अरे! यह क्या है?



ध्रुव की तेज निगाहों से टार की शीशी जैसी पारदर्शी आकृति बच नहीं सकी-

लेकिन अब तक ध्रुव, टार की आकृति की तरफ लपक चुका था-

ओह! इस मानव ने मुझे देरव लिया है। कमाल की नजर है इसकी। अब मुझे यहाँ से भागना पड़ेगा।

सोचने में मूर्खता लगती है। लेकिन मुझे चेक करके देखना होगा कि यह सचमुच है या मेरी नजरों का वहम।

क्योंकि अगर यह असली है तो इसका संबंध बंसल की हत्या से हो सकता है।

अगले ही पल ध्रुव की पता चल गया कि उसकी आंखें ठीक हैं-

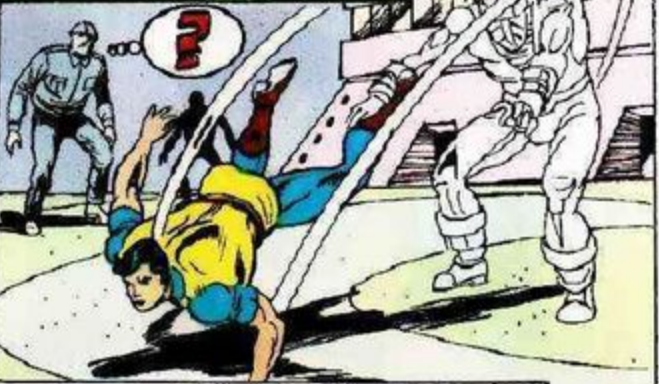
आऊ!... आश्चर्यजनक! ये तो कोई आदमी लग रहा है। अदृश्य रूप में!...

और अगर यह कोई आदमी है, तो बंसल की हत्या से इसका संबंध जरूर है। यह हत्यारा भी हो सकता है।...

तड़क

... और सुपर कमांडो ध्रुव से बचकर कोई भी हत्यारा भाग नहीं सकता!

लेकिन सिर्फ एक पल के लिए-



क्योंकि अगले ही पल टार के शक्तिशाली हाथों ने ध्रुव को उछालकर दूर फेंक दिया-

ध्रुव ने उस अदृश्य आकृति की गर्दन को कस लिया-

और ध्रुव के साथ-साथ कई दूसरे लोग भी आश्चर्यचकित हो गए-



यह क्या हो रहा है?
ध्रुव अपने-आप हवा में
उछलकर गिर कैसे
पड़ा या?

कारण, सिर्फ ध्रुव समझ रहा था-

कुछ गड़बड़ है। इस आकृति ने
मुझे जिस आसानी से उठाकर फेंक
दिया, उसे देखकर तो लगता है कि
यह आदमी नहीं, वनमानुष है...



... मामला उतना आसान नहीं है
जितना मैं समझ रहा था...



... मैं इसको भागने नहीं
दे सकता... ओह!
यह तो मुझे ही घसीटता
हुआ ले जा रहा है!

गजब की ताकत
है इसमें...

... लेकिन मैं
इसका पीछा नहीं छोड़ूंगा।
यह पढ़ाई की तरफ जा
रहा है।...



... मुझे 'स्टारलाइन' की
छोड़ना ही होगा।...



... यह अगर एक बार नजरों
से ओझल हो गया तो इन चट्टानों के
बीच से मैं इसकी कभी ढूँढ नहीं पाऊँगा...

टार थोड़ा चिन्तित हो उठा-

ये मानव तो मेरे पीछे ही पड़ गया है। दरअसल इसकी नजरें मेरी आकृति पर जम चुकी हैं। एक बार अगर मैं इसकी नजरों से ओझल हो गया तो फिर यह मुझे नहीं ढूँढ़ पाएगा...

... और तब मैं आराम से अपने गुप्त द्वार से चान तक जा सकूँगा।

मैं इसको मारना नहीं चाहता। (विकृत सिर्फ यही है इसीलिए इस पर सिर्फ इसका ध्यान बंटाने लायक वार ही करूँगा।)

कि वह वार करने के लिए मुझे अदृश्य रूप कुछ पलों के लिए त्यागना होगा।

कलाई पर बंधे 'डिस्पेंसर' का बटन दबाते ही टार का अदृश्य कवच हट गया-

हे भगवान! ये ती किसी दूसरे ग्रह का प्राणी लग रहा है।

यह उस चट्टान की धूर रहा है। चट्टान धरधरा रही है। यह जरूर अपने हाथों से 'शॉकवेव' छोड़ रहा है। लेकिन चट्टान पर क्यों?

ओह! समझ गया। चट्टान के टुकड़े मुक पर गिर रहे हैं... ओफ!

कड़कड़ाहट की आवाज 'रॉकेट साइट' तक जा पहुंची-

ये ती चट्टान टूटने की आवाज थी!

ध्रुव उधर गया है।

'जिमी' उसे ढूँढ़ निकालेगा गो, जिमी!

हम पीछे-पीछे चलते हैं!

और पहाड़ों पर-

वह पृथ्वीवासी कहीं नजर नहीं आ रहा है। वह जरूर चट्टान के टुकड़ों के साथ ही नीचे लुढ़क गया होगा। और साथ ही साथ इतना घायल भी हो गया होगा कि मेरा पीछा न कर सके।

ध्रुव नीचे नहीं गिरा था-

टार एकदम गलत सीच रहा था-

चट्टानों के नीचे से निकली पेड़ की इन जड़ों ने मुझे गिरने से बचा लिया।...

... लेकिन इस प्राणी ... और जब की अभी तक इस बात तक इसकी का सहसास नहीं है।... अहसास होगा-

... तब तक देर हो चुकी होगी। मैं इस पर कायरों की तरह पीछे से हमला करना नहीं चाहता। पहले इसकी सावधान कर देता हूँ।

ये!

आवाज सुनकर वह पीछे घूमा-

और उसी पल ध्रुव का एक जोरदार वार उसके चेहरे पर आ पड़ा। इस जोरदार वार के पीछे, ध्रुव के पूरे बदन का वजन था-

और टार शारीरिक लड़ाई का आदी नहीं था-



उसका पूरा सिर कनकना उठा-

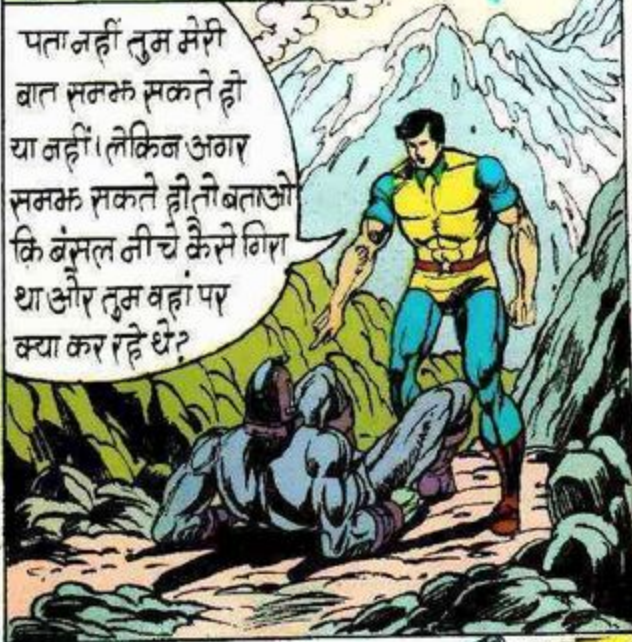
और उसके संभल पाने से पहले ही, ध्रुव ने उसकी कनकनाइट को दुगुना कर दिया-

कुछ समक पाने से पहले ही-



टार नीचे गिरा हुआ था। और ध्रुव उसके ऊपर रकड़ा था-

पता नहीं तुम मेरी बात समक सकते हो या नहीं। लेकिन अगर समक सकते हो तो बताओ कि बंसल नीचे कैसे गिरा था और तुम वहां पर क्या कर रहे थे?



और ध्रुव के पूरे शरीर में एक तेज धरधराहट दौड़ गई-

ध्रुव यहीं पर वह गलती कर गया, जो उसे नहीं करनी चाहिए थी-

वह टार के काफी नजदीक आ गया था। अगले ही पल टार ने लपक कर उसका पैर थाम लिया-

आ
ता
ह



और फिर- असहाय ध्रुव की आंखों के सामने ही टार फिर अदृश्य हो गया-

अब ये अदृश्य होकर भाग निकलेगा। और मैं इस हालत में इसका पीछा नहीं कर सकता। मुझे संभलने में कम से कम कुछ सेकंडों का वक्त तो लगेगा ही।...

... और तब तक ये मेरी... हो गया! अब मैं जंगलों से ओझल हो इसको कभी ढूंढ नहीं चुका होगा।... पाऊंगा।... अरे!

... भौं भौं... वाऊ...

ये भौंकने की आवाज कैसी है? कोई कुत्ता इधर ही आ रहा है।...

... अरे! यह तो सिक्योरिटी वालों का कुत्ता है, जो सूंघकर बसों तक की ढूंढ निकालता है।

बन गया काम! अगर तू बसों तक की ढूंढ सकता है तो उस परगढ़ी की भी सूंघकर ढूंढ निकाल सकता है!

वह अदृश्य तो हो सकता है, पर अपनी गंध की नहीं दबा सकता।

चलो, उसे ढूंढते हैं।

जिमी, ध्रुव की बात को समझते ही टार की महक सूंघते हुए, एक तरफ लपक गया-

टार अभी ज्यादा दूर नहीं गया था-

अब मैं इस जंगल के बीच में होते हुए आराम से अपने घान तक पहुंच... अरे! ये आवाज कैसी है?

भौं भौं

जब तक टार आवाज के स्रोत का पता लग पाता, आवाज निकालने वाला उस पर भपट चुका था-

भौंSSSS

वाह! मेरे दोस्त ने उस परगढ़ी को ढूंढ निकाला है। लेकिन इसे काबू में तो मुझे ही करना पड़ेगा।

यह मेरे सामने एक बार अदृश्य हुआ है, और एक बार अदृश्य रूप से सामने आया है। और दोनों ही बार इसने अपनी दाहिनी कलाई पर बंधे यंत्र का कोई बटन दबाया था।...

...इसकी काबू में करने के लिए उस यंत्र की गण्ट करना होगा।

मुझे इस पर सिर्फ एक बार करने का ही मौका मिल पाएगा।...

... इसलिए इसकी शीशे जैसी आकृति को जरा और स्पष्ट करना पड़ेगा।...

... और उसके लिए कीचड़ का ये गड़वा मेरी मदद कर सकता है।

तडाक दूट पाक

और टार का अदृश्य रूप जब कीचड़ के गड्ढे से उठकर खड़ा हुआ तो उस पर सने कीचड़ की वजह से वह साफ नजर आ रहा था-

अब तुम बचकर नहीं जा सकते। क्योंकि मैं तुमको दूसरा मौका नहीं दूंगा।



यह 'ध्रुव' नामक पृथ्वीवासी तो गजब का बुद्धिमान है। पर दुःख की बात तो यह है कि अब मुझे मजबूरन इसको खत्म करना पड़ेगा, अपनी कंपनी तरंगों से।...

... वरना यह मेरे लिए मुसीबत के पहाड़ खड़े कर देगा...



टार को दुःखी होने की जरूरत नहीं थी-

क्योंकि ध्रुव की मार पाना उसके बस के बाहर की बात थी-

ओह! इसने मेरे 'डिस्पेंसर' पर वार किया है। इसके अंदर के नाजुक पुर्जे जरूर नष्ट हो गए हैं। क्योंकि मेरा अदृश्य रूप खत्म हो रहा है।...

... और मैं कंपनी तरंगों भी नहीं छोड़ पा रहा हूं।...

... ऐसी स्थिति में यहां पर रुककर इस खतरनाक ध्रुव से मुकाबला करना मूर्खता है।

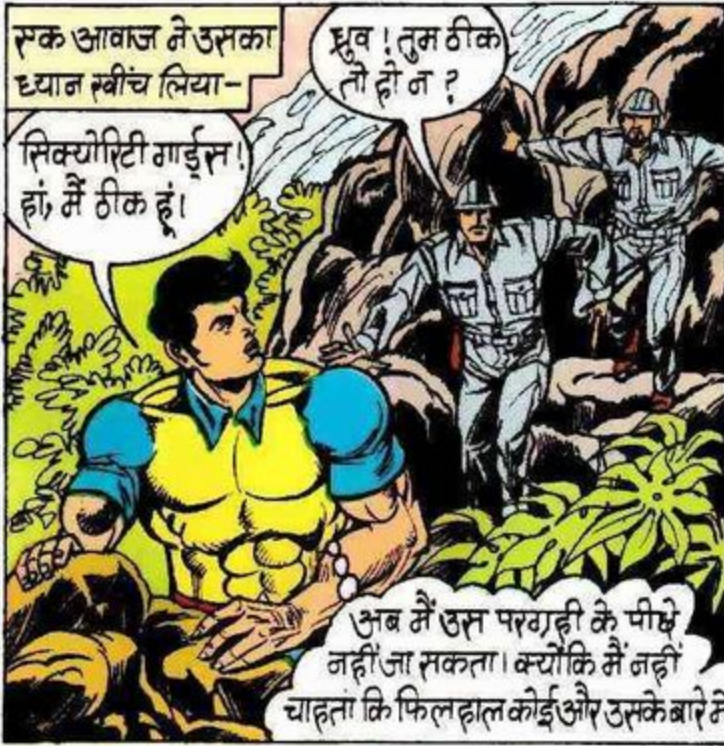
यहां से भागने का इंतजाम करना पड़ेगा।



और ध्रुव के देरवते-देरवते टार एक चट्टान पर से उफनती पहाड़ी नदी में कूद गया-

इससे पहले कि ध्रुव भी उसका पीछा करने के लिए नदी में कूद पाता...





तो फिर हम क्या करें, सर?

अब तुम लोठा कुछ नहीं करोगे! तुम अपनी सारी शक्ति आजमा चुके हो!...



...अब जो करना है, वह 'मोल' करेगा।

गोली की तरह धूटी, तेज धूमती द्रितें, गार्ड्स के शरीरों की धेदती निकल गई-



लेकिन टैंकर को रोकने वाला वह डारक्स 'मोल' अपनी सफलता पर हंस नहीं सका-

जीप की आवाज!

यानी कोई और आ रहा है! कहीं यह मेरा शिकार ही तो नहीं है?

आने वाला सचमुच शिकार ही था-

ओह! यह है कौन? अरे! यह जीप पर गोलियों की तरह कुछ छोड़ रहा है।



ओह! टायर पंकचर हो गया है!

जीप नियंत्रण से बाहर हो रही है!



जीप रवार्ड में गिर रही है!



कूदो!

ओह! कूदकर बच
गया! लेकिन 'मोल'
के पास और भी
हथियार हैं। जैसे मेरे
रॉकेट झूज!



दोनों सिविलियन गार्ड्स, अपने जख्मों को दूर करने से न बचा सके-



ओह! यह तो उड़ भी
सकता है! इसने अपने पैर में
रॉकेट बांध रखे हैं!

तु बहुत फुर्तीला है ध्रुव! तुने
मोल के रॉकेट झूज को भी
मारा दे दी।

लेकिन दुबारा
ऐसा नहीं होगा!

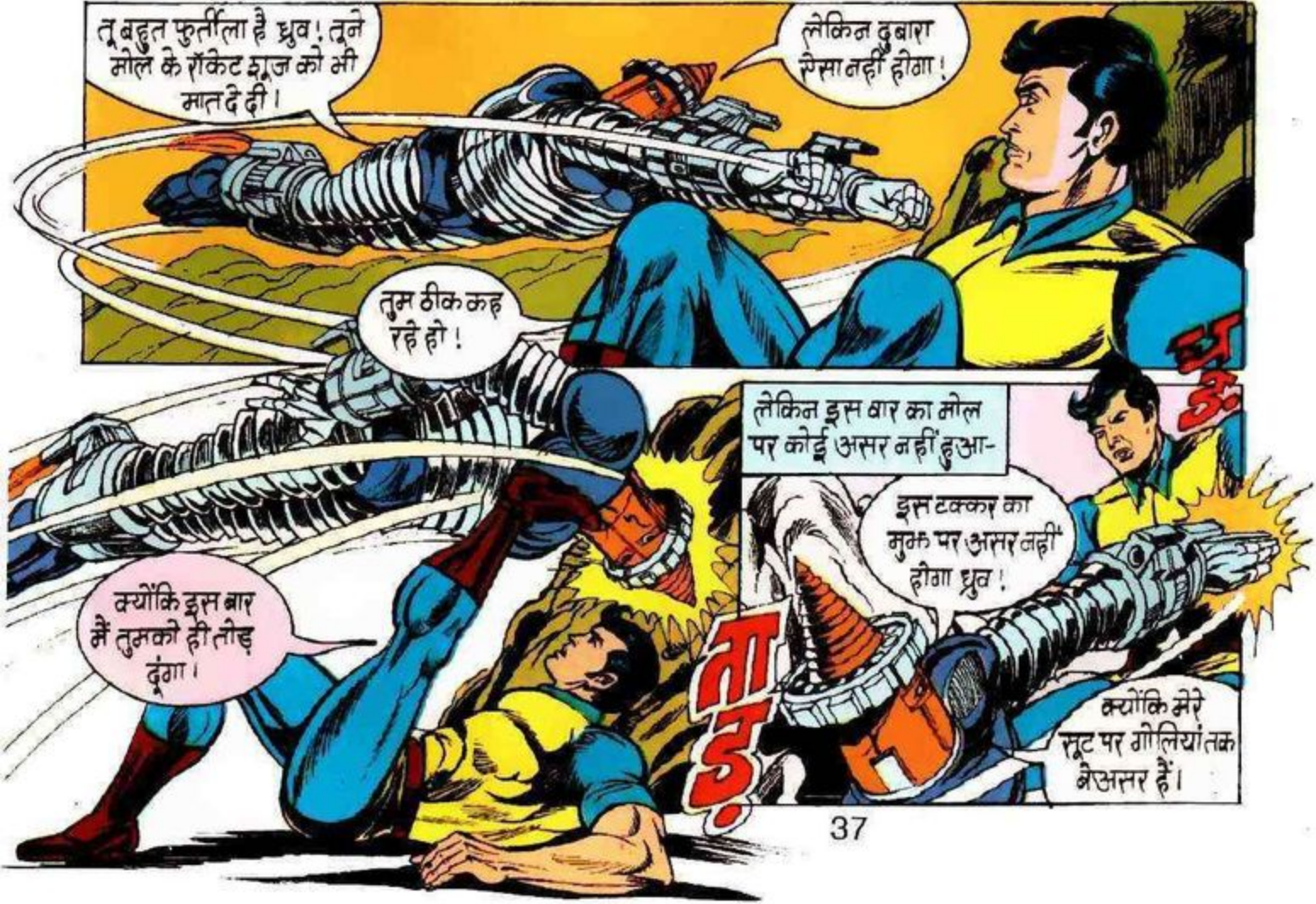
तुम ठीक कह
रहे हो!

लेकिन इस बार का मोल
पर कोई असर नहीं हुआ-

इस टक्कर का
मुक्त पर असर नहीं
होगा ध्रुव!

क्योंकि इस बार
मैं तुमको ही लोड़
दूंगा।

क्योंकि मेरे
सूट पर गोलियाँ तक
नहीं हैं।



स्टील दस्तानों का करारा वार खाकर ध्रुव नीचे आ गिरा-

अब मेरी 'डिल-गन' तेरा काम तमाम कर देगी ध्रुव!

और साथ ही साथ तुम्हें मारने का मेरा कांट्रेक्ट भी पूरा हो जाएगा।



मुझे मारने का ? यानी इसे सिर्फ मुझे मारने के लिए ही यहां पर भेजा गया है।...

... और मुझमें इतनी शक्ति नहीं बची है कि मैं इसकी डिलों की बौछार से बच सकूँ। क्योंकि अभी-अभी उस परगढ़ी से हुई मुठभेड़ ने मुझे काफी थका दिया है।...

... लेकिन फिर भी कोशिश करना मेरा काम है, और बचाना ऊपर वाले का।



ध्रुव, डिलों की बौछार से बचने के लिए एक तरफ लपका तो जरूर...

... लेकिन इसकी जरूरत नहीं थी-

क्योंकि डिलों की बौछार, ध्रुव तक पहुंच ही नहीं पाई-

ओह! बर्फ की दीवार! रकारक मेरे और डिलों के बीच में बर्फ कैसे आ गई ?

बुध गढ़ की शीत किरणों की मदद से, वायुमंडल में मौजूद नमी को जमाकर ध्रुव!



जास्त्रेदमस ! तूत यहाँ पर क्या कर रहे हो ?

ये बातें बाद में भी कर लेंगे, ध्रुव! फिलहाल तो इस मुसीबत को रोकना ज्यादा जरूरी है।

'सप्ट्रायड-बेल्ट' की चट्टानों के वार से!

नास्त्रेदमस मेरी मदद क्यों कर रहा है?

चट्टानों के वार ने 'मोल' की हवा में ही उछालकर पीछे फेंक दिया-

ओह! ये तो ध्रुव के साथ मिलकर मुझ पर हमला कर रहा है...

... यानी मोल को अपनी सबसे शक्तिशाली पॉवर का इस्तेमाल करना होगा! दिल के जरिए जमीन में सुरंग बना सकने की पॉवर!

ये तो जमीन में घुस गया ध्रुव!

शायद ये भागना चाहता है, नास्त्रेदमस!

ध्रुव! पैरों के नीचे...

...जमीन हिल रही है!

मोल!

ओफ! बाल-बाल बचा!





इसका 'स्टील-सूट' हर जगह से बन्द है। सिवाय आंखों के! और आंखों पर हमला करने के लिए मुझे जो चीज चाहिए वह इस पेट्रोल टैंकर में जरूर होगी।

ध्रुव टैंकर की तरफ लपका-

कुछ सेकंडों बाद- जब ध्रुव टैंकर से बाहर कूदा तो उसके हाथ में अग्निशमक यंत्र था-★

मिल गया। अब देखते हैं कि मोल बाहर कहां से निकलता है!

★ आग बुकाने वाला यंत्र-

'मोल' द्वारा बनाई जा रही सुरंग के कंपनों की भांपती हुई चिड़िया स्कास्क उड़ने लगी-



चिड़िया उड़ने लगी! यानी कंपन इसके पास आ रहे हैं। मोल यहीं कहीं से बाहर निकलेगा।

मोल के बाहर निकलते ही ध्रुव उसके लिए तैयार था-

आंखों में जलन से बेहाल मोल, बिना देखे हवा में उड़ा-

और उसी पल 'स्टार-लाइन' उसके पैर में आ फंसी-



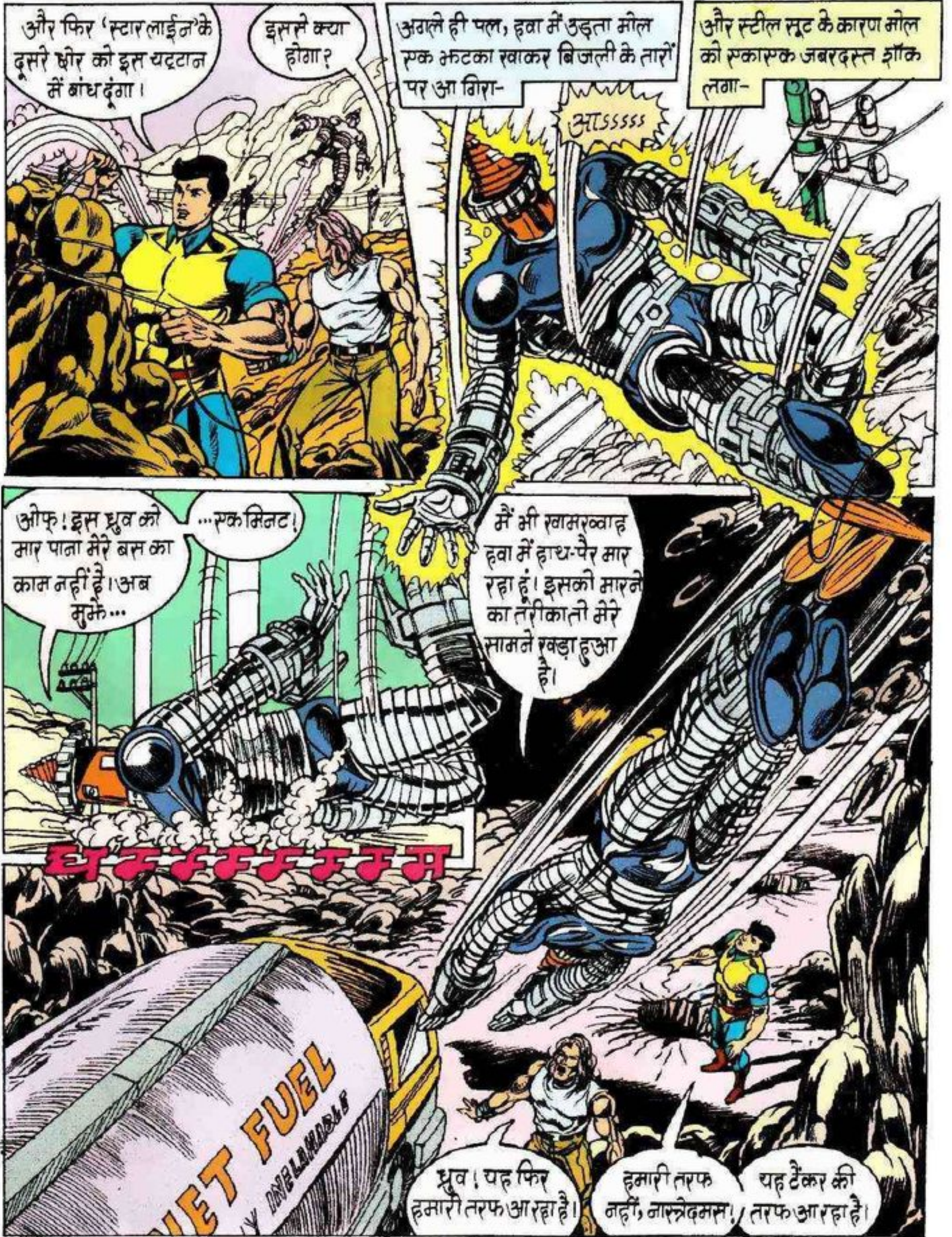
आह! मेरी आंखें!

फिर...

घबराओ मत मोल! यह आग बुकाने वाली फोन है!

यह तुम्हारी आंखों की फोड़ेगी नहीं, सिर्फ थोड़ी देर के लिए जलन पैदा कर देगी!

अब मैं इसकी उन बिजली के तारों तक उड़ने दूंगा!



कड़म

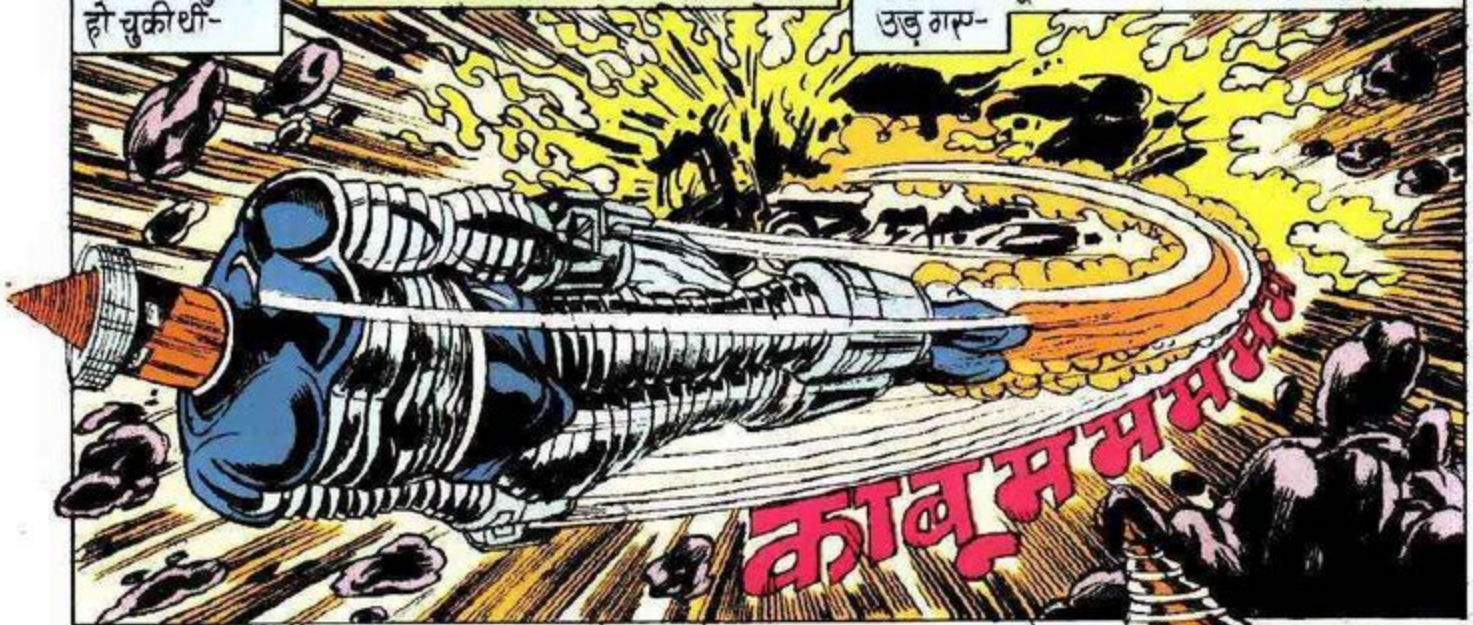
ध्रुव को जब तक कुछ समझ में आ पाता-



तब तक बहुत देर हो चुकी थी-

एक भीषण धमाके के साथ टैंकर फट पड़ा-

दो सौ मीटर दूर तक की चट्टानों और पेड़ हवा में उड़ गए-



इस विस्फोट से किसी का भी बच पाना असंभव था-

हा हा हा ! खत्म हो गया ध्रुव ! पूरा ही गया मेरा कांट्रैक्ट । देर से ही सही अक्ल आई मुझे, लेकिन दुरुस्त आई । हा हा हा हा ।

हा हा... हा ? हाई !

अचानक मोल की हंसी पर ब्रेक लगा गया-

क्योंकि आग के हल्का होते ही सामने नजर आ रहे थे-

ध्रुव और उसका दोस्त! तुम... तुम दोनों धमाके से बच कैसे गए?



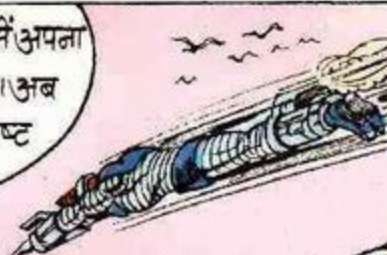
हमारे बचने का रास्ता तो तुम खुद ही बनाकर गए थे मौल!... ये सुरंगों...

... धमाका होने के एक सेकंड पहले ही हम दोनों इन सुरंगों में घुस गए थे।



तुमको मारना असंभव है, लड़के!...

... अब मैं तुमको मारने में अपना समय खराब नहीं करूंगा। अब मैं जाकर रॉकेट की ही नष्ट कर देता हूँ।



यह क्या कह रहा था? रॉकेट की नष्ट करेगा! पर क्यों?

वह तो पता कर ही लेंगी। पहले तुम बताओ कि तुम नारका जेल से छूटकर आए हो या भागकर?

भागकर! क्योंकि मुझे सुपर गोवा से बदला लेना था। लेकिन बाहर निकलकर अखबार पढ़ा तो मेरा मनसूदा ही बदल गया। ★

तुम तो जानते ही हो कि मैं पेडीवर अपराधी नहीं हूँ। अपराधी तो मुझे डॉक्टर साहा की वजह से बनना पड़ा। और अभी जो मैंने तुम्हारी मदद की, वह भी साहा के कारण ही करी।



★ सुपर गोवा के बारे में जानने के लिए पढ़ें - 'अंधी मौल'



...उसके छुपने की जगह का रास्ता जरूर उधर से ही जाता होगा...



टार फिलहाल इस षड्यंत्र में शामिल नहीं था-

लेकिन जल्दी ही होने वाला था-



अब हमको बहुत जल्दी काम करना होगा। यह जगह खतरनाक बनती जा रही है।...

और फिर उस लड़के ने मेरे 'डिस्ट्रक्टर' पर वार किया। सारे पुर्जे नष्ट हो गए।

खैर! कंपन तरंगें छोड़ने वाला हिस्सा तो मैंने ठीक कर लिया है। थोड़ी ही देर में अवश्य होने वाला हिस्सा भी ठीक कर लूंगा।

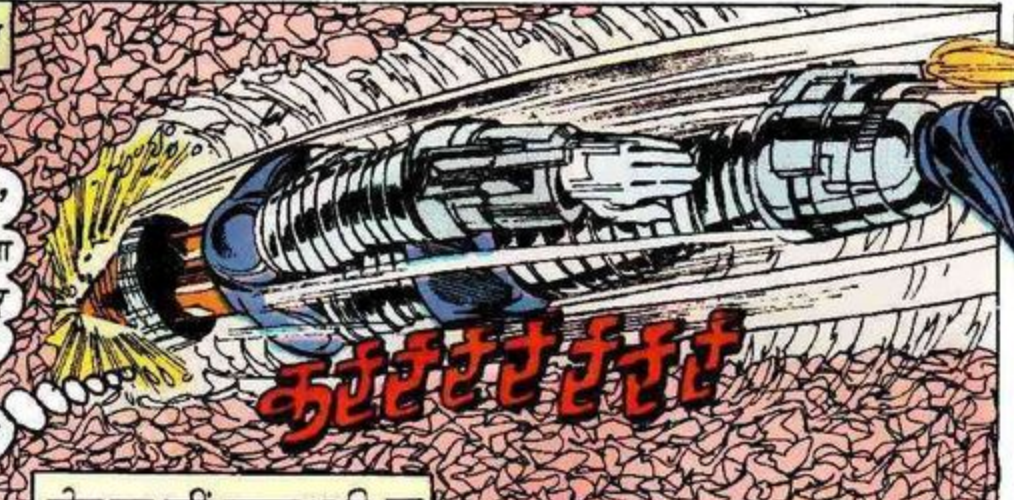


...देरवी न! जमीन भी हल्की-हल्की कंप रही है। कुछ गड़बड़ तो नहीं?

ऊपर मशीनी काम चल रहा है, नाडारा! उसी के कंपन होंगे!

टार का ख्याल गलत था। ये कंपन दूसरे कारण से हो रहे थे-

रॉकेट को नष्ट करने का सबसे अच्छा तरीका यही है! 'रॉकेट-साइट' के नीचे मैं सुरंगों का ऐसा जाल बना दूंगा कि यह जमीन रॉकेट का और 'रॉकेट कंट्रोल सेंटर' का बोझ ही न संभाल सके। थोड़ी ही देर में यह जगह 'रॉकेट-साइट' के बजाय मलबे का ढेर बन जाएगी।



मौल यह नहीं जानता था कि वह सुरंग खोदते-खोदते उस जगह के काफी पास आ गया था...

... जहां पर वह अंतरिक्ष यान जमीन के नीचे दबा हुआ था-



आंखें बन्द होने के कारण न तो मोल यह दृश्य देख पाया, और न ही दिल के झोर में टार और नाहारा की आवाजें सुन पाया-

लेकिन मुसीबत
उसके पीछे लग चुकी थी-

नाहारा! मेरी प्रिय! अब
मैं किसी को नहीं छोड़ूंगा।
सबसे पहले मैं इस दुष्ट को
दुंदकर मारूंगा, जिसने तुम्हें
घायल किया। और फिर
कंपन तरंगों से इस पूरी
जगह को नष्ट कर
दूंगा।

ध्रुव भी मोल की तलाश में
पहाड़ी नदी के पास पहुंच चुका
था-

यहां पर तो ऐसा
कुछ भी नजर नहीं
आ रहा है, जो मोल
से संबंधित हो!

कहीं मैं
गलत तो नहीं...

...आह!

तू यहां पर
फिर आ गया?

धड़क

ताड़

आह! रुकी, तुम
गलत समझ...

जरूर तू भी उसी 'मैटलमैन'
के साथ आया है, जो उड़कर
सुरंगों खोदता है।...

... बोल! कहां है
वह दुष्ट 'मैटलमैन' जो मेरी
साथी की घायल कर गया है?

मैं भी उसी की
तलाश में आया हूँ। वह मेरा
भी दुश्मन है!



तुम्हारा भी दुश्मन ?
तुम झूठ तो नहीं बोल
रहे हो ?

ध्रुव झूठ नहीं बोलता !
लेकिन तुम आखिर हो कौन ?
यहां पर क्या कर रहे हो ?

मुझे बताओ। शायद
मैं तुम्हारी मदद कर सकूँ।

उस गैस के संपर्क में आने
से हमारे कुछ विशेष पुर्जे
खराब हो गए, और इस वजह
से जो शॉर्ट-सर्किट हुआ, उससे
यान का पूरा इंजन खराब
हो गया...

हमारा यान एक उल्का की
तरह आकर यहां पर गिरा
और जमीन में धंस गया।
लेकिन गढ़ देवता की कृपा
से हमारे यान के बाकी सिस्टम
काम कर रहे थे।



उनकी मदद से हमने मिट्टी को अन्दर
खींचकर जमीन को वापस समतल कर दिया। तबसे
हम लगातार अपने गढ़ पर 'हार्डपर सिग्नल' भेजने
की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन यह ओजोन पर्त
हमारे सिग्नलों को अपने पार जाने नहीं दे रही है।



यह तो बताने की जरूरत
शायद नहीं है कि मैं इस गढ़ का
प्राणी नहीं हूँ। मैं इस आकाश
गंगा के दूसरे छोर से आया हूँ।
मेरा नाम टार है।

मैं एक खोजी हूँ। एक
अन्वेषक, अन्तरिक्ष में गढ़ों
पर जीवन की खोज करता हूँ।
तुम्हारे गढ़ पृथ्वी के पास भी
इसी तलाश में आया था।

लेकिन तुम्हारे गढ़ को अपने घेरे
में रखने वाली एक गैस, जिसे तुम लोग
'ओजोन' कहते हो, हमारी दुश्मन साबित हुई।

हमको यहां पर दो साल हो
चुके हैं। इतने दिनों में हम
टी.वी. की मदद से तुम्हारी
भाषा भी सीख चुके हैं।

फिर जब हमको पता चला कि
यहां पर रॉकेट बन रहा है तो
हमने इसी रॉकेट के द्वारा अपने
गढ़ तक जाने की सोची। मैं
रॉकेट के बारे में विस्तार से पता
करने के लिए ही, अदृश्य
रूप में वहां तक गया था। जब
तुमने मुझे देखा!

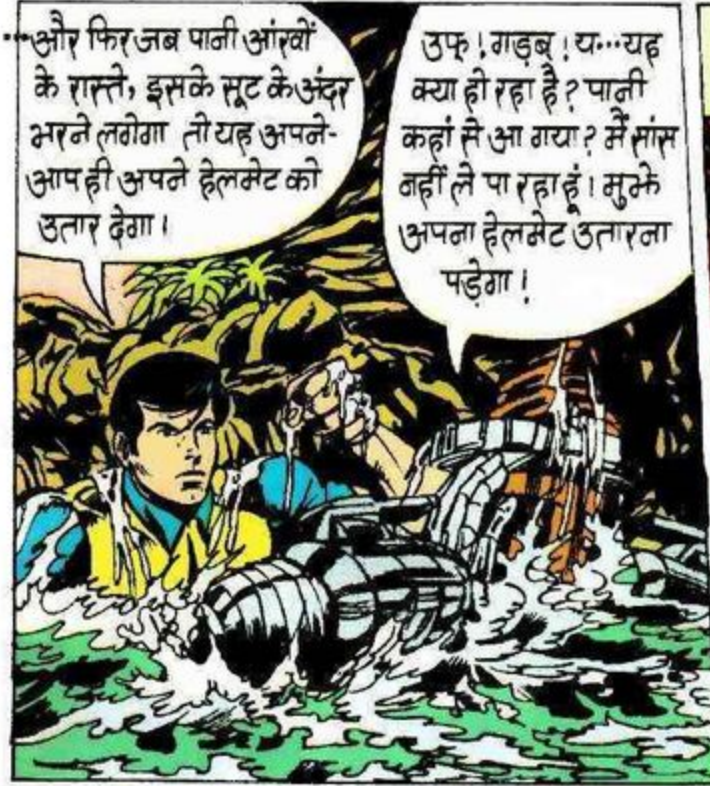


वह पृथ्वीवासी बंझल
नीचे कैसे गिरा, इसका
मुझे कुछ पता नहीं!

ओह! लेकिन इस रॉकेट पर तुम
अपने गढ़ तक नहीं जा सकते, टार! हम
अभी इतनी दूर तक जा सकने वाले रॉकेट
को नहीं बना सकते!







ध्रुव ने नास्त्रोबमस की संक्षिप्त रूप में टार के बारे में बता दिया-

अब तुम मुझे बताओ कि तुम वे सुबूत ला पाए या नहीं, जो डॉक्टर साहा को अपराधी सिद्ध कर सकें ?

ये देरवो! रॉकेट के डिजाइनों की जेराक्स कॉपी। इसको मैं साहा के पर्सनल कैबिनेट से उड़ा कर लाया हूँ।

इस पर जहाँ-जहाँ पर गोलें लगी हैं, ये वो स्थान हैं, जहाँ पर कुछ खास पुर्जों को होना चाहिए था। पर वो पुर्जे रॉकेट में नहीं हैं।

लाया हूँ न!
अभी दिखता हूँ।

अगर तुमकी इस पर भी विश्वास न हो तो मैं साहा के पर्सनल कंप्यूटर में से रॉकेट के अंदरूनी भाग की 3-D डिजाइनों की कॉपी भी बना लाया हूँ। इसकी देखकर तुमको सब कुछ साफ पता लग जाएगा।

ये सही कह रहा है, ध्रुव! अदृश्य रूप में रॉकेट सेंटर जाने से पहले मैंने भी रॉकेट को चेक किया था। हालांकि रॉकेट अभी पूरा नहीं बना है, फिर भी जो हिस्से पूरे बन चुके हैं, उनमें कई महत्वपूर्ण पुर्जे नहीं लगे हैं।

... मैं समझा कि शायद तुम्हारे यहां की रॉकेट तकनीक कुछ और ही होती होगी।

अगर मैं तुम दोनों की बात पर यकीन कर लूँ तो भी साहा की रंगी हाथों पकड़ने का रस्क ही रास्ता है।

ये रॉकेट मंगल ग्रह तो क्या, पृथ्वी के पार के अंतरिक्ष तक भी बड़ी मुश्किल से जा पाएगा।

मैंने इस बात पर ध्यान इसलिये नहीं दिया, क्योंकि मैं तुम्हारे ग्रह के विज्ञान के बारे में ज्यादा नहीं जानता...

और वह यह है...
... कि मैं इस रॉकेट में बैठकर उड़ान भरूँ।

यह तुम क्या कह रहे हो ध्रुव ? इसमें तुम्हारी जान की खतरा है। यह रॉकेट पृथ्वी पर वापस गिरके नष्ट भी हो सकता है।

और अगर मैं ऐसा नहीं करूंगा तो साहा साफ बच निकलेगा। पूछे जाने पर वह पुर्जे या तो रॉकेट में लगा देगा और या फिर इस दोष को किसी और के माथे पर डाल देगा।



नहीं, नास्त्रेदमस! अगर मुझे साहा की रंगी हाथों पकड़ना है...

... तो मुझे इस रॉकेट में उड़ान भरनी ही होगी।

तो फिर तुम सीधा ऊपर जाओगे। मंगल ग्रह से भी बहुत आगे।

सीधे या तो स्वर्ग में या नर्क में।

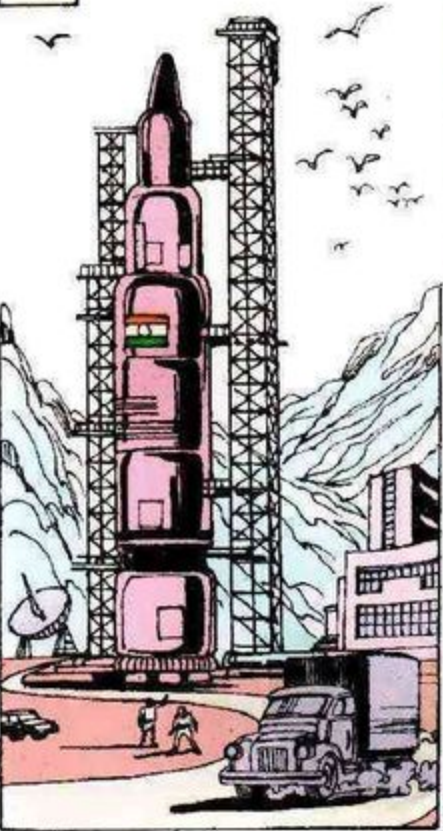
मेरे पास एक योजना है।... लेकिन उसमें मुझे टार की मदद चाहिए।



तुमने मौल को पकड़कर मुझ पर अहसान चुकाने का मौका मिलने किया है ध्रुव !...

... इस अहसान को पर मुझे खुशी ही होगी।

और आखिरकार- वह दिन भी आ गया, जब रॉकेट उड़ान के लिए तैयार था-



रॉकेट के अंदर- ध्रुव भी उड़ान के लिए तैयार था-



उल्टी गिनती यानी काउंट-डाउन शुरू हो चुका है, ध्रुव! रॉकेट उड़ने में सिर्फ बीस मिनट बचे हैं।

रॉकेट उड़ने के एक मिनट पहले इंजन स्टार्ट हो जाएंगे। फिर ध्रुव के कारण तुमकी कुछ दिरवाई नहीं देगा। इसीलिए अपनी मातृभूमि की आखिरी बार ध्यान से देख लो। मेरा मतलब, जब तक तुम वापस न आओ, तब तक के लिए।

और हां! तुमकी कंट्रोल पैनेल धूने की कोई जरूरत नहीं है। रॉकेट ऑटोमैटिक पायलट पर सेट है।

अब मैं नीचे जाकर 'कंट्रोल सेंटर' से तुम्हारी इस ऐतिहासिक यात्रा को देखूंगा।

गुड लौक, ध्रुव! थैंक्यू, डॉक्टर साहा, थैंक्यू!

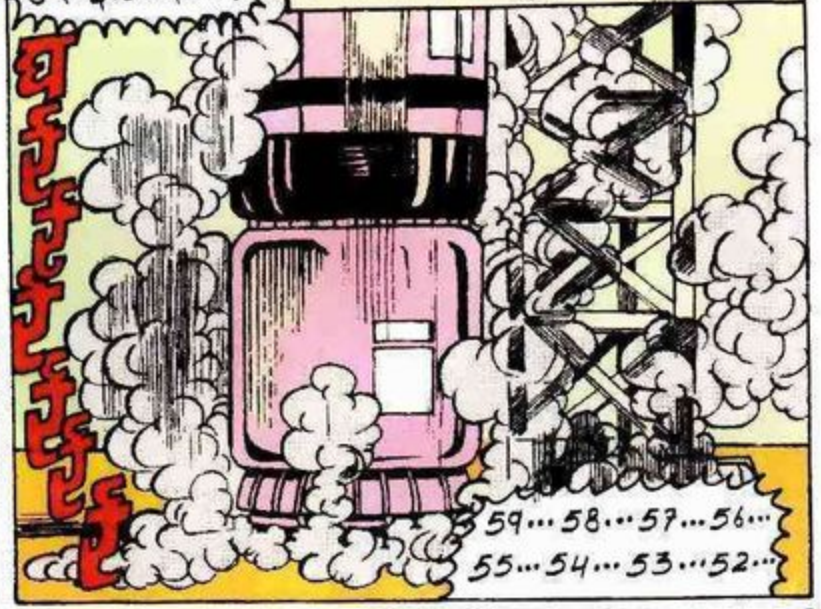
काउंट डाउन जारी था-



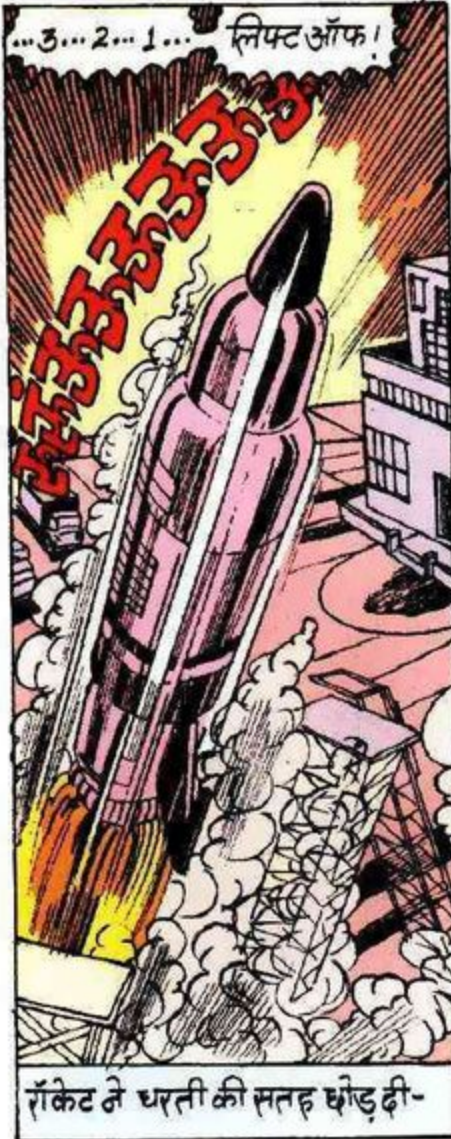
... 63... 62... 61...
यान के उड़ने में 60
सेकंड हैं। ...

... यानी एक मिनट!
आल इंजिन स्टार्ट!

रॉकेट के इंजन स्टार्ट हो गए! धुसं के बादलों
ने यान को घेरना शुरू कर दिया-



59... 58... 57... 56...
55... 54... 53... 52...



... 3... 2... 1... लिफ्ट ऑफ!

रॉकेट ने धरती की सतह छोड़ दी-



सारे सिस्टम सामान्य
रूप से काम कर रहे हैं।

पचास सेकंड बाद यान
से हमारा वीडियो संपर्क
भी कायम हो जाएगा।

वीडियो स्क्रीन ऑन
कर दो।



वीडियो स्क्रीन ऑन होने के कुछ ही सेकंडों
बाद, उस पर धुस का चेहरा उभर गया-

ओह! तुम तो उठ
कर कुर्सी पर बैठ भी
चुके हो धुस!
कैसा महसूस कर
रहे हो?

बहुत अच्छा
डॉक्टर साहब!

इस समय तुम सतह से लगभग तीस किलोमीटर की ऊंचाई पर हो। थोड़ी ही देर में तुम्हारा रॉकेट पृथ्वी की कक्षा में आ जाएगा।...



... और फिर शुरू होगा तुम्हारी यात्रा का दूसरा चरण। पृथ्वी की कक्षा से 'स्पेस सर्विस स्टेशन' तक की यात्रा। वहां से...



क्या हुआ, ध्रुव?

डॉक्टर साहब! रॉकेट अपने पथ से भटक गया है। वापस घूम रहा है।...



डॉक्टर साहब! रॉकेट अपने पथ से भटक गया है। वापस घूम रहा है।...

...यह... यह तो पृथ्वी की तरफ गिर रहा है।



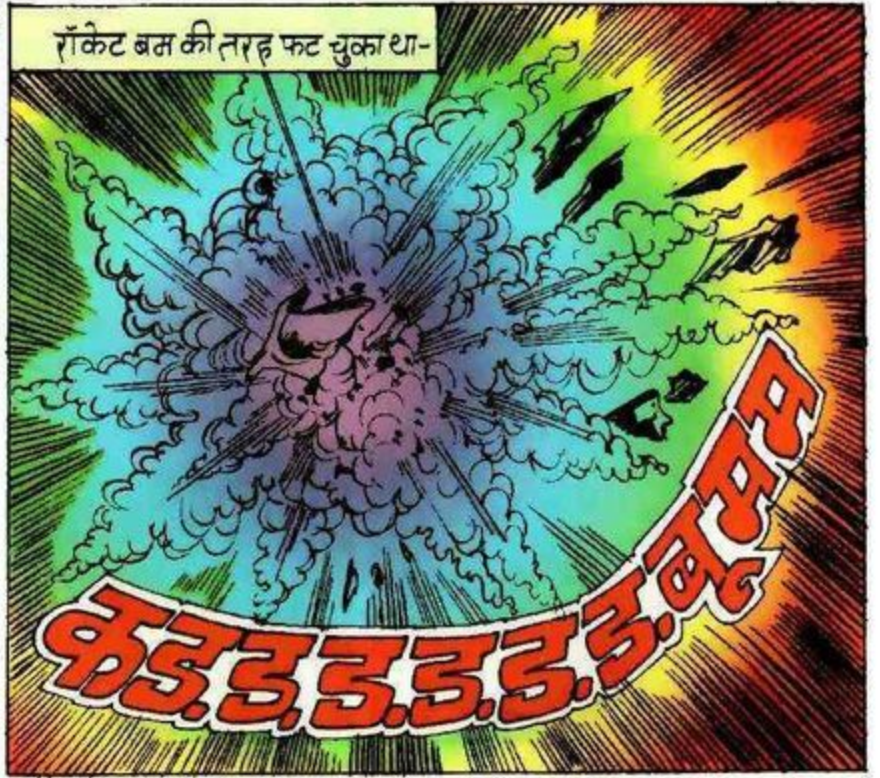
रॉकेट तेजी से पृथ्वी की सतह की तरफ बढ़ा। और पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करते ही, हवा की रगड़ से, रॉकेट की ऊपरी सतह गर्म होकर लाल होने लगी-



पृथ्वी की सतह तक पहुंच पाने से बहुत पहले ही रॉकेट में लगी आग के कारण-



रॉकेट बम की तरह फट चुका था-



कंट्रोल-सेंटर में कुछ पलों तक मौत का-सा सन्नाटा छाया रहा-

और फिर डॉक्टर साहा की कड़कती आवाज गूँजी-

रॉकेट गिर गया। मेरा प्रोजेक्ट असफल हो गया। नहीं। यह नहीं हो सकता। जरूर मेरे रॉकेट के साथ किसी ने छेड़खानी करी है। मैं एक हार्ड पॉवर कमीशन बिठाऊंगा। इन्कवायरी करूंगा।



ओह, ध्रुव! मैंने तुमको मौत के मुँह में भेज दिया। यह क्या किया मैंने!

धरती ने आज अपना रक्त लाल रंग दिया।

सुबक!



दूरदर्शन पर रॉकेट की उड़ान का सीधा प्रसारण देर रहे दर्शक भी अपने को संभाल नहीं सके-



मम्मी! भइया उस रॉकेट में क्यों गया? क्यों गया? बोलो न!

ओह! मेरा बेटा ध्रुव! क्या तेरा मेरा साथ दूतने ही दिन का था?



राजनगर पूरी तरह से शोक में डूब गया-



लेकिन राजनगर के कई हिस्सों में ठहाके भी गूंज रहे थे-



रॉकेट में लगाने वाले आधे से भी ज्यादा पुर्जों के पैसे बचाकर हम अरबपति बन गए हैं। और सबसे मजे की बात तो यह है कि हमारे खिलाफ सारे सबूत नष्ट हो चुके हैं।



और अब कभी खुलवा भी नहीं पाएगा। क्योंकि उसकी खुद की जुबान ही हमें इसके लिए बंद हो चुकी है।



लेकिन मेरे मरने से तुम्हारी जुबान काफी तेजी से चल रही है।

धुव! धुव! तुम... तुम तो मर चुके हो। यह तुम नहीं हो सकते!



जब धुव ने मोल को पकड़ लिया था, तो मैं थोड़ा सा डर गया था। लेकिन धुव मोल की जुबान खुलवा नहीं पाया...

अगर मैंने तुम्हारे रॉकेट पर उड़ान भरी होती, तो मैं जरूर मर चुका होता।





लेकिन मैंने तुम्हारे रॉकेट पर तो उड़ान भरी ही नहीं साह।

उड़ान नहीं भरी! यह कैसे हो सकता है! मैं खुद तुमको रॉकेट में बैठाकर आया था।...

उसके बाद वीडियो पर हम सब लोग, तुमको रॉकेट के अन्दर बैठे हुए भी देख रहे थे।

तो क्या तुम अंतरिक्ष में रॉकेट से बाहर निकल गए?



अंतरिक्ष में नहीं! तुमको याद होगा कि रॉकेट उड़ने के एक मिनट पहले इंजन स्टार्ट कर दिए गए थे। चारों तरफ धुआं ही धुआं हो गया था।

मैं उसी धुआं की आड़ में रॉकेट उड़ने के पचास सेकंड पहले रॉकेट से बाहर आकर एक गुप्त स्थान पर चला आया था।



और वह गुप्त स्थान था टार का दुर्घटनाग्रस्त अंतरिक्ष यान।

त...तो वीडियो पर हम लोग तुमको रॉकेट के अंदर बैठा हुआ कैसे देख रहे थे?

वे वीडियो सिग्नल रॉकेट से नहीं, बल्कि कहीं और से भेजे जा रहे थे, वेकट!

और उस प्रसारण में मैं तो असली था, लेकिन मेरे पीछे के दृश्य, यानी रॉकेट के अन्दर का सीन, कंप्यूटर पर बनाया हुआ वह 3-D डिजाइन था...



... जो तुम्हारे कंप्यूटर पर ही बनाया गया था, और जिसके आधार पर इस असली रॉकेट को हब हू वैसा ही बनाया गया।

उस वीडियो प्रसारण में मुझे उन 3-D डिजाइनों के साथ मिश्रित करके ऐसा आभास दिया गया था मानो मैं रॉकेट में ही बैठा हुआ हूं।

पर...पर उन 3-D डिजाइनों की फ्लोपी तुम्हारे पास आई कैसे?

ये प्रसारण और सिक्सिंग, सिर्फ टार की स्पेस शिप के अत्याधुनिक सिस्टमों द्वारा ही संभव हो पाई!

वे फ्लोपी धुव को लाकर मैंने दी थी साह।

नास्त्रेदमस! तू तो तू है फ्लोपी चोर!





मेरा काम पूरा हो गया, ध्रुव! अब मैं अपने-आप वापस नगर का जेल चला जाऊंगा।

मैं तुम्हारा केस फिर से रबुलवाकर तुम्हारी सजा को माफ कराने की कोशिश करूंगा नान्नेदमस!

और फिर बाद में-

राजनगर के एक सुनसान तट पर-

यहां से थोड़ी दूर पर समुद्र के अन्दर एक अंतरिक्ष यान डूबा हुआ है टार! उसमें कुछ समय पहले क्यूसरी नाम की एक वैज्ञानिक दूसरे गढ़ से आई थी।★



बाद में, उसके गढ़ वाले पृथ्वी पर आकर उसकी दूसरे यान में वापस ले गए।

उस यान में कोई खराबी नहीं है। सिर्फ ईंधन की कमी के कारण वह यान यहां पर आ गिरा था।

वह यान हमारे ईंधन से शायद चल जाय, ध्रुव! हमकी वहां तक ले चलो!



थोड़ी ही देर बाद टार और नाडारा, क्यूसरी के अंतरिक्ष यान में प्रवेश कर रहे थे-



और फिर-



वाह! टार के यान का ईंधन काम कर गया! कौन जानता था कि ये दूसरे गढ़ वाले एक षड्यंत्र की विफल करने में मेरी मदद करेंगे, और फिर मैं इनको, इनके गढ़ तक जाने में मदद करूंगा।

अलविदा, टार और नाडारा!

